THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 42 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **वैशाख कृ.11 2081 शनिवार, 4 मई-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16** **मूल्य : 8 रुपये**

बंगाल के राज्यपाल को मिला दिलीप घोष का साथ

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया गया है। उनके पक्ष में अब भाजपा के पूर्व राज्य प्रमुख दिलीप घोष ने कहा कि यह टीएमसी की राजनीति है। उन्होंने कहा कि टीएमसी कितना नीचे गिर गई है कि संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों का अपमान करने लगी है।

कोलकाता में राजभवन की एक कर्मचारी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने उसका यौन उत्पीड़न किया है। महिला ने कोलकाता की हेयर स्ट्रीट पुलिस से संपर्क कर बंगाल के राज्यपाल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। अब इस पर भाजपा के नेता राज्यपाल के पक्ष में आए हैं।

'डरो मत, भागो मत'

> राहुल गांधी के अमेठी छोड़कर रायबरेली से नामांकन भरने पर पीएम मोदी का तंज

कोलकाता, 3 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के बर्धमान में हुंकार भरी। चुनाव प्रचार के दौरान यहां उन्होंने एक रैली को भी संबोधित किया। इस रैली में पीएम मोदी ने विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधते हुए बताया कि वह जनता की सेवा करने के लिए पैदा हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि उनका सपना केवल जनता के सपनों को पूरा करना है। इस रैली में पीएम मोदी ने राहुल गांधी के रायबरेली से लोकसभा चुनाव लड़ने के फैसले पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी डर के कारण रायबरेली भाग गए। पीएम मोदी ने कांग्रेस सांसद से कहा, 'डरो मत, भागो मत'। रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मुझे देश ने और आप सबने इतना आशीर्वाद दिया है।

शायद कोई इंसान अपने जीवन में ऐसी कल्पना तक नहीं कर सकता है कि ईश्वर रूपी जनता जनार्दन इतने आशीर्वाद बरसाएं और लगातार बरसाएं और वर्षों से ये आशीर्वाद बढ़ता ही जा रहा है। जीवन में इससे बड़ा संतोष क्या होता है। उन्होंने आगे कहा, मैं मौज करने के लिए पैदा नहीं हुआ हूं और न ही मैं खुद के लिए जीना नहीं चाहता हूं। मैं केवल आपकी सेवा का संकल्प लेकर, महान भारत माता के 140 करोड़ देशवासियों की सेवा करने के लिए निकला हूं। मोदी विकसित भारत बनाने के लिए, आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए दिन-रात एक किए हुए है। ये मैं अपने लिए नहीं, बल्कि अपनों के लिए कर रहा हूं। मेरे अपने मतलब- मेरा भारत, मेरा परिवार। आपके सपनों के लिए संकल्प लेकर जी रहा हूं। विपक्षी पार्टियों टीएमसी, कांग्रेस और लेफ्ट पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इन पार्टियों के पास विजन नहीं है। उन्होंने लेफ्ट पर पड़ोसी राज्य त्रिपुरा को तबाह करने का आरोप लगाया।

सिसोदिया की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट का ईडी-सीबीआई को नोटिस

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट में आप नेता और पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने ईडी-सीबीआई को नोटिस देकर जवाब मांगा है। साथ उन्हें बीमार पत्नी सीमा से हफ्ते में एक बार मिलने की परमिशन भी दी है। मामले की अगली सुनवाई 8 मई को होगी।

ट्रायल कोर्ट से बेल खारिज होने के बाद सिसोदिया ने 30 अप्रैल को एक्टिंग चीफ जस्टिस मनमोहन और जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की बेंच के सामने याचिका लगाई थी। सिसोदिया ने दिल्ली शराब नीति से जुड़े प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मनी लॉन्ड्रिंग और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के भ्रष्टाचार मामले में दो याचिकाएं लगाई हैं।

सुप्रीम कोर्ट केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर विचार करने को तैयार

> चुनाव के चलते 7 मई को सुनवाई करेंगे
> गिरफ्तारी वाली याचिका में समय लग सकता है

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। दिल्ली शराब नीति मामले में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और रिमांड पर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार 3 मई को दो घंटे बहस हुई। जस्टिस संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की बेंच ने कहा कि लोकसभा चुनाव को देखते हुए केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर विचार किया जा सकता है।

बेंच ने कहा कि मेन केस यानी जिसमें केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी और रिमांड को चुनौती दी है, इसमें समय लग सकता है। इसलिए चुनाव को देखते हुए हम उनकी अंतरिम जमानत याचिका पर सुनवाई पर विचार कर सकते हैं। 7 मई को इस पर सुनवाई करेंगे। इससे पहले केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि 16 मार्च तक वे (दिल्ली के सीएम) आरोपी नहीं थे, अचानक इसमें क्या बदलाव हुआ? इस पर जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि जब तक आपको (केजरीवाल को) गिरफ्तार नहीं किया जाता, तब तक आरोपी नहीं हैं। 30 अप्रैल की सुनवाई में कोर्ट ने केजरीवाल की गिरफ्तारी की टाइमिंग पर सवाल उठाए थे और पूछा था कि चुनाव से ठीक पहले ही गिरफ्तारी क्यों हुई। कोर्ट ने ईडी से 4 और सवालों के जवाब मांगे थे। कोर्ट ने केजरीवाल से भी सवाल किया गया था कि आपको ईडी ने जो नोटिस भेजे, आपने उन्हें नजरअंदाज क्यों किया। आप गिरफ्तारी और रिमांड के खिलाफ यहां आए, आपने जमानत के लिए ट्रायल कोर्ट क्यों नहीं गए।

एचडी रेवन्ना-प्रज्वल पर नए मामले दर्ज

बेंगलूरू, 3 मई (एजेंसियां)। अश्लील टेप मामले में जेडीएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज किया गया है। इसके अलावा पूर्व कर्नाटक मंत्री एचडी रेवन्ना और उनके बेटे एवं हासन के सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ एक युवक ने शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के आधार पर दोनों के खिलाफ नए मामले दर्ज किए गए हैं। युवक ने आरोप लगाया कि प्रज्वल ने उसकी मां को वीडियो वायरल होने के बाद अपहरण कर लिया था। बता दें कि एचडी रेवन्ना ने शुक्रवार को बेंगलूरू सत्र अदालत में अपनी जमानत याचिका वापस ले ली। दरअसल, एसआईटी ने अदालत को बताया कि उनके खिलाफ दर्ज मामले में कोई गैर-जमानती आरोप नहीं हैं।

इससे पहले इस मामले में प्रज्वल के खिलाफ कर्नाटक पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने मामला दर्ज किया था। प्रज्वल रेवन्ना पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते हैं। उन्हें एफआईआर में एकमात्र आरोपी के तौर पर नामित किया गया है। एसआईटी की टीम ने गुरुवार को मजिस्ट्रेट की अदालत में एफआईआर सौंपी। प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 376 के तहत मामला दर्ज किया गया है। इसमें धारा 376(2)(एन), 506, 354ए(1)(ii), 354(बी) एवं 354(सी) और आईटी अधिनियम की धाराएं भी शामिल हैं। >14

सोशल मीडिया पर मॉर्फ्ड वीडियो पोस्ट करने के आरोप में पांच गिरफ्तार

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने सोशल मीडिया पर मॉर्फ्ड वीडियो पोस्ट करने के आरोप में पेंड्याला वम्शी कृष्णा, मन्ने सतीश, पेट्टम नवीन, अस्मा तसलीम और कोया गीता गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी हैदराबाद निवासी है।

टीपीसीसी की सोशल मीडिया यूनिट में काम करते हैं सभी आरोपी

आरोपियों पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा सिद्दीपेट में अपने चुनाव अभियान और सार्वजनिक बैठक के दौरान दिए गए भाषण का मॉर्फ्ड वीडियो प्रसारित करने का आरोप है। पुलिस उपायुक्त, साइबर अपराध, हैदराबाद शहर दारा कविता ने बताया कि बीते 27 अप्रैल जी. प्रेमेंद्र रेड्डी, भाजपा राज्य महासचिव से एक शिकायत प्राप्त हुई, जिसमें उन्होंने कहा कि तेलंगाना कांग्रेस प्रदेश कांग्रेस पार्टी ने अपने ट्विटर अकाउंट पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी का मॉर्फ्ड/फर्जी वीडियो पोस्ट किया है। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष और उनके सोशल मीडिया द्वारा अमित शाह के भाषण को छेड़छाड़/मनगढ़ंत करके आई.टी. एक्ट के तहत अपराध किया गया है। जानबूझकर और शरारती कृत्य का उद्देश्य लोगों और मतदाताओं को गुमराह करना और ओबीसी समुदायों में भय पैदा करना है। >14

तेलंगाना सीएम को दोबारा भेजेंगे नोटिस

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के फेक वीडियो शेयरिंग करने के मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल यूनिट की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस (आईएफएसओ) के सामने किसी भी राजनीतिक दल का एक भी सदस्य पेश नहीं हुआ। पुलिस के मुताबिक, इस केस में झारखंड, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश राज्यों के कई राजनीतिक दलों के लगभग 22 लोगों को नोटिस दिया गया। इन सभी को गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार को पुलिस के सामने पेश होने कहा गया है।

शाह के फर्जी वीडियो को अपलोड और शेयर करने के मामले में दिल्ली पुलिस, तेलंगाना कांग्रेस के सदस्यों को दूसरा नोटिस जारी कर सकती है। तेलंगाना कांग्रेस के चार सदस्य बुधवार को आईएफएसओ ऑफिस नहीं पहुंचे थे। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के चार सदस्यों- शिव कुमार अंबाला, अस्मा तसलीम, सतीश मन्ने और नवीन पेटम को सीआरपीसी की धारा 91 और 160 के तहत समन जारी किए गए हैं।

राहुल गांधी ने रायबरेली से नामांकन किया

> सोनिया-प्रियंका मौजूद रहीं, प्रियंका बोलीं-हम सेवा की राजनीति वापस चाहते हैं

रायबरेली/अमेठी, 3 मई (एजेंसियां)। राहुल गांधी ने रायबरेली से नामांकन कर दिया है। उनके साथ सोनिया गांधी, बहन प्रियंका गांधी, जीजा रॉबर्ट वाड्रा मौजूद रहे। किशोरी लाल शर्मा ने भी अमेठी से नॉमिनेशन कर दिया है।

कांग्रेस ने नॉमिनेशन के आखिरी दिन रायबरेली से राहुल और अमेठी से किशोरी लाल के नाम का ऐलान किया। किशोरी सोनिया गांधी के भरोसेमंद माने जाते हैं। शुक्रवार सुबह 9 बजे राहुल परिवार के साथ दिल्ली से रायबरेली के लिए रवाना हुए। साढ़े 10 बजे अमेठी-रायबरेली बॉर्डर पर स्थित फुरसतगंज एयरपोर्ट पर उतरे। एयरपोर्ट से सोनिया, राहुल और रॉबर्ट वाड्रा रायबरेली कांग्रेस कार्यालय पहुंचे, जबकि प्रियंका और राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत अमेठी गए। यहां किशोरी लाल के साथ रोड शो किया। प्रियंका ने कहा, हम अमेठी में एक बार फिर सच्चाई और सेवा की राजनीति वापस लाना चाहते हैं। अब मौका आ गया है। ये आपका चुनाव है, आप लड़ेंगे, आप जिताएंगे। नामांकन से पहले राहुल गांधी ने कांग्रेस कार्यालय में पूजा की। इसके बाद काफिले के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे और नामांकन दाखिल किया। भाजपा ने रायबरेली से योगी सरकार में मंत्री दिनेश प्रताप सिंह को टिकट दिया है, जबकि अमेठी से स्मृति ईरानी लड़ रही हैं। अमेठी से दावेदारी छोड़ने पर यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने राहुल पर तंज कसा। उन्होंने कहा, राहुल अमेठी से पलायन करके वायनाड गए। रायबरेली की जनता समझ चुकी है, ये रणछोड़ दास लोग हैं। वहीं, पूर्व केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, गांधी परिवार जहां से हारता है, वहां दोबारा नहीं जाता है।

सुप्रीम कोर्ट का हमनाम उम्मीदवारों पर रोक लगाने से इनकार

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव में एक जैसे नाम वाले उम्मीदवारों पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। शुक्रवार को जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सतीश चंद्रा और जस्टिस संदीप शर्मा की बेंच ने कहा कि अगर किसी का नाम राहुल गांधी या लालू यादव है तो उन्हें चुनाव लड़ने से नहीं रोका जा सकता। कोर्ट ने कहा-बच्चों का नाम उनके माता-पिता रखते हैं। अगर किसी के माता-पिता ने किसी अन्य के जैसा नाम दिया है तो उन्हें चुनाव लड़ने से कैसे रोका जा सकता है?

क्या इससे उनके अधिकारों पर असर नहीं पड़ेगा? बेंच ने याचिकाकर्ता से कहा कि आप जानते हैं मामले का हश्र क्या होगा। सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका वापस ले ली। दरअसल, साबू स्टीफन नाम के याचिकाकर्ता ने कहा था कि हाई प्रोफाइल सीटों पर मिलते-जुलते नाम वाले दूसरे उम्मीदवार को चुनाव में उतारना पुराना ट्रिक है। इससे वोटरों के मन में कन्फ्यूजन पैदा होता है। एक जैसे नाम के कारण लोग गलत कैंडिडेट को वोट करते हैं और सही उम्मीदवार को नुकसान होता है। >14

उम्मीदवारों के 'नो ड्यूज सर्टिफिकेट' को लेकर चुनाव आयोग ने राज्यों को दिया निर्देश

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) को एक निर्देश जारी किया है। चुनाव आयोग के अनुसार सभी राज्य चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को समय से 'नो ड्यूज सर्टिफिकेट' जारी करें। सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को लिखे एक पत्र में ईसीआई ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 33ए के अनुसार आवश्यक फॉर्म 26 में एक शपथ पत्र के साथ नामांकन पत्र दाखिल करने वाले उम्मीदवारों के महत्व पर जोर दिया। आयोग ने कहा कि कोई भी कॉलम न छूटे और फॉर्म पूरा हो। इसके अलावा चुनाव आयोग ने पिछले 10 वर्षों में सरकारी आवास में रहने वाले उम्मीदवारों के लिए किराया, बिजली बिल, पानी बिल और टेलीफोन बिल सहित सरकारी बकाया की भी जानकारी देने को कहा है। वहीं 'नो ड्यूज सर्टिफिकेट' पर चुनाव अधिसूचित होने वाले महीने से तीसरे महीने की आखिरी तारीख या उसके बाद की कोई तारीख नहीं होनी चाहिए। चुनाव आयोग ने बताया कि संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में नामांकन करने की अंतिम तिथि पर दोपहर 3 बजे तक शपथ पत्र के साथ 'नो ड्यूज सर्टिफिकेट' जमा किया जाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने जीएसटी एक्ट के तहत नोटिस व गिरफ्तारियों का डेटा मांगा

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से जीएसटी एक्ट के तहत 1 से 5 करोड़ रुपये के डिफॉल्ट के लिए जारी किए गए नोटिस और गिरफ्तारियों का डेटा मांगा है। कोर्ट ने कहा कि कभी-कभी गिरफ्तारियां नहीं की जाती हैं, लेकिन लोगों को नोटिस जारी करके, गिरफ्तारी की धमकी देकर परेशान किया जाता है।

कोर्ट ने गुरुवार (2 मई) को जीएसटी एक्ट, कस्टम एक्ट और पीएमएलए के प्रावधानों को चुनौती देने वाली 281 याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि हम नागरिकों की आजादी छीनने से बचाने के लिए दिशा-निर्देश तय कर सकते हैं, लेकिन उनका उत्पीड़न नहीं होने देंगे। दरअसल, याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ लूथरा ने कहा था कि जीएसटी एक्ट के तहत अधिकारी अपनी शक्तियों का दुरूपयोग करते हैं। गिरफ्तारी नहीं की जाती है, लेकिन लोगों को नोटिस जारी करके गिरफ्तारी की धमकी दी जाती है। यह लोगों की स्वतंत्रता को कम कर रहा है। इस पर जस्टिस संजीव खन्ना, एमएम सुंदरेश और बेला एम त्रिवेदी की बेंच ने केंद्र की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि सभी मामलों में लोगों को सलाखों के पीछे नहीं भेजा जा सकता है। बेंच ने कहा कि धोखाधड़ी के मामलों और अनजाने में हुई चूक के बीच अंतर होना चाहिए।

केंद्र ने कहा, राज्यों से जुड़ा डेटा इकट्ठा करना मुश्किल : कोर्ट ने जीएसटी एक्ट की धारा 69 में गिरफ्तारी की शक्तियों पर स्थिति साफ न होने पर चिंता जाहिर की। एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि वह सेंट्रल जीएसटी एक्ट के तहत नोटिस और गिरफ्तारियों से जुड़ा डेटा इकट्ठा करेंगे। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि राज्यों से संबंधित ऐसी जानकारी इकट्ठा करना मुश्किल होगा, लेकिन वह अगली सुनवाई के दिन बेंच के सवालों का जवाब देने की कोशिश करेंगे। >14

'गलती हुई' यह क्या बोल गए हाईकोर्ट के जज

अपने ही फैसले की आलोचना की

चेन्नई, 3 मई (एजेंसियां)। किसी भी कोर्ट को उसके फैसले से जाना जाता है। यह कम ही देखा जाता है कि कोई जज अपने ही फैसले की बाद में आलोचना करे। लेकिन ऐसा हुआ है। दरअसल राकेश लॉ फाउंडेशन के समन्वय में मद्रास बार एसोसिएशन अकादमी द्वारा आयोजित एक व्याख्यान श्रृंखला में बोलते हुए, मद्रास हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति आनंद वेंकटेश ने इस बात पर जोर दिया कि एक व्यक्ति में अपनी गलतियों को स्वीकार करने और इसे बदलने के लिए तैयार रहने का साहस होना चाहिए। लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार जज आनंद वेंकटेश ने भूमि के मुकदमे के मामले में एक न्यायाधीश द्वारा अपने ही निर्णय

की आलोचना विषय पर व्याख्यान दिया। न्यायाधीश ने चर्चा की कि हर्ष एस्टेट बनाम कल्याण चक्रवर्ती के मामले में 2018 के एक मामले में फैसला सुनाते समय उन्होंने कैसे गलती की थी।

जज ने क्या की टिप्पणी?

न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि वह एक व्यक्ति के रूप में और न्यायाधीश के रूप में उनके द्वारा दिये गये फैसले की आलोचना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह रवैया बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि विकास तब होता है जब कोई व्यक्ति जानता है कि उसने गलती की है और वह उस गलती को सुधारने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि कोई भी गलती कर सकता है, लेकिन गलती को पहचानने और उस पर पुनर्विचार करने की इच्छा रखना भी महत्वपूर्ण है।

अति-उत्साह में वह बह गए थे- जज वेंकटेश

न्यायमूर्ति वेंकटेश ने कहा कि किसी को गलती को उचित ठहराने की कोशिश नहीं करनी चाहिए या उसे दबा कर रखने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। बल्कि आगे आकर गलती स्वीकार करने के लिए तैयार रहना चाहिए। न्यायमूर्ति वेंकटेश ने कहा कि उन्होंने पद संभालने के तुरंत बाद फैसला सुनाया था और फैसले लिखने के अति-उत्साह में वह बह गए थे। उन्होंने कहा कि अगर उन्होंने अति-उत्साह को रास्ते में नहीं आने दिया होता और सभी जुड़े मुद्दों पर गहराई से विचार किया होता, तो शायद वह बेहतर निर्णय देने में सक्षम होते।

लोकसभा चुनाव में किस पार्टी के कितने सांसदों ने बदला पाला, कितने नेताओं को दूसरे दलों से मिला टिकट?

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। चुनाव का मौसम है। नेताओं का दलबदल जारी है। इस बीच भाजपा, कांग्रेस समेत कई दलों के मौजूदा सांसदों ने भी दल बदल लिया है। आम आदमी पार्टी के लोकसभा में एकलौते सांसद थे, जो टिकट मिलने के बाद पाला बदलकर भाजपा के साथ आ गए। अपनी पार्टी छोड़ने वाले कई सांसदों को दूसरे दलों से टिकट भी मिला है। इसके अलावा कांग्रेस के कई प्रवक्ताओं ने पार्टी का साथ छोड़ दिया।

बसपा के सांसदों ने बदला पाला

543 सदस्यीय लोकसभा में सबसे ज्यादा 80 सीटें उत्तर प्रदेश से आती हैं। यहां चुनाव से पहले कई सांसदों ने दलबदल किया, जिसमें सबसे अधिक नुकसान बसपा को हुआ। 2019 के लोकसभा चुनाव में बसपा के 10 सांसद जीतकर संसद पहुंचे थे। वर्तमान में बसपा के चार सांसद ही रह गए हैं। आजमगढ़ जिले की लालगंज सीट से सांसद संगीता आजाद, अंबेडकर नगर सीट से सांसद रितेश पांडेय भाजपा में शामिल हो चुके हैं। रितेश पांडेय को भाजपा ने इस बार अंबेडकर नगर सीट से उम्मीदवार भी बना दिया है। अमरोहा सांसद दानिश अली कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं। कांग्रेस ने दानिश को यहां से अपना उम्मीदवार बनाया है। इससे पहले बसपा ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते दानिश को पार्टी से निकाल दिया था। मुख्तार अंसारी के भाई अफजाल अंसारी बसपा का साथ छोड़कर फिर से समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए हैं। इसके बाद उन्हें गाजीपुर संसदीय सीट से सपा ने अपना प्रत्याशी भी घोषित कर दिया।

पार्टी छोड़ने वालों में सबसे ताजा नाम मलूक नागर का है। बिजनौर सांसद मलूक नागर बसपा छोड़कर राष्ट्रीय लोक दल में शामिल हो गए हैं। हालांकि, रालोद पहले ही बिजनौर लोकसभा सीट पर विधायक चंदन चौहान को अपना उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। पार्टी छोड़ने वालों में एक नाम राम शिरोमणि वर्मा का है। श्रावस्ती सांसद वर्मा बसपा छोड़कर सपा में शामिल हो गए हैं। समाजवादी पार्टी गठबंधन ने राम शिरोमणि वर्मा को श्रावस्ती से प्रत्याशी भी बनाया है।

बीआरएस सांसदों ने छोड़ा पार्टी का साथ

राज्य में पिछली बार के. चंद्रशेखर राव वाली बीआरएस 17 में से नौ सीटों पर जीती थी। हालांकि, इसके कई सांसद दलबदल कर चुके हैं। जहीराबाद के सांसद बीबी पाटिल, नागरकुर्नूल (एससी) से सांसद पोथुगंती रामुलु और पेद्दापल्ली से बोरलाकुंटा वेंकटेश ने भाजपा में शामिल हो गए। बीबी पाटिल को भाजपा ने जहीराबाद से अपना उम्मीदवार बनाया है।

नागरकुर्नूल सीट पर सांसद पोथुगंती रामुलु की जगह उनके बेटे भारत प्रसाद को भाजपा ने अपना चेहरा घोषित किया है। पेद्दापल्ली सांसद वेंकटेश पहले बीआरएस से कांग्रेस में गए थे, लेकिन जब उन्हें टिकट नहीं मिला तो वह भाजपा में शामिल हो गए। वहीं, वारंगल से सांसद पसुनुरी दयाकर और चेवेल्ला से सांसद रंजीत रेड्डी कांग्रेस में शामिल हो गए। कांग्रेस ने चेवेल्ला सीट पर बीआरएस से आए रंजीत रेड्डी को टिकट दिया है लेकिन वारंगल में दयाकर को मौका नहीं दिया गया।

झेलम एक्सप्रेस में बम की सूचना

रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर अफरा-तफरी का माहौल

भोपाल, 3 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर उस समय हड़कंप मच गया, जब शुक्रवार को सुबह झेलम एक्सप्रेस में बम होने की सूचना मिली। ट्रेन को स्टेशन पर ही रोक दिया गया है और जांच की जा रही है। इस घटना के बाद यात्रियों में दहशत का माहौल है। बताया जा रहा है कि पुणे से चलकर जम्मू तवी की ओर जाने वाली झेलम एक्सप्रेस में बम की सूचना मिली थी। जब यह ट्रेन रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार की सुबह पहुंची तो रेलवे सहित पुलिस बल ने ट्रेन को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद ट्रेन की तलाशी ली जारी है।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर लगाई रोक

पंजाब सीएम के आवास के बाहर वाली सड़क नहीं खोली जाएगी

चंडीगढ़, 3 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें हाईकोर्ट ने पंजाब के मुख्यमंत्री आवास के बाहर वाली सड़क सार्वजनिक तौर पर खोलने का आदेश दिया था। पंजाब सरकार ने हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार के पक्ष में फैसला देते हुए हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी है।

1980 के दशक में बंद की गई थी सड़क

पंजाब के मुख्यमंत्री के आवास के बाहर वाली सड़क को 1980 के दशक में बंद कर दिया गया था। ऐसा सुरक्षा कारणों से किया था, क्योंकि उस वक्त पंजाब में उग्रवाद का दौर था। अब उस सड़क को खोलने की मांग उठी

और मामला हाईकोर्ट पहुंचा। जहां हाईकोर्ट ने अपने आदेश में चंडीगढ़ के सेक्टर 2 स्थित पंजाब सीएम आवास के बाहर वाली सड़क को परीक्षण के तौर पर 1 मई से आम लोगों के लिए खोलने का आदेश दिया। 500 मीटर लंबी यह सड़क चंडीगढ़ की सुखना झील को नया गांव इलाके से जोड़ती है। हाईकोर्ट ने परीक्षण के आधार पर सड़क आम जनता के लिए खोलने का दिया था निर्देश हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश जीएस संधवालिया और जस्टिस लापीता बनर्जी की खंडपीठ ने सीएम आवास के बाहर वाली सड़क को शुरुआत में कार्य दिवसों पर सुबह 7 बजे से शाम 7 बजे तक खोलने का आदेश दिया था ताकि उस इलाके में यातायात की स्थिति में सुधार हो सके। हाईकोर्ट ने ये भी कहा था कि अगर प्रशासन को पता चलता है कि इस सड़क पर कोई विरोध प्रदर्शन हो तो प्रशासन उचित कदम उठाने के लिए स्वतंत्र है ताकि प्रदर्शनकारी संवेदनशील हिस्सों तक न पहुंचे। हाईकोर्ट ने चंडीगढ़ में यातायात व्यवस्था और बुनियादी ढांचे से संबंधित मुद्दों पर स्वतः संज्ञान लेकर मामले की सुनवाई करते हुए ये निर्देश दि थे।

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई हाईकोर्ट के आदेश पर रोक

पंजाब सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी और दलील दी कि हाल के वर्षों में पंजाब में फिर से उग्रवाद का उभार देखा गया है। राज्य के खुफिया विभाग की इमारत पर भी ग्रेनेड से हमला किया गया है। पंजाब सरकार की दलील सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर चंडीगढ़ प्रशासन को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

200 करोड़ से ज्यादा का ड्रग्स

अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद से कनेक्शन का इस तरह से हुआ खुलासा

मुंबई, 3 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सांगली जिले में पकड़े गए करोड़ों रुपये के ड्रग्स मामले की जांच के दौरान अहम खुलासा हुआ है। मुंबई क्राइम ब्रांच को पता चला है कि ड्रग्स के सिंडिकेट से अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम का बेहद खास आदमी जुड़ा हुआ है। दाऊद इब्राहिम का खास डोला सलीम जो कि फिलहाल दुबई में बैठकर दाऊद के ड्रग्स का काम देख रहा है। डोला सलीम एजेंसियों से बचने के लिए कभी दुबई तो कभी तुर्किये में घूमता रहता है। सूत्रों में यह भी बताया कि डोला सलीम लोगों को दिखाने के लिए रियल एस्टेट का काम करता है, लेकिन उसका असली धंधा ड्रग्स का है। एक अधिकारी ने बताया कि डोला सलीम दाऊद इब्राहिम के खास लोगों के सर्किल में आने वाले लोगों में से एक है और उसके लिए भारत में ड्रग्स का व्यापार देखता है। यहां तक कि उसके खिलाफ भारतीय एजेंसियों के कहने पर इंटरपोल ने रेड कॉर्नर नोटिस तक जारी करवाया है। पिछले महीने मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम ने महाराष्ट्र के सांगली जिले में ड्रग्स बनाने की एक फैक्ट्री पर छापेमारी की थी। यहां से पुलिस को 122.5 किलोग्राम एमडी ड्रग्स मिला था और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 245 करोड़ रुपये के करीब है। एक अधिकारी ने बताया कि इस फैक्ट्री तक पहुंचने से पहले मुंबई क्राइम ब्रांच 6 महीनों से एक के बाद एक कड़ी जोड़ रही थी। इस जांच के दौरान पुलिस को सांगली की फैक्ट्री की जानकारी मिली। इस मामले में अभी तक 11 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

प्रचार का समय खत्म होने पर माइक बंद करने को कहा तो थानेदार पर भड़के बीजेपी विधायक

सरेआम दे डाली धमकी

विदिशा, 3 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की विदिशा लोकसभा सीट के भोजपुर विधानसभा क्षेत्र में प्रचार की समय सीमा समाप्त होने पर माइक बंद करने पर विवाद हो गया।

इस दौरान बीजेपी विधायक ने थानेदार को सरेआम धमकी दे डाली। यह मामला रात का है। विदिशा संसदीय क्षेत्र के उम्मीदवार पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भोजपुर विधानसभा के मंडीदीप में प्रचार करने पहुंचे थे। मंडीदीप के थानेदार ने प्रचार की समय सीमा पूरी होने पर माइक बंद करने को कहा तो मंच पर मौजूद पूर्व मंत्री और बीजेपी विधायक सुरेंद्र पटवा भड़क उठे।

सोशल मीडिया पर जो वीडियो वायरल हो रहा है उसमें पूर्व मुख्यमंत्री चौहान माइक को चालू करने को कह रहे हैं, तो वहीं सुरेंद्र पटवा थानेदार को धमका

रहे हैं। वह थानेदार को कहते हुए सुनाई दे रहे हैं कि तुम्हें फिकवा देंगे। उन्होंने सीधे तौर पर थानेदार को ट्रांसफर की धमकी दे डाली। पूरे मामले का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

कैसे बीजेपी विधायक सरेआम थानेदार को पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के सामने ही धमका रहे हैं। थानेदार का सिर्फ इतना कसूर था कि वह नियम का पालन करने के लिए पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान से कह रहा था।

'बीजेपी महिला विरोधी पार्टी

दिल्ली महिला आयोग को बंद करने की साजिश रच रहे' आप मंत्री आतिशी ने बोला हमला

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने एक बार फिर भाजपा पर हमला बोला है। उन्होंने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि भाजपा हमेशा से ही महिला विरोधी पार्टी रही है। ये लोग रेवन्ना जैसे लोगों को चुनाव लड़वाते हैं। उसके बारे में सबकुछ जानते हुए भी प्रधानमंत्री हाथ फैलाकर वोट मांगते हैं। वहीं, इनकी सरकार पीड़ित और परेशान महिलाओं के लिए काम करने वाली संस्था दिल्ली महिला आयोग को बंद करने की साजिश रच रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा-आरएसएस से जुड़े तमाम नेता वर्षों से कह रहे हैं कि आरक्षण को खत्म करना है। भाजपा के तमाम उम्मीदवार कह रहे हैं कि 400 सीट दे दो, संविधान बदलना है। प्रधानमंत्री इन बातों का जवाब दें। वहीं, अमित शाह ने साबित कर दिया कि भाजपा और उनकी ईडी का अरविंद केजरीवाल को समन भेजने का इरादा ही उन्हें गिरफ्तार करने का था। अमित शाह के बयान ने साफ कर दिया है कि दिल्ली आबकारी नीति में ईडी की जांच का मकसद आम आदमी पार्टी और हमारे नेताओं को परेशान करना है।

आप मंत्री ने कहा कि जब से अरविंद केजरीवाल को ईडी के समन आना शुरू हुए तब से ही हम कह रहे थे कि यह समन भाजपा के हैं। ईडी से समन भिजवाकर भाजपा अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करवाना चाहती है। इसके बाद हुआ भी यही। अब तो अमित शाह ने भी यह बात खुद मान ली है कि ईडी का मकसद ही अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करना था।

कटनी के खिरहनी ओवर ब्रिज पर चलती कार में भड़की आग, पांच लोगों ने कूदकर बचाई जान

कटनी, 3 मई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के कटनी जिले में चलती कार में आग लगने का मामला सामने आया है। बालाघाट निवासी बरही कटनी शहर में खरीदी कर वापस जबलपुर लौट रहे थे। इस दौरान खिरहनी ओवर ब्रिज पर उनकी कार में आग लग गई। हादसा करीब 7 बजे हुआ।

जानकारी के मुताबिक आई20 कार क्रमांक एमपी 50 सी 3822 में शॉर्ट सर्किट होने के कारण आग लग गई। चलती गाड़ी में अचानक आग लगने से उसमें बैठे महिला और बच्चों समेत सभी पंच लोग घबरा गए, लेकिन उन्होंने समय रहते कार से कूदकर अपनी जान बचाई।

बिछुआ बीईओ हुए निलंबित, घोड़ाडोंगरी में 26 लाख के गबन की हुई थी शिकायत

छिंदवाड़ा, 3 मई (एजेंसियां)। छिंदवाड़ा जिले में लाखों रुपए का गबन करने के मामले में बिछुआ बीईओ को शासन द्वारा सस्पेंड कर दिया गया है। दरअसल, सीमावर्ती जिले बैतूल के घोड़ाडोंगरी ब्लॉक में पदस्थापना के दौरान बीईओ रमेश गांजरे को जनजाति कार्य विभाग के आयुक्त द्वारा तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है। जानकारी अनुसार वर्ष 2018-19 में घोड़ाडोंगरी ब्लॉक में बीईओ का कार्यभार रमेश गांजरे द्वारा संभाला जा रहा था। इस दौरान करीब 26 लाख 20 हजार रुपए की शासकीय राशि का गबन हुआ। जिसका खुलासा पिछले दिनों कोष एवं लेखा विभाग की टीम द्वारा की गई जांच में हुआ। जिसके तहत बैतूल कलेक्टर द्वारा तत्कालीन बीईओ रमेश गांजरे के विरुद्ध कार्रवाई के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया। इसके बाद शासन द्वारा रमेश गांजरे को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया। सस्पेंस के दौरान बीईओ का मुख्यालय संभागीय उपायुक्त कार्यालय जबलपुर रहेगा। मामला उजागर होने के बाद अब बिछुआ में पदस्थापना के दौरान भी बीईओ रमेश गांजरे की कार्यप्रणाली की जांच की मांग उठने लगी है।

असम राइफल्स-मिजोरम पुलिस का ज्वाइंट ऑपरेशन

4 करोड़ से ज्यादा की हेरोइन और विदेशी सिगरेट जब्त

मिजोरम, 3 मई (एजेंसियां)। असम राइफल्स और मिजोरम पुलिस ने दो अलग-अलग ऑपरेशन में 4.34 करोड़ रुपये से अधिक की हेरोइन समेत विदेशी सिगरेट जब्त की हैं। इस बारे में अर्धसैनिक बल की ओर से जारी आधिकारिक बयान में दी गई है। अर्धसैनिक बल द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, असम राइफल्स और मिजोरम पुलिस की टीम ने आइजोल के फॉकलैंड इलाके में एक ज्वाइंट ऑपरेशन चलाया था। इस ऑपरेशन में 598 ग्राम हेरोइन जब्त की गई है। बयान में आगे बताया गया कि मणिपुर निवासी सहित दो लोगों को 4.18 करोड़ रुपये की हेरोइन रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। वहीं, किए गए एक अन्य ऑपरेशन में असम राइफल्स ने दक्षिण मिजोरम के सियाहा जिले के लुंगपुक गांव में म्यांमार से तस्करी करके लाए गए 16 लाख रुपये मूल्य के विदेशी सिगरेट के 22,000 पैकेट जब्त किए। इस बीच मिजोरम पुलिस ने यंग मिजो एसोसिएशन (वाईएमए) के स्वयंसेवकों के सहयोग से सैतुअल जिले के सेलिंग में एक संयुक्त अभियान के दौरान म्यांमार से तस्करी करके लाए गए सूखी सुपारी से भरे आठ ट्रक जब्त किए। उन्होंने बताया कि जब्ती के सिलसिले में दस लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

असम के युवक की हत्या मामले में केरल पुलिस को मिली कामयाबी, तमिलनाडु का एक व्यक्ति गिरफ्तार

गुवाहाटी, 3 मई (एजेंसियां)। केरल की पुलिस को एक कामयाबी हाथ लगी है। पुलिस ने असम के एक युवक की हत्या के सिलसिले में तमिलनाडु के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। बता दें, वकाथानम के पास कंक्रीट मिक्सर मशीन की सफाई करते समय कथित तौर पर युवक की हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने गुरुवार को 29 साल के पंडी दुरई को गिरफ्तार किया है। 28 अप्रैल को 19 साल के लाइमन किस्क का शव एक कंक्रीट प्लांट के वेस्ट डंप पिट में मिला था। एक अधिकारी ने बताया कि कंपनी के प्लांट ऑपरेटर दुरई ने 26 अप्रैल को मिक्सर मशीन चला दी, जबकि किस्क इसकी सफाई कर रहा था। पुलिस ने कहा कि जब किस्क जमीन पर गिरा, तो दुरई ने उसके शव को वेस्ट पिट में फेंक दिया। हालांकि दो दिन बाद शव बरामद कर लिया गया था। अधिकारी ने कहा कि आरोपी ने सीसीटीवी से भी छेड़छाड़ की थी। आरोपी को एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जिसने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

अब्बास अंसारी की याचिका सूचीबद्ध

सुप्रीम कोर्ट से विशेष प्रार्थना में शामिल होने की मांगी है इजाजत

प्रयागराज, 3 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट जेल में बंद विधायक अब्बास अंसारी की याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। अब्बास अंसारी ने अपने दिवंगत पिता मुख्तार अंसारी के लिए आयोजित की जा रही विशेष प्रार्थना में शामिल होने देने की इजाजत मांगी थी। गैंगस्टर से राजनेता बने मुख्तार अंसारी की बीती 28 मार्च को दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी। अब्बास अंसारी की तरफ से वकील निजाम पाशा सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए। वकील ने अब्बास अंसारी की याचिका को सूचीबद्ध करने की मांग की, जिस पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने बताया कि कोर्ट ने पहले ही अब्बास अंसारी की याचिका को सूचीबद्ध कर दिया है। इससे पहले अब्बास अंसारी को अदालत ने बीती 10 अप्रैल को अपने पिता के फातिहा में शामिल होने की भी अनुमति दी थी। उस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से भी जवाब मांगा था। मऊ सदर सीट से पांच बार विधायक रहे मुख्तार अंसारी को 30 मार्च को सुपुर्द ए खाक किया गया था। मुख्तार अंसारी साल 2005 से जेल में बंद था और उसके खिलाफ 60 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज थे। बांदा जेल में रहने के दौरान मुख्तार अंसारी की तबीयत बिगड़ी और उसे 28 मार्च की रात इलाज के लिए रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज लाया गया। जहां इलाज के दौरान दिल का दौरा पड़ने से मुख्तार अंसारी की मौत हो गई थी।

बीएसएफ जवान की पत्नी पर आवारा कुत्तों ने किया हमला, नोंच-नोंच कर मार डाला

गुरदासपुर, 3 मई (एजेंसियां)। पंजाब के गुरदासपुर से एक खौफनाक खबर सामने आई है जिसमें एक महिला पर आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया। जिसके बाद महिला की मौत हो गई। इस खबर से पूरे इलाके में सनसनी फैली हुई है। महिला एस बीएसएफ जवान की पत्नी है और उसके दो बेटे बताए जा रहे हैं जिनकी उम्र 8 साल और 4 साल है। फिलहाल पुलिस ने महिला के शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जानकारी के मुताबिक यह पूरा मामला

गुरदासपुर के किशनपुर गांव का है, जहां महिला कुछ दिनों के लिए अपने पैतृक गांव मिलने के लिए गई थी। वहीं उसका पति छत्तीसगढ़ में तैनात है। महिला अपने दो बच्चों के साथ पिछले कुछ दिन से गांव में रह रही थी।

बाल-बाल बचीं शिवसेना यूबीटी नेता सुषमा अंधारे, चुनाव प्रचार पर जाने से पहले क्रैश हुआ हेलीकॉप्टर

मुंबई, 3 मई (एजेंसियां)। शिवसेना की नेता सुषमा अंधारे जिस हेलीकॉप्टर में सफर करने वाली थीं, वह हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया है। बता दें कि यह घटना रायगढ़ जिले के महाड़ की है। सुषमा अंदारे प्रचार के लिए महाड से बारामती जाने वाली थीं। लेकिन उनके हेलीकॉप्टर में बैठने से पहले ही हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। हेलीकॉप्टर क्रैश का यह वीडियो अंदारे के फेसबुक पेज पर लाइव रिकॉर्ड कर शेयर किया गया है। बता दें कि इस घटना में किसी को नुकसान नहीं पहुंचा है,

वहीं हेलीकॉप्टर का पायलट भी सुरक्षित बताया जा रहा है। दरअसल सुषमा अंधारे चुनाव प्रचार करने के लिए अमरावती जाने वाली थीं। बता दें कि हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त उस वक्त हुआ जब वह लैंड कर रहा था। इस दौरान हेलीकॉप्टर का संतुलन बिगड़ गया और हेलीकॉप्टर जमीन पर ही क्रैश हो गया। जानकारी के मुताबिक इस घटना में दोनों पायलट सुरक्षित हैं। वहीं हेलीकॉप्टर क्रैश का वीडियो सोशल मीडिया पर लाइव रिकॉर्ड कर शेयर किया गया है। साथ ही सुषमा अंधारे ने क्रैश वीडियो को खुद लाइव अपने फेसबुक पेज पर शेयर किया है। बता दें कि गुरुवार को सुषमा अंधारे की रैली महाड में थी। हालांकि रात ज्यादा हो जाने के कारण वह महाड में ही रुक गईं और शुक्रवार को चुनावी रैली करने के लिए उन्हें अमरावती जाना था।

पायलट की बची जान

अंधारे द्वारा शेयर किए गए वीडियो के मुताबिक यह दुर्घटना तब हुई जब हेलीकॉप्टर लैंड करने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान हेलीकॉप्टर का संतुलन बिगड़ा और वह अचानक लड़खड़ा गया। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर निजी हेलीकॉप्टर है जो शिवसेना की नेता सुषमा अंधारे को लेने आया था। लैंडिंग के समय अचानक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हेलीकॉप्टर का पायलट हादसे के वक्त हेलीकॉप्टर से कूदने में कामयाब रहा और उनकी जान बच गई।

इंदौर में हिट एंड रन का सीसीटीवी फुटेज आया सामने, महिला को टक्कर मारकर फरार हुआ कार चालक

इंदौर, 3 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में हिट एंड रन का मामला देखने को मिला है। दरअसल यहां एक तेज रफ्तार कार ने एक स्कूटी सवार महिला को टक्कर मार दी। इस हादसे में महिला बुरी तरह से घायल हो गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले का जायजा लिया। हालांकि इससे पहले ही स्थानीय लोगों द्वारा महिला को निजी अस्पताल में भर्ती कराया जा चुका था।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

शिक्षक की साधारण नहीं होता। प्रलय और निर्माण उसकी गोद में पलते है।

कांग्रेस ने तेलंगाना राष्ट्रीय घोषणापत्र जारी किया

एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी दीपादास मुंशी ने जारी किया

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी का तेलंगाना राष्ट्रीय घोषणापत्र शुक्रवार को गांधी भवन में जारी किया गया। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) तेलंगाना प्रभारी दीपादास मुंशी ने पार्टी का घोषणापत्र पंच न्याय और तेलंगाना के लिए विशेष वादे शीर्षक से जारी किया। कार्यक्रम में मंत्री श्रीधर बाबू, मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, विधायक दानम नागेंद्र, घोषणापत्र संयोजक प्रो. जनैया, कांग्रेस नेता अजहरुद्दीन, अंजन कुमार यादव, चिन्ना रेड्डी, रोहित चौधरी, रोहिन रेड्डी, कोडंडा रेड्डी, निरंजन और घोषणापत्र सदस्य तथा अन्य शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए, एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी दीपादास मुंशी ने कहा कि उनके नेता राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा की और पूरे देश की यात्रा की, सभी वर्गों के लोगों से मुलाकात की।

उन्होंने कहा, अब, नरेंद्र मोदी राहुल गांधी से डरते हैं क्योंकि लोग इस बार केंद्र में सरकार बदलना चाहते हैं और राहुल गांधी को देश का प्रधानमंत्री बनाने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार संविधान को बदलने और देश में अनुसूचित जातियों, जनजातियों और पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण को खत्म करने की साजिश रच रही है। एआईसीसी नेता ने कहा कि कांग्रेस सरकार के शासन में तेलंगाना में छह में से पांच गारंटी लागू की जा रही हैं और उन्होंने विश्वास जताया कि कांग्रेस तेलंगाना में 14 लोकसभा सीटें जीतेगी।

लोकसभा चुनाव लोगों का भविष्य बदल देंगे : हरीश राव

चंद्रबाबू नायुडू पर हैदराबाद को साझा राजधानी बनाने का आरोप

करीमनगर, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और सिद्दीपेट से बीआरएस पार्टी के विधायक टी. हरीश राव ने आज कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव तेलंगाना का भविष्य और नियति बदल देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि चंद्रबाबू नायुडू जैसे लोग हैदराबाद को साझा राजधानी बनाने की साजिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, अगर वे नहीं चाहते कि उनका खेल जारी रहे, तो बीआरएस पार्टी को जीतना चाहिए। कांग्रेस नेता झूठ बोल रहे हैं कि छह गारंटियों में से पांच को अब तक लागू किया गया है। हरीश राव ने ये टिप्पणियां सिद्दीपेट जिले के अक्कमपेट मे कीं। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि अगर बैंक चेक बाउंस होता है, तो इसकी सजा होनी चाहिए और कहा कि कांग्रेस पार्टी को सजा मिलनी चाहिए क्योंकि उसका बॉन्ड पेपर भी बाउंस हुआ है।

आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के आरोप में अमित शाह के खिलाफ मामला दर्ज

फाइल फोटो

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की मोगलपुरा पुलिस ने पुराने शहर में एक चुनावी रैली में बच्चों को शामिल करने के आरोप में केंद्रीय मंत्री अमित शाह, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हैदराबाद लोकसभा सीट की उम्मीदवार माधवी लता, भाजपा गोशामहल विधायक राजा सिंह, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी, यमन सिंह और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। चुनाव प्रचार में बच्चों का इस्तेमाल आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का उल्लंघन है। मोगलपुरा पुलिस स्टेशन के अंतर्गत सुधा टॉकीज के पास आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन हुआ।

अमित शाह के साथ मंच पर भाजपा के चिह्न साथ बच्चे देखे गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) निरंजन गोपी शेट्टी ने ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत तेलंगाना के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) विकास राज को भेजी गई है।

अमित शाह दो मई को हैदराबाद सीट के लिए माधवी लता के प्रचार के लिए हैदराबाद में थे। माधवी लता और राज्य भाजपा अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी के साथ एक खुले वाहन में चलते हुए, गृह मंत्री ने भाजपा के चुनाव चिह्न को दिखाते हुए बड़ी भीड़ की ओर हाथ हिलाया।

महिला सुरक्षा से भाजपा को कोई लेना-देना नहीं : केटीआर

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने भाजपा की आलोचना करते हुए उस पर देश में महिलाओं की सुरक्षा के प्रति आंखें मूंदने और भाजपा नेताओं के फायदे के लिए पक्ष लेने का आरोप लगाया। उन्होंने 'बेटी बचाओ' को बढ़ावा देने के भाजपा के प्रयासों का मजाक उड़ाया।

एक्स पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में रामाराव ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे भाजपा ने मणिपुर में महिलाओं, बिलकिस बानो, महिला पहलवानों और अन्य पीड़ितों की दुर्दशा को आसानी से नजरअंदाज कर दिया, जबकि इससे उन्हें कोई फायदा नहीं हुआ।

मणिपुर में महिलाओं की दुर्दशा पर भाजपा ने आंखें मूंद ली। भाजपा ने बृजभूषण के बेटे को टिकट दे दिया। यौन शोषण के भयानक कृत्यों के बावजूद प्रज्वल रेवन्ना को टिकट मिलता है और प्रधानमंत्री उनके लिए प्रचार करते हैं। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने आश्चर्य जताया कि क्या भारत में कोई चुनाव आयोग है।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में सफलता को दोहराने का प्रयास करें : शांति कुमारी

मुख्य सचिव ने अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने अधिकारियों से कहा कि वे ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में राज्य द्वारा पहले प्राप्त की गई सफलता को दोहराने का प्रयास करें और इस वर्ष शीर्ष उपलब्धि हासिल करने वाले का दर्जा बरकरार रखें। मुख्य सचिव ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की और ईओडीबी के तहत विभिन्न विभागों द्वारा शुरू किए गए विभिन्न सुधारों का जायजा लिया। उन्होंने विभागों को जुलाई के अंत तक ईओडीबी के तहत परिकल्पित सभी अनुपालनों को पूरा करने का निर्देश दिया। सभी जीओ/परिपत्र/अधिसूचनाएं समयबद्ध तरीके से जारी की जानी चाहिए। अधिकारियों को यह भी कहा गया कि वे विधायी परिवर्तनों के लिए आवश्यक इनपुट के साथ तैयार रहें, जिन्हें व्यापार करने में

आसानी से संबंधित सुधारों के कार्यान्वयन के अनुपालन के लिए उठाए जाने की आवश्यकता है।

बैठक के दौरान एक पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन दिया गया और विभागों को इस वर्ष शुरू किए जाने वाले सुधारों की संख्या के बारे में जागरूक किया गया। इस वर्ष कुल 287 सुधार किए जाने थे, जिनमें से 39 नए सुधार हैं, 60 संशोधित किए गए हैं जबकि शेष 188 को बरकरार रखा गया है।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को ऑनलाइन सिस्टम विकास में तेजी लाने का निर्देश दिया। ऑनलाइन डैशबोर्ड और सेवा संबंधी जानकारी को भी अपडेट किया जाना चाहिए। सेवा वितरण तंत्र को और बेहतर बनाने के लिए उपयोगकर्ताओं से नियमित आधार पर फीडबैक प्राप्त किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जागरूकता पैदा करने के लिए विभागों को जिला स्तर पर हितधारकों के साथ बैठकें करनी चाहिए। बैठक में विशेष मुख्य सचिव उद्योग जयेश रंजन, विशेष मुख्य सचिव श्रम रानी कुमुदिनी, प्रमुख सचिव ईएफएसटी वाणी प्रसाद, प्रमुख सचिव राजस्व नवीन मित्तल, प्रमुख सचिव गृह जितेंद्र, प्रमुख सचिव एमएयूडी दानकिशोर, डीजी फायर सर्विसेज नागी रेड्डी, प्रमुख सचिव पंचायती राज संदीप कुमार सुल्तानिया, आयुक्त परिवहन बुद्ध प्रकाश ज्योति, एमडी एचएमडब्ल्यूएसबी सुदर्शन रेड्डी, सीडीएमए दिव्या, आयुक्त पंचायती राज अनीता रामचंद्रन और अन्य अधिकारी शामिल हुए।

60 करोड़ की ठगी करने धोखेबाज दम्पति गिरफ्तार

11 साल से फरार आरोपियों को सीआईडी ने गिरफ्तार किया

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अपराध जांच विभाग, तेलंगाना ने मुख्य आरोपी मणिकोंडा अंजनेयुलु और उसकी पत्नी मणिकोंडा रीता को कर्नाटक के बैंगलोर में गिरफ्तार किया है। दोनों वर्ष 2013 से फरार थे। उनके खिलाफ बालानगर पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज था। मामले की जांच सीआईडी, आरओ, संगारेड्डी (ईओडब्ल्यू) द्वारा की जा रही है। आरोपी एम. अंजनेयुलु मेसर्स आदर्श कम्युनिकेशस प्राइवेट लिमिटेड का प्रबंध निदेशक और उनकी पत्नी एम. रीता निदेशक थी, जो विभिन्न प्रकार के संचार उपकरणों के आयात और मल्टी ब्रांड सेलुलर फोन और अन्य उत्पादों की बिक्री से संबंधित कंपनी है। दोनों ने वित्तीय सहायता के लिए एसबीआई बालानगर शाखा से संपर्क किया और 27 करोड़ रुपये का ऋण प्राप्त किया। ऋण प्राप्त करने के बाद दंपत्ति डिफॉल्टर हो गए और फरार हो गए। बैंक अधिकारियों द्वारा दी गई शिकायत पर, पीएस, बालानगर, हैदराबाद के तहत सीआर संख्या 226/2013 यू/एस 420, 406, 403 आईपीसी के तहत मामला दर्ज किया गया और बाद में सीआईडी को स्थानांतरित कर दिया गया। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी हैदराबाद शहर में 4 अन्य मामलों और साइबराबाद कमिश्नरेट में 1 मामले में भी शामिल था, जिसमें उन्होंने वित्त कंपनियों और निजी निवेशकों से 60 करोड़ रुपये की ठगी की थी। आरोपी 2013 में उनके खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद से फरार थे। श्रीमती शिखा गोयल आईपीएस, एडिशनल डीजीपी, सीआईडी के निर्देशों के तहत, जांच अधिकारी डीएसपी पी. श्रीधर के नेतृत्व में हाल ही में एक विशेष टीम का गठन किया गया था। आरोपियों को तेरहवें अतिरिक्त मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट, कुकटपल्ली, हैदराबाद के समक्ष पेश किया गया।

आम गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याओं के लिए बेहतर

यूओएच अध्ययन में खुलासा, वैज्ञानिकों ने जारी की रिपोर्ट

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रसदार और गूदेदार आम सिर्फ पाक व्यंजन के लिए ही नहीं, बल्कि सूजन संबंधी आंत्र रोग (आईबीडी) सहित अधिकांश गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याओं का इलाज भी हो सकता है। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए एक अध्ययन में 'फलों के राजा' के स्वास्थ्य लाभों का प्रदर्शन किया गया और कहा गया कि आम का सेवन आईबीडी सहित अधिकांश गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याओं के लिए एक उपाय साबित हुआ है।

विटामिन ए, विटामिन बी6 और विटामिन सी जैसे कई प्रमुख पोषक तत्वों के अलावा, जो शरीर की प्राकृतिक प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने में मदद कर सकते हैं, आम में पॉलीफेनोल्स और फाइबर का संयोजन होता है जो पेट के स्वास्थ्य में सुधार और कब्ज से राहत दिलाने में मददगार साबित होता है। मैंगिफेरिन, एक ज़ैंथोन सी-ग्लूकोसाइड जो आम सहित कई पौधों की प्रजातियों में पाया जाता है, अपने औषधीय गुणों के लिए जाना जाता है। यह कार्बनिक यौगिक विभिन्न प्रकार के आमों के गूदे की तुलना में पत्तियों और छिलकों में अधिक मात्रा में पाया जाता है।

कई वैज्ञानिक अध्ययनों में मैंगिफेरिन के एंटीऑक्सीडेंट, सूजन-रोधी और कैंसर-रोधी गुण दिखाए गए हैं। प्रोफेसर रेड्डन्ना, स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, यूओएच की प्रयोगशाला से वैज्ञानिकों डॉ. गंगाधर, डॉ. सुरेश कलंगी और डॉ. अनिल कोठा के एक समूह द्वारा किए गए अध्ययन से पता चला कि मैंगिफेरिन जानवरों को प्रयोगात्मक रूप से प्रेरित कोलाइटिस, आईबीडी का एक रूप से बचाता है।

जल टैंकरों ने मार्च, अप्रैल में पूरी कीं 4 लाख से अधिक यात्राएं

48.967 उपभोक्ताओं ने मोबाइल ऐप के माध्यम से बुक किए टैंकर

मई में बढ़ी हुई बुकिंग के लिए तैयार रहे अफसर : प्रबंध निदेशक

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड ने अप्रैल महीने के दौरान जल टैंकर यात्राओं में उल्लेखनीय वृद्धि देखी, जो मार्च के आंकड़ों को पार कर गई। अकेले अप्रैल में, पानी के टैंकरों ने 2.37 लाख से अधिक यात्राएं पूरी कीं, जबकि पिछले महीने में यह संख्या 1.69 लाख थी। इसने केवल दो महीनों में 4.06 लाख यात्राएं कीं। अप्रैल की शुरुआत में, बेड़े में 613 टैंकर शामिल थे, लेकिन बढ़ती मांग के कारण, संख्या बढ़कर 840 टैंकर हो गई। इसके अतिरिक्त, निवासियों की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अधिक फिलिंग स्टेशन और पॉइंट जोड़े गए।

जल बोर्ड द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, शहर के लगभग 48.96% उपभोक्ताओं ने मोबाइल ऐप के माध्यम से टैंकर बुक किए।

लगभग 36.78% ने इंटरएक्टिव वॉयस रिस्पांस सिस्टम के माध्यम से बुकिंग की, जबकि 14.16% ने जल बोर्ड की वेबसाइट को चुना। शेष 0.10% उपभोक्ताओं ने बुकिंग के लिए अन्य चैनल चुने। बोर्ड के प्रबंध निदेशक सुदर्शन रेड्डी ने टैंकर प्रबंधन पर एक समीक्षा बैठक की, जिसमें अधिकारियों से मई में बढ़ी हुई बुकिंग के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया कि प्रत्याशित मांग को पूरा करने के लिए जून तक जलाशय पूरी तरह से चालू हो जाएं।

तेलंगाना ने कर्नाटक से मांगा पानी

चुनाव के बाद जवाब मिलने की उम्मीद

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना ने कर्नाटक सरकार से अलमाटी बांध से पांच टीएमसी पानी छोड़ने का अनुरोध किया है। नागार्जुन सागर परियोजना में जल स्तर 500 फीट से नीचे चले जाने पर गंभीर जल संकट की आशंका के चलते सरकारी स्तर पर यह अनुरोध किया गया था। कर्नाटक सरकार के कृष्णा भाग्य जल निगम लिमिटेड (केबीजेएनएल) के अधिकारी, जो ऊपरी कृष्णा में सिंचाई परियोजनाओं के संचालन का प्रबंधन कर रहे हैं, तेलंगाना को उसके जल संकट से उबारने के लिए आपातकालीन रिलीज की गुंजाइश तलाश रहे हैं। संसदीय चुनावों के बाद इसका जवाब मिलने की उम्मीद है। कावेरी बेसिन में बेंगलुरू समेत कर्नाटक के शहर भारी कमी की स्थिति का सामना कर रहे हैं, लेकिन जहां तक कृष्णा बेसिन का सवाल है, कर्नाटक परियोजनाएं बेहतर स्थिति में हैं। अलमाटी और नारायणपुर दोनों परियोजनाओं में उनके वर्तमान भंडारण के रूप में 31 टीएमसी और 21 टीएमसी पानी है। तेलंगाना सरकार के सिंचाई सचिव ने जलाशय के गिरते स्तर को देखते हुए पिछले महीने ही अपने कर्नाटक समकक्ष से औपचारिक अनुरोध किया था। कथित तौर पर कर्नाटक सरकार ने गंभीर संकट की स्थिति में राज्य को आवश्यक रिलीज का आश्वासन दिया था।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

PUB/0415

सी/सी/210/एचएएलटी/2024 दि.1/5/2024

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा, पांच वर्ष की अवधि के लिए, कमीशन आधार पर, निम्न हाल्ट स्टेशनों पर, टिकेट्स जारी करने हेतु हाल्ट एजेन्ट कान्ट्राक्टर्स की नियुक्ति के लिए, केवल स्थानीय निवासियों(लोकल रेसिडेन्ट्स) से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

क्रम सं.	हाल्ट स्टेशन	स्टेशन कोड	सर्विन्ग स्टेशन
1	फेरोजगुडा हाल्ट	एफजेडजीएच	सनतनगर
2	सुचित्रा सेन्टर हाल्ट	एसएसीएच	अम्मुगुडा
3	भूदेवीनगर हाल्ट	बीएनडीएच	अम्मुगुडा
4	मौलाली-सभी एचबी कालोनी हाल्ट	एमएसीएच	अम्मुगुडा

आवेदन प्रपत्र, योग्यता मापदण्ड तथा अन्य विवरण, वेबसाइट:www.scr.indianrailways.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं।

आवेदन प्रस्तुति की अंतिम तिथि दि.27.05.2024 के 15.00 बजे तक

खुलने की तिथिः दि.27.05.2024 के 15.30 बजे तक

आवेदन प्रपत्र को एकनालेजमेन्ट ड्यू सहित रजिस्टर्ड पोस्ट द्वारा या मुहरबंद आवेदनों को, वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन, पहली मंजिल, संचालन भवन, सिकंदराबाद-500071 के कार्यालय में, दि.27.05.2024 के 15.00 बजे तक या इसके पूर्व प्रस्तुत/सुपुर्द कर सकते हैं। यदि तत्संबंधित अंतिम तिथि को सरकारी अवकाश होने पर, अगला कार्यालयीन दिन अंतिम तिथि होगी। देरी से प्राप्त/लंबित आवेदनों को अस्वीकार किया जायेगा।

तथापि, रेल प्रशासन के पास, बिना कोई कारण बताए, किसी भी या प्रत्येक आवेदन को निरस्त या रिजेक्ट करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा। इस बारे में तत्संबंधित का निर्णय अंतिम होगा।

A0529

वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद

प्रारूप सी-1

(अभ्यर्थी के लिए समाचार पत्रों, टी.वी. में प्रकाशन हेतु)

आपराधिक मामलों के बारे में घोषणा:

(माननीय सर्वोच्च न्यायालय की रिट याचिका-डब्ल्यूपी (सिविल) नं.536 वर्ष 2011 के निर्णय दि.25 सितंबर, 2018 के अनुसार (पब्लिक इन्टरेस्ट फाउण्डेशन एण्ड अदर्स बनाम युनियन आफ इण्डिया एण्ड अनदर)

अभ्यर्थी का नाम व पता: **श्रीनिवास यादव गड्डम** सुपुत्र स्व.जी. गंगाधर, (आयु 55 वर्ष), निवास स्थल-म.नं.15-3-405/407, गौलीगुडा चमन, हैदराबाद पिन 500012, तेलंगाना

राजनीतिक दल का नाम: भारत राष्ट्र समिति

चुनाव का नाम:: हाउस आफ पीपल

निर्वाचन क्षेत्र का नाम: 09 हैदराबाद संसदीय निर्वाचन क्षेत्र, तेलंगाना राज्य

(निर्वाचन क्षेत्र का नाम, क्रम सं.319, भाग सं.151)

मैं, श्रीनिवास यादव गड्डम, उपरोक्त चुनाव का अभ्यर्थी, सार्वजनिक जानकारी के लिए, मेरे आपराधिक पृष्ठभूमि से संबंधित निम्न विवरण की घोषणा करता हूं।

(5) लंबित आपराधिक मामलेः

(ए)	संबंधित पुलिस स्टेशन का नाम व पता-सहित एफआयआर नं.	एफआयआर नं.188/2023, सुल्तान बाजार पीएस	एफआयआर नं.134/2018, काचीगुडा पीएस	एफआयआर नं.1/2010, सीआयडी पीएस हैदराबाद
(बी)	न्यायालय के नाम सहित केस नं.	शून्य	शून्य	96/2021, एसपीइ एण्ड एसीबी केसेज हैदराबाद की सुनवाई के लिए प्रधान विशेष न्यायाधीश
(सी)	शामिल, संबंधित एक्ट्स/कोड्स की धारा(एं) (धारा स. प्रस्तुत करें, उदा. के लिए, आयपीसी आदि की धारा)	आयपीसी 509 और 506	आयपीसी 448 और 427	आयपीसी 403, 409, 420, 477-ए और आर/डब्ल्यू 120(बी) व 109 आयपीसी 12(बी) व 13(सी), पीसी एक्ट, 1988
(डी)	अपराध का संक्षिप्त विवरण	धमकी देने का आरोप व आपराधिक धमकी	अतिक्रमण का आरोप एवं शरारत और नुकसान	गबन का आरोप, विश्वास का आपराधिक उल्लंघन, बेईमानी करना, खातों में हेराफेरी करना
(इ)	क्या आरोप तय किये गये हैं (हां या ना का उल्लेख करें)	नहीं	नहीं	हां
(एफ)	यदि उपरोक्त(इ) के बारे में जवाब हां में है, तो आरोप तय करने की तारीख बताएं	नहीं	नहीं	13.12.2021
(जी)	क्या कार्यवाही के विरुद्ध कोई अपील/आवेदन तत्संबंधित संशोधन दायर किया गया है।	नहीं	नहीं	नहीं

हस्ता. श्रीनिवास यादव गड्डम
भारत राष्ट्र समिति
09- हैदराबाद संसदीय निर्वाचन क्षेत्र

लालू यादव का प्रधानमंत्री पर हमला

दो चरण के चुनाव का जिक्र किया, पीएम मोदी के लिए ये क्या बोल गए?

पटना, 4 मई (एजेंसियां)। देश में लोकसभा का चुनाव हो रहा है। दो चरण समाप्त हो चुके हैं और तीसरे की तैयारी हो रही है। कुल सात चरण में मतदान होना है। इस बीच एक तरफ नेता चुनावी सभा कर रहे हैं तो दूसरी ओर एक-दूसरे पर हमला भी कर रहे हैं। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव भी इस चुनाव में एक्टिव मोड में हैं। उन्होंने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला। उन्होंने तंज कसते हुए बताया कि पीएम मोदी के पसंदीदा शब्द क्या हैं। लालू प्रसाद यादव ने एक्स पर लिखा, प्रणाम देशवासियों! हिंदी भाषा में आज लगभग 1.5 लाख शब्द बताए जाते हैं तथा अध्ययन की सभी शाखाओं में तकनीकी शब्दों को मिलाकर लगभग 6.5 लाख शब्द हैं, लेकिन देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पसंदीदा, सबसे शब्द हैं- पाकिस्तान, श्मशान, कब्रिस्तान, हिंदू-मुसलमान, मंदिर-मस्जिद, मछली-मुगल, मंगलसूत्र, गाय-भैंस।

लालू यादव बोले- 'लिस्ट में बढ़ सकते हैं दो-चार नाम'

लालू यादव ने आगे लिखा, ऊपर की लिस्ट पहले दो चरणों के चुनाव होने तक की है। सातवें चरण तक इस लिस्ट में कुछ दो-चार नाम और बढ़ सकते हैं। नौकरी-रोजगार, गरीबी-किसानी, महंगाई-बेरोजगारी, विकास-निवेश, छात्र-विज्ञान-नौजवान इत्यादि मुद्दे भूल गए हैं।

बहन बोली डैडी फार्म हाउस पर पहले लगाए पैग, फिर किया रेप

गाजियाबाद, 4 मई (एजेंसियां)। गाजियाबाद की एक युवती ने मसूरी थाने में अपने मुंह बोले पिता के खिलाफ रेप करने का मामला दर्ज कराया है. युवती ने बताया कि उसकी बड़ी बहन एक डॉक्टर के पास काम करती है जिससे उसकी नजदीकियां बढ़ गई. पैरेंट्स के खत्म होने के बाद डॉक्टर ने उनकी जिम्मेदारी संभालने का वादा किया. इस दौरान पीड़ित युवती और उसके छोटे भाई-बहन उसे डैडी कहने लगे. एक दिन मौका पाकर उसने नशे में धुत होकर पीड़िता के साथ रेप किया. पुलिस फिलहाल मामले की जांच में जुट गई है.

राष्ट्रीय महत्व का संरक्षित स्मारक है

श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर वर्शिप एक्ट लागू नहीं होगा: हाई कोर्ट में हिंदू पक्ष

प्रयागराज, 4 मई (एजेंसियां)। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद को लेकर दाखिल 18 मुकदमों में सुनवाई हुई। सुनवाई पूरी नहीं होने पर कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए सात मई की तारीख लगाई है। यह आदेश न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन ने दिया है। हिंदू पक्ष की ओर से अधिवक्ता हरिशंकर जैन ने विडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बहस में कहा कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि एक संरक्षित स्मारक है। यह राष्ट्रीय महत्व का स्मारक है, इसलिए यह प्राचीन स्मारक और पुरातत्व स्थल अवशेष अधिनियम 1958 से संचालित होगा। ऐसी स्थिति में इस मामले में प्लेसेस ऑफ वर्शिप ऐक्ट के प्रावधान लागू नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि पूजा-अर्चना हमारा मौलिक अधिकार है। पूजा करने के मौलिक अधिकार को सीमा के कानून द्वारा कम नहीं किया जा सकता है। ऐसे मामलों के लिए देवता और भक्त दोनों को अधिकार है। उन्होंने कहा कि मुकदमा विचारणीय है। विचारणीय न होने की याचिका पर प्रमुख साक्ष्यों के बाद ही निर्णय लिया जा सकता है। इसलिए मुकदमे की पोषणीयता के संबंध में सीपीसी के आदेश 7 नियम 11 के तहत प्रस्तुत अर्जियों को खारिज किया जाना चाहिए। इस मामले में अगली सुनवाई 7 मई को होगी। मुकदमों में मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि से शाही ईदगाह मस्जिद की संरचना हटाने के बाद कब्जे के साथ मंदिर की बहाली और स्थायी निषेधाज्ञा की मांग की गई है।

महिला का इंस्टाग्राम और एफबी अकाउंट हुआ हैक, अपलोड किए पोर्न वीडियो

लखनऊ, 4 मई (एजेंसियां)। लखनऊ की एक महिला के इंस्टाग्राम और एफबी अकाउंट को अनजान ऑपरेटर ने किया हैक। नाम और फोटो बदलकर कई अनजान लोगों को फ्रेंड लिस्ट में ऐड किया गया और फिर मैसेंजर पर चैटिंग के दौरान पोर्न वीडियो भेजे गए। महिला की तहरीर पर साइबर क्राइम थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लखनऊ के एक अपार्टमेंट में रहने वाली महिला का इंस्टाग्राम और फेसबुक पर अकाउंट है।

कुछ दिन पहले रिश्तेदार ने कॉल कर बताया कि उनके इंस्टाग्राम और एफबी अकाउंट पर फोटो और नाम बदल दिया गया है। पीड़िता ने काफी प्रयास के बाद आईडी ओपन की। देखा था उनकी आईडी पर दो मोबाइल नंबर दर्ज है। कई अनजान को उनकी फ्रेंड लिस्ट से जोड़ा गया है। यहीं नहीं चैटिंग के दौरान न्यूड फोटो और पोर्न वीडियो भी भेजे गए है। व्हाट्सएप नंबर भी मांगे गए है। ओछी हरकत देख पीड़िता ने साइबर क्राइम थाने में आईटी एक्ट की धारा में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

लालू के साले साधु यादव की मुश्किलें बढ़ीं

23 वर्ष पुराने मामले में करना होगा सरेंडर

पटना, 4 मई (एजेंसियां)। लालू प्रसाद यादव के साले व पूर्व विधायक साधु यादव को 23 वर्ष पुराने मामले में सरेंडर करना होगा। न्यायाधीश संदीप कुमार की खंडपीठ ने साधु की क्रिमिनल रिवीजन याचिका पर सुनवाई करते हुए उन्हें सरेंडर करने का निर्देश दिया। गौरतलब है कि 30 मई 2022 को पटना के एमपी-एमएलए कोर्ट ने वर्ष 2001 के मामले में उन्हें तीन साल कैद की सजा सुनाई थी।

साधु यादव पर लगे हैं कई गंभीर आरोप

वर्ष 2001 के जनवरी में साधु यादव पर संयुक्त परिवहन कार्यालय में अधिकरियों पर गोली चलाकर दहशत फैलाने, रंगदारी न देने पर मारपीट करने, सरकारी कामकाज में बाधा पहुंचाने समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कराया गया था। इस मामले में पटना के एमपी-एमएलए कोर्ट ने साधु यादव को दोषी पाते हुए तीन साल कैद की सजा सुनाई थी। साथ ही उन्हें प्रोविजिनल बेल भी दे दिया था।

क्या कहता है कानून

कानून के अनुसार तीन साल या इससे कम की सजा मिलने पर साथ में ही प्रोविजिनल बेल दे दी जाती है। बेल को कंफर्म करने के लिए साधु यादव द्वारा एक महीने के अंदर डिस्ट्रिक्ट जज के समक्ष अपील याचिका दायर की गई। लंबी सुनवाई के बाद डिस्ट्रिक्ट जज ने उन्हें राहत देने से इनकार करते हुए उनकी अपील याचिका भी ख़ारिज कर दी थी जिसके खिलाफ उन्होंने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। पटना हाई कोर्ट रूल्स के मुताबिक सरेंडर स्लिप दायर करने के बाद ही हाई कोर्ट मामले पर सुनवाई कर सकता है। इस मामले की अगली सुनवाई 16 मई को होगी।

तेजस्वी बोले- मोदी जी रेपिस्ट का प्रचार कर रहे हैं

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ सिर्फ बोलने के लिए, असल काम है बलात्कारियों को टिकट दो-विदेश भगाओ

पटना, 4 मई (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ मोदी जी के लिए सिर्फ बोलने के लिए है। असल काम है बलात्कारियों टिकट दो, बलात्कारियों को बचाओ, बलात्कारियों को विदेश भगाओ। राहुल गांधी ने कर्नाटक के शिवमोगा में चुनाव प्रचार के दौरान भी ये बातें कही थीं। राहुल गांधी ने पीएम पर रेपिस्ट के लिए वोट मांगने का आरोप लगाते हुए कहा कि 'यही है मोदी की गारंटी।' दसअसल, तेजस्वी ने यह बयान पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना को लेकर दिया था। कर्नाटक में भाजपा और जेडीएस साथ चुनाव लड़ रही हैं। प्रज्वल पर कई महिलाओं ने रेप और अश्लील वीडियो बनाने का आरोप लगाया है। प्रज्वल रेवन्ना का कथित तौर पर 3000 अश्लील वीडियो वायरल हुआ है। जिसे लेकर कहा जा रहा है कि हासन सीट से सांसद प्रज्वल रेवन्ना ने कई महिलाओं के साथ जोर जबरदस्ती के साथ यौन शोषण किया और उनके साथ वीडियो बनाया। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। जिसकी जांच जारी है। इधर, हासन सीट पर चुनाव होने के बाद प्रज्वल रेवन्ना जर्मनी चले गए। विपक्ष का आरोप है कि वो भाग गए हैं।

प्रधानमंत्री तो नुक्कड़ सभा करने पर आ गए हैं

तेजस्वी यादव ने आगे कहा, भाजपा के पास कोई मुद्दा तो है नहीं। वे सिर्फ एक ही बात कहते हैं। जहां 5 लाख लोगों को रोजगार मिला। वो जंगलराज कैसे हो सकता है? 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं' ये सिर्फ बोलने के लिए है। उनका (भाजपा) असल काम है 'बलात्कारियों को बचाओ, बलात्कारियों को विदेश भगाओ' रह गया है। महिला पहलवानों का जिक्र करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा, महिला पहलवानों के साथ जो हो रहा था वो कौन सा राज था? हमने तो उत्तर प्रदेश के लोगों को भी नौकरी दी है। लोग वहां से भाग-भाग कर यहां (बिहार) आ रहे हैं। प्रधानमंत्री तो नुक्कड़ सभा करने पर आ गए हैं। हम कह रहे हैं कि ट्रंप-पुतिन बचे हैं, उन्हें भी बुला लीजिए।

पीएम मोदी ने 18 दिन पहले रेवन्ना के समर्थन में रैली की थी पीएम मोदी ने 14 अप्रैल को इसी प्रज्वल के समर्थन में मैसूर में रैली कर रहे थे। तब मोदी ने कहा था, 'आज भारतीय राजनीति में देवगौड़ा सीनियर मोस्ट नेता हैं। उनसे आशीर्वाद प्राप्त करना बहुत बड़ा सौभाग्य है। मैसुरु से यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार, चामराजनगर से एस बालाराज, हासन से प्रज्वल रेवन्ना और मांड्या से मेरे मित्र एचडी कुमारस्वामी, आने वाली 26 अप्रैल को इनके लिए आपका हर वोट मोदी को मजबूती देगा। देश का भविष्य तय करेगा।'

इसी का हवाला देते हुए पहले राहुल और अब तेजस्वी पीएम पर निशाना साधा है। राहुल ने कहा, 'कर्नाटक में सबसे बड़ा इश्यू प्रज्वल रेवन्ना का है। पीएम मोदी ने उसके समर्थन में प्रचार किया है। उसने (प्रज्वल ने) 400 महिलाओं का मास रेप किया है। पीएम मोदी को इसका जवाब और महिलाओं से माफी मांगनी चाहिए।'

पांचवीं शादी में फंसे रामपुर के सपा प्रत्याशी, महिला ने पुलिस से की शिकायत, कहा- धोखे से किया निकाह

रामपुर, 4 मई (एजेंसियां)। रामपुर से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी मोहिब्बुल्लाह के खिलाफ एक महिला ने आगरा के डीसीपी सिटी को तहरीर दी है। आरोप लगाया कि प्रत्याशी ने उससे निकाह किया। मगर, कुछ दिन बाद उसे घर से निकाल दिया। अब प्रत्याशी ने निर्वाचन आयोग में लगाए अपने हलफनामे में पांचवीं पत्नी का नाम लिखा है। पीड़िता ने धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज करने की गुहार लगाई। मामला परिवार परामर्श केंद्र भेजा गया है। शहीद नगर निवासी रुमाना परवीन बृहस्पतिवार को डीसीपी सिटी ऑफिस आईं थीं। उन्होंने बताया कि उनका निकाह 22 अक्तूबर 2012 को मोहिब्बुल्लाह से हुआ था। वह मूलरूप से रामपुर के तहसील स्वार स्थित गांव रजानगर के रहने वाले हैं। वर्तमान में जामा मस्जिद, पार्लियामेंट हाउस 5 रेसकोर्स रोड नई दिल्ली में रहे हैं। पति और ससुराली दहेज से खुश नहीं थे। ससुराल में उसका उत्पीड़न किया जाने लगा। 19 अप्रैल 2015 को उसे घर से निकाल दिया। वह मायके में रह रही है। उसके एक पुत्र अहमद अमीन है। उन्हें निकाह के कुछ दिन बाद पता चला कि मोहिब्बुल्लाह ने पहले से 3 निकाह कर रखे थे। उसे पता चला है कि मोहिब्बुल्लाह लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की टिकट पर रामपुर सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने निर्वाचन आयोग में जो पर्चा भरा है, उसमें पत्नी का नाम समरा नाज लिखा है। जबकि, उन्होंने पहले संभल की आफिया खातून, दूसरी रायबरेली की युवती, तीसरी रामपुर की नजीफा से की थी। इसके बाद उनसे निकाह किया। अब पांचवीं पत्नी संभल की समरा नाज को हलफनामे में दर्शाया है। उससे अवैध रूप से निकाह किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि शादियां मुस्लिम कानून के खिलाफ की हैं। यह भी कहा कि षडयंत्र में अन्य लोग लुभना, अनवार, शैफ अनवार, मोहम्मद शिवली, इकरा, अज्जत भी शामिल हैं। यह लोग उसकी हत्या कर सकते हैं। पीड़िता ने केस दर्ज करने की गुहार लगाई है। रामपुर के प्रत्याशी पर पांचवीं शादी का आरोप लगाया गया है। परिवार परामर्श केंद्र प्रभारी एसीपी पूनम सिरोही को प्रार्थनापत्र की जांच के आदेश दिए गए हैं।

सीपीआई नेता अतुल कुमार अंजान का निधन लखनऊ के अस्पताल में ली अंतिम सांस

लखनऊ, 4 मई (एजेंसियां)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के राष्ट्रीय सचिव अतुल कुमार अंजान का कैंसर से लंबी लड़ाई के बाद शुक्रवार सुबह निधन हो गया। वह 70 वर्ष के थे। बीते एक महीने से लखनऊ के एक निजी अस्पताल में ही उनका इलाज चल रहा है।

बता दें कि अतुल अंजान ने अपना राजनीतिक सफर 1977 में शुरू किया था। वह सबसे पहले लखनऊ विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष चुने गए थे। वह सबसे प्रतिभाशील और सक्रिय कम्युनिस्ट नेताओं में से एक थे। इन्होंने समाज में एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में भी अपनी पहचान बनाई। इन्होंने किसानों और श्रमिकों के हितों में बहुत काम किया। इसी सादगी के दम पर इन्होंने समाज में बहुत इज्जत कमाई थी। उन्होंने राजनीति क्षेत्र में एक विशिष्ट स्थान हासिल किया था।

गाजियाबाद-नोएडा में सक्रिय चेन लुटेरा पुलिस मुठभेड़ में घायल, गिरफ्तार

गाजियाबाद, 4 मई (एजेंसियां)। थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने रात पुलिस मुठभेड़ के दौरान एक शातिर चेन लुटेरे को गिरफ्तार किया है जबकि उसका दूसरा साथी फरार हो गया। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की गोली से यह लुटेरा घायल हो गया है। इसके कब्जे से लूट की चैन के अलावा 8020 रुपये तथा एक अदद तमंचा नाजायज, एक अदद जिंदा एवं एक खोका कारतूस तथा घटना मे प्रयुक्त मोटर साइकिल बरामद की हैं। एसीपी वेवसिटी पूनम मिश्रा ने बताया कि क्रासिंग रिपब्लिक पुलिस अपराध नियंत्रण के दृष्टिकोण से शाहबेरी पुलिया के पास सघन चेकिंग में व्यस्त थी तथा थाना क्षेत्र में संवेदनशील स्थानों पर चेंकिंग करायी जा रही थी। शाहबेरी पुलिया पर चेकिंग टीम को चुनौती देते हुए 02 संदिग्ध लड़के बिना नम्बर की अपाचे मोटर साइकिल से रिछपाल गढ़ी की पुलिया की तरफ भागे। बदमाशों का शक होने पर पुलिस टीम ने वायरलेस के माध्यम से इसकी सूचना थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक एवं चेकिंग में मामूर अन्य पुलिस टीमों को दी एवं इनका पीछा किया गया। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक सरकारी वाहन से जल प्लांट रोड की तरफ से इनकी तलाश में रिछपाल गढी की पुलिया की तरफ चले व पीछे से पुलिस टीम द्वारा इनका पीछा किया जा रहा था।

सीएम योगी बोले- 'राहुल गांधी को पाक से प्रोजेक्ट किया

कांग्रेस का हाथ दुश्मन के साथ'

लखनऊ, 4 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ का राहुल गांधी को रायबरेली से उम्मीदवार बनाए जाने के बाद एक बयान आया है। उनके इस बयान के बाद अब फिर से जुबानी जंग तेज होने की संभावना है। सीएम योगी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को पाकिस्तान से प्रोजेक्ट किए जाने का दावा किया है। उनका यह बयान ऐसे वक्त में आया है जब राहुल गांधी कुछ देर में ही नामांकन करने पहुंचने वाले हैं। सीएम योगी ने कहा- 'राहुल गांधी को पाकिस्तान से प्रोजेक्ट किया जा रहा है। कांग्रेस का हाथ देश के दुश्मन के साथ है। चुनाव आज चरण पर पहुंचे गया है। चुनाव को खराब करने की कोशिश हो रही है। कांग्रेस आजादी के बाद अपने मार्ग से भटक गयी है। कांग्रएस तुष्टीकरण करती है। अंतिम पायदान पर बैठे लोगों को योजना का लाभ मिल रहा है। कांग्रेस की नीति विभाजनकारी है। एनडीए फिर से बहुमत से सरकार बनाएगी।'

पाकिस्तान सरकार के पूर्व मंत्री का बेशर्मी वाला बयान- सीएम

मुख्यमंत्री योगी ने कहा, स्वाभाविक रूप से जो देश के दुश्मन हैं वे चुनाव के दौरान मोदी जी के पक्ष में जो माहौल है उसे खराब करने का पूरा प्रयास करेंगे। कुछ चीजें हैं जो देखने के लायक हैं और देश की जनता को उसे समझना चाहिए। पाकिस्तान राहुल गांधी को प्रोजेक्ट करने का प्रयास कर रहा है। पाकिस्तान सरकार का पूर्व मंत्री जो बेशर्मी के साथ पुलवामा की घटना का समर्थन करता है, वो व्यक्ति राहुल गांधी को समर्थन कर रहा है। उन्होंने कहा कि ये चीजें दिखाती हैं कि मोदी जी जीतेंगे तो भारत में दीपावली होगी लेकिन अगर कांग्रेस कहीं पर सफलता हासिल कर रही है तो उससे पाकिस्तान प्रफुल्लित हो रहा है।

देश की जनता को इन बयानों से जागरूक होना चाहिए और समझना चाहिए। कांग्रेस ने अपने स्वार्थ के लिए पहले देश का विभाजन किया फिर अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए उसने देश के अंदर तुष्टिकरण की नीतियों को जिस तरह से आगे बढ़ाया था, उसी का परिणाम था कि देश में अलगाववाद चरम पर पहुंचा।

रालोद को पश्चिम में लगा तगड़ा झटका

राष्ट्रीय प्रवक्ता रोहित जाखड़ ने सभी पदों से इस्तीफा दिया

मेरठ, 4 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय प्रवक्ता रोहित जाखड़ ने अपने सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने आरएलडी अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह को अपना इस्तीफा भेज दिया है। भाजपा द्वारा यौन उत्पीड़न मामले में आरोपी रहे बृजभूषण सिंह के बेटे करण भूषण को केसरगंज से टिकट दिए जाने के विरोध में यह इस्तीफा दिया है। रोहित ने बताया कि आरएलडी विभिन्न मुद्दों को लेकर लोगों को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष कर रही है। जयंत चौधरी के फैसले के बावजूद भाजपा कहीं भी कोई संवेदनशीलता नहीं दिखाई। बेटियों की अस्मिता से समझौता कर राजनीति संभव है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक पद पर रहकर इसका विरोध संभव नहीं है, सामाजिक स्तर पर इसका विरोध जारी रहेगा।

राष्ट्रीय कैंपेन प्रभारी प्रशांत कनौजिया भी पार्टी से दे चुके हैं इस्तीफा

बता दें कि इससे पहले रालोद के राष्ट्रीय कैंपेन प्रभारी प्रशांत कनौजिया ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने दो पेज का इस्तीफा अपने एक्स अकाउंट पर भी पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने कहा कि मैं प्रशांत कनौजिया राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय कैंपेन इंचार्ज पद और प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देता हूं। लिखा कि 'भारत को तोड़ने वाली और बाबा साहेब आंबेडकर के संविधान को बर्बाद करने की मंशा रखने वाले भाजपा और आरएसएस का साथ नहीं दे सकता। मुझे नरेंद्र मोदी में श्रद्धेय चौधरी चरण सिंह नहीं बल्कि एक क्रूर तानाशाह नजर आता है'।

शिवपाल यादव की भावुक अपील, नेताजी के अक्स के रूप में देखें अखिलेश का चेहरा

बदायूं, 4 मई (एजेंसियां)। सपा प्रत्याशी आदित्य यादव के समर्थन में आयोजित जनसभा में राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने कहा नेताजी होते तो सारी चुनौतियां हवा में उड़ जातीं। लेकिन दुख है कि वह हमारे बीच नहीं है। लेकिन अब हम सभी को उनके अक्स के रूप में अखिलेश को चेहरा देखना होगा। बोले कि इस लोकसभा के चुनाव के बाद मैं खुद पूरे प्रदेश में जाऊंगा और 2027 में अखिलेश को उप्र का मुख्यमंत्री बनाएंगे। सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने संबोधन की शुरुआत अपने पुराने और मजाकिया अंदाज में ही की। वह अपने संबोधन से सामने मौजूद जनता को सीधे खुद से जोड़ रहे थे। बोले याद है पिछला चुनाव जब भतीजे धर्मेंद्र यहां से चुनाव लड़ रहे थे, तब उन्हें कैसे हराया गया था। बताया गया था कि स्ट्रांग रूम में तोता घुस गया था। इस बार तोते घुसेंगे नहीं, जनता भाजपा वालों के तोते उड़ा देगी। अगर धोखे से कोई तोता घुस भी गया तो फिर वह बाहर नहीं निकल पाएगा। बोले सात मई को आदित्य के नाम का ऐसा तूफान आएगा, जिसमें सब उड़ जाएंगे। शिवपाल ने कहा कि बदायूं वालों ऐसा कोई मौका न देना कि वह बेईमानी कर पाएं। इतनी बड़ी बढ़त बनाकर भेजना कि बेईमानी करने की वह सोच भी न पाएं। मैनपुरी की जनता ने तो नेताजी को श्रद्धांजलि के रूप में डिंपल को भारी मतों से जिता लोकसभा भेज दिया था। अब बदायूं की बारी है, अखिलेश को देख कर आदित्य को भी लोकसभा भेजें। जिससे वह बदायूं का विकास कर सके।

चुनाव में खुद उतरना चाहते थे धनंजय सिंह, अखिलेश यादव से भी की थी बात

जौनपुर, 4 मई (एजेंसियां)। जेल से छूटने के बाद बाहुबली नेता धनंजय सिंह मंदिर में दर्शन कर रहे हैं। फिलहाल अब धनंजय सिंह जौनपुर में हैं। उनकी पत्नी श्रीकला सिंह बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) से चुनाव लड़ रही है। जेल से छूटने के बाद बाहुबली नेता धनंजय सिंह कैंचीधाम पहुंचे थे, नीब करौरी बाबा का दर्शन किया और फिर हनुमान जी की पूजा की, साथ ही महादेव की आरती भी की थी। बता दें, पूर्व सांसद धनंजय सिंह अब जौनपुर में हैं। इस बार वो चुनाव लड़ने नहीं लड़ाने के रोल में हैं। हालांकि लोकसभा चुनाव 2024 में धनंजय सिंह खुद मैदान में उतरना चाहते थे और वो जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) में इसीलिए शामिल हुए थे कि शायद बीजेपी जौनपुर की सीट उनके लिए छोड़ दे। टिकट की जुगाड़ में वो अखिलेश यादव से भी मिले थे लेकिन बात नहीं बनी। इसी दौरान अपहरण और रंगदारी के मामले में उन्हें सात साल की सजा हो गई। हालांकि अब उनको जमानत मिल चुकी है। बीएसपी का सांसद रहते हुए मायावती ने उन्हें पार्टी से बाहर कर दिया था। अब उनकी ही कृपा से धनंजय की पत्नी को टिकट मिल गया है। बीजेपी पिछली चुनाव जौनपुर से हार गई थी। तब बीएसपी और समाजवादी पार्टी का गठबंधन था। बीएसपी ने बीजेपी को हरा दिया था। इस बार बीजेपी पार्टी ने कृपा शंकर सिंह को टिकट दिया है। दूसरी तरफ जौनपुर से बीएसपी ने धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला सिंह को टिकट दिया है। बता दें, जौनपुर में पांच बड़े वोट बैंक हैं। दलित, मुस्लिम, यादव, ब्राह्मण और ठाकुर । धनंजय सिंह और कृपा शंकर सिंह दोनों ठाकुर बिरादरी के हैं। यहां समाजवादी पार्टी ने बाबू सिंह कुशवाहा को उम्मीदवार बनाया है।

2009 में धनंजय सिंह बने थे सांसद

साल 2009 में धनंजय सिंह बीएसपी से सांसद बने थे। उसके बाद से वो हर चुनाव हारते रहे हैं। यूपी में ज्यादातर सीटों पर इंडिया गठबंधन और बीजेपी में सीधा मुकाबला है। लेकिन धनंजय सिंह की वजह से जौनपुर में मामला त्रिकोणीय हो गया है। पीएम नरेन्द्र मोदी ने उत्तरप्रदेश चुनाव के दौरान कहा था कि सुगंधित इत्र और अच्छे मित्र किस्मत वालों को मिलते हैं। पता नहीं जौनपुर के वोटर इस चुनाव में किस उम्मीदवार को अपना मित्र बनाते हैं।

करनाल से कांग्रेस उम्मीदवार बुद्धिराजा को मिली बेल

पंचकूला, 3 मई (एजेंसियां)। करनाल से कांग्रेस के उम्मीदवार दिव्यांशु बुद्धिराजा शुक्रवार को पंचकूला कोर्ट में पेश हुए। कोर्ट ने उन्हें बेल देकर उनको राहत दी है। हरियाणा युवा कांग्रेस के अध्यक्ष दिव्यांशु बुद्धिराजा ने पंचकूला में दर्ज एफआइआर व भगोड़ा घोषित करने के आदेश को रद्द करने की हाईकोर्ट से गुहार लगाई थी। कोर्ट में बुद्धिराजा के वकील ने आश्वासन दिया था कि वह जल्द ही ट्रायल कोर्ट में समर्पण कर देंगे। इस आश्वासन के बाद हाई कोर्ट ने सुनवाई सात मई तक स्थगित कर दी थी। बुद्धिराजा के खिलाफ न्यायालय के आदेश पर तीन जनवरी 2024 को पंचकूला सेक्टर 14 के पुलिस थाना में धारा 174ए के तहत मामला दर्ज किया गया था। दरअसल बुद्धिराजा के खिलाफ सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान की पुलिस में शिकायत दर्ज थी। इस मामले में न्यायालय में सुनवाई थी और सुनवाई के दौरान वह पेश नहीं हुए थे। बुद्धिराजा अभी तक भगोड़ा ही हैं। पुलिस के रिकार्ड में अब तक लापता रिपोर्ट सबमिट है।

पॉश इलाके में सड़क किनारे मिली नवजात की लाश, कूरियर कवर में लिपटा हुआ था बच्चा

कोच्चि, 3 मई (एजेंसियां)। केरल के कोच्चि में सड़क किनारे एक नवजात का शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी मच गई. पुलिस ने कहा कि कोच्चि नगर निगम के सफाई कर्मचारियों ने यहां के पॉश पनमपिल्ली नगर में सड़क के किनारे एक नवजात बच्चे को मृत पाया. रिपोर्ट के मुताबिक नगर निकाय कर्मियों को शुकवार की सुबह करीब आठ बजे एक कूरियर कवर में लिपटा हुआ शव मिला, उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी. पुलिस को सीसीटीवी फुटेज मिला है जिसमें सड़क किनारे एक कवर में बच्चे का शव देखा गया।

बीजेपी विधायक की बेटी 30 हजार घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

पन्ना, 3 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले के अमानगंज नगर परिषद की अध्यक्ष सारिका खटीक को 30 हजार रुपये की रिश्वत लेते लोकायुक्त पुलिस सागर ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। ठेकेदार के बिलों के भुगतान के एवज में रिश्वत मांगी गई थी। सारिका खटीक दमोह जिले के हटा से बीजेपी विधायक उमा देवी खटीक की बेटी हैं। जनप्रतिनिधि के पकड़े जाने का यह पहला मामला सामने आया है। लोकायुक्त पुलिस सागर के मुताबिक पन्ना जिले के अपमानगंज नगर परिषद के आजाद नगर वार्ड निवासी आजाद राज मोदी ने लोकायुक्त पुलिस सागर में शिकायत दर्ज कराई थी।

इसमें परिषद की अध्यक्ष सारिका खटीक द्वारा उसकी लिफ्टिंग मशीन के चार महीने के बिलों के भुगतान के एवज में रिश्वत मांगी जा रही थी। लोकायुक्त पुलिस ने जांच के बाद सारिका खटीक पति शारद खटीक अध्यक्ष नगर परिषद अमानगंज को नगर परिषद अमानगंज के कार्यालय में 30 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा। यह कार्रवाई लोकायुक्त डीएसपी मंजू सिंह के नेतृत्व में की गई।

शिकायत कर्ता ठेकेदार और बीजेपी नेता आजादराज मोदी के अनुसार उसके चार माह के बिलों का भुगतान नहीं हो रहा था। उसके लिफ्टर मशीन के चार माह का भुगतान एक लाख 33 हजार रुपये बाकी था। अध्यक्ष सारिका खटीक द्वारा 40 हजार रुपये मांगे जा रहे थेय फिलहाल 10 हजार रुपये वह पहले दे चुका था। पन्ना जिले के अमानगंज नगर परिषद की अध्यक्ष सारिका खटीक दमोह जिले के हटा से बीजेपी विधायक उमा देवी खटीक की बेटी है। सारिका बीजेपी में भी सक्रिय रही है। सारिका खटीक दमोह जिले से दो बार जिला पंचायत की सदस्य रह चुकी है।

शादी के बाद सारिका खटीक अमानगंज में बीजेपी में सक्रिय रही और नगर परिषद की अध्यक्ष बनी। वह अमानगंज मंडल की महामंत्री भी है। लोकायुक्त पुलिस द्वारा जनप्रतिनिधियों के खिलाफ ट्रैप की कार्यवाई का यह पहला मामला है।

अमेठी से राहुल गांधी के नहीं लड़ने पर संजय राउत का बड़ा दावा, संजय निरुपम ने भी दिया बयान

मुंबई, 3 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी उत्तर प्रदेश की रायबरेली सीट से चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस ने शुक्रवार सुबह इसकी आधिकारिक घोषणा की है। वहीं कांग्रेस ने अमेठी संसदीय क्षेत्र से किशोरी लाल शर्मा को अपना उम्मीदवार बनाया है। इस बीच अमेठी से चुनाव नहीं लड़ने पर उद्धव गुट के सांसद संजय राउत और पूर्व कांग्रेस नेता संजय निरुपम का बड़ा बयान सामने आया है। शिवसेना (यूबीटी) प्रवक्ता संजय राउत ने कहा, राहुल गांधी डरने वाले नहीं हैं। रायबरेली गांधी परिवार की सीट रही है।

इस बार स्मृति ईरानी लोकसभा नहीं जा रही है। केएल शर्मा जा रहे हैं। इस बीच संजय राउत ने पीएम मोदी पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, मोदी जी झुठ बोलते हैं। शिवसेना के तोड़ने का काम मोदी जी ने किया है। यह चुनाव देश के लिए नहीं हो रहा है बल्कि मोदी और शाह के लिए हो रहा है।

बीजेपी 200 पार नहीं करेगी देश की जनता सावधान है। संजय राउत बोले, वे वायनाड से चुनाव लड़ते हैं और जीतते हैं, लेकिन हम सबकी इच्छा थी कि गांधी परिवार से कोई उत्तर प्रदेश से लड़े, चाहे वह अमेठी हो या रायबरेली। इंदिरा गांधी के समय से ही नेहरू परिवार रायबरेली से चुनाव लड़ता रहा है। अमेठी से कोई भी जीत सकता है, केएल शर्मा गांधी परिवार के सदस्य हैं। इस बार स्मृति ईरानी लोकसभा नहीं जा रही हैं, लेकिन केएल शर्मा जा रहे हैं। पूर्व कांग्रेस नेता संजय निरुपम ने कहा, जिस अमेठी ने कांग्रेस को हमेशा अंचरा में भर-भर कर प्यार और सम्मान दिया। उस अमेठी को कांग्रेस ने भय, घृणा और तिलांजलि का पात्र बना दिया है।

बंगाल गवर्नर के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत

महिला ने कहा- मेरे साथ छेड़खानी हुई; बोस बोले- मुझे बदनाम करने की साजिश है

कोलकाता, 3 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस पर राजभवन की महिला कर्मी ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। उसने मामले को लेकर हरे स्ट्रीट थाने में लिखित शिकायत दी है। महिला का आरोप है कि वो 24 मार्च को स्थायी नौकरी का निवेदन लेकर राज्यपाल के पास गई थी। तब राज्यपाल ने बदसलूकी की। गुरुवार को फिर यही हुआ तो वह राजभवन के बाहर तैनात पुलिस अधिकारी के पास शिकायत लेकर गई। हालांकि, राज्यपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर महिला के आरोपों का खंडन किया है। उन्होंने कहा, 'ये मुझे बदनाम करने की साजिश है। मेरे ऊपर बेबुनियाद आरोप लगाए गए हैं। सत्य की जीत होगी। उन्होंने आगे कहा कि मैं बनावटी नरेटिव से डरने वाला नहीं। कोई मुझे बदनाम करके चुनावी फायदा चाहता है, तो भगवान भला करे। मैं भ्रष्टाचार-हिंसा के खिलाफ लड़ाई नहीं रोक सकता।'

क्या मोदी जी राज्यपाल से सफाई मांगेंगे: सागरिका घोष

तृणमूल कांग्रेस सांसद सागरिका घोष ने महिला के आरोपों को लेकर एक वीडियो बयान जारी किया है। उन्होंने कहा है कि बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस के खिलाफ एक गंभीर आरोप लगाया गया है। एक महिला जब राजभवन गई तो राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने उनके साथ छेड़छाड़ की, यौन उत्पीड़न किया और गलत व्यवहार किया। महिला अब पुलिस स्टेशन पहुंच चुकी है, जहां वह अपनी शिकायत दर्ज करा रही है। उन्होंने आगे कहा कि ये गंभीर आरोप तब लग रहे हैं, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोलकाता पहुंच रहे हैं। मोदी जी राजभवन में ही ठहरेंगे। क्या मोदी जी राज्यपाल से सफाई मांगेंगे? क्या मोदी जी पूछेंगे कि राजभवन में इस तरह की घटना कैसे घटी?

शुभेंदु अधिकारी बोले- अगर मामला सच हुआ तो कार्रवाई होगी

राज्यपाल पर लगे आरोपों को लेकर भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि यह देखना होगा कि आरोप सही हैं या फिर कोई साजिश है। 26,000 शिक्षकों की नौकरी चली गई, संदेशखाली मुद्दे पर तृणमूल घिरी है। देखना होगा कि ये शिकायत राजनीतिक साजिश है या नहीं। अगर यह सच है तो निश्चित तौर पर केंद्र सरकार कार्रवाई करेगी।

राजभवन में पुलिस के प्रवेश पर लगाई रोक

इस बीच राजभवन परिसर में पुलिस के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। वहीं, राज्यपाल ने राज्य की मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य के प्रवेश पर भी रोक लगाई है। राज्यपाल ने चंद्रिमा पर संविधान विरोधी बयान देने का आरोप लगाया। उन्होंने मंत्री के खिलाफ कार्रवाई के लिए अटॉर्नी जनरल से सलाह मांगी है।

पश्चिम बंगाल के साउथ 24 परगना जिले के संदेशखाली में महिलाओं ने टीएमसी नेता शेख शाहजहां और उनके समर्थकों पर यौन उत्पीड़न और जमीन हड़पने का आरोप लगाया है। इस मामले में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा- ममता बनर्जी टीएमसी के गुंडों को संरक्षण दे रही हैं। ईरानी ने कहा- संदेशखाली की महिलाओं ने अपनी व्यथा बांग्ला में शेयर किया है। देश के कई लोग इसे समझ नहीं पाए होंगे। मैं आपको इसे बताती हूं। उन्होंने कहा- टीएमसी के गुंडे घर-घर जाकर देखते थे कि किस घर की कौन सी औरत सुंदर है। कौन कम उम्र की है?

असम कांग्रेस की अपने विधायक को अयोग्य घोषित करने की मांग

पार्टी उम्मीदवार के खिलाफ प्रचार करने का आरोप

गुवाहाटी, 3 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस ने असम विधानसभा से निलंबित विधायक शरमन अली अहमद को अयोग्य घोषित करने की मांग की। पार्टी ने लोकसभा चुनाव में पार्टी उम्मीदवार के खिलाफ प्रचार करने का आरोप लगाते हुए 167 पेज का शिकायती पत्र विधानसभा अध्यक्ष बिस्वजीत दैमारी को सौंपा। विधायक को अयोग्य घोषित करने के लिए कांग्रेस पार्टी ने दूसरी बार विधानसभा अध्यक्ष को पत्र सौंपा है। विधानसभा में कांग्रेस के उप नेता व धुबरी लोकसभा सीट से उम्मीदवार रकीबुल हुसैन ने कहा कि अहमद पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार के खिलाफ प्रत्यक्ष रूप से प्रचार कर रहे हैं और अपने फेसबुक पेज पर कांग्रेस उम्मीदवार के खिलाफ चीजें प्रसारित कर रहे हैं।

यह नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है और हमने विधानसभा अध्यक्ष से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। दैमारी के शहर से बाहर होने के कारण हुसैन ने असम प्रभारी पृथ्वीराज साठे और अन्य नेताओं के साथ विधानसभा सचिव दुलाल पेगू को शिकायत सौंपी। साठे ने कहा कि 167 पन्नों की शिकायत में कई दस्तावेज और संदर्भ शामिल हैं। इनसे पता चलता है कि पार्टी व्हिप की अवज्ञा पर विधायकों को 24 घंटे के भीतर विधानसभा से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। अब विधानसभा अध्यक्ष की जिम्मेदारी है कि वह विधायक पर कार्रवाई कर उदाहरण स्थापित करें।

हमीदिया अस्पताल के सुरक्षाकर्मी ने महिला-पुरुष को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

भोपाल, 3 मई (एजेंसियां)। रात हमीदिया अस्पताल में इलाज कराने आए एक महिला और पुरुष को सुरक्षाकर्मी द्वारा दौड़ा-दौड़ाकर पीटने का मामला सामने आया है। फरियादी मामला दर्ज कराने पर अड़ा है, लेकिन गांधी मेडिकल कॉलेज की डीन ने मारपीट का आरोप लगाने वाले व्यक्ति को घटना के समय शराब के नशे में होने का आरोप लगाते हुए सुरक्षाकर्मी का बचाव किया है। जानकारी के अनुसार बीती रात करीब साढ़े दस बजे सुरक्षाकर्मियों ने रामबाबू वर्मा और उसकी पत्नी रामसखी वर्मा के साथ मारपीट की है। यह दंपति एक्सीडेंट में घायल बेटे को देखने हमीदिया अस्पताल आए थे। बेटे का विदिशा जिले में एक्सीडेंट हुआ था। महेश ने मीडिया से बात करते हुए सुरक्षाकर्मियों पर आरोप लगाते हुए कहा कि भतीजे को विदिशा से भोपाल रेफर किया गया था।

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी बोले- इमरती का रस खत्म हो गया

चाशनी नहीं बची; सिंधिया ने बताया घटिया बयान

भोपाल, 3 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनावी के बीच कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के एक बयान ने प्रदेश की सियासत का पारा चढ़ा दिया है। इमरती देवी पर दिए बयान के बाद भाजपा उन पर हमलावर हो गई है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया समेत भाजपा के तमाम नेताओं ने पटवारी और कांग्रेस पर हमला बोला है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का 16 सेकेंड का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह वीडियो ग्वालियर का बताया जा रहा है। मीडिया द्वारा पूर्व मंत्री इमरती देवी को लेकर पूछे गए एक सवाल का जीतू हंसते हुए के जवाब दे रहे हैं। वे कह रहे हैं- देखो ऐसा है, अब इमारती जी का रस खत्म हो गया है, जो अंदर चाशनी होती है, उनके लिए अब मैं कुछ बात नहीं कर रहा।

हालांकि, मामले बढ़ने के बाद जीतू ने बयान पर सफाई दी और इमरती को अपनी बड़ी बहन जैसी बताया। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के बयान पर केंद्रीय मंत्री और गुना से भाजपा उम्मीदवार ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष के द्वारा इतना घटिया बयान दिया गया है। यह महिलाओं के प्रति कांग्रेस प्रदेश के अध्यक्ष और कांग्रेस पार्टी की मानसिकता को दिखाता है। इसका जवाब कांग्रेस को सारे प्रदेश की महिलाएं आने वाले दिनों में देंगी। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पटवारी के बयान पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने भी उन हमला बोला। शर्मा ने कहा कि भाजपा महिलाओं का अपमान बर्दाश्त नहीं करेगी। पटवारी ने भाजपा नेत्री इमरती देवी के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी की गई है, जिसका हम पुरजोर विरोध करेंगे। जीतू पटवारी जिस जिले में जाएंगे, वहां भाजपा कार्यकर्ता और महिला मोर्चा की कार्यकर्ता उन्हें काले झंडे दिखाएंगी।

विवाद बढ़ने पर जीतू पटवारी ने बयान को लेकर कहा कि गुरुवार को मैं ग्वालियर में था। वहां एक ऑडियो को लेकर पत्रकारों ने सवाल किया था, मेरी भावना केवल सवाल को टालने की थी। उस संदर्भ में मैंने जो वक्तव्य दिया उसको तोड़-मरोड़कर गलत प्रस्तुत किया जा रहा है। इमरती देवी का जहां तक सवाल है वे मेरी बड़ी बहन हैं और बड़ी बहन मां जैसी होती है। मेरी कोई नीयत नहीं थी। मेरे बयान से किसी की भी भावना को ठेस पहुंची हो तो मैं माफी चाहता हूं।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश को लेकर गुड न्यूज, बिहार-ओडिशा समेत इन राज्यों में हीटवेव की चेतावनी

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। दिल्ली-एनएसीआर में आज दिन में तेज सतही हवा चलने का अनुमान है। वहीं, मौसम शुष्क रहेगा। दिल्ली का न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस तो अधिकतम 38 डिग्री सेल्सियस रहेगा। वहीं, कल यानी शनिवार को सामान्य रूप से बादल छाए रहेंगे और तापमान में वृद्धि होगी, लेकिन हल्की बारिश और बूंदाबांदी की भी संभावना है, जिसके कारण लोगों को गर्मी से राहत मिल सकती है। देश के ज्यादातर राज्यों में आज मौसम साफ रहेगा। बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश के तटीय इलाके, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और तेलंगाना में हीटवेव की चेतावनी जारी की गई। कोंकण-गोवा, तटीय कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु-पुडुचेरी में गर्मी के साथ उमस परेशान करेगी। कोस्टल आंध्र प्रदेश में आंधी और आकाशीय बिजली को लेकर भी चेतावनी जारी की गई है। वहीं, गुजरात में हीटवेव को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। नॉर्थ-ईस्ट के राज्यों असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश के अलावा जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में आंधी और आकाशीय बिजली का येलो अलर्ट जारी किया गया है। आज उत्तराखंड में मौसम शुष्क और चटख धूप रहने का अनुमान है, जिससे तापमान में बढ़ोतरी की संभावना है। गुरुवार को दून में सुबह से धूप खिली रही। हालांकि, सुबह हल्की ठंडक महसूस की गई। वहीं, शनिवार से प्रदेश में एक बार फिर मौसम करवट बदल सकता है। प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्रों में आंशिक से लेकर मुख्यतः बादल छाये रहने के आसार हैं।

हिमाचल में आंधी-बिजली का अलर्ट

हिमाचल प्रदेश में चार और पांच मई को प्रदेश में कुछ स्थानों पर आंधी और आकाशीय बिजली को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। 4 मई से प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के एक बार फिर सक्रिय होने का अनुमान है। हालांकि, इसका ज्यादा असर नहीं रहेगा।

बीवी के आशिक को 'गिफ्ट' किया स्पीकर ऑन करते ही हुआ ब्लास्ट, बाप-बेटी की मौत

साबरकांठा, 3 मई (एजेंसियां)। गुजरात के साबरकांठा जिले में अवैध संबंधों के चक्कर में एक शख्स ने खुद की तो जान गंवाई ही। साथ ही साथ एक मासूम भी बेवजह मारी गई। जबकि, दो लड़कियां जिंदगी की जंग लड़ रही है। दोनों फिलहाल अस्पताल में वेंटिलेटर पर हैं। मामला वडाली तालुका का है। यहां गुरुवार को एक घर में विस्फोटक भरा स्पीकर फटने से एक व्यक्ति और उसकी बेटी की मौत हो गई। इसके अलावा दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने इस मामले में एक शख्स को हिरासत में लिया है। पूछताछ में पता चला कि पकड़े गए शख्स जयंतीभाई वंजारा (31 वर्ष) की पत्नी के मृत शख्स के साथ अवैध संबंध थे। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान वेदा गांव निवासी जीतू उर्फ जितेंद्र वंजारा (36) और भूमिका वंजारा (14) के रूप में की गई है। घटनास्थल से अमोनियम नाइट्रेट समेत विस्फोटक पदार्थ मिले हैं। रिपोर्ट के अनुसार, बम विस्फोट की घटना के बाद सरकार ने इस मामले की जांच के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) की एक टीम को मौके पर भेजा। यह विस्फोट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जिले में एक रैली को संबोधित करने के एक दिन बाद हुआ था। साबरकांठा जिला पुलिस के अनुसार, गुरुवार दोपहर करीब 12.30 बजे एक ऑटोरिक्शा चालक जीतू के घर पहुंचा और एक पार्सल दिया। पार्सल पर 'जितेंद्र वंजारा' नाम का स्टिकर लगा था, जिस पर उसका पता और मोबाइल फोन नंबर लिखा था। गांधीनगर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक वीरेंद्रसिंह यादव ने बताया, जीतू ने उस पार्सल बॉक्स को अपनी बेटी भूमिका और छाया के साथ-साथ पड़ोस की लड़की शिल्पा (14) की मौजूदगी में खोलना शुरू किया। उस बॉक्स में एक स्पीकर निकला। जैसे ही जीतू ने स्पीकर ऑन किया, उसमें जोरदार विस्फोट हो गया, जिससे चारों लोग घायल हो गए। विस्फोट की आवाज सुनकर आस-पड़ोस के लोग भी जीतू के घर पहुंचे। अंदर का मंजर बेहद डरावना था। घायलों के चीखने की आवाज आ रही थी। उधर, खून ही खून बिखरा पड़ा था। उन्हें तुरंत वडाली के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ले जाया गया। जहां जीतू और भूमिका को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया, वहीं छाया और शिल्पा को इलाज के लिए हिम्मतनगर के सिविल अस्पताल रेफर कर दिया गया।

जीतू के महिला से ये अवैध संबंध

पुलिस को जांच के दौरान पता चला कि जीतू का पड़ोस के गांव की एक शादीशुदा महिला से अफेयर चल रहा था। महिला के पति ने जीतू को उसकी पत्नी से दूर रहने की चेतावनी भी दी थी। महिला का पति एक माइनिंग कंपनी में नौकरी करता है और किसी तरह वह अमोनियम नाइट्रेट हासिल करने में कामयाब रहा। उसने एक म्यूजिक सिस्टम के स्पीकर में अमोनियम नाइट्रेट भरा और उसे डेटोनेटर से जोड़ दिया। जैसे ही जीतू ने पार्सल खोला, स्पीकर फट गया।

वेंटिलेटर पर दोनों लड़कियां

पुलिस ने कहा कि महिला के पति और ऑटोरिक्शा चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी ने जीतू के घर पर पार्सल पहुंचाने के लिए वेदा गांव के ही रहने वाले ऑटो चालक को 200 रुपये दिए थे। फिलहाल इस मामले में आगामी कार्रवाई की जा रही है। उधर, गांधीनगर से आई फोरेंसिक टीम और गुजरात आतंकवाद विरोधी दस्ते के प्रमुख सुनील जोशी और साबरकांठा जिले के पुलिस अधीक्षक विजय पटेल ने भी क्राइम स्पॉट का दौरा किया। सिविल अस्पताल के सहायक रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर विपुल जानी ने कहा कि घायल लड़कियों में से एक को वेंटिलेटर पर रखा गया है। उम्मीद है कि जल्द ही दोनों ठीक हो जाएंगी।

जंगल की आग ने घरों को किया राख, एक मजदूर की मौत

देहरादून, 3 मई (एजेंसियां)। उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों में आग थमने का नाम नहीं ले रही है। जंगल में लगी इस आग में एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि 4 नेपाली मजदूर आग की चपेट में आने से झुलस गए। कुमाऊं में लगी आग ज्यादा विकराल रूप ले रही है। आए दिन आग से होने वाली घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। जंगल में लगी आग को बुझाने के लिए 2 महिला और 2 पुरुष श्रमिक गए। जंगल में लगी आग की चपेट में आने से तीन घर बुरी तरह झुलस गए। यह सभी घर पिथौरागढ़, चंपावत और बागेश्वर क्षेत्र के थे। हालांकि इन सभी घरों में आग लगने से किसी तरह की हानि नहीं हुई क्योंकि यह सभी घर लंबे समय से खाली पड़े थे। लंबे समय से उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग के कारण एक हेक्टेयर से भी ज्यादा हिस्सा जल चुका है। इस भीषण आग की हालत बेकाबू होती जा रही है। राज्य में 24 घंटे में 40 से ज्यादा घटनाएं घटित हो चुकी हैं। इस साल पिछले साल की तुलना में ज्यादा आग लगी हुई है। कुमाऊं में आग की घटनाएं ज्यादा संख्या में हो रही हैं, जबकि गढ़वाल में कुमाऊं की तुलना में आग की घटनाएं कम हो रही हैं। पिछले फायर सीजन की तुलना में यह साल राज्य के लिए काफी परेशानी भरा है। जंगल में काफी समय से लगी आग के कारण काफी नुकसान पहुंचा है। चम्पावत, बाराकोट और लोहाघाट में लगी आग अब गेस्ट हाउस की तरफ बढ़ रही है। जंगल की यह आग कनारीछीना, लमगड़ा, कोसी, सोमेश्वर, कालीमठ के क्षेत्रों में भी लगी हुई है। गर्मी के दिनों में जंगल में आग लगने की घटनाएं आम हैं। गर्म और तेज चलने वाली लू और हवाओं के कारण भी आग लगने की घटनाएं होती हैं। ज्यादा समय तक बारिश नहीं होने से भी जंगल में आग लगती है।

भोपाल के इंजीनियर ने चलती ट्रेन में पत्नी को दिया तीन तलाक, पहले से शादीशुदा

भोपाल, 3 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात जिले के रहने वाले एक व्यक्ति ने चलती ट्रेन में अपनी पत्नी को तीन तलाक दिया और ट्रेन से उतरकर भाग गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। दोनों का निकाह एक वैवाहिक वेबसाइट पर संपर्क में आने के बाद इसी साल 12 जनवरी को हुआ था। दोनों भोपाल जा रहे थे, रास्ते में झांसी में यह घटना हुई।

पुलिस का कहना है कि 28 वर्षीय मोहम्मद अरशद ने 12 जनवरी को कोटा की रहने वाली अफसाना (26) से निकाह किया था। अरशद एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर है और भोपाल में काम करता है। 29 अप्रैल को झांसी स्टेशन पर अरशद ने अफसाना से तीन बार तलाक कहा और ट्रेन से उतर गया। फरार होने से पहले अरशद ने कथित तौर पर अफसाना को पीटा भी। अचानक हुए इस घटनाक्रम से अफसाना घबरा गई और उसने रेलवे पुलिस से संपर्क किया। पुलिस ने उसे कानपुर भिजवाया और अरशद की तलाश शुरू की।

गुल खिलाने पहुंची गुजरात तो पीछे से चली आई दिल्ली पुलिस, ज्योति गिरफ्तार

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। करोलबाग में गुलखिलाने के बाद गुजरात पहुंची एक युवती को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार हुई युवती की पहचान ज्योति के रूप में हुई है। वहीं, इस युवती के साथ गोरखधंधे में शामिल पिंकी नामक युवती और रोशन नामक एक युवक दिल्ली पुलिस की गिरफ्त से बचने में सफल हो गए हैं। दोनों की तलाश में दिल्ली पुलिस की टीमें गुजरात के विभिन्न इलाकों में छापेमारी कर रहे हैं। मध्य जिला पुलिस उपायुक्त एम। हर्ष वर्धन के अनुसार, यह मामला 12 मार्च 2024 का है। करोल बाग पुलिस स्टेशन में एक शख्स ने अपने हीरे चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी।

शिकायतकर्ता ने बताया था कि वह रिक्शा से गुरुद्वारा से करोल बाग मेट्रो स्टेशन जा रहा था, इसी बीच किसी ने उसकी जेब से हीरो से भरी पोटली निकाल ली। पुलिस ने इस बाबत आईपीसी की धारा 420 के तहत दर्ज कर अपनी जांच शुरू दी।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 4 मई - 2024

युवाओं की जान लेती सेल्फी

सोशल मीडिया पर वीडियो बनाने की युवाओं में ऐसी सनक पनप रही है कि उनकी जान भी चली जाए तो परवाह नहीं लेकिन वे सेल्फी लेने से नहीं चूकते। आए दिन इस तरह से युवाओं की जान जाने की घटनाओं से सबक लेने की जरूरत महसूस की जाने लगी है। वीडियो बनाने में मशगूल लोगों में लगता है कि विवेक शून्यता आ चुकी है। सेल्फी का उपयोग करने के बजाय इस तरह की भेड़चाल में शामिल हो गए लोगों के पास सही वक्त पर फैसला लेने की क्षमता भी जाती रही है। नतीजतन अच्छी भली जिंदगी जानलेवा हादसे का शिकार हो जाती है। देखा जाए तो अपनी खुशी के लिए कुछ अलग करने का शौक सामान्य तौर पर सकारात्मक माना जाता है, लेकिन इस तरह के शौक कभी-कभी शोक में बदल जाते हैं। सेल्फी लेने वाले विवेकशून्य हो कर अपनी सुध-बुध तक खो बैठते हैं। नतीजतन उसका कभी-कभी जो जानलेवा परिणाम आता है वह बेहद दर्दनाक होता है। देखा जा रहा है कि जब से स्मार्टफोन के साथ हर हाथ में कैमरा पहुंचा है, तब से काफी लोगों के भीतर एक विचित्र-सी मनोदशा का विकास होता देखा जा रहा है। इसके वशीभूत हो कर वे मौके-बेमौके बिना किसी मायने के अपनी तस्वीरें उतारते रहते हैं। इसका विस्तार सोशल मीडिया पर खुद को अभिव्यक्त करने के रूप में देखा जा रहा है। हर वक्त अपनी तस्वीर या फिर वीडियो बना कर प्रसारित कर देना मानो सबसे जरूरी काम हो गया है। विडंबना यह है कि इस शौक ने जिस तरह से बुद्धि व विवेक का सत्यानाश किया है , उसका खमियाजा केवल आपसी व्यवहारों के स्तर पर नहीं उठाना पड़ रहा है, बल्कि इस वजह से मौत की घटनाएं भी बढ़ती जा रही हैं। आए दिन ऐसी खबरें आती हैं कि सोशल मीडिया पर रील के आकर्षण में वीडियो बनाने की कोशिश में हादसे का शिकार होकर किसी युवा की जान चली गई। अनायास और बिना किसी कारण के होने वाली मौतें हैं, जिनके पीछे महज विवेकशून्य होकर अपने किसी शौक को पूरा करने की भूख मुख्य वजह है। ताजा घटना हरिद्वार की है, जहां बुधवार को बीस वर्ष की एक छात्रा ने रेल की पटरी पर रील बनाने की कोशिश की और उसी समय आई ट्रेन की चपेट में आ गई। जिससे मौके पर ही उसकी जान चली गई। जिस बच्ची को अभी पढ़ाई-लिखाई करने व खेलने-कूदने के दिन थे वह सेल्फी की शिकार हो गई। सिर्फ रील बनाने के चक्कर में उसने अपनी जान तो गंवाई ही साथ ही मां-बाप से भविष्य बेहतर बनाने के सपने भी अधूरी छोड गई। इस तरह की घटनाओं का एक सिलसिला-सा चल पड़ा है। ऐसा लगता है कि विवेक का उपयोग करने के बजाय इस तरह की भेड़चाल में शामिल हो गए लोगों के पास सही वक्त पर फैसला लेने की क्षमता भी नहीं बची है। आधुनिक तकनीकों की उपयोगिता हमारी जीवन-स्थितियों में गुणात्मक सुधार लाती है, लेकिन बेलगाम और गैरजरूरी तरीके से इसके इस्तेमाल में डूब जाना वक्त बर्बाद करने का जरिया बनने से लेकर जानलेवा तक साबित हो सकता है, जो भविष्य के लिए और भी घातक हो सकता है।

एआई ने गृह मंत्री को भी चपेट में ले लिया

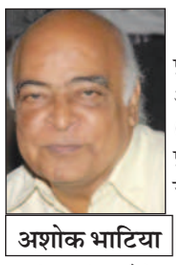

अशोक भाटिया

हाल के वर्षों में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में तेजी से प्रगति हुई है जिसने एक ओर जटिल से जटिल कार्यों को बहुत आसान बना दिया है, वहीं दूसरी ओर डीप फेक वीडियो (डीएफवी) जैसे विचित्र, खतरनाक पहलू को भी जन्म दिया है। हालाँकि ये वीडियो पहली नज़र में हानिरहित लग सकते हैं लेकिन इनके दुरुपयोग के परिणामों के बारे में चिंताएँ उठनी शुरू हो गई हैं, खासकर जब राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय स्तर की हस्तियों को लेकर डीएफवी बनाने की बात आती है। इस डर का कारण यह है कि ऐसे वीडियो का इस्तेमाल समुदायों, सभ्यताओं, राष्ट्रों और विचारधाराओं के बीच अशांति भड़काने के लिए किया जा सकता है जिससे देशों और यहां तक कि दुनिया की स्थिरता पर बहुत खतरनाक परिणाम हो सकते हैं।

हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का एक डीपफेक वीडियो वायरल हो गया है जिससे देश में सियासी तूफान मच गया है। वीडियो में दावा किया गया कि अमित शाह भारत में आरक्षण हटाने की बात कर रहे थे। फर्जी वीडियो में शाह कह रहे थे, अगर भाजपा सत्ता में आती है, तो वह असंवैधानिक एससी/एसटी (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति) और ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) आरक्षण को खत्म कर देगी।

बताया जाता है कि अमित शाह का डीप फेक वीडियो कथित तौर पर तेलंगाना कांग्रेस हैंडल से सोशल मीडिया पर शेयर किया गया था। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) ने वीडियो के संबंध में गलत काम के किसी भी दावे का खंडन किया है लेकिन अमित शाह के छेड़छाड़ किए गए वीडियो के मामले में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को दिल्ली पुलिस ने बुधवार को तलब किया था। सीएम के साथ-साथ तेलंगाना से चार अन्य लोगों को भी तलब किया गया है। इन सभी लोगों से अपने मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक गजेट्स साथ लाने को कहा गया है। इन पर आईटी एक्ट और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने और समाज मे विद्वेष फैलाने की कोशिश की धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। जिस वक्त दिल्ली पुलिस ने तेलंगाना कांग्रेस के नेताओं को नोटिस सर्व किया, उस वक्त रेवंत रेड्डी कर्नाटक के कलबुर्गी में प्रियंका गांधी की एक चुनावी सभा में थे। रेवंत रेड्डी ने कहा कि भाजपा अब तक चुनाव में ई डी , सी बी आई और आयकर विभाग का ही इस्तेमाल कर रही थी लेकिन अब इस सूची में दिल्ली पुलिस का नाम भी जुड़ गया है। रेवंत रेड्डी ने कहा कि चुनाव में हार के डर से भाजपा ये सब करवा रही है।

प्रधान मंत्री मोदी ने महाराष्ट्र के सतारा और कर्नाटक के बागलकोट में रैलियों को संबोधित करते हुए लोगों को आगाह किया कि एक बहुत बड़ी साज़िश पर काम हो रहा है ताकि डीपफेक वीडियो के जरिए नकली वीडियो बना कर लोगों को गुमराह किया जाय और समाज में वैमनस्य को बढावा दिया जाय। मोदी ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटैलीजेंस और सोशल मीडिया के जमाने में जो इसका दुरूपयोग कर रहे हैं, जो समाज को भड़काने और आग लगाने की कोशिश कर रहे हैं, उनसे सावधान रहने की जरूरत है। मोदी ने कहा कि पुलिस तो इस तरह की हरकत करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है लेकिन उन्हें उम्मीद है कि चुनाव आयोग भी इस मामले को गंभीरता से लेगा।

टैक्नोलॉजी के ज़माने में असली-नकली में फर्क करना मुश्किल है। नेता वही, आवाज़ वही, हाव-भाव वही लेकिन शब्द नकली। ये फिल्मों और टीवी सीरियल्स में हो, तो बात समझ में आती है लेकिन जब चुनाव के दौरान नेताओं को ऐसा बोलते हुए दिखाया जाए जो उन्होंने कहा ही नहीं हैं तो बहुत मुश्किल हो जाएगी। आजकल हर हाथ में मोबाइल है। सबके फोन में वॉट्सऐप, ट्विटर, फेसबुक, यूट्यूब जैसे तमाम सोशल मीडिया ऐप हैं। एक नकली वीडियो कुछ ही सेकेन्ड में लाखों लोगों तक पहुंच जाता है और लोग इस सच मानकर फॉरवर्ड कर देते हैं। इसलिए ये भयानक खेल है। लोकतन्त्र के लिहाज़ से खतरनाक खेल हैं। चूंकि लोगों के पास वीडियो की असलियत को जानने का तो कोई ज़रिया नहीं हैं, इसलिए कम से कम आप इतना कर सकते हैं कि बिना सोचे समझे किसी वीडियो को फारवोर्ड न करें वरना मुसीबत में पड़ सकते हैं क्योंकि IT एक्ट बहुत सख्त हैं। अगर आप किसी गलत वीडियो को पोस्ट करते हैं या फॉरवर्ड करते हैं तो जेल जा सकते हैं। इसीलिए मोदी ने कहा कि सावधान रहिए। जहां तक विरोधी दलों के नेताओं का सवाल है तो ये साफ हो गया कि अमित शाह का नकली वीडियो जानबूझ कर सोची समझी रणनीति के तहत फैलाया गया क्योंकि जैसे ही वीडियो वायरल हुआ, उसके बाद गुजरात से लेकर उत्तर प्रदेश और बिहार तक कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और आर जे डी के नेताओं ने रैलियों में कहना शुरू कर दिया कि भाजपा ने दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के आरक्षण को खत्म करने की तैयारी कर ली है। अगर मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने तो आरक्षण खत्म हो जाएगा।

गुजरात के पाटन में राहुल गांधी ने एक रैली में कहा कि भाजपा के नेता कहते हैं कि वो किसी कीमत पर आरक्षण खत्म नहीं करेंगे लेकिन हकीकत ये है कि भाजपा के लोग संविधान और आरक्षण को खत्म करना चाहते हैं, इसीलिए वो सरकारी नौकरियां खत्म कर रहे हैं, निजीकरण को बढावा दे रहे हैं क्योंकि निजी क्षेत्र में आरक्षण लागू नहीं होता। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आगरा और एटा की रैलियों में कहा कि भाजपा के लोग आरक्षण के घोर विरोधी हैं। वो संघ के इशारे पर धीरे धीरे आरक्षण को ख़त्म करते जा रहे हैं। बिहार के सारण में अपनी बेटी रोहिणी आचार्य का प्रचार करने पहुंचे लालू प्रसाद यादव ने भी कहा कि अब लड़ाई सरकार बनाने की नहीं, संविधान और आरक्षण को बचाने की है। लालू ने कहा कि संविधान को बचाने के लिए ही सारे दल इकट्ठा हुए हैं और सब मिलकर भाजपा को हराएंगे। इसके बाद लालू ने अपने चिर परिचित अंदाज़ में भोजपुरी गीत गुनगुनाते हुए कहा कि भाजपा को जनता ऐसा धक्का लगाएगी कि वो सत्ता से हट जाएंगे।

विरोधी दलों के नेताओं के आरोपों का जवाब प्रधानमंत्री मोदी ने दिया। मोदी ने महाराष्ट्र के सोलापुर की रैली में कहा कि वो तो क्या, बाबा साहब अंबेडकर भी अब आरक्षण को खत्म नहीं कर सकते। इसलिए विरोधी दलों के नेता जो झूठ फैला रहे हैं, उस पर यकीन करने की जरूरत नहीं हैं. मोदी ने कहा कि कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन के लोगों को अपनी हार साफ दिख रही है, इसलिए वो परेशान हैं और अब लोगों के बीच झूठ फैलाने में जुट गए हैं और कह रहे हैं कि मोदी सरकार आरक्षण खत्म कर देगी.मोदी ने कहा कि जब तक मैं जिंदा हूं मैं आरक्षण को खत्म नहीं होने दूंगा। इस चुनाव में कांग्रेस की कोशिश है कि किसी तरह भाजपा पर ये बात चिपका दी जाए कि मोदी और उन की पार्टी आरक्षण विरोधी है। अमित शाह का फेक वीडियो, राहुल और लालू के बयान इसी सोची समझी नीति का हिस्सा हैं लेकिन आजकल लोग काफी जागरूक हैं। लोग ये जानते हैं कि जहां तक आरक्षण का सवाल है, आज के ज़माने में कौन इसे हटाने की बात कहेगा? न कोई आरक्षण हटा सकता है, न कोई इसके बारे में सोच सकता है और ये कोई आखिरी चुनाव तो है नहीं। भाजपा को आगे भी चुनाव लड़ने हैं। आगे भी सरकारें बनानी है। आगे भी पार्टी चलानी है। इसीलिए ये नैरेटिव बिलकुल बेकार है कि मोदी आरक्षण को खत्म करना चाहते हैं। इस बात की शुरुआत लालू यादव ने की थी। राहुल गांधी ने भी यही बात बड़ी चालाकी से फैलाने की कोशिश की। इसको 400 पार के नारे से जोड़ा।

क्या वैक्सीन लगवाने वालों की घबराने की जरूरत है ?

राजेश कुमार पासी

कोविशील्ड वैक्सीन का निर्माण करने वाली कम्पनी एस्ट्राजेनेका-ऑक्सफोर्ड ने ब्रिटेन की अदालत में स्वीकार किया है कि उसकी कोविड वैक्सीन के कुछ दुष्प्रभाव हुए हैं । कम्पनी ने कहा है कि कुछ ही दुर्लभ मामलों में खून के थक्के बनने और प्लेटलेट कम होने की संभावना है । कंपनी ने स्वीकार किया है कि अत्यंत दुर्लभ मामलों में टीका थ्रोम्बोसिस थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम(टीटीएस) का कारण बन सकता है । कंपनी ने उन लोगों के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त की है जिन्होंने वैक्सीन के साइड इफेक्ट के कारण अपने परिवारजनों को खो दिया है या उन्हें किसी गंभीर समस्या का सामना करना पड़ा है । हमारे देश में अधिकतर लोगों को कोविशील्ड वैक्सीन लगी हुई है । भारत में कोविशील्ड का उत्पादन पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट एस्ट्राजेनेका से मिले फार्मूले से करता है । कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर 19 अगस्त 2021 को कोविशील्ड वैक्सीन लगाने की वजह से होने वाले साइड इफेक्ट की जानकारी दी हुई है ।

कंपनी ने कहा है कि इस टीके की वजह से टीटीएस की समस्या हो सकती है लेकिन साथ ही कंपनी ने कहा है कि यह समस्या केवल एक लाख में एक से भी कम लोगों में हो सकती है । इसके अलावा कंपनी ने कहा है कि टीका लगवाने के बाद दिल की धड़कन में बदलाव, सांस फूलना या सांस लेने के दौरान सीटी जैसी आवाज आने की समस्या हो सकती है । होंठ, चेहरे या गले में सूजन की समस्या भी हो सकती है । इसके अलावा भी कंपनी में कुछ समस्याओं के पैदा होने का आशंका जताई है ।

देखा जाये तो जो बात कंपनी ने अभी अदालत में कही है, वो दो साल पहले ही उसने दुनिया के सामने कबूल कर ली थी । जब से यह खबर भारत में आई है, तब से एक अंजाना सा डर लोगों में फैल गया है । इस डर को फैलाने का काम मीडिया भी कर रहा है । कंपनी के बयान के बाद मोदी विरोधी लोगों को मौका मिल गया है और सोशल मीडिया में यह विमर्श फैलाने की कोशिश की जा रही है कि मोदी सरकार ने एक खतरनाक टीका भारत की जनता को लगा दिया है । वास्तव में एलोपैथी में हर दवा का कुछ न कुछ साइड इफेक्ट होता ही है । यहां तक कि सबसे हल्की दवा पैरासिटामोल के भी कुछ साइड इफेक्ट होते हैं लेकिन बुखार आने पर हम बिना साइड इफेक्ट की चिंता करे, उसे खा लेते हैं । एंटीबायोटिक दवाइयों के साइड इफेक्ट तो बहुत ज्यादा है लेकिन जरूरत पड़ने पर उन्हें खाना पड़ता है । आजकल तो लोग बिना जरूरत के भी एंटीबायोटिक लेने लगे हैं । कुछ दवाइयों के तो इतना ज्यादा साइड इफेक्ट होते हैं कि उनको पढ़ने के बाद खाते हुए डर लगता है लेकिन खाना पड़ता है और कुछ नहीं होता ।

वास्तव में दवाईयों पर परीक्षण के दौरान कुछ लोगों को साइड इफेक्ट होते हैं और कंपनी उन्हें ही बताती है । कोविशील्ड लगवाने में जो खतरा बताया गया है, वो एक लाख लोगों में सिर्फ एक आदमी को हो सकता है लेकिन कोरोना के खतरे से ये बहुत कम है । कोरोना होने पर एक लाख लोगों में से एक से दो हजार लोगों की जान जाने का खतरा था, ऐसे में देखा जाये तो ये वैक्सीन जान बचाने के लिए बहुत जरूरी थी । यूरोप और अमेरिका में इस वैक्सीन के कारण कई लोगों को जान गंवानी पड़ी लेकिन भारत में इस वैक्सीन के कारण बहुत कम लोगों को तकलीफ हुई । वास्तव में अगर हम दवाइयों से होने वाले साइड इफेक्ट की चिंता करते हैं तो हम किसी भी बीमारी का इलाज नहीं करवा सकते लेकिन बीमारी से बचने के लिए दवाइयां लेनी पड़ती है । अगर साइड इफेक्ट के डर से दवाई नहीं ली जाती है तो वैसे ही जान गंवानी पड़ सकती है । कोरोना के बाद कुछ लोगों के अचानक हृदयाघात से मरने की खबरें आ रही हैं । कुछ लोगों के जिम में कसरत करते हुए हृदयाघात से मरने की खबर मिली हैं. इसके अलावा कई युवा खेलते समय हृदयघात से मारे गये हैं, इसलिए लोगों में यह डर फैल रहा है कि क्या हम भी ऐसे ही चलते-फिरते मर सकते हैं । यह डर इसलिए है क्योंकि टीटीएस में प्लेटलेट अचानक बहुत कम हो जाते हैं, इसके अलावा खून में थक्के बन सकते हैं जिसके कारण अचानक हृदयाघात हो सकता है ।

पुरुषार्थ और समर्पण के पर्याय थे- आचार्य महाप्रज्ञ

मुनि चैतन्य कुमार

महाप्रयाण दिवस पर विशेष

महान दार्शनिक, आशुकवि, प्रखर वक्ता और साहित्कार होने के साथ एक कुशल अनुशास्ता है- आचार्य महाप्रज्ञ जो अहिंसक क्रांति के सूत्रधार, बुद्धिप्रज्ञा, विनय और समर्पण के संगम है।

हाल ही में उनके द्वारा जारी अंहिसा यात्रा राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, पंजाब और हरियाणा होती हुई पुनः राजस्थान की ओर अग्रसर हुई। इस अहिंसा यात्रा से गांव-गांव, शहर- शहर में जो अहिंसक वातावरण का निर्माण हुआ है तथा विश्व में अंहिसा शांति सद् भाव, समन्वय का माहौल बन रहा है, उसमें प्रत्यक्ष-परोक्ष आचार्य महाप्रज्ञ की विशेष भूमिका रही है।

जिनके पारदर्शी व्यक्तित्व एवं उम्दा चरित्र में समाहित मनस्वी, ओजस्वी, तेजस्वी तथा वर्चस्वी पूर्ण प्रज्ञा से संपूर्ण विश्व आलोकित हो रहा है। राजस्थान के झुंझनु जिले में एक छोटे से कस्बे टमकोर में सन 1920 को जन्मा बालक नथमल मात्र 10 वर्ष की अल्पायु में अपनी माता के साथ तेरापंथ धर्मसंघ के अष्टमाचार्य पूज्य कालूगणीराज के श्री चरणों में संयम जीवन को स्वीकार कर मुनि बन गए। मुनि बनने के पश्चात मुनि तुलसी के पास अध्ययन करने लगे। तेरापंथ धर्मसंघ ने सन 1979 में मुनि नथमल जी को युवाचार्य बनाकर अपना उत्तराधिकारी बना दिया और नाम परिवर्तित कर युवाचार्य महाप्रज्ञ रख दिया। लगभग 15 वर्ष तक युवाचार्य के रुप में आचार्य तुलसी के सहयोगी के रुप में रहे। मान सम्मान और प्रज्ञा के शिखर पुरुष के रुप में प्रतिष्ठित होकर भी इनकी विनम्रता गुरु के प्रति प्रवर्धमान रही। अहंकार ने कभी इनका स्पर्श नहीं किया। इनकी विनम्रता और विद्वता को स्वीकार करके विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने इन्हें प्राकृत भाषा में पंडित के रुप में मान्य किया। 18 फरवरी 1994 को सुजानगढ़ मर्यादा महोत्सव के अवसर पर आचार्य तुलसी ने स्वयं अपने आचार्य पद का विसर्जन इन्हें आचार्य पद प्रतिष्ठित कर तेरापंथ के दसवें आचार्य के रुप में की घोषणा की। ज्ञात रहे तेरापंथ में एक समय में एक आचार्य का विधान है अतः महाप्रज्ञजी ने अपनी सूझबूझ व चिंतन से संपूर्ण धर्मसंघ

के साथ आचार्य तुलसी को गणाधिपति संबोधन से संघ के सर्वोच्च शिखर पुरुष के रुप में स्वीकार किया। जैन इतिहास की यह विरल घटना हुई कि एक सक्षम आचार्य ने अपने सामने ही युवाचार्य को आचार्य बनाया गया हो। सैंकड़ो-सैंकड़ो साधु-साध्वियों समण- समणियों तथा हजारों की जनमेदनी के बीच 5 फरवरी, 1995 को दिल्ली में एक विशेष समारोह में आचार्य महाप्रज्ञ का विधिवत पदाभिरोहण दिवस मनाया गया। अपना संपूर्ण जीवन सुगुरु के चरणों में समर्पितकर धर्माराधना में लीन रहने वाले आचार्य महाप्रज्ञ करुणा की प्रतिमूर्ति है।

आचार्य तुलसी के द्वारा चलाए गए अणुव्रत आंदोलन से शुरु से जुड़े है और उसे आगे बढ़ाया है। प्राचीन शास्त्रों का गहन अध्ययन कर ध्यान योग के गूढ़ रहस्यों को खोजकर प्रेक्षाध्यान पद्धति का अविष्कार किया। जिस प्रेक्षा पद्धति से लाखों लाखों ने प्रयोग के द्वारा तनाव मुक्ति व शांतिपूर्ण सह अस्तित्व का जीवन जीया है। शिक्षा जगत के क्षेत्र में जीवन का पाठ्यक्रम वर्तमान शिक्षा पद्धति के लिए मील का पत्थर साबित हो रहा है। गुजरात, कर्णाटक, तमीलनाडु, राजस्थान, मध्यप्रदेश, दिल्ली आदि राज्य सरकारें इस जीवन विज्ञान को स्कूलों और कॉलेजों में लागू किया है। जिससे विद्यार्थियों में सर्वांगीण विकास हुआ है। उनमें चरित्र निष्ठा व नैतिक निष्ठा की भावनाएं विकसित हुई है। इस 88 वर्ष की अवस्था में अहिंसा यात्रा के माध्यम से जो कार्य वह सबके लिए प्रेरणास्पद है। आचार्य महाप्रज्ञ को इंदिरागांधी राष्ट्रीय एकता पुरस्कार से नवाजकर यह संस्था स्वयं सम्मानित हुई है तथा संस्था का गौरव बढ़ा है देश के उच्च पदस्थ शिखर पुरूष महामहिम राष्ट्रपति डॉ.ए.पी.जे.अब्दुल कलाम प्रत्येक छह महिने से आचार्य महाप्रज्ञ के श्री चरणों में पहुंचकर मार्ग दर्शन प्राप्त करते है।

अपना जन्मदिन भी सूरत चातुर्मास में महाप्रज्ञ के उपपात में पहुंचकर मनाया और अतिरिक्त प्रसन्नता प्रकट की। राष्ट्रपति किसी धर्माचार्य के चरणों में पहुंचकर अपना जन्म दिवस अध्यात्म के द्वारा मनाएं यह भी इतिहास की महनीय घटना कही जा सकती है।

प्रज्ञा, अंतर्दृष्टि और अतीन्द्रिय चेतना संपन्न आचार्य महाप्रज्ञ महानयोगी, ध्यानी और विनम्र साधक है। उनकी मुनि, अवस्था से लेकर युगप्रधान आचार्य तक की जीवन यात्रा संयम, पुरूषार्थ और समर्पण की जीवन गाथा है।

सृजन चेतना के धनी आचार्य महाप्रज्ञ को तेरापंथ जैन धर्म के अनुयायी ही नहीं बल्कि संपूर्ण मानवजाति इनके अवदानों, विचारों कार्यक्रमों और साहित्य सेवा से लाभान्वित हो रही है। लाखों-लाखों के श्रद्धेय आचार्य बनकर वे जनकल्याणार्थ अहर्निश लगे हुए है। ऐसे महायोगी के उनके चिरायु, दीर्घायु होने की कामना के साथ अभिवंदनाएं प्रस्तुत कर हम अपने सौभाग्य की सराहना करते है।

हिन्दू विवाह पर सर्वोच्च अदालत का स्वागतयोग्य फैसला

ललित गर्ग

देश की सर्वोच्च अदालत ने हिन्दू विवाह को लेकर बड़ा फैसला देकर न केवल हिन्दू विवाह के संस्कारों एवं पारंपरिक रिवाजों को पुष्ट किया है बल्कि उन्हें कानूनी दृष्टि से आवश्यक स्वीकार किया है। आज जबकि हिन्दू विवाह की पवित्रता एवं परम्परा तथाकथित आधुनिक जीवन एवं प्रभाव के कारण धुंधली होती जा रही है, पाश्चात्य संस्कृति की आंधी में हिन्दू विवाह की पवित्रता समाज में समय के साथ घटी है और उसमें सुधार एवं सुदृढ़ता की जरूरत है। जो लोग विवाह को मात्र एक पंजीकरण मानते हैं, उन्हें चेत जाना चाहिए। उन्हें सात फेरों का अर्थ समझना होगा। बिना सात फेरों, हिन्दू रीति-रिवाजों एवं वैवाहिक आयोजनों के कोर्ट की दृष्टि में भी विवाह मान्य नहीं होगा। हिंदू विवाह पर कोर्ट का ताजा फैसला न केवल स्वागतयोग्य है बल्कि इसके दूरगामी परिणाम सुखद होंगे। इससे हिन्दू संस्कृति एवं संस्कारों को बल मिलेगा। पारिवारिक-संस्था को मजबूती मिलेगी।

हिंदू विवाह से जुड़ा यह फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि शादी 'गाने और डांस', 'शराब पीने और खाने' का आयोजन या अनुचित दबाव डालकर दहेज और गिफ्ट्स की मांग करने का मौका नहीं है। विवाह कमर्शियल ट्रांजैक्शन नहीं है। यह एक गंभीर बुनियादी सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयोजन है, जिसे एक पुरुष और एक महिला के बीच संबंध बनाने के लिए मनाया जाता है जो भविष्य में एक अच्छे परिवार के लिए पति और पत्नी का दर्जा प्राप्त करते हैं। यह भारतीय हिन्दू समाज-व्यवस्था की एक बुनियादी इकाई एवं मजबूत सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयाम है।

दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि बिना सात फेरों के हिन्दू विवाह को मान्यता नहीं मिल सकती है अर्थात शादी के लिए हिन्दू विवाह अधिनियम में जो नियम और प्रावधान बनाए गए हैं उसका पालन करना होगा। इस तरह कोर्ट ने अपने फैसले में हिंदू विवाह अधिनियम 1955 के तहत हिंदू विवाह की कानूनी आवश्यकताओं और पवित्रता को स्पष्ट किया है। अधिनियम के अनुसार, एक हिंदू विवाह किसी भी पक्ष के पारंपरिक संस्कारों और समारोहों के अनुसार संपन्न किया जाएगा। समारोहों में सप्तपदी (दूल्हा और दुल्हन द्वारा पवित्र अग्नि के चारों ओर संयुक्त रूप से सात कदम उठाना) शामिल है, और जब वे सातवां चरण एक साथ लेते हैं तो विवाह पूर्ण और बाध्यकारी हो जाता है। कुल मिलाकर हिन्दू विवाह एक संस्था है, संस्कार है और विवाह कोई व्यावसायिक लेन-देन नहीं है।

कोर्ट ने जोर दिया है कि हिंदू विवाह की वैधता के लिए सप्तपदी (पवित्र अग्नि के चारों ओर सात फेरे) जैसे उचित संस्कार और उससे जुड़े समारोह जरूरी है। विवाद की स्थिति में समारोह के प्रमाण पेश करना जरूरी है। कोर्ट की सात फेरों और उससे जुड़े समारोह का मूल्य समझाने की यह कोशिश हिन्दू विवाह को न केवल मजबूती प्रदान करेंगी बल्कि आधुनिकता की आंधी में धुंधलाते मूल्यों को नियंत्रित करने का काम करेगी। इसमें कोई शक नहीं कि विवाह संस्कार का मूल महत्व पहले की तुलना में कम हुआ है, अब विवाह बहुतों के लिए एक दिखावा, मजबूरी या समझौता भर रह गया है। न्यायमूर्ति बी नागरत्ना ने अपने प्रासंगिक एवं उपयोगी फैसले में बिल्कुल सही कहा है कि हिंदू विवाह एक संस्कार है, जिसे भारतीय समाज में एक महान मूल्य की संस्था के रूप में दर्जा दिया जाना चाहिए। पारंपरिक संस्कारों या सात फेरों जैसी रीतियों के बिना हुए विवाह को हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 7 के अनुसार हिंदू विवाह नहीं माना जाएगा। इस वजह से कोर्ट ने युवा पुरुषों और महिलाओं से आग्रह किया हैं कि वो विवाह की संस्था में प्रवेश करने से पहले इसके बारे में गहराई से सोचें और भारतीय समाज में उक्त संस्था कितनी पवित्र है, इस पर विचार करें।

प्रश्न है कि हिन्दू विवाह को लेकर कोर्ट को जागरूक होने एवं हिन्दू संस्कारों को मजबूती देने की जरूरत क्यों पड़ी? हिन्दू विवाह से जुड़े संस्कारों एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों को लेकर अनेक मामले कोर्ट की चौखट पर आते रहे हैं, हर बार कोर्ट सजगता, दूरदर्शिता एवं विवेक से विवाह-संस्था से जुड़े मामलों पर अपना नजरिया प्रस्तुत करती रही है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने पिछले दिनों यह माना कि हिंदू विवाह अधिनियम के अनुसार, हिंदू विवाह को संपन्न करने के लिए कन्यादान का समारोह जरूरी नहीं है। उस फैसले में भी सप्तपदी के महत्व को दर्शाया गया था। मध्यप्रदेश की एक परिवार अदालत के फैसले में महिला पक्ष को यह समझाया गया था कि सिंदूर लगाना एक विवाहित हिंदू महिला का धार्मिक कर्तव्य होता है। सर्वोच्च न्यायालय के ताजा फैसले में ऐसी ही समझाइश की कोशिश झलकती है। कुल मिलाकर, न्यायालय का संदेश यह है कि फिजूल के तमाशे-दिखावे से बचते हुए विवाह के मूल अर्थ को समझना चाहिए। हिंदू विवाह को लेकर अब ज्यादा स्पष्टता की जरूरत है और विशेषतः हिन्दू संस्कारों एवं संस्कृति को बल देने की भी। क्योंकि भारत में परिवार संस्था कायम है तो इसका कारण हिन्दू संस्कार एवं परम्पराएं ही हैं। इस तरह कोर्ट ने अपने फैसले में हिंदू विवाह अधिनियम 1955 के तहत हिंदू विवाह की कानूनी आवश्यकताओं और पवित्रता को स्पष्ट किया है।

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

चलो एक-दूसरे की पीठ खुजलाएँ

साहब आपसे मिलने के लिए कोई बड़ा आदमी आया है। सफेद कमीज, सफेद पायजामा, हाथ और गले में एकदम भैंस की सिकड़ी जैसा सोना लादे, पैरों पर पैर धरे बड़ा हेकड़ी हांक रहे हैं। वे आपसे मिलना चाहते हैं। कहूँ तो भीतर बुलाऊँ? - नौकर ने भजनखबरी से कहा। भजनखबरी ने विज्ञापनों से भरे समाचार पत्र में इलाके के समाचार ढूँढ़ते हुए कहने लगा – ओह! इसका मतलब नेता जी आए हैं। एक बार के लिए बिना पूजा के भगवान दर्शन दे सकते हैं, लेकिन बिना मतलब के नेता कतई नहीं। लगता है आज उनके मतलब का पड़ाव मैं हूँ। ठीक है आने दो।

नौकर नेताजी को बुला लाता है। चाय-पानी के बाद नेताजी भजनखबरी से कहते हैं - मेरे आदमी आपसे कई बार आकर मिले। लेकिन आप हैं कि बड़ा भाव खा रहे हैं। श्राद्ध गुजर जाने पर कोई कौए को नहीं पूछता। मानता हूँ कि आपने इलाके में दो-चार अच्छे काम किए हैं, इसका मतलब यह नहीं कि आप हमारा प्रस्ताव ही ठुकरा दो। भगवान क्रोधित हो जाएँ तो एक बार के लिए फिर से मनाया जा सकता है। लेकिन ऐसी गारंटी नेता नहीं दे सकता। लगता है आपके दिमाग को जंग लग गया है। कभी-कभी समझदारी का तेल डाल लिया करें। जंग लगा दिमाग और सड़ा हुआ फल न किसी के काम आया है और न आएगा। इसलिए मेरा कहा मानिए उस दस एकड़ की जमीन में आप अपने पिता की तीस फुट की मूर्ति बनाने की अनुमति दे दीजिए। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि यह काम सरकारी पैसे से पूरा होगा। आप मेरी पीठ की खुजली मिटाइए। मैं आपकी पीठ खुजा देता हूँ।

भजनखबरी ने नेता जी की आँखों में देखते हुए कहा - पहली बात तो आप जिसे दस एकड़ की जमीन कह रहे हैं, वह दस नहीं तीस एकड़ है। हर बीस गज में एक झोपड़ी बनाकर दस हजार परिवार वहाँ रह रहे हैं। करोड़ो रुपयों की जमीन पर एक मूर्ति लगाकर जमीन हड़पने की जो योजना है न उसे आप अपने पास ही रखिए। जनता के बारे में आप नहीं जानते। दिखने में तो वे भोले-भाले होते हैं। जब तक विश्वास दिलाओ तब तक आपका कहा मानते हैं। एक बार उनके भरोसे की ऐसी-तैसी करके देखिए। वे आपको न पाताल में गड़ने देंगे और चिता पर लेटने। वैसे भी जनता का नेता दिलों में बसता है, न कि बेजान मूर्तियों में। जो दिल में बस गया समझो उसका जीवन धन्य हो गया। निर्जीव वस्तुओं में सजीवता नहीं बसती। सजीवता तो सजीवों में बसती है। इसलिए जीते जागते भगवानों को छोड़, उनका बसेरा तोड़ मूर्ति बना भी लोगे तो वह प्यार नहीं मिलेगा जिसके वे हकदार हैं। मूर्तियों के बहाने सजीवों के पेट पर लात मारकर अपना स्वार्थ साधने वाले कुछ भी कहलायें लेकिन इंसान हरगिज़ नहीं कहला सकते। इस तरह की कमाई बदन बेचकर कमाने वालों से भी बदतर है। वैसे मुझे यह बताइए कि आप मूर्ति बनाकर कौनसा अमूर्त मतलब साधना चाहते हैं?

नेता जी ने कहा – जैसा कि आप जानते हैं कि पिछले कई चुनावों से यहाँ आलाकमान की दाल नहीं गल रही हैं। अगर आप साथ हो जाएँ तो यहाँ पर कई सारे प्रोजेक्ट पूरे हो सकते हैं।

वरुथिनी एकादशी आज

इस दिन व्रत के साथ तीर्थ स्नान की परंपरा, मान्यता– अन्न और जलदान से मिलता है कई यज्ञ करने का पुण्य

वरुथिनी एकादशी 4 मई, शनिवार को है। वैशाख महीने में होने से ये व्रत बेहद पुण्यदायी हो जाता है। ग्रंथों में कहा गया है कि इस व्रत को करने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है। इसे सौभाग्य देने वाला व्रत भी कहा जाता है।

इस तिथि पर सूर्योदय से पहले तीर्थ स्नान, दान और व्रत-उपवास करने की परंपरा है। वरुथिनी एकादशी पर भगवान विष्णु की पूजा और व्रत-उपवास का विधान पद्म, स्कंद और विष्णु पुराण में है।

कैसे करें स्नान-दान

वरुथिनी एकादशी पर सूर्योदय से पहले उठकर तीर्थ या पवित्र नदियों में स्नान करने का महत्व है। तीर्थ स्नान न कर पाएं तो घर पर ही पानी में गंगाजल की दो बूंद डालकर नहा सकते हैं। इसके बाद व्रत और दान का संकल्प कर सकते हैं।

इस दिन मिट्टी के घड़े को पानी से भरकर उसमें औषधियां और कुछ सिक्के डालकर उसे लाल रंग के कपड़े से बांध दें। फिर भगवान विष्णु के साथ मिट्टी के घड़े की पूजा कर लें। फिर घड़े को मंदिर में दान कर देना चाहिए।

श्रेष्ठ दान का फल देती है वरुथिनी एकादशी

वरुथिनी एकादशी पर व्रत करने से पुण्य फल मिलता है। मान्यता है कि इस व्रत को धारण करने से इस लोक के साथ परलोक में भी सुख मिलता है। ग्रंथों के मुताबिक इस दिन तिल, अन्न और जल दान करने का सबसे ज्यादा महत्व है।

ये दान सोना, चांदी, हाथी और घोड़ों के दान से भी ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। अन्न और जल दान से मानव, देवता, पितृ सभी को तृप्ति मिल जाती है। शास्त्रों के अनुसार कन्या दान को भी इन दानों के बराबर माना जाता है।

बच्चों की लंबी उम्र के लिए व्रत

मान्यता है कि वरुथिनी एकादशी व्रत से उम्र बढ़ती है, इसलिए मां अपने बच्चों की लंबी उम्र के लिए भी ये व्रत करती हैं। इस व्रत में भगवान विष्णु की पूजा भी होती है। मान्यता है कि वरुथिनी एकादशी व्रत से भगवान विष्णु के साथ लक्ष्मी जी भी प्रसन्न होती हैं। जिससे धन लाभ और सौभाग्य मिलता है।

सूर्य पूजा से दिन की शुरुआत और शाम को तुलसी के पास जलाएं दीपक

दिन की शुरुआत करें सूर्य पूजा से

वैसे तो रोज सुबह सूर्य को जल चढ़ाना चाहिए, लेकिन जो लोग रोज अर्घ्य नहीं दे पाते हैं, उन्हें एकादशी पर जल्दी उठकर स्नान के बाद सूर्य को जल जरूर चढ़ाना चाहिए। इसके लिए तांबे के लोटे का इस्तेमाल करें। ऊँ सूर्याय नमः मंत्र का जप करें।

शिव परिवार की भी करें पूजा

एकादशी तिथि के स्वामी भगवान विष्णु हैं, लेकिन इस दिन शिव जी के परिवार की भी विशेष पूजा जरूर करनी चाहिए। शिव परिवार में शिव जी, देवी पार्वती, गणेश जी, कार्तिकेय स्वामी, नंदी, नागदेव शामिल हैं। इन सभी देवी-देवताओं का जल और दूध से अभिषेक करें। शिवलिंग पर चंदन का लेप करें। देवी दुर्गा को लाल चुनरी और सुहाग का सामान चढ़ाएं। गणेश जी को दूर्वा अर्पित करें। धूप-दीप जलाकर आरती करें और ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जप करें।

हनुमान जी और शनि देव की भी करें पूजा

शनिवार को एकादशी होने से इस दिन शनिदेव की पूजा करने का महत्व और अधिक बढ़ गया है। शनिदेव का तेल से अभिषेक करें। तेल का दान करें। शं शनैश्चराय नमः मंत्र का जप करें।

हनुमान जी के सामने दीपक जलाएं और सुंदरकांड या हनुमान चालीसा का पाठ करें। हनुमान जी के सामने राम नाम का जप भी कर सकते हैं।

बाल गोपाल का करें अभिषेक

एकादशी पर बाल गोपाल का पंचामृत से अभिषेक करें। पंचामृत के बाद शुद्ध जल से स्नान कराएं। हार-फूल और नए वस्त्रों से श्रृंगार करें। माखन-मिश्री का भोग तुलसी के साथ लगाएं। कृं कृष्णाय नमः मंत्र का जप करें।

सूर्यास्त के बाद तुलसी के पास जलाएं दीपक

एकादशी पर सुबह तुलसी को जल जरूर चढ़ाएं। शाम को तुलसी के पास दीपक जलाना चाहिए और परिक्रमा करनी चाहिए। तुलसी को विष्णु प्रिया कहा जाता है, इस वजह से विष्णु की तिथि पर तुलसी की विशेष पूजा करने की परंपरा है।

मई का प्रदोष व्रत

शिव जी की विधि-विधान से आराधना करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है। साथ ही जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

त्रयोदशी की तिथि देवों के देव महादेव को समर्पित मानी जाती है। प्रदोष व्रत हर महीने कृष्ण और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को रखा जाता है। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की विशेष पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, शिव जी की विधि-विधान से आराधना करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है। साथ ही जीवन में सुख-समृद्धि आती है। मई का महीना शुरू होने वाला है। आइए, जानते हैं कि मई में पड़ने वाले प्रदोष व्रत की तिथि और समय क्या है।

मई माह का पहला प्रदोष व्रत

पंचांग के अनुसार, वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि 5 मई को शाम 5.41 बजे शुरू होगी और अगले दिन यानी 6 मई को दोपहर 2.40 बजे समाप्त होगी। ऐसे में प्रदोष व्रत 5 मई को रखा जाएगा। इस दिन भगवान शिव की पूजा का समय शाम 6.59 बजे से रात 9.06 बजे तक है।

प्रदोष व्रत के दिन शाम के समय भगवान शिव की पूजा करने की परंपरा है। पंचांग के अनुसार, वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि 20 मई को दोपहर 3 बजकर 58 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन यानी 21 मई को शाम 5 बजकर 39 मिनट पर तिथि समाप्त होगी। ऐसे में प्रदोष व्रत 20 मई को रखा जाएगा। इस दिन पूजा करने का शुभ समय शाम 7.08 बजे से रात 9.12 बजे तक है।

हिंदू धर्म में प्रदोष व्रत को भगवान शिव की आराधना के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव के निमित्त व्रत और पूजन करने से साधक को सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है।

मई माह में चमकेगी इन मूलांक वालों की किस्मत

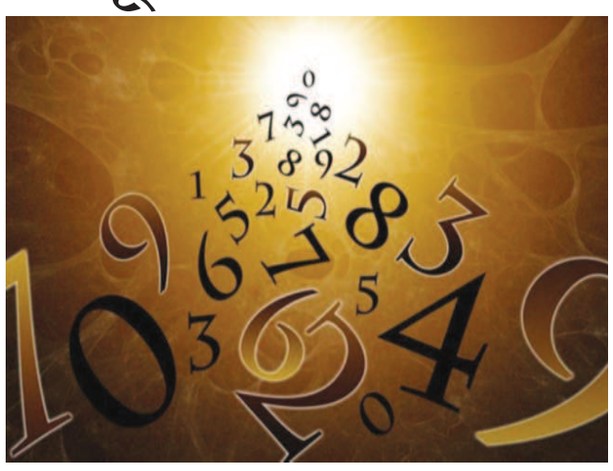

ज्योतिष शास्त्र की तरह जीवन में अंकों का खास महत्व है। अंकों के आधार पर जातक के स्वभाव, आदतें, सोचने और भाग्य को जाना जा सकता है। इस लेख में हम अंक ज्योतिष के माध्यम से उन मूलांकों के बारे में जानेंगे। जिनके लिए मई का महीना सौभाग्यशाली रहेगा। आइए जानते हैं वह मूलांक कौन-से हैं।

मूलांक 1

अगर आपका जन्म किसी महीने के 1, 10, 19 या 28 को हुआ है, तो आपका मूलांक 1 होगा। मई का महीना मूलांक 1 के लिए बेहतर साबित होगा। कार्यक्षेत्र में पहचान मिलेगी। हर कोई आपकी तारीफ करेगा। इस दौरान भाग्य का साथ मिलेगा। अपने दोस्तों और परिवार के बीच लोकप्रिय रहेंगे। इस महीने बेवजह की जिद से बचना होगा।

मूलांक 3

अगर आपका जन्म 3, 12, 21 या 30 तारीख है तो आपका मूलांक 3 है। इस दौरान भाग्य का भरपूर सहयोग मिलेगा। हर कार्य में सफलता प्राप्त होगी। सरकारी नौकर की तैयारी कर रहे जातकों को सफलता प्राप्त होगी। जो भी फैसला लेंगे वह सही होंगे।

मूलांक 7

यदि आपका जन्म किसी महीने की 7, 16 या 25 तारीख को हुआ है तो मूलांक 7 होगा। यह महीना अनुकूल रहेगा। अगर निवेश किया है तो अच्छा मुनाफा प्राप्त होगा। करियर में तेजी से आगे बढ़ेंगे। शासन-प्रशासन से जुड़े मामले में अनुकूल परिणाम प्राप्त होंगे। जीवनसाथी से अच्छे संबंध बनेंगे। अगर कोई मनमुटाव चल रहा है तो खत्म होगा।

हर बार बनते-बनते बिगड़ जाती है विवाह की बात, 1 सरल उपाय

शादी की सही उम्र निकल जानें के बाद अगर विवाह की बात न जम पाए तो ऐसे में माता-पिता को इसकी चिंता सताने लगती है। कई बार देखा जाता है कि किसी न किसी कारणवश शादी की बात बन ही नहीं पाती। कोई न कोई अड़चन जरूर आती है। ऐसा भी होता है कि शादी की बात बनते-बनते बिगड़ जाती है। जो समय के साथ-साथ एक चिंता का विषय बन ही जाती है। सबसे ज्यादा माता-पिता अपने बच्चों के लिए परेशान होते हैं। हर बार आ रही विवाह बाधा से निराश हो जाते हैं। आजमाएं हल्दी के सरल और सटीक उपाय

अगर आपके या घर में किसी के विवाह में बाधा आ रही है तो आपको एक पीला कपड़ा लेना है। उसमें 7 हल्दी की गांठें और 7 सुपारी को रखना है। इसके बाद एक जनेऊ में आप 7 गांठें लगा लें। एक लाल धागा लें, गुड़ और चना दाल को पीले कपड़े में रखें। इसके बाद आपको इस कपड़े में 7 की संख्या में पीले रंग के फूल रखना है। अब इसकी एक पोटली तैयार कर लें। इस पोटली को माता दुर्गा की तस्वीर के पास रखना है। माता के सामने सच्चे मन से अपने विवाह की कामना करें। ऐसा करने से आपके विवाह योग बहुत जल्द बनेंगे और बाधा भी दूर होगी।

अगले टोटके में आपको पीले कपड़े में हल्दी की 1 गांठ लेना है और इसे कुंवारी लड़कियां अपने दाहिने हाथ की बाजू पर बांधे। आप चाहें तो इसे सिरहाने भी रख सकते हैं। इस उपाय को आपको लगातार 5 गुरुवार करना है। इससे आपके शादी के योग जरूर बनेंगे।

शादी की बाधा को दूर करने के लिए नियमित रूप से भगवान गणेश को हल्दी का तिलक लगाएं और उनसे शादी में आ रही बाधा दूर करने के लिए प्रार्थना करें। इसके बाद अपने माथे पर भी तिलक जरूर लगाएं।

सूर्य देव को जल चढ़ाना शुरू करें। आपको सूर्य को जल चढ़ाने से पहले पानी में थोड़ी सी हल्दी मिलानी है। इसके बाद हल्दी वाले पानी से सूर्य देव को जल अर्पित करना है। इसके साथ ही आप जल चढ़ाने के दौरान सूर्य मंत्रों का भी जाप करें। आपकी शादी के प्रबल योग बनना शुरू हो जाएंगे।

100 साल बाद एक साथ बन रहा गजकेसरी और शश राजयोग

ज्योतिषीय गणना में ग्रह नक्षत्र और राशिफल का बड़ा महत्व माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक ग्रह समय-समय पर गोचर करके शुभ और राजयोग का निर्माण करते हैं। जिसका प्रभाव देश दुनिया समेत सभी 12 राशि के जातकों पर देखने को मिलता है।

आपको बताते चलें कि शनि देव अभी कुंभ राशि में गोचर कर रहे हैं और वह शश राजयोग बना रहे हैं। तो वहीं 1 मई को वृषभ में गुरु ग्रह में गोचर किया है। इसके साथ ही 9 मई को चंद्रमा भी वृषभ राशि में गोचर करेंगे। जिससे गज केसरी राजयोग का निर्माण होगा। ऐसे में शश और गजकेसरी राजयोग दोनों ही एक साथ लगभग 100 साल बाद बन रहा है। जिसका प्रभाव सभी 12 राशियों पर दिखेगा। लेकिन इससे कुछ राशि के जातकों की किस्मत चमक सकती है।

शनिदेव अभी कुंभ राशि में गोचर कर रहे हैं, जिससे शश राजयोग का निर्माण हो रहा है। वहीं देवगुरु बृहस्पति वृषभ राशि में प्रवेश कर चुके हैं। 9 मई को चंद्रमा भी वृषभ राशि में गोचर करेंगे। जिससे गज केसरी राजयोग का निर्माण होगा। गजकेसरी राजयोग और शश राजयोग के निर्माण होने से तीन राशि के जातकों को ज्यादा फायदा मिलेगा।

वृषभ राशिः वृषभ राशि के जातकों के लिए गज केसरी राजयोग काफी अच्छा साबित होगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। शादीशुदा लोगों का वैवाहिक जीवन शानदार रहेगा। सेहत संबंधित सभी परेशानियां दूर होंगी और व्यापार में मुनाफा होगा।

कुंभ राशिः कुंभ राशि के जातकों के लिए यह योग लाभकारी रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। भौतिक सुखों की प्राप्ति होगी। नया वाहन या नई प्रॉपर्टी खरीद सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। लंबे समय से रुका हुआ धन वापस मिलेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

मकर राशिः मकर राशि के जातकों के लिए यह योग काफी अच्छा रहने वाला है। आकस्मिक धन की प्राप्ति होगी। संतान से जुड़ा हुआ कोई शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है।

बहुत मेहनत के बावजूद भी नहीं कमा पा रहे पैसा, तो कर लें ये उपाय

धन की समस्या एक ऐसी परेशानी है जो जीवन में एक बार आ जाए तो इससे पीछा छुड़ाना बहुत मुश्किल हो जाता है। जीवन में अगर धन न हो तो स्ट्रेस और कर्जे में बढ़ोतरी देखने को मिलती है। इसकी वजह से दिन ब दिन रिश्ते भी खराब होने शुरू हो जाते हैं। 90 प्रतिशत समस्या धन के आने से खत्म हो जाती हैं। आज इस आर्टिकल में बात करेंगे ऐसी कौन सी चीज हैं जिन्हें करने से कभी भी जीवन में धन की कमी नहीं देखनी पड़ती है।

हमारे जीवन में पांच तत्व होते हैं और हर तत्व पैसे का होता है। जब पैसा स्थिर नहीं हो रहा हो तो आपके पृथ्वी तत्व की कमी है। अगर पैसा हाथ में नहीं टिकता है तो आपके अंदर जल तत्व की कमी है। आपके पास पैसा दिखता तो बहुत है लेकिन हाथ में नहीं आता तो इसका अर्थ आपका वायु तत्व खराब है। जितनी काबिलियत अगर आपको उतना पैसा नहीं मिल पा रहा तो आपका आकाश तत्व खराब है। हर तत्व अपने-अपने तरीके से पैसे को गवर्न करता है। आपके घर के वास्तु में अगर अग्नि तत्व खराब होगा तो आपकी कहीं भी पहचान नहीं होगी। दक्षिण से लेकर दक्षिण पूर्व तक का जो एरिया है वो अग्नि तत्व कहलाता है। घर के अंदर जो साउथ ईस्ट वाला एरिया है न यहां पर अग्नि से उल्टा कोई एलिमेंट होगा तो परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

अगर आप जल तत्व की तरह बिहेव कर रहे हैं तो आप बहुत बातूनी होते हैं और खुद को एक्सप्रेस नहीं कर पाते हैं। ये लोग छोटे शब्दों में अपनी पूरी बात नहीं बोल पाते हैं। आपकी कुंडली में यदि पैसा अग्नि तत्व से जुड़ा हुआ है और बेहेवियर आपका जल तत्व है। ऐसा होने की वजह से पैसे में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क राशि, वृश्चिक राशि और मीन राशियां जो है जल तत्व हैं। इन राशियों से अगर आपका धन का स्थान बना हुआ है तो आपका पैसा इमोशनल कॉन्टेक्स्ट में आएगा। अब आपको समाज में जो भी

लोग मिलेंगे न वो लम्बी बातें सुनने वाले मिलेंगे। अगर आप बहुत कम बोलने वाले हैं तो आपको धन नहीं आएगा।

बर्थ चार्ट में मंगल ग्रह अग्नि प्रधान ग्रह है। जिस भी बर्थ चार्ट में मंगल और सूरज एक साथ होंगे तो उस कुंडली में पानी सूख जाएगा। उस कुंडली में चन्द्रमा कमजोर हो जाएंगे।

बर्थ चार्ट में धन का स्टेबल होना बेहद ही जरुरी है। धन के स्थान पर अगर दो दुश्मन ग्रह अगर आप बैठ गए तो नुकसान आपके धन का होगा।

इसे सही करने से पहले बता दें कि आपके घर की चारदीवारी आकाश तत्व है। चारदीवारी में किसी न किसी तरह का दोष नहीं होना चाहिए। आपके घर में नॉर्थ एरिया जल तत्व है। यहां पर लाल रंग का प्रयोग न करें।

कुंडली में अगर आपके चन्द्रमा किसी बुरी दृष्टि के साथ पीड़ित नहीं है तो ग्रह चन्द्रमा को पीड़ा दे रहे हैं, उस ग्रह की डोनेशन कर दें। ऐसा करने से जल तत्व आपकी कुंडली और घर दोनों में सही हो जाएगा।

नीला रंग अग्नि की दिशा में नहीं होना चाहिए। अगर ऐसा होता है तो जीवन में बहुत सी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

साउथ और वेस्ट दिशा को सही रखने के लिए बेज रंग का इस्तेमाल करें। इस जगह कभी भी चटक रंग न रखें।

नेटफ्लिक्स को कपिल शर्मा ने दिया 25 करोड़ का फटका, गिरती साख के चलते बंद हो गया शो

जैसा कि 'अमर उजाला' ने नेटफ्लिक्स के नए शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो' के पहले एपिसोड के रिव्यू में ही बता दिया था, कपिल शर्मा का जादू ओटीटी पर कतई नहीं चल पाया है। नेटफ्लिक्स ने इस शो को पहले एपिसोड के प्रसारण के पांच हफ्तों में ही बंद करने का फैसला किया है। शो के आखिरी एपिसोड की शूटिंग हो चुकी हैं और जानकारी के मुताबिक इन पांच एपिसोड में ही नेटफ्लिक्स ने कपिल शर्मा पर करीब 25 करोड़ रुपये बहा दिए हैं। कपिल शर्मा इन दिनों कलर्स टीवी के एक अंत्याक्षरी कार्यक्रम का मेजबान बनने की कोशिश में भी हैं, लेकिन उनकी घटती ब्रांड वैल्यू को देखते हुए इस कार्यक्रम के लिए प्रायोजक मिलने की बड़ी चुनौती सामने आ रही है।

स्टैंड अप कॉमेडियन से शो होस्ट और फिर कार्यक्रम निर्माता बने कपिल शर्मा का ओटीटी गेम प्लान पूरा हो चुका है। उनके नए शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' को नेटफ्लिक्स ने बंद करने का फैसला किया। ओटीटी के सूत्रों के मुताबिक इसका आखिरी एपिसोड शूट हो चुका है और उसके बाद ही शो के सेट को हटाना शुरू कर दिया गया। सूत्र बताते हैं कि इस शो के लिए कपिल शर्मा को करीब पांच करोड़ रुपये प्रति शो के हिसाब से भुगतान किया गया है, जबकि शो में जिस अभिनेता सुनी ग्रोवर की सबसे ज्यादा तारीफ हुई, उन्हें सिर्फ 25 लाख रुपये प्रति एपिसोड मिले हैं। शो को लेकर नेटफ्लिक्स ने किस कदर पैसे बांटे हैं, इसका अंदाजा लगाने के लिए सिर्फ इतना जानना काफी है कि सिर्फ सोफे पर बैठकर हंसने के लिए अर्चना पूरण सिंह को 10 लाख रुपये प्रति एपिसोड दिए जाने के खुलासे ने नेटफ्लिक्स में हंगामा कर दिया है।

गौर करने लायक बात यहां ये है कि नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज टीम ने अपनी बॉस बेला बजरिया के हफ्ते भर पहले भारत आने पर कपिल शर्मा शो की टीम से उनकी खासतौर से मुलाकात कराई थी। लेकिन, बताते हैं कि बेला बजरिया ने ही शो के भारी भरकम बजट के बावजूद दर्शकों में शो को लेकर सकारात्मक माहौल न होने के चलते इसे बंद करने का फैसला भारत से जाते जाते सुना दिया था।

बेला बजरिया के आने से तब नेटफ्लिक्स के मुंबई दफ्तर में काफी जोशीला माहौल देखा गया था रहा। 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के कलाकारों में शो के होस्ट कपिल शर्मा के साथ साथ उनके साथी कलाकारों सुनील ग्रोवर, अर्चना पूरण सिंह और राजीव ठाकुर को भी बेला से मिलने का मौका मिला। इस दौरान भारत में नेटफ्लिक्स की वाइस प्रेसीडेंट (कंटेंट) मोनिका शेरगिल और सीरीज हेड तान्या बामी भी इस जश्न में शामिल रहीं।

नेटफ्लिक्स ने तब जाहिर यही किया था कि 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' ऐसी पहली भारतीय वेब सीरीज बन गई है जिसने उसकी ग्लोबल लिस्ट के अंग्रेजी से इतर कार्यक्रमों की टॉप 10 सूची में चार हफ्तों से लगातार जगह बनाई हुई है। दावा किया गया कि कि शो के समर्पित प्रशंसकों ने इसे खूब प्यार दिया है। जबकि, सच यही था कि शो के पहले तीन एपिसोड कपिल शर्मा का टीवी पर शो देखते रहे दर्शकों ने पूरी तरह नकार दिए हैं और शो से लोगों को जोड़ने के लिए कपिल शर्मा, कृष्णा अभिषेक और सुनील ग्रोवर उत्तर भारत में घर घर घूमते रहे, वह भी एक प्रायोजक कंपनी के पैसे पर।

दो भागों में रिलीज होगी यश की 'टॉक्सिक'? फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर अफवाहों का बाजार गर्म

साउथ सुपरस्टार यश इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म को लेकर लगातार नए अपडेट्स सामने आ रहे हैं। कभी फिल्म की कहानी को लेकर तो कभी फिल्म में नए कलाकारों को लेकर नई जानकारियां लगातार फैंस का उत्साह बढ़ा रही हैं। वहीं इस बीच अब फिल्म को लेकर नई चर्चा सोशल मीडिया पर हो रही है। इंटरनेट पर चर्चा थी कि गीतू मोहनदास के साथ रॉकिंग स्टार यश की आगामी फिल्म 'टॉक्सिक' दो भागों में विभाजित होगी।

कहा जा रहा है कि फिल्म टॉक्सिक गोवा में ड्रग माफिया के बारे में है। हालांकि, टीम में से किसी ने भी इस संबंध में कुछ नहीं कहा है, लेकिन शीर्षक और रिलीज की तारीख के लिए गीतू और यश ने अभी तक कोई अन्य आधिकारिक घोषणा नहीं की है। बाकी कलाकारों के बारे में अटकलें अभी भी जारी हैं। ऐसी अफवाहें सामने आई हैं कि फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है, जबकि अन्य का कहना है कि यह जल्द ही शुरू होगी। यदि वे योजनानुसार चलते हैं तो फिल्म आगामी 11 महीनों में सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती है।

अब सवाल यह है कि क्या फिल्म के दो भागों में विभाजित होने वाली खबरों में सच्चाई है या नहीं? खैर, पिछले दिनों टॉक्सिक की आधिकारिक घोषणा से पहले यश ने कहा था कि उनकी अगली फिल्म बड़ी फिल्म नहीं होगी, लेकिन कंटेंट के मामले में यह अच्छी होगी। उन्होंने कहा था कि यह पैमाने से अधिक गुणवत्तापूर्ण है, जिससे 10 अप्रैल 2025 तक की समयसीमा काफी संभव होनी चाहिए। इससे पहले फिल्म के लिए तीन अभिनेत्रियों के शामिल होने की खबरें आईं। करीना कपूर खान, कियारा आडवाणी और श्रुति हासन जैसे नामों की चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि करीना फिल्म में यश की बहन का किरदार निभा रही हैं।

प्रोडक्शन हाउस द्वारा इनमें से किसी भी नाम की पुष्टि नहीं की गई है। फैंस द्वारा फिल्म की स्थिति पर अपडेट देने के लिए कई बार अनुरोध किए जाने के बावजूद कोई जानकारी सामने नहीं आई है। इससे पहले फिल्म निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर आधिकारिक बयान साझा किया और लोगों से इन सभी अटकलों से दूर रहने का अनुरोध किया था। निर्माताओं ने बयान में कहा था, 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स की कास्टिंग के बारे में कई अप्रमाणित सिद्धांत और सूचनाएं चल रही हैं। हम वास्तव में टॉक्सिक के आसपास के उत्साह की सराहना करते हैं, लेकिन इस बिंदु पर हम सभी से अटकलों से बचने का अनुरोध करेंगे।'

निर्माताओं ने आगे बताया था, 'कास्टिंग प्रक्रिया फिल्म पूरी होने के करीब है और हम अपनी टीम से रोमांचित हैं। जैसा कि हम इस कहानी को जीवंत करने के लिए तैयार हैं, हम सभी से आधिकारिक घोषणाओं की प्रतीक्षा करने का अनुरोध करते हैं।' वहीं बात करें फिल्म की रिलीज के बारे में तो 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी है और केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स द्वारा सह-निर्मित है। यह फिल्म 10 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। यह यश की 19वीं फिल्म है।

'आपकी बहुत याद आती है मां, हर पल आपको महसूस करता हूं', नरगिस को याद कर भावुक हुए संजय दत

आज 3 मई को दिग्गज अदाकारा नरगिस दत्त की डेथ एनिवर्सरी है। वर्ष 1981 में कैंसर बीमारी के चलते आज ही के दिन अदाकारा दुनिया को अलविदा कह गई थीं। अभिनेत्री ने हिंदी सिनेमा को कई कालजयी फिल्में दीं। उनकी फिल्में आज भी दर्शकों के बीच लोकप्रिय हैं। अभिनेत्री की पुण्यतिथि पर बेटे और अभिनेता संजय दत्त ने मां को याद किया है। संजय दत्त ने मां के साथ अपनी तस्वीरें साझा करते हुए दिल छूने वाला नोट लिखा है।

संजय दत्त ने नरगिस के साथ तीन तस्वीरें साझा की हैं। पहली तस्वीर में नरगिस दत्त बेठी हैं और उनके पास संजय दत्त खड़े हैं। संजय दत्त की यह बचपन की फोटो बेहद प्यारी है। इसके बाद एक ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर में संजय दत्त और नरगिस एक-दूसरे से बात कर रहे हैं। तीसरी तस्वीर में भी नरगिस अपने बेटे की तरफ निहारती नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों के साथ संजय दत्त ने लिखा है, 'आपकी बहुत याद आती है मां! भले ही आप यहां नहीं हैं, लेकिन आपकी उपस्थिति हमें हर पल महसूस होती है। आप हमारे दिल के करीब हो। हमारी यादों में हमेशा बसती हो। लव यू मां'!'

संजय दत्त के अलावा बेटी प्रिया दत्त भी मां को याद कर भावुक हैं। उन्होंने भी नरगिस दत्त के साथ तस्वीरें साझा करते हुए नोट लिखा है। प्रिया दत्त ने लिखा है, "मुझे अब आपकी पहले से और भी ज्यादा याद आती है। मुझे लगता था कि समय सब ठीक कर देता है, लेकिन आपके बारे में सोचने से समय बीत जाता है। यदि आप यहां होतीं, तो आप बेमिसाल दादी-नानी होतीं। आप मेरे भावनात्मक उथल-पुथल के दौरान हमेशा मेरे साथ होतीं'।

प्रिया ने आगे लिखा, 'अगर आज आप हमारे साथ होती तों आप मुझे प्यार, जीवन, मातृत्व और कई अन्य मामलों में बेहतर सलाह देतीं। मैं आपको बेहद याद करती हूं। मुझे कभी एहसास नहीं हुआ कि मैं इतने सालों के बाद ऐसा करूंगी, लेकिन मुझे एहसास है। जब तक हम दोबारा न मिलें, हमेशा मुझे स्वर्ग से इसी तरह देखती रहिए और रक्षा करती रहिए मां'।

नरगिस दत्त ने महज छह साल की उम्र में अपने फिल्मी सफर की शुरुआत फिल्म 'तलाश-ए-हक' से की थी। नरगिस ने तीन दशकों तक फिल्मों में काम किया है। साल 1942 में नरगिस को फिल्म 'तमन्ना' से बॉलीवुड में असली पहचान मिलनी शुरू हुई थी। निजी जिंदगी की बात करें तो नरगिस दत्त ने सुनील दत्त से शादी रचाई थी। दोनों के तीन बच्चे- संजय दत्त, प्रिया दत्त और नम्रता दत्त हैं।

'वह लापरवाह हैं, लेकिन काम को लेकर पाबंद हैं': सोनाक्षी

सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों अपनी आगामी सीरीज 'हीरामंडी- द डायमंड बाजार' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी इस सीरीज में सोनाक्षी 'फरीदन' का किरदार निभाती नजर आ रही हैं। हाल ही में, अभिनेत्री ने बॉलीवुड के दबंग खान यानी सलमान खान की खुलकर तारीफ की है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने साल 2010 में सलमान खान-स्टारर दबंग के साथ अपनी फिल्म की शुरुआत की। हाल ही में, एक साक्षात्कार में सोनाक्षी ने सलमान खान की तारीफ करते हुए कहा कि दर्शकों से जुड़ने के लिए उन्हें एक रास्ता मिल गया है। सोनाक्षी ने सलमान के साथ कई फिल्मों में काम किया है और उन्होंने कहा कि जहां सलमान काम में काफी बेफिक्र हैं। वहीं, वह काम को लेकर काफी सीरियस हैं।

इस इंटरव्यू में सोनाक्षी ने सलमान जैसे सितारों की लोकप्रियता के बारे में बात की और कहा, "मुझे लगता है कि यह उनके दर्शकों के साथ एक जुड़ाव है आपके जो लोकप्रियता मिलती है, वह काफी संघर्ष करने के साथ आता है। मुझे लगता है कि यही वह चीज है, जो मेरे दर्शक मेरे बारे में पसंद करते हैं और यही मेरी ताकत है और मैं बस उसी पर काम करने जा रही हूं। यही सलमान ने भी इतने सालों से किया है, यही वजह है कि लोग उनसे प्यार करते हैं।"

सलमान के बारे में बात करते हुए सोनाक्षी ने कहा, "वह बहुत लापरवाह हैं, लेकिन वह काम को लेकर बहुत पाबंद भी हैं। मुझे नहीं पता कि इसे कैसे समझाऊं क्योंकि मैंने उन्हें देखा है और ऐसा लगता है कि उन्हें छोटी-छोटी बातों की परवाह नहीं है।

सोनाक्षी ने कहा कि सलमान, जो महसूस करते हैं वही करते हैं। उदाहरण के लिए, यदि वह चाहे तो साइकिल से काम पर जाएंगे, जिस समय उन्हें सुविधाजनक लगेगा उस समय पहुंचेंगे।

बता दें कि संजय लीला भंसाली की मल्टीस्टारर सीरीज 'हीरामंडी' में मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, ऋचा चड्ढा, शर्मिन सहगल, शेखर सुमन, अध्ययन सुमन समेत कई मशहूर सितारों ने अपनी अदायगी का जलवा दिखाते नजर आ रहे हैं।

भारती सिंह की बिगड़ी तबीयत,अस्पताल में हैं भर्ती

कॉमेडियन भारती सिंह इस वक्त अस्पताल में भर्ती हैं और उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल के जरिए फैंस को इसकी जानकारी दी है। उन्होंने अपना एक व्लॉग अपलोड किया है, जिसमें वो अस्पताल के बेड पर नडर आ रही हैं। उन्होंने बताया है कि वह तीन दिन से दर्द से तड़प रही थीं, आखिरकार उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा।

भारती सिंह को इस हाल में देख उनके फैंस काफी परेशान हैं और उनके जल्द ठीक होने की दुआ कर रहे हैं। व्लॉग में भारती कह रही हैं, "आई एम सॉरी, ऐसी सिचुएशन दिखानी नहीं चाहिए लेकिन मैं क्या करूं। मुझे बताना था कि व्लॉग ना आए तो वजह ये है। मुझे फूड इंफेक्शन हो गया है, पेट का इंफेक्शन तो रात भर से बुरे हाल हैं लेकिन अब काफी ठीक हूं मैं।"

टेस्ट में सामने आई ये दिक्कत

भारती अस्पताल में भर्ती तो पेट के इंफेक्शन के कारण हुई थीं, लेकिन जब उनके टेस्ट हुए तो कुछ और भी परेशानियां निकलकर सामने आई हैं। भारती ने बताया कि डॉक्टर्स ने उनके कई टेस्ट किए, जिसमें सामने आया कि उनके गॉल ब्लैडर में पथरी है और वो किसी वेन में फंसी है। जिसके कारण भारती को तकलीफ हो रही है। भारती ने बताया कि वह कुछ भी खाती हैं तो उनको दर्द होता है और उल्टी हो जाती है।

भारती को आ रही गोले की याद

भारती सिंह के साथ अस्पताल में उनके पति हर्ष हैं, लेकिन उनका बेटा गोला नहीं है। भारती के लिए उसके बिना रहना काफी मुश्किल हो रहा है। वह अपने बेटे को याद कर रही हैं।

फैंस को दी सलाह

भारती सिंह ने अपने फैंस को सलाह दी है कि अगर कोई भी तकलीफ हो उसे अनदेखा न करें। उन्होंने बताया कि उन्हें तीन दिन से दर्द हो रहा था, लेकिन वह इसे इग्नोर कर रही थीं। उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था और अस्पताल जाना चाहिए था।

एनएच स्टूडियोज के साथ 11वीं फिल्म 'औरों में कहां दम' था के लिए अजय देवगन ने मिलाया हाथ

अभिनेता अजय देवगन इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'औरों में कहां दम' था को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। यह फिल्म दर्शकों के लिए भी सी लिए खास है, क्योंकि एक बार फिर उन्हें फिल्म में अजय के साथ तब्बू की जोड़ी देखने को मिलेगी। फिल्म को लेकर समय-समय पर नई जानकारियां सामने आ रही हैं। वहीं, अब एक बार फिर फिल्म पर अपडेट सामने आया है। एनएच स्टूडियोज और अजय देवगन ने अपनी 11वीं फिल्म के साथ अपनी साझेदारी जारी रखी है। अब वे 'औरों में कहां दम था' के लिए भी सहयोग करेंगे। यह सहयोग एक लंबे समय से चले आ रहे रिश्ते का प्रतीक है, जिसकी शुरुआत 1992 में आई फिल्म 'जिगर' से हुई थी।

एनएच स्टूडियोज का प्रतिनिधित्व करने वाले श्रेयांस हीरावत ने परियोजना के बारे में अपना उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'हम इस साल अजय सर के साथ अपना 11वां सहयोग रिलीज करेंगे और यह एक बहुत ही खास फिल्म है। अजय और तब्बू एक परिपक्व प्रेम कहानी के साथ स्क्रीन पर जादू बुनेंगे और फिल्म का निर्देशन कोई और नहीं बल्कि समीक्षकों द्वारा प्रशंसित, प्रसिद्ध निर्देशक, नीरज पांडे कर रहे हैं।

श्रेयांस हीरावत ने आगे बताया कि 'औरों में कहां दम था' में रोमांस और थ्रिलर तत्वों का मिश्रण है। फिल्म की कहानी 2000 से 2023 तक फैले 23 वर्षों में सामने आती है। उन्होंने आगे कहा, 'फिल्म एक थ्रिलर और प्रेम की यात्रा के चित्रण का एक अनूठा संयोजन पेश करने का वादा करती है, जो बड़े पर्दे पर परिपक्व प्रेम और साहचर्य का एक हार्दिक चित्रण है।'

निर्देशक नीरज पांडे ने भी फिल्म में एक नई प्रेम कहानी की खोज के लिए अपना उत्साह साझा किया। नीरज पांडे ने कहा कि 'औरों में कहां दम था' प्यार की गहराइयों का पता लगाने का प्रयास करता है, जो महज भौतिकता से परे है और मानव मानस की जटिलताओं में गोता लगाता है। यह कहानी बॉलीवुड में काफी हद तक अलग और खास है।

शीतल भाटिया, नरेंद्र हीरावत, कुमार मंगत पाठक के पैनोरमा स्टूडियोज और संगीता अहीर द्वारा निर्मित 'औरों में कहां दम था' 5 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। यह फिल्म अजय देवगन के साथ नीरज पांडे के पहले सहयोग का प्रतीक है। फिल्म की रिलीज की तारीख का खुलासा हो चुका है। अब निर्माता जल्द ही इसके टीजर और ट्रेलर का अनावरण करेंगे।

इंडस्ट्री में अभिनेत्रियों को दी जाने वाली फीस से खुश नहीं लारा दत्ता, वेतन असमानता पर फूटा गुस्सा

बॉलीवुड अभिनेत्री लारा दत्ता इन दिनों अपनी वेब सीरीज 'रणनीतिः बालाकोट एंड बियॉन्ड' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। उन्होंने अपने करियर में कई शानदार किरदार निभाए हैं। हालांकि, लारा दत्ता इंडस्ट्री में अभिनेत्रियों को दिए जाने वाली फीस से कुछ खास खुश नहीं हैं। अब हाल ही में, अभिनेत्री ने हिंदी सिनेमा में वेतन असमानता को लेकर खुलकर बात की है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

लारा दत्ता ने वेतन असमानता पर की बात

हाल ही में, एक इंटरव्यू में अभिनेत्री ने खुलासा किया कि महिलाएं इंडस्ट्री में अपने कई पुरुष कलाकारों की तुलना में कड़ी मेहनत करती हैं फिर भी ज्यादातर महिलाएं भाग्यशाली हैं कि उन्हें पुरुष अभिनेताओं को मिलने वाले वेतन का दसवां हिस्सा मिलता है। लारा दत्ता ने बताया कि वे प्रक्रिया में हैं और बहुत सारी महिलाएं हैं, जो इस धारणा में बदलाव करने की कोशिश कर रही हैं उन्होंने कहा कि पहले, यह सोचा जाता था कि जब आप 30 वर्ष की उम्र तक पहुंचते हैं, तो आपके लिए घर बसाने का समय आ जाता है क्योंकि आपका करियर खत्म हो जाता है।

रामायण को लेकर चर्चा में हैं अभिनेत्री

इस बीच, लारा दत्ता नितेश तिवारी की रामायण में कै के यी की भूमिका को लेकर भी काफी चर्चा में चल रही हैं। अभिनेत्री ने इन अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्होंने ऐसी कई रिपोर्ट्स सुनी हैं, लेकिन वह अटकलों का आनंद ले रही हैं, उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, ₹कौन रामायण का हिस्सा नहीं बनना चाहेगा?₹

सीरीज को लेकर मिल रही हैं तारीफें

अभिनेत्री के वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में, वे 'रणनीतिः बालाकोट एंड बियॉन्ड' में नजर आई हैं। यह सीरीज 25 अप्रैल को स्ट्रीम हुई है। लारा दत्ता के साथ इसमें जिमी शेरगिल, आशुतोष राणा और आशीष विद्यार्थी समेत कई अन्य कलाकार हैं। इसके अलावा उनके पास 'वेलकम टू द जंगल' और 'रामायण' जैसी फिल्में हैं।

यश की 'टॉक्सिक' से बाहर हुईं करीना कपूर खान?

जब यह खबर आई कि करीना कपूर खान यश की आगामी फिल्म 'टॉक्सिक' में अभिनय करेंगी तो प्रशंसक रोमांचित हो गए। हालांकि, हालिया अपडेट से पता चला है कि करीना ने फिल्म से अपने हाथ पीछे खींच लिए हैं। वहीं, इसके पीछे की चौंकाने वाली वजह भी सामने आ गई है। ताजा रिपोर्ट की मानें तो शेड्यूलिंग टकराव के कारण अभिनेत्री अब इस परियोजना में शामिल नहीं है। प्रोडक्शन से जुड़े करीबी सूत्रों ने पिंकविला को बताया कि करीना कपूर की डेट्स यश की 'टॉक्सिक' के साथ मेल नहीं खातीं। कैलेंडर को समायोजित करने के प्रयासों के बावजूद, उन्होंने अलग होने का फैसला किया है। करीना कपूर के बाहर निकलने के बाद, प्रोडक्शन टीम अब कई अभिनेत्रियों के साथ उस महत्वपूर्ण भूमिका को निभाने के लिए बातचीत कर रही है जो मूल रूप से उनके लिए थी। 'टॉक्सिक' भाई-बहन की गतिशीलता पर बहुत अधिक निर्भर करता है, जिससे बहन की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। रिपोर्ट के अनुसार, निर्माता इस भूमिका के लिए पैन इंडिया उपस्थिति वाली अभिनेत्रियों की तलाश कर रहे हैं।

इस बीच, फिल्म में यश के साथ मुख्य भूमिका के लिए कियारा आडवाणी की पुष्टि हो चुकी है। गीतू मोहनदास द्वारा निर्देशित, 'टॉक्सिक' यश और पुरस्कार विजेता निर्देशक के बीच पहला सहयोग है। 10 अप्रैल, 2025 की योजनाबद्ध रिलीज की तारीख के साथ, फिल्मांकन वर्तमान में प्रगति पर है। यश, नितेश तिवारी की 'रामायण' के साथ इस फिल्म का सह-निर्माण भी कर रहे हैं।

टी20 विश्व कप की टीम में चुने जाने के बाद भारतीय खिलाड़ियों को लगी किसकी नजर?

अब सैमसन-चहल हुए फ्लॉप

आईपीएल 2024 में गुरुवार को सनराइजर्स हैदराबाद ने रोमांचक मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को एक रन से हरा दिया। एक वक्त राजस्थान की टीम मजबूत स्थिति में थी, लेकिन डेथ ओवर में हैदराबाद की ओर से शानदार प्रदर्शन ने राजस्थान के हाथों से जीत छीन ली। टी20 विश्व कप के लिए चुनी गई भारतीय टीम में राजस्थान के तीन खिलाड़ी हैं। इनमें यशस्वी जायसवाल के अलावा संजू सैमसन और युजवेंद्र चहल हैं। हालांकि, इस मैच में यशस्वी को छोड़कर बाकी दोनों फ्लॉप साबित हुए। टीम चुने जाने के बाद से भारतीय खिलाड़ियों को किसी की नजर लग गई है। चुने गए खिलाड़ियों की ओर से लगातार खराब प्रदर्शन हो रहा है। इससे पहले टीम चुने जाने के बाद मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स की टीम से चुने गए खिलाड़ियों का भी प्रदर्शन निराशाजनक रहा था।

सैमसन खाता भी नहीं खोल सके

202 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान की टीम को पहले ही ओवर में झटका लगा। भुवनेश्वर कुमार ने जोस बटलर को मार्को यानसेन के हाथों कैच कराया। वह खाता नहीं खोल सके। इसके बाद उम्मीद की गई शानदार फॉर्म में चल रहे संजू सैमसन लंबी पारी खेलेंगे। हालांकि, पहले ही ओवर में भुवनेश्वर ने सैमसन को क्लीन बोल्ड किया। वह तीन गेंद खेले और कोई रन नहीं बना सके। एक रन पर राजस्थान की टीम ने दो विकेट गंवा दिए थे। हालांकि, यशस्वी के 40 गेंद पर बनाए गए 67 रन और रियान पराग के 49 गेंद पर बनाए गए 77 रन ने राजस्थान को मुश्किल से निकाला। यशस्वी ने अपनी पारी में सात चौके और दो छक्के लगाए थे। वहीं, रियान ने आठ चौके और चार छक्के लगाए। हालांकि, इसके बावजूद टीम एक रन से हार गई।

चहल काफी महंगे साबित हुए

इससे पहले सनराइजर्स ने 20 ओवर में तीन विकेट पर 201 रन बनाए थे। ट्रेविस हेड ने 44 गेंद में छह चौके और तीन छक्के की मदद से 58 रन की पारी खेली। वहीं, नीतीश रेड्डी ने 42 गेंद में तीन चौके और आठ छक्के की मदद से नाबाद 76 रन और हेनरिक क्लासेन ने 19 गेंद में तीन चौके तीन छक्के की मदद से नाबाद 42 रन बनाए। पिछले कुछ मैचों में शानदार प्रदर्शन करने वाले युजवेंद्र चहल से उम्मीद की जा रही थी कि टी20 विश्व कप के लिए चुने जाने के बाद वह अपने चयन को साबित करेंगे। उनकी करीब एक साल बाद अंतरराष्ट्रीय टीम में वापसी हुई है।

हालांकि, हुआ इसके उलट और चहल ने चार ओवर में बिना कोई विकेट लिए 62 रन खर्च कर दिए। उनका इकोनॉमी रेट 15.50 का रहा। रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल आवेश खान ने जरूर चार ओवर में 39 रन देकर दो विकेट लिए।

यशस्वी ने जबरदस्त वापसी की

इस सीजन चहल के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने अब तक 10 मैचों में 13 विकेट लिए हैं और पर्पल कैप की रेस में छठे नंबर पर हैं। उनका इकोनॉमी रेट 9.68 का रहा है। वहीं, सैमसन ने इस सीजन अब तक 10 पारियों में 64.17 की औसत और 159.09 के स्ट्राइक रेट से 385 रन बनाए हैं। ऑरेंज कैप की रेस में वह नौवें नंबर पर हैं। उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी नाबाद 82 रन की रही है। शुरुआती कुछ मैचों में विफल रहने के बाद यशस्वी ने टूर्नामेंट में जबरदस्त वापसी की और शतक लगाया। अब तक वह 10 पारियों में 35.11 की औसत और 157.21 के स्ट्राइक रेट से 316 रन बना दिए हैं। नाबाद 104 रन की पारी उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी रही है।

पांच जून को भारत का पहला मैच

आईपीएल 2024 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और हार्दिक पांड्या की मुंबई इंडियंस सबसे फिसड्डी टीम साबित हुई है। ये दोनों टीमें अंक तालिका में सबसे नीचे हैं। मुंबई नौवें और आरसीबी 10वें स्थान पर है।

हालांकि, इसके बावजूद इन दोनों टीमों को मिलाकर छह खिलाड़ी टी20 विश्व कप की टीम इंडिया में शामिल किए गए। मुंबई के चार और बेंगलुरु के दो खिलाड़ी टीम इंडिया में हैं। राजस्थान, दिल्ली के तीन-तीन खिलाड़ियों को भारतीय टीम में शामिल किया गया। वहीं बेंगलुरु के अलावा चेन्नई के भी दो खिलाड़ी टीम में हैं। पंजाब किंग्स से एक खिलाड़ी अर्शदीप सिंह को टी20 विश्व कप के लिए चुना गया है। टी20 विश्व कप की शुरुआत एक जून से होने जा रही है। भारत अपना पहला मैच पांच जून को आयरलैंड के खिलाफ खेलेगा। नौ जून को भारत का सामना चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से होगा।

शिवम दुबे को रिंकू पर क्यों मिली तरजीह?

कप्तान रोहित ने खुद किया खुलासा

रिंकू सिंह की जगह बल्लेबाजी ऑलराउंडर शिवम दुबे को टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया था। माना जा रहा था कि पिछले कुछ महीने से लगातार भारतीय टीम का हिस्सा रहे रिंकू सिंह वैश्विक टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम का हिस्सा होंगे और फिनिशर की भूमिका अदा करेंगे। हालांकि, मंगलवार को अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टूर्नामेंट के लिए घोषित हुई 15 सदस्यीय टीम में रिंकू का नाम शामिल नहीं था और शिवम दुबे भारतीय टीम में जगह बनाने में सफल रहे थे। हालांकि अब भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने खुद इस बारे में जानकारी दी है कि शिवम दुबे का चयन किस आधार पर किया गया।

बल्लेबाजी के साथ गेंदबाजी भी करते हैं शिवम

रिंकू की जगह शिवम दुबे को मौका मिला था। संभवतः इसकी वजह यही थी कि दुबे बल्ले के साथ-साथ गेंदबाजी भी करना जानते हैं और जरूरत पड़ने पर गेंदबाजी कर सकते हैं। दुबे ने मौजूदा आईपीएल में सिर्फ एक मैच में गेंदबाजी की है। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ इस सीजन पहली बार गेंदबाजी की और एक विकेट भी अपने नाम करने में सफल रहे थे।

'आईपीएल के आधार पर हुआ दुबे का चयन'

रोहित ने कहा कि मध्य ओवरों में टीम की जरूरत का काफी ध्यान रखा गया। उन्होंने शिवम दुबे को लेने पर कहा, हमें समझना होगा कि पिचें और विरोधी टीम का संयोजन कैसा होगा। हमें बीच के ओवरों में आक्रामक बल्लेबाजी की जरूरत है। शीर्ष क्रम ठीक खेल रहा है, लेकिन दूसरे विकल्प भी हैं। हम चाहते थे कि मध्य ओवरों में भी कोई इसी तरह की भूमिका निभाए और फ्री होकर खेले। हमने शिवम दुबे को आईपीएल और उससे पहले कुछ मैचों में उनके प्रदर्शन के आधार पर चुना है। हमने इस बारे में बात की और उनका चयन किया। हालांकि, इसकी कोई गारंटी नहीं है कि अंतिम एकादश कैसी होगी। यह अभ्यास और विपक्षी टीम पर आधारित होगी।

'टीम में चार स्पिनर चाहता था'

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने अजीत अगरकर के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, टीम प्रबंधन टी20 विश्व कप में चार स्पिनरों के चयन को लेकर स्पष्ट था और शीर्ष 15 खिलाड़ियों को चुनने में आईपीएल की बहुत भूमिका नहीं थी। मैं बताना चाहूंगा कि मैं चार स्पिनर चाहता था। हमने वहां क्रिकेट खेली है। मैच सुबह 10 बजे शुरू होते हैं और इसमें काफी तकनीकी पहलू भी हैं। मैं चार स्पिनर चुनने का कारण अभी नहीं बताऊंगा। हालांकि टीम में चार स्पिनर में से दो ऑलराउंडर हैं और इससे टीम को संतुलन मिलता है। विपक्षी टीम को देखकर हमें संयोजन चुनने होंगे।

टीम प्रबंधन द्वारा दिया गया मौका बर्बाद नहीं करना चाहता था : नितीश रेड्डी

नीतीश कुमार रेड्डी, जिन्होंने आईपीएल 2024 में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) पर एक रन से रोमांचक जीत हासिल करने में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के लिए 42 गेंदों में नाबाद 76 रन की शानदार पारी खेली, ने कहा कि टीम प्रबंधन ने उन्हें अंतिम एकादश में शामिल होने का मौका दिया, एक ऐसा मौका जिसे वह कभी गंवाना नहीं चाहते थे।

राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में, रेड्डी ने तीन चौके और आठ छक्के लगाकर सबको चकित कर दिया, जो कि उनकी सर्वोच्च टी20 पारी भी है, जिसमें उनके कुछ छक्के मैदान पर सीधे और कवर के ऊपर से लगे, जिससे घरेलू प्रशंसक रोमांचित हो गए।

उन्होंने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं कहूंगा कि मैं एक वास्तविक ऑलराउंडर हूं जो गेंदबाजी कर सकता है, जो बल्लेबाजी कर सकता है, जो क्षेत्ररक्षण भी कर सकता है। इसलिए, मैं हरफनमौला प्रदर्शन की उम्मीद कर रहा था। मैं वास्तव में पिछले कुछ समय से इस बल्लेबाजी अवसर का इंतजार कर रहा था। इस साल टीम प्रबंधन ने मुझे मौका दिया और मैं इसे गंवाना नहीं चाहता था।"

हैदराबाद के मध्यक्रम में अपनी भूमिका पर विचार करते हुए, रेड्डी ने कहा, ₹पिछले दो मैचों से, यह ऐसा ही रहा है। मेरी भूमिका हेनरिक क्लासेन को धमाका करने का लाइसेंस देने के लिए 14वें या 13वें ओवर तक खेलने की थी।अगर क्लासेन और समद को शुरुआती ओवरों में बल्लेबाजी करने का मौका मिले तो कोई फायदा नहीं, वे स्वतंत्र रूप से रन नहीं बना सकते।"

मैं सिर्फ यह सुनिश्चित करना चाहता था कि मुझे दबाव महसूस नहीं हो। मैं बस उसी तरह पारी खेलना चाहता था जैसी मैंने पंजाब के खिलाफ खेली थी और एक ओवर में आक्रमण करने और गति बदलने की योजना बना रहा था। जब मैंने (युजवेंद्र) को देखा तो बिल्कुल यही हुआ।"

मैं खुद का समर्थन कर रहा था कि मुझे उसके पीछे जाना है (14वें ओवर में) और यह काफी अच्छा रहा (उससे 21 रन लेकर)। तालिका में शीर्ष पर मौजूद रॉयल्स को हराने से वास्तव में टीम का मनोबल बढ़ेगा।

रेड्डी ने यह भी खुलासा किया कि थिंक-टैंक को अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार पर भरोसा था, जो अंतिम ओवर में 12 रनों का बचाव करके उन्हें जीत दिलाएंगे। देखिए, टी20 पूरी तरह से गति को बदलने के बारे में है। इसलिए, हमें वास्तव में विश्वास था कि हम किसी तरह एक या दो विकेट ले लेंगे जो हमें अच्छी तरह से सेट यशस्वी जयसवाल और रियान पराग के रूप में मिले।

उन्होंने निष्कर्ष निकाला, जब वह (भुवनेश्वर) प्राइम टाइम में थे, तो वह इन मैचों को खींचने जैसी चीजें करते थे। अगर हम हार भी जाते, तो भी हमें खुशी होती, भले ही हम मैच हार जाते, क्योंकि हमने एक अच्छी टीम के खिलाफ अच्छा खेला और मैच को आखिरी गेंद तक ले गए, इसलिए हम जीत की ओर अग्रसर होकर खुश हैं।

17 साल की उम्र में गुकेश ने रचा इतिहास

भारत को बादशाहत का मौका

शतरंज की दुनिया में भारत की धाक और साख बढ़ रही है। आयु वर्ग में तो हमारे खिलाड़ी दशकों पहले से ही विश्व चैंपियन बनते रहे हैं। क्लासिकल शतरंज की बादशाहत हमारे विश्वनाथन आनंद के पास रह चुकी है। उन्होंने पांच बार विश्व श खिताब अपने नाम किया। लंबे अर्से के बाद अब एक बार फिर विश्व शतरंज के सिंहासन पर विराजमान होने का मौका एक भारतीय खिलाड़ी के पास आया है। यह खिलाड़ी है तमिलनाडु का 17 वर्षीय डोमाराजू गुकेश।

विश्व चैंपियन है चीन के डिंग लिरेन। उनको चुनौती देने के लिए अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फीडे) ने टोरंटो (कनाडा) में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट किया। 64 खिलाड़ियों की पहली परीक्षा से निकलकर आए आठ ग्रैंडमास्टर इस श्रेष्ठता के संघर्ष में शामिल हुए। इनके बीच प्रतिभावान गुकेश का दिमागी कौशल अपने से कहीं मंझे हुए खिलाड़ियों पर भारी पड़ा। आठों ग्रैंडमास्टर एक-दूसरे के साथ दो बार खेले। 14 राउंड के बाद नौ अंकों से शिखर पर रहकर गुकेश ने इतिहास रच दिया। 17 वर्ष, 10 महीने और 24 दिन की उम्र में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाले वे विश्व के सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। उन्होंने 40 साल पुराना गैरी कास्पारोव का रिकार्ड ध्वस्त किया। गैरी कास्पारोव ने 1984 में जब इस चैलेंजर टूर्नामेंट को जीता था, तब उनकी आयु 22 साल की थी। पिछले कुछ वर्षों से लगभग हर साल भारत कोई न कोई ग्रैंडमास्टर खिलाड़ी उभार रहा है। अब यह संख्या 83 तक पहुंच चुकी है। इनमें से 29 ग्रैंडमास्टर तमिलनाडु से हैं। वास्तव में गुकेश की यह सफलता तमिलनाडु के लिए भी गौरव का क्षण है। 26 अप्रैल को तमिलनाडु राज्य शतरंज एसोसिएशन के 77 साल पूरे हो रहे हैं। 1947 में इस एसोसिएशन का गठन हुआ था। शतरंज की इस धरती से उभरे खिलाड़ियों में महान विश्वनाथन आनंद, के शशिकिरण जैसे खिलाड़ी भी हैं। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में इस बार चुनौती देने वाले तीन भारतीयों में आर प्रज्ञानानंद भी इसी राज्य से हैं। विदित गुजराती नासिक से हैं। गुकेश ने इस शानदार प्रदर्शन से शतरंज विशेषज्ञों को भी सकते में ला दिया। कोई भी कल्पना नहीं कर सकता था कि अनुभवहीन भारतीय खिलाड़ी कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीत सकते हैं। दो साल पहले इस टूर्नामेंट का आयोजन हुआ था तो कोई भारतीय खिलाड़ी चुनौती में नहीं था। तीनों भारतीय खिलाड़ियों के दावे को तो पूर्व विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने सिरे से नकार दिया था। गुकेश की जीतने की संभावना तो उन्होंने बिल्कुल नकार दी थी। यह कहा गया कि भारतीय खिलाड़ी न तो बहुत अच्छा प्रदर्शन करेगा और अत्यधिक न बहुत खराब। कुछ बाजियां जीत सकता है पर अंक पांच दशाचा से ज्यादा नहीं होंगे। दरअसल कार्लसन का अपना तर्क था। उनकी नजर में नेपोमनियाक्षी, करुआना और हिकारू नकामूरा की तिकड़ी काफी अनुभवी और सशक्त है। इनसे पार पाना भारतीय खिलाड़ियों के लिए मुश्किल होगा। लेकिन उनके इस संदेह को भारतीय खिलाड़ियों ने दूर किया। फाइनल मुकाबल इसी साल होना है। भारतीय शतरंज महासंघ इस कोशिश में जुटा है कि फाइनल मुकाबला भारत में हो। गुकेश को साथी खिलाड़ी प्रज्ञानानंद से भी प्रेरणा मिलेगी। इस साल के शुरू से टाटा स्टील शतरंज में प्रज्ञानानंग ने विश्व चैंपियन डिंग लिरेन को मात दी थी। भारतीय खिलाड़ियों की प्रतिभा और उनके चौंकाने वाले प्रदर्शन से चीनी खिलाड़ी भी वाकिफ हैं। अपनी उम्र से ज्यादा परिपक्वबताकर लिरेन ने गुकेश की तारीफ भी की है। अपने को लाभ की स्थिति में रखकर उन्होंने गुकेश को मुश्किल प्रतिद्वंद्वी कहा है। अथ सभी की निगाहें इस मुकाबले पर टिकेंगी। पर जिस खिलाड़ी का छोटी उम्र से यह सपना रहा है कि विश्व चैंपियन बनूंगा, उसके लिए यह शानदार अवसर है। पैसा और सम्मान तो शुरू हो गया है।

महिला कैंडिडेट्स भी साथ हुआ और भारत की कोनेरू हंपी टाई-ब्रेक के बाद दूसरे स्थान पर रहीं। आर वैशाली ने लगातार पांच बाजियां जीतीं और चौथे स्थान पर रहीं।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 को लेकर आईसीसी का बड़ा ऐलान, जारी की मैच रेफरी और अंपायर्स की लिस्ट

वेस्टइंडीज और अमेरिका में 1 जून से शुरू होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए आईसीसी ने मैच रेफरी और अंपायर्स की लिस्ट को जारी कर दिया है। इसमें आईसीसी ने 20 अंपायर्स और 6 मैच रेफरी को चुना है।

विराट कोहली और अंपायर रिचर्ड इलिंगवर्थ

वेस्टइंडीज और अमेरिका की संयुक्त मेजबानी में 1 जून से आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आगाज होगा। इसको लेकर अब महीने भर से भी कम समय बचा है और कुछ टीमों का ऐलान भी हो चुका है। वहीं आईसीसी ने भी इस मेगा टूर्नामेंट के लिए मैच अधिकारियों की लिस्ट को जारी कर दिया है, जिसमें 20 अंपायर्स और 6 मैच रेफरी को जगह मिली है। टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में ऐसा पहली बार है कि 20 टीमें इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही हैं, जिसमें 28 दिनों के अंदर 9 अलग-अलग वेन्यू पर कुल 55 मैच खेले जाएंगे।

कुमार धर्मसेना और क्रिस गेफेनी को मिली जगह

आईसीसी की तरफ से टी20 वर्ल्ड कप 2024 को लेकर जारी की गई मैच ऑफीशियल्स की लिस्ट में साल 2022 में खेले गए पिछले इवेंट के फाइनल मुकाबले में अंपायर्स की भूमिका निभाने वाले कुमार धर्मसेना, क्रिस गेफेनी और पॉल रिफिल को इस बार भी जगह मिली है। वहीं मैच रेफरी की लिस्ट में सबसे अनुभवी रंजन मदुगले भी शामिल है जिनको सभी फॉर्मेट में इस भूमिका में अब तक देखा गया है। इस लिस्ट में जैफ क्रो का भी नाम शामिल है, जिनको अब तक सबसे ज्यादा टी20 इंटरनेशनल मैचों में रेफरी की भूमिका निभाने का अनुभव हासिल है। क्रो ने 175 टी20 मैचों में इस जिम्मेदारी को निभाया है। मैच ऑफीशियल्स की लिस्ट में भारत से 2 अंपायर्स को चुना गया है, जिसमें जयारमन मदनागोपाल और नितिन मेनन का नाम शामिल है। वहीं मैच रेफरी की लिस्ट में पूर्व भारतीय खिलाड़ी जवागल श्रीनाथ का नाम शामिल है।

यहां पर देखिए आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए मैच अंपायर्स की पूरी लिस्टः

क्रिस ब्राउन, कुमार धर्मसेना, क्रिस गेफेनी, माइकल गॉफ, एड्रियन होल्डस्टोक, रिचर्ड इलिंगवर्थ, अलाउहद्दीन पालेकेर, रिचर्ड इलिंगवर्थ, जयारमन मदनागोपाल, नितिन मेनन, सैम नोगाजस्की, अहसान रजा, राशिद रियाज, पॉल रिफिल, लैंगटोन रुसेरे, शाहिद साईकट, रोडनी टकर, एलेक्स वॉर्फ, जोएल विल्सन, आसिफ याकूब।

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए मैच रेफरी की लिस्टः

डेविड बून, जैफ क्रो, रंजन मदुगले, एंड्रयू पायक्रॉफ्ट, रिची रिचर्ड्सन, जवागल श्रीनाथ।

डाबर बोला–भारत में बिकने वाले मसालों में नहीं मिलाते कीटनाशक

मसाला कंपनियों की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स का इंस्पेक्शन, सैंपलिंग और टेस्टिंग करा रहा एफएसएसएआई

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। डाबर इंडिया भारतीय बाजार में बिकने वाले मसालों में एथिलीन ऑक्साइड (कीटनाशक) नहीं मिलाता है। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में यह बात कही। डाबर ने बताया कि एक्सपोर्ट किए जाने वाले मसालों में इसे तय मानकों के मुताबिक ही मिलाया जाता है।

कंपनी का बयान ऐसे समय में आया है जब देश की दो बड़ी मसाला कंपनियों एवरेस्ट और एमडीएच पर सिंगापुर, हॉन्गकॉन्ग और मालदीव की सरकार ने प्रोडक्ट्स की बिक्री पर बैन लगा दिया है। अमेरिका और भारत की फूड सेफ्टी अथॉरिटीज जांच कर रही हैं।

डाबर के सीईओ मोहित मल्होत्रा ने कहा 'हम निर्धारित सीमा के भीतर हैं। इसलिए हमें लगता है कि हम सुरक्षित हैं।' कंपनी ने बताया कि एथिलीन ऑक्साइड के बजाय, एक्सपोर्ट बैच के लिए स्टीम स्टरलाइजेशन किया जाएगा। इसके लिए एक माइक्रो लैब भी बानाया गया है। कंपनी ने बताया कि उसके मसाला पोर्टफोलियो

'बादशाह ब्रांड' से बिकने वाले डाबर के मसालों पर कहीं बैन नहीं है। मसालों को खराब होने से रोकने के लिए एथिलीन ऑक्साइड मिलाया जाता है, लेकिन ज्यादा अमाउंट में मिलाए जाने पर इससे कैंसर का खतरा हो सकता है।

फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया यानी ने अब अधिकारियों को लोकल और विदेशी बिक्री के लिए करी पाउडर और मिक्स्ड मसाला ब्लेंड्स बनाने वाली कंपनियों पर नजर रखने को कहा है। इसके साथ ही सभी मसाला पाउडर बनाने वाली कंपनियों की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स का इंस्पेक्शन, सैंपलिंग और टेस्टिंग करने का भी आदेश दिया है। सैंपल में लिए गए हर प्रोडक्ट की क्वालिटी और सेफ्टी पैरामीटर्स के कंप्लायंस यानी अनुपालन के लिए एनालिसिस किया जाएगा। एजेंसी ने कहा कि सभी कंपनियों के प्रोडक्ट्स में एथिलीन ऑक्साइड की प्रेजेंस की भी जांच की जाएगी। जिसका यूज भारत में बैन है, और टेस्टिंग पूरी होने के बाद उचित कार्रवाई शुरू की जाएगी। हॉन्गकॉन्ग के फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने कहा था कि एमडीएच ग्रुप के तीन मसाला मिक्स- मद्रास करी पाउडर, सांभर मसाला पाउडर और करी पाउडर में एथिलीन ऑक्साइड की मात्रा ज्यादा पाई गई है। वहीं एवरेस्ट के फिश करी मसाला में भी यह कार्सिनोजेनिक पेस्टिसाइड पाया गया है।

अडाणी ग्रुप की 6 कंपनियों को सेबी का नोटिस

ट्रांजैक्शन और लिस्टिंग रेगुलेशन के नियमों के उल्लंघन के आरोप पर मांगा जवाब

मुंबई, 3 मई (एजेंसियां)। अडाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज समेत ग्रुप की 6 कंपनियों को मार्केट रेगुलेटर SEBI ने कारण बताओ नोटिस भेजा है। इन कंपनियों पर ट्रांजैक्शन और लिस्टिंग रेगुलेशन के नियमों के कथित उल्लंघन के आरोप हैं। अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (सेज), अडाणी एनर्जी, अडाणी पावर, अडाणी विल्मर और अडाणी टोटल गैस ने अपनी-अपनी एक्सचेंज फाइलिंग में इस बात की जानकारी दी है। अडाणी एंटरप्राइजेज ने बताया कि 31 मार्च को समाप्त तिमाही के दौरान उसे दो कारण बताओ नोटिस मिले हैं। ये नोटिस हिंडनबर्ग रिसर्च की ओर से लगाए गए आरोपों की जांच के बाद सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया ने जारी किए हैं। 24 जनवरी 2023 को हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडाणी ग्रुप पर मनी लॉन्ड्रिंग से लेकर शेयर मैनिपुलेशन जैसे आरोप लगाए थे। केस की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 6 सदस्यीय कमेटी बनाई थी। इसके अलावा मार्केट रेगुलेटर सेबी को भी जांच करने के लिए कहा था।

जांच में अब तक क्या-क्या हुआ?

2 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में एक कमेटी बनाई थी और सेबी को भी जांच के लिए 2 महीने का समय दिया था। सेबी को 2 मई तक अपनी रिपोर्ट सौंपनी थी, लेकिन सेबी ने सुनवाई के दौरान जांच के लिए 6 महीने की मोहलत मांगी। बेंच ने इसे अगस्त तक बढ़ा दिया। यानी सेबी को अपनी जांच कर रिपोर्ट सौंपने के लिए कुल 5 महीने का समय मिला। 14 अगस्त को सेबी ने अपनी जांच पूरी करने और रिपोर्ट सौंपने के लिए सुप्रीम कोर्ट से 15 दिन का समय और मांगा। 25 अगस्त को सेबी ने सुप्रीम कोर्ट में स्टेटस रिपोर्ट फाइल की। बताया कि 22 जांच फाइनल हो चुकी हैं और 2 अधूरी हैं। 24 नवंबर 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा था। कहा था कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को सही मानने की जरूरत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने 3 जनवरी को सेबी को बचे हुए 2 मामलों की जांच के लिए 3 और महीने का समय दिया है।

6 रुपये सस्ता हुआ सोना, चांदी महंगी

मुंबई, 3 मई (एजेंसियां)।03 मई, 2024 को सोना सस्ता और चांदी महंगी हुई है। सस्ता होने के बाद सोने की कीमत 71 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के पार है। वहीं, चांदी का भाव 80 हजार रुपये प्रति किलो से अधिक है। राष्ट्रीय स्तर पर 999 शुद्धता वाले 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत 71321 है। जबकि 999 शुद्धता वाली चांदी की कीमत 80227 रुपये है।

इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, गुरुवार की शाम को 24 कैरेट का शुद्ध सोना 71327 रुपये प्रति 10 ग्राम था, जो आज सुबह 71321 रुपये पर आ गया है। इसी तरह शुद्धता के आधार पर सोना सस्ता और चांदी महंगी हुई है।

आज क्या है सोने-चांदी की कीमत?

आधिकारिक वेबसाइट ibjarates lcom के मुताबिक, आज सुबह 995 प्योरिटी वाले दस ग्राम सोने के दाम घटकर 71321 रुपये पहुंच गए हैं। वहीं, 916 (22 कैरेट) प्योरिटी वाला 10 ग्राम सोना आज 65330 रुपये का हो गया है। इसके अलावा, 750 प्योरिटी वाले (18 कैरेट) सोने के दाम 53491 पर आ गए हैं। वहीं, 585 प्योरिटी वाला गोल्ड (14 कैरेट) आज सस्ता होकर 41723 रुपये में आ गया है। इसके अलावा, 999 प्योरिटी वाली एक किलो चांदी आज 80227 रुपये की हो गई है।

सेंसेक्स में ऊपरी स्तर से 1,217 अंकों की गिरावट

ये 73,878 के स्तर पर बंद हुआ निफ्टी भी 172 अंक गिरा

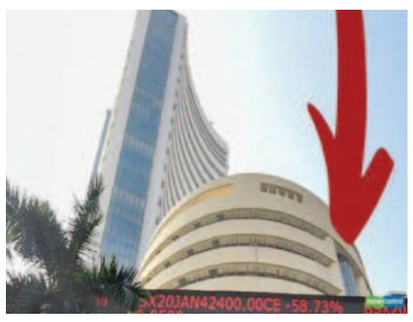

मुंबई, 3 मई (एजेंसियां)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन आज यानी 3 मई को शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। कारोबार के दौरान निफ्टी ने 22,794 का ऑल टाइम हाई बनाया। हालांकि, बाद ये यह नीचे आकर 172 अंक की गिरावट के साथ 22,475 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, सेंसेक्स दिन के हाई 75,095 से 1,217 अंक गिरा। ये 732 अंक की गिरावट के साथ 73,878 के स्तर पर बंद हुआ। इसके 30 शेयरों में से 24 में गिरावट और 6 में तेजी देखने को मिली।

ज्यादातर सेक्टर में गिरावट रही

NSE के सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो ज्यादातर सेक्टर में गिरावट देखने को मिली। निफ्टी रियल्टी में सबसे ज्यादा 1.03% की गिरावट रही। इसके अलावा निफ्टी ऑयल एंड गैस में 0.98%, निफ्टी PSU बैंक में 0.76%, निफ्टी IT में 0.89% और निफ्टी ऑटो में 0.85% की गिरावट देखने को मिली।

इससे पहले कल यानी 2 मई शेयर बाजार में बढ़त देखने को मिली थी। सेंसेक्स 128 अंक की बढ़त के साथ 74,611 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में भी 43 अंक की तेजी रही। ये 22,648 के स्तर पर बंद हुआ था।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 में बढ़त और 12 में गिरावट देखने को मिली। पावर, मेटल और ऑटो शेयर्स में ज्यादा बढ़त देखने को मिली थी। वहीं गोदरेज इंडस्ट्रीज के शेयर में 7.14% की गिरावट थी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह	स्थिति		लग्नारंभ	समय
सूर्य-	मेष	में	मेष	04-44 बजे
चंद्र-	चुंद्र	में	वृष	06-29 बजे
मंगल	मीन	में	मिथुन	08-30 बजे
बुध-	मीन	पें	कर्क	10-42 बजे
गुरु-	मेष	में	सिंह	12-54 बजे
शुक्र-	मेष	में	कन्या	15-00 बजे
शनि-	कुंभ	में	तुला	17-06 बजे
राहु-	मीन	में	वृश्चिक	19-16 बजे
केतु-	कन्या	में	धनु	21-34 बजे
			मकर	23-36 बजे
			कुंभ	01-26 बजे
			मीन	03-04 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु -ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-52
भोग्य कलि वर्ष-426875 सूर्यास्त. - 18- 33
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- एकादशी 20-38 तक उपरान्त द्वादशी
मास - वैशाख कृष्ण पक्ष, शनिवार 04 May
नक्षत्र - पूर्वभाद्रपद 22-06 तक उप उ.भाद्रपद
योग - ऐन्द्र 11- 03 तक उप वैधृति
करण- बव 10-03 तक उप बालव
विशेष:- बरुथिनी एकादशी व्रत सर्वे
व्रत -त्योहार - श्री वल्लभाचार्य जयंती

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:01 से 10:37 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05:52 - 07:26 अशुभ	लाभ	18:33 - 20:00 शुभ
शुभ	07:26 - 09:01 शुभ	उत्पात	20:00 - 21:24 अशुभ
रोग	09:01 - 10:37 अशुभ	शुभ	21:24 - 22:49 शुभ
उत्पात	10:37 - 12:13 अशुभ	अमृत	22:49 - 24:13 शुभ
चंचल	12:13 - 13:49 शुभ	चंचल	24:13 - 01:37 शुभ
लाभ	13:49 - 15:25 शुभ	रोग	01:37 - 03:01 अशुभ
अमृत	15:25 - 17:00 शुभ	काल	03:01 - 04:25 अशुभ
काल	17:00 - 18:33 अशुभ	लाभ	04:25 - 05:52 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आज का दिन नई शुरुआत के लिए बिलकुल सही है आप अपने आपको पीछे धकेलने वाली चीजों से आज मुक्त महसूस करेंगे किसी नए अवसर में जिंदगी बदलने की क्षमता है लेकिन आपको उसे समय रहते पकड़ना होगा समय रहते लिया गया निर्णयात्मक फैसला आपके लिए काफी महत्वपूरण एवं लाभकारी बदलाव ला सकता है

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आज का दिन कुछ अनिश्चित सा है ,आपको संवेदनशील लोगो से बात करते हुए अधिक सावधान रहना होगा यह समय सामना करने और फैसले लेने के लिए भी उपयुक्त है आप जिन अवांछित स्थितियों से बचना चाहते थे ,आपको उनमें खींचा जाएगा कुछ कठोर निर्णय लेने होंगें हालाँकि आप दबाव में भी सही फैसले ले पायेंगे और कुल मिलाकर सब अच्छा होगा

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आप उर्जा से भरे हैं और आशावादी सोच रखते हैं कुछ दिन पहले तक जो भी चीजें बिलकुल व्यर्थ लग रही थी,आज उतनी नही दिखेंगी आपके दृष्टिकोण की दृढ़ता और जीवनशक्ति से आपको इस स्थिति से निपटने में मदद मिलेगी आज का दिन अपनी सोच,विचारों और इच्छाओं को खुलकर व्यक्त करने के लिए भी बहुत उपयुक्त है सच्चे दिल से लक्ष्य प्राप्ति की कोशिश करें,आपको सफलता जरुर मिलेगी

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आज आप नए दोस्त बना सकते हैं और नए काम हाथ में ले सकते हैं हमेशा की तरह अपने आप में यकीन बनाये रखें इससे आप अपने लिए हर तय मंजिल तक पहुच पायेंगे भविष्य की योजनायें बनाने के लिए बहुत अच्छा समय है,लेकिन वित्तीय स्थिति का ध्यान रखें ,जरुरत पड़ने पर ही खर्च करें

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आप एक आशावादी व्यक्ति हैं और आज यह बात सबको जान्ने देने और इससे लाभ उठाने का दिन है इससे आपकी छवि एक प्रेरणात्मक वक्ता की बनेगी,जिसकी कोशिश आप लम्बे समय से करते आ रहे हो समाज में आपके सम्बन्ध जिन लोगों के साथ बहुत अच्छे नही हैं ,उनके साथ भी आपके संबंधों में अब सुधार आना शुरू हो जाएगा

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

आज पैसे को संभलकर खर्च करें सितारों के अनुसार आज आप बिना किसी बात के काफी खर्च कर सकते हैं अगर आप ध्यान नही देंगे तो काफी बड़ी रकम आज आपसे खर्च हो सकती है आज विवादो और टकराव से बचना ही बेहतर होगा स्वास्थ्य सम्बन्धी कोई परेशानी नही होगी और आप बाहर घुमने का आनंद ले सकते हैं

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आप आज सकारात्मक उर्जा से भरे हुए हैं हालाँकि आपका उद्देश्य अच्छा है परन्तु आपकी बातों का हर स्थान पर स्वागत नही होगा आपको अपनी प्रवृति का उपयोग अपने आप को ख़ुशी देने के लिए भी करना चाहिए और आज आप अपने ऊपर अच्छी खासी रकम खर्च कर सकते हैं जहां तक दूसरों के बारे में आपकी राय का सवाल है ,अपने ऊपर थोडा सा नियंत्रण रखें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

बहुत से अच्छे मौके आपका इन्तजार कर रहे हैं लेकिन आपको उनके लिए पूरे तौर पर समर्पित कोशिशें करनी होंगी,जोकि इस समय आपके लिए कुछ मुश्किल लग रहा है किसी ख़ास निजी समारोह के लिए इन मौकों को रोके रखना आपके लिए सही है आप साधारणतया बहुत अच्छे हैं और इसीलिए आपके दोस्त आपसे लगाव रखते हैं

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

घर पर पवित्रता का वातावरण बना रहेगा और चिंताएं नही रहेंगी इसीलिए अपने परिवार के साथ रहें और खुशियाँ बाँटें आपको जीवन में निराशा से दो दो हाथ करने का नया तरीका निकलना होगा ,जो आपके भीतर कई कारणों से भरी हुई है आपकी भीतरी शक्ति समाधान तलाशने में मदद करेगी

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आप पिछले कुछ दिनों से काफी व्यस्त दिनचर्या बिता रहे हैं अब सारी चीजों को व्यवस्थित करने का समय है आज आपको तुलनात्मक रूप से थोड़ी राहत मिलेगी,लेकिन आपको इस समय का उपयोग अपनी सब चीजों को व्यवस्थित करने में लगाना चाहिए नही तो सब कुछ और अधिक उलझता जाएगा और आप स्थिति के नियंत्रण से बाहर होने के कारण और भी अधिक परेशान रहेंगे

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आपको आज भावनात्मक और वित्तीय ,दोनों तरह का नुकसान हो सकता है हालाँकि ,आप आसानी से इससे बच भी सकते हैं अगर आप उन लोगों से दूरी बना लें जो अपने फायदे के लिए आपको जबरदस्ती इन चीजों में घसीटना चाहते हैं आज का दिन आराम से बिताएं और अपने उन घावों को भरने की कोशिश करें जों पिछली बातों से आपको मिले हैं

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

समय कुछ बहादुरी भरे कदम उठाने का है,इसमें हिचकिये मत इसके स्थान पर ,मजबूत फैसला लीजिये अवसरों को जाने मत दीजिये इस समय विश्वास पूर्वक लिया गया एक फैसला नाटकीय तरीके से आपकी जिंदगी को बदल सकता है,शायद आपको अभी ये प्रतीत न हो पुराने संबंधों के बारे में फिर से सोचने और अर्थहीन संबंधों को तोड़ देना ही सही रहेगा

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

दोस्त' रूस ने भारत के लिए फिर खोली तेल की टंकी

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। रूस ने कच्चे तेल का आयात अप्रैल में रेकॉर्ड स्तर के करीब पहुंच गया। इस दौरान भारत के कुल आयात में रूस की हिस्सेदारी लगभग 40% रही जो मार्च में 30% थी। पिछले साल जुलाई में यह 42% के ऑल-टाइम हाई पर थी। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण भारतीय रिफाइनरों ने रूस से सस्ती कीमत पर ज्यादा तेल खरीदा। एनर्जी कार्गो ट्रैकर Vortexa के मुताबिक भारतीय रिफाइनरी कंपनियों ने अप्रैल में रूस से रोजाना 1.78 मिलियन बैरल कच्चे तेल आयात किया, जो मार्च से 19% अधिक है। अप्रैल में चीन ने रूस से समुद्र के रास्ते रोजाना 1.27 मिलियन बैरल और यूरोप ने 396,000 बैरल तेल मंगाया। अप्रैल में रूस भारत के लिए तेल का सबसे बड़ा सप्लायर रहा। इसके बाद इराक, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात का नंबर रहा। लेकिन भारत का रूस से आयात इन तीनों की कंबाइंड सप्लाई से ज्यादा रहा। हालांकि, अप्रैल में भारत का कच्चे तेल का कुल आयात मार्च के मुकाबले 8% गिरावट के साथ रोजाना 4.5 मिलियन बैरल रह गया। दूसरे सबसे बड़े सप्लायर इराक से आयात 31% घटकर 776,000 बैरल प्रति दिन रह गया। इसी तरह सऊदी अरब से आपूर्ति 6% घटकर 681,000 बैरल प्रतिदिन रह गई। यूएई से भारत को निर्यात में 40% की गिरावट आई जबकि अमेरिका से सप्लाई 15% गिर गई। भारत के कुल आयात में इराक की हिस्सेदारी मार्च में 23% से घटकर अप्रैल में 17% रह गई, जबकि यूएई की हिस्सेदारी 9% से घटकर 6% हो गई।

ईडी ने जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल की अंतरिम जमानत का किया विरोध

नई दिल्ली , 3 मई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन के एक मामले में जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल की ओर से मांगी गई अंतरिम चिकित्सा जमानत का शुक्रवार को विरोध किया। हालांकि, एजेंसी ने कहा कि निजी अस्पताल में उनके रहने की अवधि एक महीने के लिए बढ़ाई जा सकती है।

गोयल ने चिकित्सा और मानवीय आधार पर अंतरिम जमानत मांगी है, जिसमें कहा गया है कि वह और उनकी पत्नी अनीता गोयल दोनों कैंसर से पीड़ित हैं। न्यायमूर्ति एन जे जमादार की एकल पीठ ने शुक्रवार को कहा कि वह छह मई को आदेश पारित करेगी।

एक विशेष अदालत ने फरवरी में गोयल को जमानत देने से इनकार कर दिया था, लेकिन उन्हें अपनी पसंद के निजी अस्पताल में भर्ती होने और चिकित्सा उपचार की अनुमति दे दी थी। गोयल ने पिछले सप्ताह उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर गुण-दोष के आधार पर अंतरिम जमानत और चिकित्सा आधार पर रिहाई का अनुरोध किया था।

गोयल के वकील हरीश साल्वे ने अदालत से मामले की मानवीय आधार पर सुनवाई करने का अनुरोध किया, वहीं ईडी के वकील हितेन वेनेगांवकर ने जमानत का पुरजोर विरोध किया और कहा कि जांच एजेंसी को कोई समस्या नहीं है यदि उनके अस्पताल में भर्ती रहने की अवधि बढ़ाई जाए।

आदेश के लिए मामले को बंद करने से पहले, न्यायमूर्ति जमादार ने टिप्पणी की कि बंदिशों के बिना उपचार लेने से फर्क पड़ेगा। उन्होंने कहा, 'जब किसी व्यक्ति को बिना किसी रोक-टोक के चिकित्सा उपचार मिलता है तो उससे फर्क पड़ता है।' इस पर वेनेगांवकर ने कहा कि अब भी कोई अंकुश नहीं है। उनका इलाज उनकी पसंद के अस्पताल में और उनकी पसंद के डॉक्टरों द्वारा किया जा रहा है।

उनकी पत्नी भी उसी अस्पताल में हैं और उनसे मिलने तथा साथ समय बिताने पर कोई रोक नहीं है। वेनेगांवकर ने कहा कि अदालत उन्हें चार सप्ताह के लिए अस्पताल में भर्ती कर सकती है और फिर उनकी स्थिति के आकलन के लिए एक नई मेडिकल रिपोर्ट मंगवा सकती है।

साल्वे ने तर्क दिया कि बिगड़ते शारीरिक स्वास्थ्य के अलावा गोयल का मानसिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं है। उन्होंने कहा, "उनका मानसिक स्वास्थ्य भी चिंता का विषय है। मानसिक रूप से दुर्बल होना शारीरिक दुर्बलता से भी बदतर है।₹ वरिष्ठ वकील ने कहा कि वित्तीय अपराध के लिए गिरफ्तार व्यक्तियों को जमानत देने के मामले में धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 45 सख्त है।

अमेरिका दो दशक का रेकॉर्ड तोड़ने के करीब

चीन की हालत हुई खस्ता, भारत बन रहा दुनिया की फैक्ट्री!

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी है। ग्लोबल इकॉनमी में उसकी हिस्सेदारी दो दशक के उच्चतम स्तर पर पहुंचने की राह पर है। आईएमएफ के मुताबिक ग्लोबल इकॉनमी में अमेरिका की हिस्सेदारी 26 फीसदी पहुंचने का अनुमान है। यह दो दशक में सबसे ज्यादा है। एक दशक पहले देश की हिस्सेदारी यूरोपियन यूनियन और ब्रिटेन के कंबाइंड कंट्रीब्यूशन से ऊपर पहुंची थी। आज वर्ल्ड इकॉनमी में अमेरिका का योगदान यूरोपियन यूनियन और ब्रिटेन के कंबाइंड कंट्रीब्यूशन से पांच फीसदी अधिक हो चुका है। इस बीच ग्लोबल इकॉनमी में चीन की हिस्सेदारी 2021 से लगातार घट रही है। 2024 में इसके 17 फीसदी रहने का अनुमान है। अमेरिका और चीन के बीच अंतर लगातार बढ़ रहा है और अमेरिका कभी भी इतनी मजबूत स्थिति में नहीं था।

करीब दो दशक तक दुनिया की फैक्ट्री रहा चीन आज आर्थिक मोर्चे पर कई तरह की दिक्कतों का सामना कर रहा है। देश की रियल एस्टेट सेक्टर गहरे संकट में है। चीन की इकॉनमी में इस सेक्टर का करीब एक तिहाई योगदान है। रियल एस्टेट के डूबने से बैंकिंग सेक्टर भी गहरे संकट में हैं। विदेशी कंपनियां और निवेशक चीन से मुंह मोड रहे हैं। कोरोना काल के बाद कई विदेशी कंपनियां चाइना प्लस वन की पॉलिसी पर आगे बढ़ रही हैं।

आरबीआई ने देश की सबसे बड़े एनबीएफसी को दी राहत

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक ने देश की सबसे बड़ी एनबीएफसी बजाज फाइनेंस पर ईकॉम और इंस्टा ईएमआई कार्ड के माध्यम से कर्ज की मंजूरी और वितरण पर लगी पाबंदी हटा दी है। केंद्रीय बैंक ने पिछले साल नवंबर में बजाज फाइनेंस को अपने दो कर्ज उत्पादों - ईकॉम और इंस्टा ईएमआई कार्ड के तहत ऋण की मंजूरी और वितरण को रोकने का निर्देश दिया था। यह प्रतिबंध डिजिटल ऋण दिशानिर्देशों के मौजूदा प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण लगाया गया था। इस कारण चौथी तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट चार परसेंट गिरा था। साथ ही इस पाबंदी के बाद से कंपनी का शेयर भी पांच फीसदी गिर चुका है। बजाज फाइनेंस ने कहा कि वह अब ईएमआई कार्ड जारी करने सहित दोनों व्यावसायिक क्षेत्रों में कर्ज की मंजूरी और वितरण फिर से शुरू करेगी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, 'आरबीआई ने दो मई 2024 के अपने पत्र के माध्यम से कंपनी के उठाये गये सुधारात्मक कदमों के आधार पर ईकॉम और ऑनलाइन डिजिटल 'इंस्टा ईएमआई कार्ड' पर लगे प्रतिबंध को तत्काल प्रभाव से हटाने के अपने निर्णय के बारे में जानकारी दी।' कंपनी ने कहा, 'बजाज फाइनेंस नियामक दिशानिर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।' कंपनी ने कहा कि उसने आरबीआई द्वारा लगाए गए नियामक प्रतिबंध के जवाब में आवश्यक बदलाव किए हैं।

बजाज फाइनेंस ने औपचारिक रूप से आरबीआई से इन प्रतिबंधों की समीक्षा करने और उन्हें हटाने का अनुरोध किया था। आरबीआई ने कहा कि कंपनी की तरफ से केंद्रीय बैंक के डिजिटल लोन गाइडलाइन्स के मौजूदा प्रावधानों का पालन न करने, विशेष रूप से इन दो प्रोडक्ट्स के तहत उधार लेने वालों को मुख्य तथ्य विवरण जारी न करने और की-फेक्ट स्टेटमेंट में कमियों के कारण यह कार्रवाई की गई थी।

मुकेश अंबानी को मिला 12,864 करोड़ रुपये का चेक!

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन कहां करेंगे खर्च

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी और KKR ने रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड की वेयरहाउसिंग एसेट्स में 12,864 करोड़ रुपये ($1.5 अरब) का निवेश किया है। सूत्रों के मुताबिक यह इनवेस्टमेंट उस इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट से अलग है जिसे रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड ने पिछले साल अपने लगभग आधे रिटेल वेयरहाउसिंग एसेट्स को रखने के लिए बनाया था। मार्च में, अपनी 11-12 मिलियन वर्ग फीट वेयरहाउसिंग एसेट्स रिलायंस लॉजिस्टिक्स एंड वेयरहाउस होल्डिंग्स को ट्रांसफर की थी। इसमें केकेआर और एडीआईए ने बराबर-बराबर 1.5 अरब डॉलर का निवेश किया। इस ट्रांजैक्शन की अब तक औपचारिक घोषणा नहीं की गई है।

सूत्रों ने बताया कि इस खरीद को 7,075 करोड़ रुपये के सीनियर डेट, 5,275 करोड़ रुपये के एनसीडी जैसे इक्विटी जैसे इन्सट्रूमेंट्स और इक्विटी निवेश के जरिए फंड किया गया। इन एसेट्स का ऑपरेशन और मेंटनेंस रिलायंस प्रोजेक्ट्स एंड प्रॉपर्टी मैनेजमेंट सर्विसेज लिमिटेड करेगी। यह रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की 100% स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। केकेआर और एडीआईए दोनों ने आरआरवीएल और जियो प्लेटफॉर्म्स में निवेश किया है। जियो प्लेटफॉर्म्स रिलायंस के डिजिटल और टेलीकॉम कारोबार को ऑपरेट करती है। केकेआर और एडीआईए ने इस बारे में टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। रिलायंस ने भी सवालों का जवाब नहीं

दिया। आरआरवीएल ने पिछले साल अक्टूबर में 5,150 करोड़ रुपये की वेयरहाउसिंग एसेट्स इंटेलिजेंट सप्लाई चेन इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट नाम की एक इनविट को ट्रांसफर की थीं। यह एक स्पेशल पर्पज कंपनी है। हालांकि सेबी ने आरआरवीएल को केवल 100,000 वर्ग फुट से बड़े गोदामों को ही इनविट में स्थानांतरित करने की अनुमति दी थी। आकार में छोटे एसेट्स को आरएलडब्ल्यूएच में ट्रांसफर किया जाना था, जो कि इनविट नहीं है। इनविट की तरह ही, केकेआर और एडीआईए प्रमोटेड कंपनी भी आरआरवीएल और इसकी सहायक कंपनी रिलायंस रिटेल लिमिटेड के साथ कम से कम 20 वर्षों के लिए नकदी प्रवाह स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए लंबी अवधि के पट्टे समझौते करेगी। हालांकि, मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि इसे लंबी अवधि के लिए बढ़ाया जा सकता है।

राहुल गांधी ने दिल नहीं, दिमाग की सुनी

अमेठी छोड़कर रायबरेली से क्यों लड़ रहे, वायनाड भी जीते तो किसे चुनेंगे

रायबरेली, 3 मई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। आखिरी वक्त तक कैलकुलेशन करने के बाद कांग्रेस ने अमेठी और रायबरेली का सस्पेंस खत्म कर दिया। राहुल गांधी अपनी ट्रेडिशनल सीट अमेठी से चुनाव नहीं लड़ेंगे। पार्टी ने उन्हें रायबरेली से उतारा है, जहां से सोनिया गांधी चुनाव लड़ती रही हैं। 2019 में अमेठी सीट पर स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी को करीब 55 हजार वोटों से हराया था। जबकि रायबरेली सीट पर सोनिया गांधी करीब 1.7 लाख वोटों से जीती थीं।

राहुल गांधी ने आखिरी वक्त पर अमेठी छोड़कर रायबरेली से लड़ने का फैसला क्यों किया, अगर राहुल रायबरेली और वायनाड दोनों सीटों पर जीतते हैं, तो किसे चुनेंगे?

उत्तर प्रदेश के पिछले 4 विधानसभा चुनावों को देखा जाए तो अमेठी सीट की विधानसभा सीटों के औसतन वोट शेयर में कांग्रेस का हिस्सा कम हुआ है। 2007 के चुनाव में कांग्रेस ने 34.2% वोट शेयर हासिल किया था, जो 2022 तक के चुनाव लगातार घटा और 14.2% पर सिमट गया। 2017 के विधानसभा चुनाव में अमेठी की 5 में से 4 विधानसभा सीटों पर बीजेपी ने जीत दर्ज की और एक सीट सपा को मिली। इसके बाद 2022 विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने अमेठी लोकसभा की पांच में से दो विधानसभा पर जीत हासिल की। साथ ही हर सीट पर जीत का अंतर लगभग 22 हजार से लेकर 77 हजार तक रहा। सपा ने गौरीगंज और अमेठी की सीट पर जीत हासिल की। कांग्रेस यहां से कोई विधानसभा सीट नहीं जीत सकी। 4 विधानसभा में तीसरे नंबर, जबकि जगदीशपुर सीट पर दूसरे नंबर पर रही।

2019 के चुनाव में स्मृति ईरानी ने वादा किया था कि अगर वो अमेठी से जीतती हैं तो जनता को सांसद से मिलने के लिए दिल्ली नहीं जाना पड़ेगा। उसी वादे पूरा करते हुए स्मृति ने फरवरी 2024 में अमेठी में अपना घर बनाया। केंद्रीय मंत्री स्मृति ने एक संदेश दिया कि वो अमेठी की जनता के बीच रहकर उनके लिए काम करेंगी। स्मृति ईरानी अमेठी की मतदाता भी बन गई हैं। सांसद के प्रतिनिधि विजय गुप्ता के अनुसार, स्मृति ईरानी गौरीगंज के मेदन गांव से मतदाता हैं। केंद्र में मंत्री होने की वजह से स्मृति ईरानी का राजनीतिक कद बढ़ा है। राज्य और केंद्र में बीजेपी की ही सरकार होने से अमेठी का विकास करने में स्मृति को मदद हुई है। स्मृति ने अमेठी की जनता से भावनात्मक रिश्ता बनाने का काम किया है। उधर दूसरी तरफ, राहुल गांधी ने 2019 की हार के बाद अमेठी से दूरी बनाई है। 19 जुलाई 2019 को अपनी हार के कारणों की समीक्षा करने के बाद करीब ढाई साल बाद दिसंबर 2021 को राहुल पहली बार अमेठी पहुंचे। कांग्रेस के जन जागरण अभियान में शामिल होने के लिए राहुल यहां पहुंचे थे। इसके बाद 2 साल बाद भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी अमेठी आए थे।

अमेठी कांग्रेस और गांधी परिवार के सिपहसलार कहलाए जाने वाले कई नेताओं ने 2019 के बाद कांग्रेस छोड़ बीजेपी का दमन थाम लिया। मसलन- गांधी परिवार को अमेठी में स्थापित करने वाले डॉ. संजय सिंह 2019 लोकसभा चुनाव के बाद बीजेपी में शामिल हो गए थे। डॉ. संजय अमेठी से विधायक और सांसद रह चुके हैं। यूपी 2022 चुनाव में वो सपा कैंडिडेट महाराजी देवी से हार गए थे। इसी तरह 2017 में जंगबहादुर सिंह कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। उन्होंने इसका कारण कांग्रेस की नीतियों से दुखी होना बताया था। साथ कहा था, 'अमेठी खराब सड़कों का पर्याय बन गया है।' जंगबहादुर 1995 के नवनिर्वाचित प्रधान की हत्या के मामले में सीधे शामिल थे, जिसमें 2021 में उन्हें 10 साल की सजा मिली थी। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले मार्च में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की मौजूदगी में कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव राजेश्वर सिंह और

बाजार शुकुल के पूर्व ब्लाक प्रमुख दद्दन सिंह समेत दर्जनों कांग्रेस कार्यकर्ता बीजेपी में शामिल हुए थे। चुनाव के ऐलान के बाद से कांग्रेस के कई क्षेत्रीय नेताओं ने बीजेपी जॉइन की है।

चुनाव आयोग के 2019 के आंकड़ों के मुताबिक, अमेठी लोकसभा में 17.16 लाख कुल वोटर थे। जातीय नजर से देखें तो इनमें सबसे ज्यादा संख्या अनुसूचित जाति वोटर्स की है। इस सीट पर करीबन 26% दलित वोटर्स हैं। वहीं सवर्ण वोटर्स में ब्राह्मण 18% और क्षत्रिय 11% हैं। सवर्ण यानी ब्राह्मण और क्षत्रिय वोटर्स परंपरागत तौर पर बीजेपी का वोटबैंक माना जाता है। वहीं बीजेपी को दलित वोट का भी साथ मिल सकता है। ऐसे में अमेठी अच्छा-खासा जातीय वोट बीजेपी की ओर जा सकता है।

जातीय समीकरण को साधना राहुल गांधी के लिए बड़ी चुनौती होती। राहुल गांधी कांग्रेस के सबसे बड़े नेता हैं। जबकि स्मृति बीजेपी के टॉप 20 लीडरशिप में भी नहीं आती हैं। राहुल का अपने ही गढ़ में स्मृति से एक बार फिर से चुनाव हारना, उनकी छवि पर बड़ा झटका साबित होता। कांग्रेस का बचा-खुचा ब्रांड और उसके रिवाइवल की कोशिशों पर बड़ा असर पड़ता। राहुल गांधी के रायबरेली से लड़ने का फैसला सही है।

राहुल के रायबरेली से जीतने की संभावना ज्यादा है। यह कांग्रेस और राहुल दोनों के लिए कम जोखिम भरा होगा। राहुल के लिए स्मृति को हराना मुश्किल होता। अमेठी सीट पर 2019 के चुनाव की तरह ही माहौल बना हुआ है। संविधान के मुताबिक कोई राजनेता केवल एक ही सीट का प्रतिनिधित्व कर सकता है। राहुल पहले वायनाड से लड़ चुके हैं। अगर उन्हें अमेठी से लड़ना है या था तो पहले से ही स्पष्ट रहना चाहिए था। पिछली बार भी दोनों जगह से चुनाव लड़ना राहुल की हार का कारण बना था। अगर राहुल अमेठी में अपनी जीत के लिए पूरी तरह से आश्वस्त नहीं हैं तो उन्हें चुनाव नहीं लड़ना चाहिए। राहुल गांधी अमेठी से सीट हार जाते तो उनकी राजनीतिक रूप से बड़ी किरकिरी होती। साथ ही कांग्रेस के आत्मविश्वास को भी धक्का लगता। आने वाले समय में कांग्रेस यूपी में खत्म होने की कगार पर आ जाती। राहुल गांधी ने भावनात्मकता को छोड़कर राजनीतिक विवेक से चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

कांग्रेस के लिए इस समय एक बड़ी दुविधा है। दक्षिण और उत्तर में बैलेंस बनाना कांग्रेस के लिए जरूरी है। ऐसे में फॉर्मूला नजर आ रहा है कि प्रियंका को चुनाव नहीं लड़ाया जाए और राहुल गांधी दोनों सीट (रायबरेली और वायनाड) जीतने की कोशिश करें। राहुल का लड़ना इसलिए जरूरी है क्योंकि अभी वे कांग्रेस का चेहरा हैं। वे लड़ाई से भागते हुए नजर नहीं आने चाहिए। अगर राहुल गांधी दोनों ही सीटें जीत जाते हैं तो प्रियंका को वायनाड से उप-चुनाव लड़ना चाहिए। इस तरह उत्तर और दक्षिण में गांधी परिवार का अस्तित्व बना रहेगा। साथ ही नॉर्थ और साउथ का बैलेंस बना रहेगा। हिंदी हार्टलैंड में कांग्रेस के पैर जमे रहेंगे। कांग्रेस नेताओं के मुताबिक अगर राहुल दोनों सीटें जीतते हैं तो गांधी परिवार के लंबे कनेक्शन का हवाला देकर उनके लिए रायबरेली चुनना आसान रहेगा। 2014 लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी के सामने बीजेपी ने स्मृति ईरानी को चुनाव लड़ाया। यूपीए सरकार की एंटी-इनकंबेसी, करप्शन, महंगाई और मोदी लहर के बाद भी राहुल गांधी ने अमेठी सीट बचा ली। हालांकि, 2009 में राहुल की जीत का मार्जिन 3.7 लाख रहा, जो 2014 में घटकर 1.07 लाख पर आ गया। अमेठी लोकसभा की पांचों विधानसभा क्षेत्रों में राहुल जीते जरूर, लेकिन अंतर काफी कम हो गया। 2019 के चुनाव में अमेठी में स्मृति ईरानी ने राहुल को लगभग 47 हजार वोटों से मात दी। अमेठी विधानसभा क्षेत्र को छोड़ दिया जाए तो स्मृति ने राहुल को बाकी चार विधानसभा क्षेत्रों में पछाड़ा। इस चुनाव में राहुल को अमेठी सीट को लेकर कॉन्फिडेंस नहीं था। इसके चलते उन्होंने वायनाड से भी चुनाव लड़ा। ऊपर के ग्राफिक से साफ है कि 2019 में स्मृति ईरानी की जीत कोई एक चुनाव की लहर का नतीजा नहीं थी। उन्होंने सिस्टमैटिक तरीके से अमेठी के हर इलाके में राहुल गांधी के वोटर्स में सेंधमारी की। पहले 2014 में हार का अंतर घटाया और फिर 2019 में जीत दर्ज की। विधानसभा चुनाव में भी ये पैटर्न दिख गया था। 2024 का नतीजा जो भी हो, लेकिन अमेठी में इस बार राहुल और स्मृति के बीच टक्कर कांटे की है।

कांग्रेस और गांधी परिवार बिल्कुल भी नहीं चाहता कि वो अपनी पारंपरिक सीटों और खासतौर पर उत्तर भारत की इलेक्टोरल पॉलिटिक्स से बाहर हो जाए और दूसरे इलाकों में सिमट जाए। रायबरेली में कांग्रेस के पारंपरिक वोटबैंक को देखते हुए राहुल का चुनावी मैदान में उतारा जा रहा है। राहुल के रायबरेली सीट पर लड़ने से यूपी में पॉलिटिकल कंसंट्रेशन होगा। ये संदेश जाएगा कि कांग्रेस अभी भी अपने गढ़ रहे यूपी से पूरी तरह दूर नहीं हुई है। कहावत भी है कि अगर आप केंद्र की राजनीति में रहना चाहते हैं तो यूपी को नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं। कांग्रेस अपने ऊपर ये टैग नहीं लगवा सकती कि वह केवल दक्षिण की पार्टी बन गई है और उत्तर से उसका कोई लेना-देना नहीं है। वैसे ही टैग चिपकाने में बीजेपी की पूरी मशीनरी एक्सपर्ट है। अगर राहुल चुनाव नहीं लड़ते तो वो टैग कांग्रेस के लिए लंबे समय तक चुनौती बना रहता।

रोडरोलर से कुचलकर पुलिसकर्मी की मौत के मामले में आरोपी को सात साल की सजा

गौरेला पेंड्रा मरवाही, 3 मई (एजेंसियां)। गौरेला पेंड्रा मरवाही के पेंड्रा में रोडरोलर से कुचलकर पुलिस कर्मी की मौत के मामले में आरोपी रोलर चालक को सात साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई है। गौरेला के पॉवर हाउस तिराहे में 29 जनवरी 2022 को पुलिस आरक्षक कोमल सिंह की मौत हुई थी जबकि दो अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। एडीजे गौरेला किरण थवाईत ने फैसला सुनाया है। सड़क निर्माण ठेका कंपनी के रोलर चालक ने शराब के नशे में चूर होकर दिया था घटना को अंजाम।

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को झारखंड हाईकोर्ट से बड़ा झटका

गिरफ्तारी के खिलाफ दायर याचिका खारिज

रांची, 3 मई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को झारखंड हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया। साथ ही अंतरिम जमानत वाली याचिका भी खारिज कर दी। हाईकोर्ट के कार्यकारी न्यायाधीश और न्यायाधीश नवनीत कुमार की खंडपीठ ने सुनवाई पूरी होने के बाद 28 फरवरी को फैसला सुरक्षित रखा लिया था। हेमंत सोरेन को अदालत से थोड़ी राहत भी मिली है। उन्हें छह मई को अपने चाचा के श्राद्ध कार्यक्रम में भाग लेने की अनुमति दे दी गई है। हालांकि, सोरेन को मीडिया से दूर रहने की हिदायत दी गई।

सुप्रीम कोर्ट में छह को होगी सुनवाई

हेमंत सोरेन की ओर से दायर याचिका में कहा गया था कि ईडी जिस जमीन की बात कर रहा है, वह जमीन उनके नाम कभी रही ही नहीं। फैसला सुनाने में देरी होने पर हेमंत सोरेन की ओर से

सुप्रीम कोर्ट में भी याचिका दायर की गई थी, जिस पर छह मई को सुनवाई होनी है। इससे पहले, 27 अप्रैल को सोरेन को झटका लगा था। रांची की विशेष पीएमएलए अदालत ने भूमि घोटाले के एक मामले में उन्हें अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया था। बता दें, हेमंत सोरेन के पिता और झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन के भाई राम सोरेन का शनिवार सुबह निधन हो गया था। वह लंबे अरसे से बीमार चल रहे थे। सोरेन ने अपने चाचा के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए अदालत से 13 दिनों की अंतरिम जमानत मांगी थी। हालांकि, सुनवाई करते हुए अदालत ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया था।

ईडी को दिया गया था एक सप्ताह का समय

बता दें कि हेमंत सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय द्वारा 31 जनवरी को गिरफ्तार किया गया था। उन पर जमीन से जुड़े घोटाले के मामले में धन शोधन का आरोप है। पूर्व सीएम फिलहाल रांची की बिरसा मुंडा जेल में न्यायिक हिरासत में हैं। इस मामले में हाईकोर्ट द्वारा सोरेन की जमानत याचिका पर जवाब देने के लिए ईडी को एक और सप्ताह का समय दिया गया था।

सोरेन के खिलाफ जांच रांची में 8.86 एकड़ जमीन से जुड़ी है। ईडी का आरोप है कि इसे अवैध रूप से कब्जे में लिया गया था। एजेंसी ने सोरेन, प्रसाद और सोरेन के कथित 'फ्रंटमैन' राज कुमार पाहन और हिलारियास कच्छप तथा पूर्व मुख्यमंत्री के कथित सहयोगी बिनोद सिंह के खिलाफ 30 मार्च को यहां विशेष पीएमएलए अदालत में आरोपपत्र दायर किया था।

सोरेन ने रांची की एक विशेष अदालत के समक्ष जमानत याचिका दायर की थी, जिसमें उन्होंने यह आरोप लगाया कि उनकी गिरफ्तारी राजनीति से प्रेरित और उन्हें भाजपा में शामिल होने के लिए मजबूर करने की एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा थी।

शराबी दामाद ने सास को मौत के घाट उतारा

कबीरधाम, 3 मई (एजेंसियां)। कबीरधाम जिले में हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। मामला जिले के चिल्फी थाना अंतर्गत ग्राम बहनाखोदरा का है। हत्या का कारण बेटी की पिटाई कर रहें शराबी दामाद को सास ने टोका था। इसी बात से नाराज आरोपी दामाद ने सास की गला घोंटकर हत्या कर दी। आरोपी का नाम अमर लाल खुसरे पिता अघन सिंह उम्र 42 वर्ष निवासी ग्राम बहनाखोदरा है। थाने से मिली जानकारी के अनुसार बेटी चन्द्रबती खुसरे ने शिकायत दर्ज कराई। उसके अपने आवेदन में बताया कि आरोपी पति अमर लाल खुसरे द्वारा शराब पीकर मारपीट करने के कारण करीब 17 वर्ष से अपने मायके ग्राम बहना खोदरा में अलग से मकान बनाकर अपने पति व बच्चों के साथ रहती थी। पति आए दिन शराब पीकर लड़ाई-झगड़ा कर मारपीट करता था। कुछ काम करने नहीं जाता था। मजदूरी कर जीवन यापन करती थी। घर में अलग से कमरा में मां सुकोबाई भी रहती थी।

लोकदल में शामिल हुए मिर्जा जावेद सुलतान

जौनपुर, 3 मई (एजेंसियां)। पूर्वांचल की सियासत खासकर जौनपुर की राजनीति में खासा रूसुख रखने वाले बसपा नेता मिर्जा जावेद सुलतान ने आज राष्ट्रीय लोकदल की सदस्यता लेकर जौनपुर का सियासी तापमान बढ़ा दिया है।

राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश सचिव अशोक यादव ने बताया की शुक्रवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने मिर्जा जावेद सुल्तान पुत्र मिर्जा सुल्तान रज़ा पूर्व विधायक को राष्ट्रीय लोकदल की सदस्यता ग्रहण कराई और आशा व्यक्त किया कि जावेद सुल्तान के पार्टी में आने से राष्ट्रीय लोकदल उत्तर प्रदेश सहित पूर्वांचल के जनपदों में मजबूत होगी। इस मौके पर जावेद सुल्तान ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी को अंग वस्त्र व मोमेंटो देकर स्वागत किया, जयंत चौधरी ने कहा कि जावेद सुल्तान के पार्टी में आने से पूर्वांचल में लोकदल मजबूत होगी साथ ही रक्षा सूत्र बांधकर मिर्जा जावेद सुलतान को बधाई दिया।

इस मौके पर राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश उपाध्यक्ष चंद्रबली यादव, इम्तियाज़ अहमद, हैदर मेहंदी मौजूद रहे।

शादी की खुशियां मातम में बदलीं

सड़क हादसे में युवक की मौत, कल हुई थी भाई की शादी

बलरामपुर रामानुजगंज, 3 मई (एजेंसियां)। बलरामपुर रामानुजगंज जिले में आज सुबह 11 बजे के करीब रामानुजगंज से सब्जी लेकर अपने गांव धनगांव बाइक से जा रहे युवक की टक्कर विपरीत दिशा से आ रही यात्री बस से राष्ट्रीय राजमार्ग 343 पर वन विभाग के पुराने लकड़ी डिपो के समीप हो गई जिससे युवक के सिर में गंभीर चोट लगी जिसे एंबुलेंस से 100 बिस्तर अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित किया। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम धनगांव के मृणाल मंडल पिता केना मंडल उम्र 30 वर्ष आज सब्जी लेने रामानुजगंज आया था। जो अपनी बाइक में सब्जी पीछे बांधकर वापस अपने गांव सुबह 11 बजे के करीब आ रहा था इसी दौरान विपरीत दिशा से यात्री बस रणवीर आ रही थी जिससे टक्कर हो जाने के बाद मृणाल के सिर में गंभीर चोट लगी। तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी गई वही मृणाल को एंबुलेंस से 100 बिस्तर अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित किया। पुलिस ने घटना पर मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया। मृतक के छोटे भाई मधु मंडल की शादी कल हुई थी वहीं आज पार्टी था। जिस कारण पूरे घर में मेहमान भरे हुए थे एवं पार्टी की तैयारी जोर-शोर से चल रही थी मृणाल इस बीच रामानुजगंज सब्जी लेने आया था वह अपने साथ लौकी एवं अन्य सब्जी बाइक के पीछे बांधकर जा रहा था इसी दौरान हादसे का शिकार हो गया घटना से शादी की खुशियां मातम में बदल गई। जिस घर में शादी के बाद पार्टी की तैयारी जोर-शोर से चल रही थी पूरे गांव में खुशी की लहर थी वहीं घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया कोई भी विश्वास नहीं कर पा रहा था कि मृणाल अब हम लोगों के बीच नहीं रहा। मृणाल के लड़की 5 साल की एवं लड़का 2 साल का है दोनों मासूमों के सर से पिता का साया उठ गया। घटना के बाद मृणाल चिलचिलाती धूप में 15 से 20 मिनट पड़ा रहा बहुत से लोग मौके पर उपस्थित थे परंतु सिर्फ सब तमास बिन बने रहे।

पुलिस-नक्सली मुठभेड़

माओवादियों के कोर इलाके में घुसी फोर्स, रुक-रुक कर हुई फायरिंग, इलाके में सर्चिंग जारी

जगदलपुर/सुकमा, 3 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में शुक्रवार सुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। बताया जा रहा है कि, जवान नक्सलियों के कोर इलाके में घुसे हैं। 2 से 3 बार रुक-रुक कर गोलीबारी हुई है। फिलहाल, मुठभेड़ खत्म हो गई है और सर्चिंग जारी है। सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। जानकारी के मुताबिक, जवानों को सूचना मिली थी कि रायगुड़म इलाके में भारी संख्या में नक्सली मौजूद हैं। इसी सूचना के आधार पर डीआरजी और कोबरा बटालियन के जवानों को मौके के लिए रवाना किया गया था। जहां जवानों को आता देख नक्सलियों ने फायर खोल दिया। इसके बाद जवानों ने भी मोर्चा संभाला और नक्सलियों की गोलियों का जवाब दिया। दोनों तरफ से हुई गोलीबारी में जवानों को भारी पड़ता देख नक्सली जंगल की आड़ लेकर भाग निकले। पुलिस ने उनका पीछा किया और करीब 2 से 3 बार रुक-रुक कर गोलीबारी हुई। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र सीमा पर मंगलवार (30 अप्रैल) को पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में 10 नक्सली मारे गए थे। मौके से एके-47, इंसास राइफल समेत भारी मात्रा में सामान भी बरामद किया गया।

झारखंड में सभी सीटें एनडीए जीतेगा

राजस्थान के मुख्यमंत्री बोले- देश और झारखंड में कांग्रेस और उनके सहयोगी भ्रष्टाचार और झूठ के जनरेटर हैं

रांची, 3 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा है कि देश और झारखंड में कांग्रेस और उनके सहयोगी भ्रष्टाचार और झूठ के जनरेटर हैं। कांग्रेस के नेता झूठ और भ्रष्टाचार फैलाने में लगे हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता तो भ्रष्टाचार के कारण जेल में हैं। दो दिवसीय दौरे पर झारखंड आए शर्मा ने दैनिक भास्कर से विशेष चर्चा के दौरान कहा कि देश कांग्रेस और इंडिया गठबंधन की पार्टियों की तुष्टिकरण से ग्रस्त है। इन्हें राममंदिर से दिक्कत है। जब राम मंदिर को लेकर देश में बहुसंख्यक समाज में सकारात्मक माहौल बना तो कांग्रेसी नेताओं ने झूठ का सहारा लेना शुरू किया, ताकि जनता को बरगलाया जा सके। इसलिए देश के गृहमंत्री अमित शाह का फर्जी वीडियो चलाया। इसलिए मैं इन्हें झूठ और भ्रष्टाचार का जनरेटर कह रहा हूं।

शर्मा ने कहा कि वो धनबाद और रांची की जनता से मिले हैं। कार्यकर्ताओं और झारखंड की जनता का उत्साह देखा है। जैसा माहौल दिख रहा है, उससे लग रहा है कि राजस्थान की तरह यहां भी क्लीन स्वीप होगा। हम राजस्थान की सभी 25 की 25 सीटें जीत रहे हैं। वैसे ही झारखंड में भी सभी सीटें एनडीए परिवार जीतेगा। यहां सभी वर्गों का सहयोग मिल रहा है। झारखंड का आम आदमी स्वाभिमानी है। यहां की इंडिया गठबंधन की सरकार में बैठे नेताओं के भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण के कारण आम झारखंडी स्वयं का ठगा महसूस कर रहा है और वोट के माध्यम से इनको चोट देने को तैयार बैठा है। यही हालात देश में है। 'अबकी बार 400 पार' की घोषणा में इस देश की जनता अमल करने का तैयार है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 10 साल में भारत के हर स्टेट और क्षेत्र में विकास करवाया है। मोदी ने कभी किसी जाति और धर्म के नाम पर भेदभाव नहीं किया। इसी कारण आज न केवल देश में बल्कि पूरी दुनिया में मोदी का नाम बड़े सम्मान के साथ लिया जा रहा है। मोदी पूरे भारत की जनता के हर सपने को गढ़ने जा रहे हैं।

राधिका खेड़ा विवाद पर बोले भूपेश बघेल

जो भी दोषी होगा उस पर कार्रवाई होगी, एआईसीसी ने बैज से 24 घंटे में मांगा जवाब

रायपुर, 3 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस की की नेशनल मीडिया कोऑर्डिनेटर राधिका खेड़ा के कथित विवाद को लेकर पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा है कि मामले की जांच होगी, जो भी दोषी होगा उस पर कार्रवाई होगी। राधिका ने अपने एक पोस्ट में भूपेश बघेल को भी निशाने पर लेते हुए लिखा था- 'दुशील' को लेकर 'कका' का मोह एक लड़की की इज्जत से बढ़कर है, लेकिन लड़की हूं, 'लड़ रही हूं'। दरअसल, ये विवाद मंगलवार से शुरू हुआ। राधिका ने X पर एक पोस्ट करते हुए लिखा- 'मेरी 40 साल की उम्र में मेरे साथ ऐसा कभी नहीं हुआ। मेरी इतनी बेइज्जती कभी नहीं हुई। मैं जब उससे बात करती हूं, वो मुझ पर चिल्लाता है।' रायपुर स्थित कांग्रेस के राजीव भवन में ये बात पार्टी की नेशनल मीडिया कोऑर्डिनेटर राधिका खेड़ा ने रोते-बिलखते हुए कही। इसके बाद उन्होंने बुधवार शाम को भी उन्होंने एक और पोस्ट किया जिसमें लिखा- क्या पुरुषत्व-विहीन हुई ये धरा। इसके बाद एआईसीसी मीडिया सेल के चेयरमैन पवन खेड़ा ने ने पीसीसी चीफ दीपक बैज से 24 घंटे में जवाब मांगा है। राधिका खेडा के लगाए गए आरोपों को लेकर एआईसीसी के मीडिया प्रभारी पवन खेड़ा ने पीसीसी चीफ दीपक बैज को पत्र लिखा है। उन्होंने बैज से 24 घंटे के अंदर इस पूरे मामले पर जवाब मांगा है। पत्र के जरिए घटना की पूरी जानकारी पीसीसी चीफ से मांगी गई है।

हालांकि अब तक पत्र को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। कांग्रेस पार्टी के सूत्रों ने बताया कि जब राधिका खेड़ा के साथ प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने बदसलूकी की तो, इसका वीडियो भी उन्होंने बना लिया।

वोट देने पर होटल-रेस्टोरेंट में मिलेगी 10 फीसदी की छूट

शत-प्रतिशत मतदान के लिए एसोसिएशन की पहल, 7 मई को वोटिंग

बिलासपुर, 3 मई (एजेंसियां)। बिलासपुर लोकसभा सीट पर शत-प्रतिशत मतदान के लिए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के फैसले का अनुसरण करते हुए होटल और रेस्टोरेंट एसोसिएशन ने भी वोटर्स को छूट देने का फैसला लिया है। 7 मई को मतदान करने वालों को होटल और रेस्टोरेंट के बिल में 10 फीसदी की छूट देने का ऐलान किया गया है। बुधवार को आईएमए के 100 डॉक्टरों ने अपने क्लीनिक में मतदान के दूसरे दिन 8 मई को ओपीडी फीस में 50 फीसदी की छूट देने का निर्णय लिया था। इसके बाद गुरुवार को बिलासपुर जिले के होटल और रेस्टोरेंट संघ ने स्वीप अभियान में हिस्सेदारी निभाते हुए मतदान करने वालों को 10 फीसदी की छूट देने का फैसला लिया है। बिलासपुर होटल और रेस्टोरेंट एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर अवनीश शरण से मुलाकात कर अपने निर्णय से अवगत कराया। कलेक्टर ने संघ के फैसले की सराहना करते हुए मतदान करने वालों को होटल और रेस्टोरेंट के बिल में 10 प्रतिशत की छूट के लिए धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा कि इससे लोग मतदान के लिए प्रेरित होंगे। लाभ पाने के लिए मतदाताओं को अमिट स्याही लगी उंगली दिखानी होगी। एसोसिएशन के फैसले के मुताबिक, 10 प्रतिशत की छूट केवल उन ग्राहकों को दी जाएगी, जो रेस्टोरेंट में बैठकर खाना खाएंगे।

निगम आयुक्त अमित कुमार, बिलासपुर होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष सनी आजमानी, सचिव प्रतीक उपवेजा, वाइस प्रेसिडेंट अंकित छाबड़ा, अनिल कंजानी सहित अन्य पदाधिकारी और सदस्य मौजूद थे।

यूएन में भारत बोला- पाकिस्तान अपना ट्रैक रिकॉर्ड देखे

पाक ने सीएए-राम मंदिर का मुद्दा उठाया, भारत ने कहा- हमने हर धर्म को पनाह दी

न्यूयॉर्क, 3 मई (एजेंसियां)। भारत ने कहा है कि पाकिस्तान का सभी मामलों में ट्रैक रिकॉर्ड सबसे ज्यादा संदिग्ध है। वहां धर्म के आधार पर लगातार भेदभाव और हिंसा के मामले सामने आ रहे हैं। दरअसल, यूएन जनरल असेंबली में पाकिस्तानी प्रतिनिधि ने गुरुवार को एक बार फिर से भारत के खिलाफ बयान दिया।

इस दौरान उन्होंने कश्मीर, सीएए और राम मंदिर का मुद्दा उठाया। पाकिस्तान के बयान पर जवाब देते हुए भारत की प्रतिनिधि रुचिरा कम्बोज ने कहा, "हम दुनिया में कठिन समय के बीच शांति लाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में पाकिस्तान का बयान मर्यादा के खिलाफ है। उनका स्वभाव हमारी कोशिशों के लिए खतरा हो सकता है।"

कम्बोज ने आगे कहा, "भारत सिर्फ हिंदू, बौद्ध, जैन और सिख धर्म का जन्मस्थल नहीं है। यह इस्लाम, ईसाई, यहूदी और पारसियों का भी गढ़ है। यहां लंबे समय से उन धर्म के लोगों को

पनाह मिलती आई है, जिन्हें दुनिया में प्रताड़ित किया गया। यही भारत की विविधता का सबसे बड़ा सबूत है।"

'डिप्लोमैसी के मूल्यों का पालन करे पाकिस्तान'

यूएन में भारतीय प्रतिनिधि कम्बोज ने कहा, "हम उम्मीद करते हैं कि पाकिस्तान डिप्लोमैसी के मूल्यों का पालन करेगा। या फिर क्या हर मामले में सबसे संदिग्ध ट्रैक रिकॉर्ड रखने वाले देश से ऐसी उम्मीद करना गलत होगा?"

कम्बोज ने कहा, "आतंकवाद शांति और सभी धार्मिक मूल्यों के खिलाफ है। यह कलह पैदा करता है, दुश्मनी को बढ़ावा देता है और धार्मिक मूल्यों को कमजोर करता है। भारत का मानना है कि सभी देशों को साथ मिलकर शांति की भावना को आगे बढ़ाना चाहिए।"

यूएन में पहले भी उठा कश्मीर मुद्दा

फरवरी 2023: यूएनएससी की एक बैठक में भी पाकिस्तान ने कश्मीर का जिक्र किया था। इस पर भारत की प्रतिनिधि अनुपमा सिंह ने कहा था, "पाकिस्तान एक ऐसा देश है जो खून में डूबा हुआ है। जिस देश में अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न संस्थाएं करती हों और जिसका मानवाधिकार रिकॉर्ड वास्तव में खराब है, उसे भारत के खिलाफ बयान देने का अधिकार नहीं है।"

अगस्त 2023: पाकिस्तान की तरफ से कश्मीर का मुद्दा उठाए जाने पर भारत ने कहा था कि बार-बार कश्मीर राग अलापने की जगह पाकिस्तान को अपने देश पर ध्यान देना चाहिए।

यूएन मिशन में मौजूद भारत के काउंसलर आर मधुसूदन ने कहा था कि इस परिषद के समय का सही इस्तेमाल तभी हो पाएगा जब दूसरे देशों के डेलिगेशन मेरे देश पर आरोप लगाने की बजाय अपने मुल्क के मसलों पर ध्यान दें। वे बार-बार अपने एजेंडा के लिए यूएन काउंसिल का ध्यान भटकाने की कोशिश करते रहते हैं।

जुलाई 2023 : ब्रिटेन में हुई यूएनएससी की एक बैठक में पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया था। इस पर यूएन में भारत के मिशन काउंसलर आशीष शर्मा ने कहा था, "पाकिस्तान क्या सोचता या चाहता है इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। जो लोग खुद कट्टरता में डूबे हुए हैं वो भारत के समाज और यहां रह रहे अलग-अलग समुदाय के लोगों की एकता को नहीं समझ सकते।"

अमेरिका में पिता पर बेटे की हत्या का आरोप

6 साल के बेटे को ट्रेड मिल पर जबरदस्ती दौड़ाया, पोस्टमॉर्टम में अंदरूनी चोटों का पता चला

वाशिंगटन, 3 मई (एजेंसियां)। अमेरिका में पिता पर अपने 6 साल के बेटे की हत्या का आरोप लगा है। आरोप है कि उसने अपने बेटे को जबरदस्ती ट्रेड मिल पर दौड़ाया। पिता बच्चे से कहता था- तुम बहुत ज्यादा मोटे हो गए हो। अगले दिन बच्चे को सांस लेने में दिक्कत आने पर वह बेटे को अस्पताल ले गया, जहां बेटे की मौत हो गई।

पोस्टमॉर्टम में बच्चे की अंदरूनी चोटों का पता चला है। बच्चा ट्रेड मिल पर दौड़ते-दौड़ते कई बार गिरा था। घटना का सीसीटीवी वीडियो मिला है। वीडियो देखकर बच्चे की मां रो पड़ी। आरोपी पिता क्रिस्टोफर जॉर्ज के खिलाफ केस चलेगा। बेटे की मौत के बाद मां कोर्ट में गवाही देगी। क्रिस्टोफर को उम्र कैद हो सकती है।

पीओके में भीषण हादसा, कम से कम 20 की मौत

गिलगिट बाल्टिस्तान में सवारियों से भरी बस खाई में गिरी

इस्लामाबाद, 3 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के गिलगिट बाल्टिस्तान में शुक्रवार को एक भीषण बस हादसा हुआ है, जिसमें कम से कम 20 लोगों लोगों की मौत हुई है, जबकि करीब 21 घायल हैं। कराकोरम हाईवे की एक संकरी पहाड़ी पर बस सड़क से फिसलकर खाई में गिर गई। हादसे में बस के परखच्चे उड़ गए। पुलिस के अनुसार, हादसा शुक्रवार सुबह लगभग साढ़े पांच बजे कराकोरम राजमार्ग पर यशोखाल इलाके में हुआ। पुलिस ने बताया कि बस रावलपिंडी से गिलगिट के लिए जा रही थी और इस पर 40 से ज्यादा यात्री सवार थे। हादसे की सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीमों को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। घायलों को पास के चिलास अस्तपाल में भर्ती कराया गया है। जियो न्यूज के मुताबिक मरने वालों में तीन महिलाएं शामिल हैं। जियो न्यूज ने डायमर के डिप्टी कमिश्नर फैयाज

अहमद के हवाले से बताया कि घायल यात्रियों में पांच की हालत गंभीर है, जबकि दो को इलाज के लिए गिलगित शिफ्ट किया गया है। अहमद ने बताया कि रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा हो गया है। इस दौरान सेना के हेलीकॉप्टर की भी मदद ली गई। उन्होंने बताया कि पुलिस पीड़ितों के परिजनों से संपर्क में है।

अधिकारियों के मुताबिक, हादसा चिलास शहर से 20 किलोमीटर की दूरी पर हुआ। हादसे का कारण बताते हुए आधिकारियों का कहना है कि यह संभवतः ओवरस्पीड या मोड़ लेते समय हुआ होगा। हालांकि, पाकिस्तान में कुछ लोग गिलगिट बाल्टिस्तान की खराब सड़कों को भी इस हादसे का जिम्मेदार बता रहे हैं।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बस हादसे में लोगों के निधन पर शोक जताया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने अधिकारियों से घायलों को सभी प्रकार की संभव मेडिकल सहायता देने का निर्देश दिया है। गिलगिट बाल्टिस्तान के मुख्यमंत्री हाजी गुलबर खान ने भी हादसे पर दुख लगाया है।

ओआईसी बैठक में पाकिस्तान के डिप्टी पीएम ने कश्मीर पर उगला जहर

बंजुल, 3 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के डिप्टी प्राइम मिनिस्टर और विदेश मंत्री सीनेटर मोहम्मद इशाक डार ने कश्मीर में भारत पर मानवाधिकार उल्लंघन का आरोप लगाया है। साथ ही दुनिया में बढ़ते इस्लामोफोबिया पर भी चिंता जाहिर की है। डार ने गुरुवार को अफ्रीकी देश गाम्बिया की राजधानी बंजुल में इस्लामिक सहयोग संगठन के 15वें इस्लामी शिखर सम्मेलन के लिए विदेश मंत्रियों की परिषद की तैयारी बैठक में अपने संबोधन के दौरान ये बातें कहीं। डार ने कहा कि भारत में कश्मीर आम लोगों का उत्पीड़न कर रहा है और कश्मीरियों को आत्मनिर्णय के अधिकार से वंचित किया जा रहा है। इशाक डार ने ओआईसी महासचिव से कहा कि वह जम्मू-कश्मीर की स्थिति और वहां भारतीय सुरक्षा बलों के मानवाधिकारों के उल्लंघन पर दुनिया का ध्यान चाहते हैं। डार ने कहा, 'कश्मीरी लोगों के उचित संघर्ष का समर्थन करने में ओआईसी की ऐतिहासिक भूमिका है। कश्मीर पर ओआईसी संपर्क समूह, कश्मीर पर विशेष दूत और मानवाधिकार स्थिति की ओआईसी की नियमित निगरानी की भूमिक सराहनीय रही है। ऐसे में इस अवसर पर ओआईसी महासचिव ने भी कश्मीरी लोगों और उनके आत्मनिर्णय के वैध अधिकार के लिए ओआईसी के समर्थन की पुष्टि की है।' इशार डार ने बैठक में बढ़ते इस्लामोफोबिया के बारे में पाकिस्तान की गंभीर चिंताओं को साझा करते हुए कहा कि दुनिया भर में मुसलमानों के खिलाफ भेदभाव, हिंसा और उत्तेजना की बढ़ती घटनाओं से पता चलता है कि ये समस्या बड़ी होती जा रही है। डार ने इस्लामोफोबिया का मुकाबला करने के लिए संयुक्त कार्रवाई की अनिवार्यता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि फिलिस्तीन के खिलाफ इजरायल के हमले ने भी दुनिया में इस्लामोफोबिया और जेनोफोबिया को बढ़ाया है। पाक विदेश मंत्री ने गाजा में जारी इजरायली हमलों और गंभीर मानवीय स्थिति पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने पाकिस्तान की स्थिति को स्पष्ट करते हुए कहा कि यरूशलेम सहित सभी कब्जे वाले क्षेत्रों से इजरायल की पूर्ण वापसी, फिलिस्तीनी लोगों के अधिकारों की बहाली और अपनी जमीन पर वापसी का अधिकार देने की बात कही।

तुर्किये ने इजराइल से व्यापारिक रिश्ते तोड़े

कहा- पहले गाजा में जरूरी मदद पहुंचे, इजराइल बोला- एर्दोगन तानाशाह, उन्हें अपने व्यापारियों की चिंता नहीं

यरूशलम, 3 मई (एजेंसियां)। गाजा पर इजराइल के हमलों का विरोध कर रहे तुर्किये ने अब इजराइल के साथ सभी व्यापारिक संबंध तोड़ दिए हैं। तुर्किये के व्यापार मंत्री ने कहा है कि जब तक इजराइल गाजा में पर्याप्त मानवीय सहायता पहुंचने नहीं देगा तब तक रिश्ते बहाल नहीं किए जाएंगे।

बीबीसी के मुताबिक, पिछले साल दोनों देशों के बीच 58 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का व्यापार हुआ था। इजराइल के विदेश मंत्री ने इस फैसले के लिए तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन को तानाशाह कहा। साथ ही उन्होंने एर्दोगन पर तुर्किये के लोगों, व्यापारियों और अंतरराष्ट्रीय ट्रेड एग्रीमेंट को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया।

विदेश मंत्री ने कहा, "मैंने अपने मंत्रालय को आदेश दिया है कि वो तुर्किये के साथ व्यापार के दूसरे विकल्प खोजें और लोकल प्रोडक्शन को बढ़ावा दें। इसके अलावा दूसरे देशों के साथ भी निर्यात बढ़ाने पर काम किया जाए।"

हमास के खिलाफ जंग की शुरुआत से ही तुर्किये ने इजराइल के हमलों का विरोध किया है।

हालांकि, इजराइल-तुर्किये के रिश्ते हमेशा से ऐसे नहीं थे। बीबीसी न्यूज के मुताबिक, साल 1949 तुर्किये पहला ऐसा मुस्लिम देश था, जिसने इजराइल को मान्यता दी थी। हालांकि, धीरे-धीरे दोनों के रिश्ते खराब होते गए। साल 2010 में इजराइली कमांडो की तुर्किये के 10 फिलिस्तीन समर्थक एक्टिविस्ट्स के साथ झड़प हो गई थी। दरअसल, इजराइल ने गाजा पट्टी पर समुद्री नाकाबंदी कर रखी थी। यानी कोई भी समुद्र के रास्ते गाजा में नहीं आ-जा सकता था। तुर्किये के एक्टिविस्ट्स इस पाबंदी को तोड़ने की कोशिश कर रहे थे। इजराइल के साथ झड़प में इनकी मौत हो गई।

इसके बाद तुर्किये ने इजराइल के साथ डिप्लोमैटिक संबंध खत्म कर दिए थे। इसके बाद साल 2016 में दोनों के रिश्तों की दोबारा शुरुआत हुई। हालांकि, अगले 2 साल में ही गाजा-इजराइल बॉर्डर पर तनाव की वजह से तुर्किये और इजराइल ने एक-दूसरे के डिप्लोमैट्स को देश से निकाल दिया।

7 अक्टूबर 2023 को शुरू हुई इजराइल-हमास जंग के बाद से तुर्किये के राष्ट्रपति ने इजराइल की अलग-अलग मौकों पर आलोचना की है। इजराइल पर हमले के बाद एर्दोगन ने हमास का बचाव किया था। उन्होंने कहा था कि हमास आतंकी संगठन नहीं है। उसके सदस्य आजादी की जंग में हिस्सा लेने वाले मुजाहिदीन हैं। वे अपनी जमीन और नागरिकों को बचाने के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं।

इसके अलावा एर्दोगन इजराइली प्रधानमंत्री को वॉर क्रिमिनल भी कह चुके हैं। जनवरी में एर्दोगन ने कहा था कि नेतन्याहू जो गाजा में कर रहे हैं वो हिटलर जैसा है। इसके जवाब में नेतन्याहू ने कहा था कि एर्दोगन कुर्दिश लोगों के खिलाफ नरसंहार करते हैं। तुर्किये में एर्दोगन के खिलाफ आवाज उठाने वाले पत्रकारों को जेल में डाल दिया जाता है।

दूसरी तरफ यूएन ने गुरुवार को बताया कि इजराइली हमले की वजह से गाजा में जो तबाही हुई है, वो वर्ल्ड वॉर 2 के बाद अब तक की सबसे ज्यादा तबाही है। यूएन डेवलपमेंट प्रोग्राम (यूएनडीपी) में अरब देशों के क्षेत्रीय ब्यूरो हेड ने कहा, "गाजा में 70% से ज्यादा रिहायशी इलाका तबाह हो चुका है।"

बोइंग विमान में गड़बड़ी एक्सपोज करने वाले व्हिसलब्लोअर की मौत

स्किन इन्फेक्शन मौत का कारण, मामले का गवाह भी खुदकुशी कर चुका है

केन्सास, 3 मई (एजेंसियां)। बोइंग विमान में गड़बड़ी का खुलासा करने वाले व्हिसलब्लोअर जोशुआ डीन की गुरुवार (2 मई) को मौत हो गई है। अमेरिका के केन्सास राज्य में रहने वाले जोशुआ 45 साल के थे और बोइंग की सप्लायर कंपनी स्पिरिट में क्वालिटी ऑडिटर का काम करते थे। उनके वकील और परिवार ने डीन की मौत का कारण सीरियस स्किन इन्फेक्शन बताया। बोइंग के दुनियाभर में 10 हजार से ज्यादा विमान हैं।

बोइंग विमान में गड़बड़ी का खुलासा करने वाले पहले व्यक्ति थे डीन

उनकी मां ने 26 अप्रैल को एक पोस्ट में बताया था कि डीन अपने जीवन के लिए लड़ रहे हैं। उनको स्किन इन्फेक्शन से सांस लेने में दिक्कत हुई, जिसका दो हफ्ते तक अस्पताल में इलाज चला था। ये बीते दो महीनों में बोइंग से जुड़े दूसरे व्हिसलब्लोअर की मौत का मामला है। वो जॉन बर्नट की मौत से गवाह थे। डीन ने अक्टूबर 2022 में बोइंग के विमान मैक्स 737 में मैन्युफैक्चरिंग में गलतियां बताई थी। उनके मुताबिक, बोइंग विमान में प्रेशर बल्कहेड लगाने के लिए गलत तरीके से होल्स ड्रिल किए गए हैं। ये बल्कहेड कैबिन प्रेशर के लिए जिम्मेदार होते हैं। डीन ने स्पिरिट शेयरधारक मुकदमे में गवाही दी थी और फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के पास शिकायत दर्ज कराई थी। स्पिरिट ने अप्रैल 2023 में डीन को नौकरी से निकाल दिया था। उन्होंने डिपार्टमेंट ऑफ लेबर में भी इसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।

इमरान फौज से डील कर लें तो प्रधानमंत्री बन जाएंगे

पीटीआई नेता का दावा- पीएम शहबाज को आर्मी सत्ता में लाई, अब वही उनके लिए खतरा

इस्लामाबाद, 3 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई के नेता फवाद चौधरी ने कहा है कि अगर इमरान फौज के साथ डील कर लें तो वे प्रधानमंत्री बन जाएंगे। ऐसे में पीएम शहबाज को अपने घर नहीं बल्कि उन लोगों से खतरा है, जो उन्हें सत्ता में वापस लाए हैं।

फवाद का यह बयान उस वक्त सामने आया है जब पिछले दिनों इमरान खान और फौज के बीच हुई कथित बातचीत चर्चा में है। पीटीआई से अलग होने की बात को नकारते हुए फवाद चौधरी ने कहा उम्मीद जताई है कि इमरान पाकिस्तान की आर्मी के साथ कोई समझौता नहीं करेंगे।

दरअसल, इमरान और फौज के बीच समझौते की बातों को हवा तब मिली जब पीटीआई के नेता शहरयार अफ्रीदी ने जियो न्यूज से बातचीत में कहा था कि उनकी पार्टी जल्द ही आर्मी चीफ और आईएसएस प्रमुख से

बातचीत करेगी। 28 अप्रैल को मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि इमरान खान ने फौज के साथ समझौता करने के लिए हरी झंडी दे दी है।

हालांकि, 30 अप्रैल को पीटीआई के चेयरमैन बैरिस्टर गौहर खान ने इन दावों को खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा था कि पार्टी फिलहाल आर्मी के साथ कोई बैकडोर बातचीत नहीं कर रही है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान गौहर खान ने कहा था कि पीएमएल-एन सुप्रीमो नवाज शरीफ को सभी मामलों में मुक्त कर दिया गया, जबकि इमरान खान पर झूठे केस लगा दिए गए।

पीटीआई बोली- देश की पुलिस नवाज की पार्टी के हिसाब से चलती है

पीटीआई चेयरमैन ने कहा था कि पाकिस्तान की पुलिस नवाज की पार्टी के हिसाब से काम करती है। पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज पुलिस की वर्दी में नजर आती हैं। यह इस बात का सबूत है कि पुलिस उनके अधीन है।

इमरान खान पिछले साल अगस्त से पाकिस्तान की अदियाला जेल में बंद है। तब उन्हें तोशाखाना मामले में 3 साल की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद मई में हुई हिंसा, गैरकानूनी निकाह और तोशाखाना से जुड़े एक और मामले में उन्हें कुल 31 साल की सजा सुनाई गई।

इमरान खान और उनकी पार्टी के नेता बार-बार 2022 में इमरान की सरकार गिराने के लिए फौज को जिम्मेदार ठहराते आए हैं।

'पाकिस्तान में जंगल राज, आर्मी चीफ यहां के राजा'

इमरान खान ने करीब 15 दिन पहले एक बयान में कहा था कि पाकिस्तान में जंगल राज चल रहा है। इस जंगल के राजा आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर हैं। यहां जो भी होता है उनके हिसाब से होता है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए खान ने पत्नी बुशरा बीबी की गिरफ्तारी के लिए भी जनरल मुनीर को जिम्मेदार ठहराया था।

आर्मी चीफ को धमकी देते हुए इमरान ने कहा था, "बुशरा की गिरफ्तारी के पीछे सीधे तौर पर जनरल मुनीर का हाथ है। अगर मेरी पत्नी को कुछ भी हुआ तो मैं उन्हें नहीं छोड़ूंगा। जब तक मैं जिंदा रहूंगा, उसके सारे गैर-कानूनी और असंवैधानिक कामों का पर्दाफाश करता रहूंगा।"

चीन ने लॉन्च किया मिशन चांग ई-6

चांद की धूल और चट्टानों के नमूनों पर रिसर्च की योजना

बीजिंग, 3 मई (एजेंसियां)। चीन ने चंद्रमा के नमूने एकत्र करने और उन्हें रिसर्च के लिए पृथ्वी पर लाने के लिए चंद्र जांच मिशन शुरू किया है। चीन ने इस अभियान का नाम मिशन चांग ई-6 दिया है। चीन के राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन (सीएनएसए) के अनुसार चांग ई-6 मिशन के अंतर्गत चंद्रमा के सुदूर हिस्से से नमूने इकट्ठा किए जाएंगे। इसके बाद इन नमूनों को पृथ्वी पर लाकर इन पर रिसर्च की जाएगी। सीएनएसए का कहना है कि मानव चंद्र अन्वेषण के इतिहास में यह अपनी तरह का पहला प्रयास है। चांग ई-6 को लॉन्च मार्च-5 वाई8 रॉकेट द्वारा चांद पर ले जाया गया है। इसे हैनान प्रांत के वेनचांग अंतरिक्ष प्रक्षेपण स्थल से प्रक्षेपित किया गया। एक रिपोर्ट के अनुसार चांग ई-6 में ऑर्बिटर, लैंडर, एसेंडर और री-एंट्री मॉड्यूल के रूप में चार घटक शामिल हैं।

स्थानीय चुनावों के खराब नतीजों के बाद दबाव में प्रधानमंत्री सुनक

40 साल में पार्टी का सबसे बुरा प्रदर्शन

लंदन, 3 मई (एजेंसियां)। ब्रिटेन के मौजूदा पीएम ऋषि सुनक की पार्टी के लिए आगामी चुनाव की राह मुश्किलों भरी दिखाई दे रही है। पार्टी को चुनाव में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल, स्थानीय चुनावों के खराब नतीजों के बाद रातोंरात स्थिती बदल गई है। इन चुनाव नतीजों को 40 साल में सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी का सबसे बुरा प्रदर्शन बताया जा रहा है।

खुद के नेताओं का झेलना होगा विरोध!

कंजर्वेटिव पार्टी विपक्ष की लेबर पार्टी से पीछे छूटती दिखाई पड़ रही है। इतना ही नहीं ब्लैकपूल दक्षिण उपचुनाव में टोरी को मिले बहुमत भी पलट गया है। ऐसे में विपक्षी दल को लाभ मिलने के बाद भारतीय मूल के नेता सुनक को खुद की पार्टी के लोगों का विरोध झेलना पड़

सकता है। यह संभावना जताई जा रही है।

स्टर्मर ने एक प्रचंड जीत करार दिया

आम चुनाव से पहले उपचुनाव के आए नतीजे को लेबर पार्टी के नेता सर कीर स्टर्मर ने एक प्रचंड जीत करार दिया। साथ ही उन्होंने इस नतीजे को पार्टी के पक्ष में एक समग्र चुनावी जनादेश के रूप में घोषित किया।

ब्लैकपूल पूरे देश की आवाज

उपचुनाव को लेकर स्टर्मर ने कहा, 'ब्लैकपूल पूरे देश की आवाज है। यहां के लोगों को ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी को सीधा संदेश भेजने का मौका मिला और उनका संदेश था कि वह बदलाव के लिए वोट कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि सुनक के लिए यह स्पष्ट संदेश है कि अब बदलाव का समय है। आम चुनाव का समय है।

सबसे खराब प्रदर्शन

दरअसल, ब्लैकपूल साउथ में लेबर उम्मीदवार क्रिस वेब ने कंजर्वेटिव के नेता डेविड जोन्स को उस निर्वाचन क्षेत्र में हराया, जहां टोरी ने साल 2019 में जीत उपलब्ध की थी। प्रख्यात सर्वेक्षक प्रोफेसर जॉन कर्टिस ने का कहना है, 'हम पिछले 40 वर्षों में स्थानीय सरकार के चुनावों में कंजर्वेटिव पार्टी के सबसे खराब प्रदर्शन को देख रहे हैं।'

पुलिस संदिग्ध का कर रही थी पीछा, तेज गति से भिड़े कई वाहन

भारत के एक दंपती समेत चार की मौत

टोरंटो, 3 मई (एजेंसियां)। भारत के एक दंपती को कनाडा आना भारी पड़ गया। कई वाहनों के भिड़ने से दंपती और उनके तीन महीने के पोते सहित चार लोगों की मौत हो गई। दरअसल, बताया जा रहा है कि यह हादसा उस वक्त हुआ जब ओंटारियो पुलिस गलत दिशा में गाड़ी चला रहे एक शराब की दुकान में लूटपाट के संदिग्ध का पीछा कर रही थी। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि टोरंटो से करीब 50 किलोमीटर पूर्व में व्हिटबी में राजमार्ग 401 पर हुए हादसे में सभी चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। ओंटारियो की विशेष जांच इकाई (एसआईयू) ने बताया कि 60 वर्षीय पुरुष और 55 वर्षीय एक महिला भारत से कनाडा आए थे। कई वाहनों की टक्कर में दंपती के तीन माह के पोते की भी मौत हो गई। सोमवार को हुई घटना के बाद राजमार्ग 401 को कई घंटों के लिए बंद कर दिया गया था। हालांकि, एसआईयू ने पीड़ितों के नाम जारी नहीं किए। एसआईयू ने बताया कि बच्चे के माता-पिता भी हादसे में घायल हुए हैं। उन्हें अस्पताल ले जाया गया। मां की हालत ज्यादा गंभीर है।एक मीडिया रिपोर्ट की माने तो कम से कम छह वाहनों की आपस में टक्कर हुई थी, जिसमें 21 साल का संदिग्ध भी मारा गया। पुलिस ने बताया कि बोमनविले में एक शराब की दुकान पर लूटपाट की खबर मिली। इसके बाद पुलिस ने संदिग्धों का पीछा किया। एक कार्गो वैन में सवार संदिग्ध ने गलत दिशा में तेज गति से गाड़ी चला शुरू कर दिया। करीब 20 मिनट बाद कुछ वाहन आपस में टकरा गए। मालवाहक वैन में सवार एक 38 साल के शख्स को भी गंभीर चोटें आईं। पीड़ितों का पोस्टमार्टम बुधवार को टोरंटो में किया गया। बयान में कहा गया है कि सात जांचकर्ता, एक फोरेंसिक जांचकर्ता और एक टक्कर पुनर्निर्माणवादी इस मामले की जांच कर रहे हैं। बता दें, एसआईयू एक एजेंसी है जिसे जांच के लिए बुलाया जाता है जब भी पुलिस किसी मौत, गंभीर चोट या यौन उत्पीड़न के आरोपों में शामिल होती है। पुलिस का संदिग्ध पीछा करने की गवाह और हादसे में बची महिला मिलिका माल्जकोविक बिर्केट ने बताया कि जिस समय सामने से एक संदिग्ध वैन उनकी कार की ओर आती दिखाई दी तो वह घबरा गईं।

भारत-अमेरिकी समूह ने अमृतसर के विकास के लिए दिए 100 मिलियन डॉलर

प्रवासी भारतीयों की अनूठी पहल

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। प्रवासी भारतीयों ने भारतीय शहर के विकास के लिए पहली पहल की है। इसके तहत उन्होंने अमृतसर के सामाजिक और आर्थिक विकास के स्टार्टअप के लिए 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर देने की घोषणा की है। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज और यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) के सहयोग से, अमेरिका में रहने वाले प्रतिष्ठित भारतीय-अमेरिकियों और भारतीयों के एक समूह ने वाशिंगटन के मैरीलैंड उपनगर में अपनी पहली बैठक की। जिसमें अमृतसर के विकास के लिए समिति का गठन करेंगे। इसके लिए 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर दिए जाएंगे। अमेरिका में पूर्व भारतीय राजदूत तरनजीत सिंह संधू जो कि वापस अमृतसर लौट आए हैं, उन्होंने इसकी शुरूआत की है। अमृतसर आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित हो रहा है। संधू ने सेवानिवृत्ति के बाद भारत लौटने पर अमृतसर से भाजपा ज्वाइन कर ली। यही नहीं वे यहां के लोकसभा उम्मीदवार भी बन गए। उन्होंने शहर में प्रतिष्ठित भारतीय प्रवासी सदस्यों का एक सम्मेलन भी आयोजित किया। इस सम्मेलन में अमेरिका के प्रतिष्ठित भारतीय-अमेरिकियों ने प्रतिभाग किया। यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम के अध्यक्ष मुकेश अघी अमेरिका आए। इस सम्मेलन में सह-मेजबानी फिक्की के साथ की गई। वाशिंगटन के मैरीलैंड में एक बार फिर इस विषय पर बैठक हुई। जिसमें अमृतसर के भारतीय अमेरिकी संजीव लखनपाल की अध्यक्षता में विकसित अमृतसर पहल के गठन की घोषणा हुई। मुकेश अघी ने बताया कि इसका उद्देश्य अमृतसर में उद्यमियों को सलाह और उनके सामाजिक रूप से स्टार्टअप को सफल बनाना है। उन्होंने कहा कि अमृतसर स्टार्टअप में निवेश करने के लिए लगभग सौ मिलियन डॉलर एकत्र किए हैं। 250 से अधिक आवेदन हैं जिनकी समीक्षा कर उनका चयन करेंगे। ताकि अधिक स्टार्टअप अमृतसर में अधिक नौकरियाँ पैदा करें। उन्होंने बताया कि यह स्टार्टअप खेती और कृषि, उद्योग और वाणिज्य, कौशल विकास, सूचना प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य देखभाल, पर्यटन और गृह निर्माण के क्षेत्र में हो सकते हैं।

ट्रेजरी से 5.23 करोड़ के स्टाम्प-टिकट चुराए, प्रिंटिंग मशीन लगाई

फर्जी छापकर कितने बेचे, हिसाब नहीं; कैशियर, वेंडर समेत 3 गिरफ्तार

बांसवाड़ा, 3 मई (एजेंसियां)। बांसवाड़ा के 5 करोड़ से ज्यादा के स्टाम्प-टिकट घोटाले में पुलिस ने खुलासा कर दिया है। जिला कोष कार्यालय (ट्रेजरी) से कुल 5 करोड़ 23 लाख 88 हजार 511 रुपए के स्टाम्प चुराए गए थे। जब जिला कोष अधिकारी हितेश गौड़ ने भौतिक सत्यापन (फिजिकल वेरिफिकेशन) कराया तो सामने आया कि 6 साल से ट्रेजरी का स्ट्रॉन्ग रूम इंचार्ज (कैशियर) नारायणलाल यादव (55) ही स्टाम्प-टिकट चुराकर बेच रहा था। इसके बाद 29 अप्रैल को कोतवाली थाने में मामला दर्ज कराया गया। उसी दिन पुलिस ने नारायणलाल को डिटेन कर लिया। पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हुए। बांसवाड़ा पुलिस ने स्टाम्प-टिकट घोटाले में कुल 3 लोगों को 2 मई को गिरफ्तार कर लिया।

एसपी हर्षवर्धन अगरवाला ने बताया- बांसवाड़ा ट्रेजरी में बांसवाड़ा शहर निवासी नारायणलाल यादव ने 2018 से स्ट्रॉन्ग रूम इंचार्ज के पद पर जॉइन किया। नारायणलाल ने वहां से स्टाम्प व टिकट चुराना शुरू कर दिया। स्टाम्प टिकट बेचने के लिए उसने बांसवाड़ा की खांदू कॉलोनी निवासी आशीष जैन (45) नाम के वेंडर से साठगांठ की।

नारायण लाल यादव
स्ट्रॉन्ग रूम इंचार्ज

आशीष जैन
वेंडर

भरत कुमार राव
वेंडर का सहयोगी

आशीष कलेक्ट्रेट परिसर में टेबल लगाकर स्टाम्प-टिकट बेचता था। दोनों जमकर घोटाला करने लगे। नारायण ट्रेजरी से स्टाम्प टिकट चुराता और वेंडर आशीष उन्हें बेचता। दोनों का मुनाफा बराबर। दोनों इस अवैध कमाई से जमीनें खरीदने लगे।

ट्रेजरी से चुराकर 5 करोड़ से ज्यादा के स्टाम्प टिकट बेच डाले

वर्ष 2020 और 2021 में कोरोना काल में स्टाम्प बिक्री रुक गई। 2022 तक भी कोरोना की असर रहने के कारण स्टाम्प - टिकट की बिक्री कम रही। इसके बाद मार्केट में जैसे-जैसे डिमांड बढ़ती गई नारायणलाल ने स्ट्रॉन्ग रूम से स्टांप-टिकट चुराकर बेचना फिर से शुरू कर दिया। इस तरह नारायण ने 5 करोड़ 23 लाख रुपए के स्टाम्प व टिकट गायब कर दिए। इस गैंग में तीसरा साथी भरत कुमार राव भी शामिल हो गया। भरत कुमार वेंडर आशीष जैन का सहयोगी है। वह भी बांसवाड़ा के खांदू कॉलोनी का रहने वाला है। पुलिस ने नारायणलाल को पकड़ा तो एक के बाद एक आशीष और भरत भी पुलिस के हत्थे चढ़ गए। एसपी ने कहा- स्टाम्प के रुपए की रिकवरी के लिए भी आरोपियों की प्रॉपर्टी भी अटैच की जा सकती है।

लालच इतना बढ़ा कि स्टाम्प प्रिंटिंग की मशीनें खरीद लीं

एसपी हर्षवर्धन अगरवाला ने बताया- नारायणलाल और आशीष का पैसों का लालच इतना बढ़ गया कि 6 महीने पहले दोनों ने मिलकर खुद की प्रिंटिंग प्रेस लगाने की साजिश रची। इन्होंने नकली स्टाम्प और टिकट छापने के लिए 2 प्रिंटर खरीदे। पिछले छह महीने से ये लोग खुद फर्जी रंगीन स्टाम्प और टिकट छापकर सीधे ग्राहकों को बेच रहे थे। इस तरह ऑरिजनल स्टाम्प चोरी और फर्जी स्टाम्प प्रिंटिंग से अवैध कमाई दोगुना होने लगी।

प्रिंट अच्छा नहीं था, इसलिए सीधे ग्राहकों को बेचे ताकि पकड़े न जाएं

डीएसपी सूर्यवीरसिंह ने बताया- वेंडर आशीष को पुलिस ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट परिसर में उसकी टेबल पर मौका तस्दीक कराई। आरोपी वेंडर आशीष जैन और कैशियर भरत के घर की तलाशी ली गई। आशीष के घर से प्रिंटर और करीब 500 नकली टिकट बरामद हुए। नारायणलाल, आशीष और भरत तीनों ने मिलकर स्ट्रॉन्ग रूम से करीब 10 लाख टिकट और स्टाम्प का हेरफेर कर बेच डाले।

जेवर दुकान की आड़ में काली कमाई को करते थे सफेद

रेड में खुली पोल 500 करोड़ की ब्लैक मनी का खुलासा

जयपुर, 3 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के इतिहास में सबसे बड़े टैक्स चोरी की घटना सामने आई है. प्रदेश के मशहूर ज्वैलर्स में शामिल जेकेजे ज्वैलर्स के बीस से अधिक ठिकानों पर पिछले चार दिन से आईटी की रेड पड़ी है. इसमें कई शॉकिंग चीजें समाने आई. ना सिर्फ डॉक्युमेंट्स की मदद से इनकी काली कमाई का खुलासा हुआ है, बल्कि करीब सौ किलो सोना भी बरामद किया गया है, जिसे ब्लैक मनी से खरीदा गया था।

जेकेजे ज्वैलर्स पर चौथे दिन भी आयकर विभाग ने छापे जारी रखे हैं. इन छापों में प्रदेश की अब तक की सबसे बड़ी काली कमाई का खुलासा हुआ है. मारी गई रेड में कई कागजात बरामद किये गए हैं. इनके आधार पर कहा जा रहा है कि चार सौ करोड़ से अधिक के ब्लैक मनी को व्हाइट में तब्दील किया गया है. ज्वैलर्स बोगस बिलों के आधार पर काली कमाई को सफ़ेद करते थे. ऐसे बोगस बिलों से हुई हेर-फेर का आंकड़ा ढाई सौ करोड़ के पार पहुंच गया है।

आईटी टीम ने जेकेजे ज्वैलर्स के शोरूम पर भी छापा मारा. वहां से टीम को सौ किलो सोना मिला. ये सारा सोना ब्लैक मनी से खरीदा गया था. इनकी खरीद के प्रॉपर डॉक्युमेंट्स नहीं मिले हैं. इसके अलावा ज्वैलर्स के मालिकों के घर से 45 करोड़ रुपए के अवैध गहने भी मिले हैं. जानकारी के मुताबिक़, ज्वैलर्स ने अपने शोरुम के लिए सत्तर करोड़ से ज्यादा के गहने ब्लैक मनी से खरीदे थे। रेड में मिले कागजातों की जांच चल रही है. इसके अलावा जोशी ग्रुप और जेकेजे ग्रुप के करोड़ों के हवाला कारोबार की भी जांच की जा रही है. इसे अभी तक का सबसे बड़ा टैक्स चोरी का मामला बताया जा रहा है. आईटी टीम ने अभी आंकड़ों का सही खुलासा नहीं किया है. इसमें अभी दो दिन का समय और लग सकता है. इस दौरान ब्लैक मनी का टोटल अमाउंट और सोने की जांच की जाएगी. बता दें कि अभी भी इनके सत्रह ठिकानों पर रेड जारी है. साथ ही आयकर अधिकारी जेकेजे ज्वैलर्स के मालिकों से पूछताछ कर रही है।

महिला की मौत, हाथ पैर बंधे मिले

डेढ़ साल पहले हुई थी शादी... ससुरालवालों पर हत्या का आरोप

अलवर, 3 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर में एक महिला की मौत हो गई, उसके हाथ पैर बंधे मिले हैं. महिला की शादी डेढ़ साल पहले हुई थी. महिला के भाई ने ससुरालीजनों पर हत्या का आरोप लगाया है. पुलिस ने महिला के मायके पक्ष के लोगों की शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तिजारा के डिप्टी एसपी शिवराज सिंह ने बताया कि बिसरू थाना बीछोर हरियाणा के रहने वाले मुबारिक ने शिकायत दर्ज कराई है कि उनकी बहन आयशा की शादी निमली गांव में जावेद के साथ डेढ़ साल पहले हुई थी. शादी के बाद दोनों के बीच आए दिन विवाद होने लगा। महिला के भाई ने कहा कि बहन ने पति से विवाद की जानकारी मायके में दी थी. इसके बाद जावेद को समझाया गया. कुछ दिनों तक हालात ठीक रहे, लेकिन उसके बाद फिर विवाद शुरू हो गया. कई बार बहन अपने मायके भी आई. कुछ दिन बाद जावेद उसे साथ ले गया।

इसके बाद एक मई को जावेद और आयशा के बीच लड़ाई हुई. दोनों के बीच हाथापाई हुई. इस घटना के बाद जावेद अपने परिजनों के साथ घर के पास एक दुकान पर चला गया. वहीं आयशा पास के कुएं में कूद गई. इसकी जानकारी मिलते ही गांव में हंगामा हो गया. ग्रामीणों को पता चला तो तुरंत आयशा को बाहर निकाला. इस दौरान आयशा घायल हो गई. उसे गांव के एक डॉक्टर के पास लेकर गए. वहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। इस मामले की जानकारी पुलिस को मिली. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर देखा कि शव के हाथ पैर बंधे हुए हैं.

इस पर मामले की सूचना मृतका के परिजनों को दी गई. परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए मामले की लिखित शिकायत पुलिस से की है. पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी. इस घटना के बाद मृतका का पति व अन्य ससुरालीजन फरार हैं. पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया है.

एयरपोर्ट जयपुर की कार्रवाई

बम से उड़ाने की धमकी देने वाला मुंबई से गिरफ्तार, पुलिस रिमांड पर हो रही पूछताछ

जयपुर, 3 मई (एजेंसियां)। जयपुर एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले शख्स को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अदालत के आदेश पर आरोपी पुलिस रिमांड पर है, जिससे पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व कावेन्द्र सिंह सागर आईपीएस ने बताया कि गत 26 अप्रैल को जयपुर एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी देने का मैसेज आया था। संबंधित थाना एयरपोर्ट पर टर्मिनल मैनेजर अडाणी ग्रुप मयंक की ओर से पेश रिपोर्ट में बताया कि ई-मेल के जरिये हमें यह संदेश प्राप्त हुआ है-जिसमें लिखा है-26 अप्रैल 2024, शुक्रवार दोपहर 12:55 बजे जयपुर इंटरनेशनल हवाई अड्डे पर बहुत बड़ा बम विस्फोट होगा, आपके पास कोई समय नहीं है, हमारी टीम ने सबसे पहले प्रवेश द्वार पर एक बैग रखा है, इसलिए यदि संभव हो तो आप

मुझे पकड़ सकते हैं, मैं हूं बैंगलोर में भी हमारी टीम चार और हवाई अड्डों पर ब्लास्ट करने के लिए तैयार थी।

इस पर मामला दर्ज किय गया और एयरपोर्ट पर तलाशी अभियान शुरू किया गया। इसके बाद जयपुर पूर्व उपायुक्त आरपीएस आशाराम, सहायक पुलिस आयुक्त आदित्य पूनिया के सुपरविजन में एयरपोर्ट थानाधिकारी मोतीलाल शर्मा के नेतृत्व में अनुसंधान टीम का गठन किया गया। तकनीकी अनुसंधान के आधार पर पुलिस टीम ने ई-मेल करने वाला पता लगाया और एण्डे गनाना सेशा साई पुत्र श्री ईश्वर प्रसाद जाति हिन्दू उम्र 19 साल निवासी 8-63 ए मंगलसिटी कन्दरूवारी स्ट्रीट जिला गन्दूर आन्ध्रप्रदेश को से दस्तयाब किया गया।

इस पर आरोपी एण्डे गनाना सेशा साई पुत्र ईश्वर प्रसाद जाति हिन्दु उम्र 19 साल निवासी 8-63 ए मंगलसिटी कन्दरूवारी स्ट्रीट जिला गन्दूर आन्ध्रप्रदेश को मुम्बई एयरपोर्ट से धारा 505 (1) (बी) भादस व ३ ए नागरिक उड्डयन सुरक्षा अधिनियम 1982 गिरफ्तार किया जाकर जयपुर लाया गया। धारा 3 ए नागरिक उड्डयन सुरक्षा अधिनियम 1982 में आजीवन सजा का प्रावधान है। एसएचओ मोतीलाल शर्मा ने बताया कि जयपुर लाने के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे दो दिन पुलिस रिमांड पर रखा गया है। आरोपी से गहनता से अनुसंधान किया जा रहा है। दो माह पूर्व भी एयरपोर्ट को बम से उडाने की धमकी के आरोप में आरोपी धर्मपाल विजाणिया निवासी सीकर को गिरफ्तार किया था जो वर्तमान में न्यायिक अभिरक्षा में है। टीम में एएसआई रामलाल, कांस्टेबल विजेंद्र, गौरव सोलंकी शामिल थे।

भरतपुर में चुनावी रंजिश में सरपंच ने 3 भाइयों पर की फायरिंग

दो भाई छिपे तो, ढूंढ़कर तोड़ डाले हाथ-पैर

भरतपुर/जयपुर, 3 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के भरतपुर जिले में चुनावी रंजिश के चलते एक सरपंच और उसके बेटे ने तीन सगे भाइयों पर फायरिंग कर दी। इस घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। वह कंधे में गोली लगने से लहूलुहान हो गया। इस दौरान फायरिंग में दो भाईयों ने छिपकर बचने का प्रयास किया, लेकिन बदमाशों ने उन्हें पड़कर लाठियां और धारदार हथियार से गम्भीर घायल कर दिया। इस हमले बदमाशों ने दोनों सगे भाइयों के हाथ पैर तोड़ दिए। यह घटना बीती रात लखनपुर गांव से सामने आई। इस घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। उधर, सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भर्ती करवाया।

चुनावी रंजिश के कारण सरपंच ने फायरिंग की

पुलिस ने बताया कि लखनपुर गांव में सरपंच खूबीराम जाट की घायल तीनों भाइयों से चुनाव के कारण रंजिश हो गई। इस दौरान सरपंच खूबीराम जाट ने साथियों के साथ बीती रात मोरध्वज जाटव, श्याम सिंह और सुरेंद्र जब अपने गांव लौट रहे थे, तब उन पर फायरिंग कर दी। इस दौरान सरपंच ने हथियारबंद साथियों के साथ तीनों भाइयों को घेर कर वारदात को अंजाम दिया। फायरिंग की घटना में एक गोली मोरध्वज के कंधे में जा लगी। इससे वह गंभीर रूप से घायल होकर गिर गया। अचानक फायरिंग की घटना से भयभीत श्याम सिंह और सुरेंद्र गोलियों से बचने के लिए छिप गए। मोरध्वज के कंधे में गोली लगने से वह लहूलुहान अवस्था में घायल हो गया। इस घटना से भयभीत होकर दोनों भाई श्याम सिंह और सुरेंद्र बचने के लिए भाग कर छिप गए, लेकिन खूबी राम ने अपने साथियों के साथ उन्हें ढूंढ कर लाठियां डंडों और धारदार हथियारों से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

रविंद्र भाटी को गैंगस्टर रोहित गोदारा के नाम पर धमकी देने वाला शख्स गिरफ्तार

सोशल मीडिया पर कमेंट देखकर बनाया था प्लान

जयपुर, 3 मई (एजेंसियां)। राजस्थान की बाड़मेर लोकसभा सीट से निर्दलीय प्रत्याशी और शिव (बाड़मेर) के विधायक रविंद्र भाटी को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी देने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने सोशल मीडिया पर रविंद्र और कांग्रेस प्रत्याशी उम्मेदाराम बेनीवाल के बारे में कमेंट देखने के बाद फर्जी आईडी से रविंद्र भाटी की आईडी पर धमकी भरा कमेंट कर दिया।

रवींद्र भाटी की फेसबुक पोस्ट पर धमकी भरे कमेंट करने वाले आरोपी की गिरफ्तारी के बारे में जानकारी देते हुए बाड़मेर एसपी नरेंद्र सिंह मीणा ने गुरुवार को बताया कि आरोपी मगाराम ने कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर धमकी दी थी. जांच के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने पूछताछ में खुलासा किया कि जब उसने फेसबुक और इंस्टाग्राम पर भाटी और लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी उम्मेदाराम बेनीवाल के बारे में कमेंट देखे तो उसने रोहित गोदारा के नाम से बनी फर्जी प्रोफाइल से रविंद्र भाटी के फेसबुक अकाउंट पर धमकी भरे कमेंट पोस्ट कर दिए. लेकिन बाद में उसने अपनी पोस्ट को डिलीट कर दिया था. पुलिस ने खुलासा करते हुए बताया कि आरोपी मगाराम ने सोशल मीडिया पर रोहित गोदारा, मगाराम और मुकेश उर्फ मगाराम के नाम से तीन अलग-अलग अकाउंट बना रखे थे. उसने रविंद्र को धमकी देते हुए लिखा था कि 'चुनाव परिणाम कुछ भी हो लेकिन रविंद्र सिंह भाटी थोड़े दिनों का ही मेहमान है, अगर वक्त रहते नहीं सुधरा तो।' बता दें कि रवींद्र भाटी ने हाल ही निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में बाड़मेर से लोकसभा का चुनाव लड़ा था. वहीं, रविंद्र भाटी को धमकी मिलने के बाद उनके समर्थकों ने बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर समेत राज्य के कई इलाकों में प्रदर्शन करते हुए उन्हें सुरक्षा देने की मांग की. हालांकि, रविंद्र भाटी को सुरक्षा मिलेगी या नहीं इस बारे में स्पष्ट जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

जोधपुर और बीकानेर संभाग में 7 मई से चलेगी लू

जयपुर, 3 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में 7 मई को होने वाले चुनाव को लेकर देश में जैसे-जैसे सियासी पारा चढ़ रहा है। वैसे ही राजस्थान के रेगिस्तानी इलाके यानि जोधपुर और बीकानेर संभागों में 7 मई से लू चलने की संभावना है। क्योंकि पिछले 24 घंटों के दौरान बीकानेर संभाग के अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोत्तरी हुई है। दिन में सबसे ज्यादा तापमान 40 डिग्री सेल्सियस बाड़मेर में दर्ज किया गया है। जबकि प्रदेश के अधिकांश स्थानों पर दिन का तापमान सामान्य के मुकाबले 2 से 3 डिग्री सेल्सियस कम ही रहे। मौसम एक्सपर्ट्स की मानें तो अगले 3 दिन के दौरान राजस्थान में दिन का अधिकतम तापमान 2 से 3 डिग्री सेल्सियस बढ़ सकता है।

26.400 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा के साथ एक गिरफ्तार

चित्तौड़गढ़, 3 मई (एजेंसियां)। चंदेरिया थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक व्यक्ति के कब्जे से 26 किलो 400 ग्राम पीसा हुआ अवैध अफीम डोडा चुरा जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम हेतु चंदेरिया के कार्यवाहक थानाधिकारी गजेन्द्र सिंह पुलिस निरीक्षक मय जाप्ता कानि. अरविन्द कुमार, किशन लाल, विजय सिंह, महेन्द्र सिंह व रामकुमार द्वारा रोलाहेडा हाईवे रोड पर की जा रही नाकाबन्दी के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति चित्तौड़गढ़ के हनुमान मन्दिर के पास कीरखेडा संगेसरा निवासी 35 वर्षीय नरेन्द्र कुमार रजक पुत्र शंकर लाल धोबी के कब्जेशुदा दो बैग में से 26 किलो 400 ग्राम अवैध अफीम डोडाचुरा पीसा हुआ बरामद किया जाकर आरोपी नरेन्द्र कुमार रजक को गिरफ्तार किया गया। उक्त कार्यवाही मे प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

बच्चे को बेहोश होने तक पीटा, आरोपी टीचर हुआ सस्पेंड

बाड़मेर, 3 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के सरकारी स्कूल में एक टीचर ने मासूम बच्चे को इतनी बेरहमी से पीटा कि बच्चा बेहोश हो गया. बच्चे की गलती यह थी कि उसने एग्जाम कॉपी में रोल नंबर गलत लिखा था. कहा जा रहा है टीचर ने इसी बात की सजा बच्चे को दी थी. घटना राजस्थान के बाड़मेर जिले की है. मामला संज्ञान में आने के बाद शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने आरोपी टीचर गणपत कुमार को सस्पेंड कर दिया है।

बदमाशों ने मकान पर की 6 राउंड फायरिंग

दहशत में आया परिवार, एसपी-डीएसपी ने किया मुआयना; आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

बारां, 3 मई (एजेंसियां)। बाइक पर सवार होकर आए बदमाशों ने एक मकान पर 6 राउंड फायरिंग कर दी। जिससे परिवार के लोग दहशत में आ गए। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर एसपी और डीएसपी ने मौका मुआयना कर घटना की जानकारी ली। कोतवाली थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना बारां कोतवाली थाना द्वितीय क्षेत्र के तालाब पाड़ा में गुरुवार रात को हुई। कोतवाली थाना द्वितीय थानाधिकारी बृजेश कुमार ने बताया कि फहीम खान उर्फ बल्लू ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। जिसमें बताया कि गुरुवार देर रात करीब साढ़े 10 बजे वह अपने परिवार के साथ घर पर था। इसी दौरान दो बाइक पर सवार होकर सद्दाम मोटिका, वसीम प्लॉट, वसीम कारतूस, समीर सुच्चा घर के बाहर आए और फायरिंग करना शुरू कर दिया।

उन्होंने 6 राउंड फायरिंग की। इनमें से दो फायर गेट पर भी किए है। जिससे घर पर मौजूद लोग दहशत में आ गए। घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। थानाधिकारी ने बताया कि घटना के बाद मौके पर भीड़ एकत्रित हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस भी तुरंत मौके पर पहुंच गई। घटना की जानकारी मिलने पर एसपी राजकुमार चौधरी और डीएसपी ओमेंद्र सिंह भी मौके पर पहुंचे। जिन्होंने घटनास्थल का मुआयना कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति के है। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों को गिरफ्तारी के लिए पुलिस की विशेष टीमें भी गठित की गई है। घटना के कारणों को लेकर भी पुलिस पड़ताल कर रही है।

18 साल से बच्चों को पल-पल मरते देख रहा पिता

अब राष्ट्रपति से लगाई गुहार-मुझे मौत दे दो; डॉक्टर बोले-इस बीमारी का कोई इलाज नहीं

डीडवाना, 3 मई (एजेंसियां)। 'तीनों संतान जिंदा लाश बन चुकी हैं। इलाज के लिए जमीन, जायदाद और मकान भी बेच दिया। जयपुर, जोधपुर, दिल्ली और मुंबई तक जा चुका, लेकिन अब ना हिम्मत बची और ना ही इलाज के लिए रुपए।

राष्ट्रपति साहब मुझे इच्छामृत्यु की इजाजत दे दो '

राजस्थान के डीडवाना में रहने वाले 61 साल के भंवरलाल अब सारी उम्मीद छोड़ चुके हैं। पिछले 18 साल में धीरे-धीरे उनके तीनों बेटे-बेटी- मुकेश (39), प्रिया (35) और पुखराज (33) बिस्तर पर आ गए हैं। वो ना खड़े हो सकते हैं, ना बैठ सकते हैं और ना ही अपना का कोई काम कर सकते हैं। तीनों का जीवन अब भंवरलाल और उनकी पत्नी चूकी देवी (60) के भरोसे है।

18 साल पहले सबकुछ ठीक था

भंवरलाल के परिवार का जीवन शुरू से ऐसा नहीं था। 18 साल पहले परिवार में एक ऐसी बीमारी ने पांव पसार लिए कि अब तीनों बेटे-बेटी लाचार हो गए हैं। जीवनभर की कमाई, जमीन-जायदाद और मकान बेचकर लाखों रुपए इलाज में लगा चुके हैं, लेकिन कोई डॉक्टर ना बीमारी बता पाया और ना ही इलाज। भंवरलाल ने बताया कि साल 2006 में बड़ा बेटा मुकेश जब 20 साल का था अचानक उसके हाथ-पैर टेढ़े हो गए। 2010 में शादीशुदा बेटी प्रिया की भी ऐसी हालत हो गई। भंवरलाल अभी अपने दोनों बच्चों का इलाज करवाने के लिए डॉक्टर्स के चक्कर काट ही रहे थे कि 2011 में सबसे छोटे बेटा पुखराज के भी हाथ पैर टेढ़े हो गए और इन सभी की जिंदगी बिस्तर पर ही सिमट गई।

भंवर लाल बताते हैं कि, उस समय मुकेश 20 साल का था। अचानक उसके पैरों में कंपन होने लगा। धीरे-धीरे बीमारी बढ़ती गई और उसके पैरों ने काम करना ही बंद कर दिया और टेढे.होते चले गए। जब खड़ा नहीं हो पाया तो चारपाई पर ही पड़े रहने की मजबूरी हो गई।

मानसिक स्थिति भी हो गई खराब

जयपुर के एसएमएस में 6 महीने तक इलाज चला, लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ। इसके बाद मुंबई के घनश्याम दास बिड़ला हॉस्पिटल, जोधपुर आयुर्वेद हॉस्पिटल समेत कई जगहों पर दिखाया, लेकिन स्थिति सुधरने के बजाय बिगड़ती चली गई। जब कमाने वाले बेटे ने ही इस तरह से चारपाई पकड़ ली तो भंवरलाल के सारे सपने टूट गए। वह बेटे के इलाज के लिए हर जगह गया, लेकिन कहीं कोई इलाज नहीं हुआ और उससे पहले ही छोटा बेटा भी इसकी चपेट में आ गया। धीरे-धीरे दोनों की मानसिक स्थिति भी खराब हो गई।

बेटी को ससुराल वालों ने छोड़ दिया

भंवरलाल ने 2005 में बेटी प्रिया की शादी खरेश गांव में नरपत पुत्र मांगीलाल के साथ कर दी। शादी के 2 साल बाद प्रिया ने बेटी को जन्म दिया, लेकिन 2010 में प्रिया जब इस बीमारी के चपेट में आई तो पति ने उसे छोड़ दिया और बेटी अपने पास रख ली। चारपाई पर लेटी प्रिया अपनी बेटी की याद में आंसू बहाती रहती है।

मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाला फर्जी डॉक्टर पुलिस के शिकंजे में

पहले भी गिरफ्तार हो चुका है राजू

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। विश्वसनीय सूचना पर कमिश्नर टास्क फोर्स, ईस्ट जोन टीम ने अंबरपेट पुलिस के साथ मिलकर एक फर्जी डॉक्टर को पकड़ा जो खुद को डॉक्टर बताकर निर्दोष लोगों का इलाज करा रहा था। वह सक्षम प्राधिकारी से कोई वैध डिग्री नहीं होने के बावजूद अवैध रूप से आसानी से पैसा कमा रहा था। आरोपी राजू गंगाराम अंकलप, श्रीनिवास कॉलोनी, रामंतपुर, हैदराबाद का रहने वाला है। पुलिस टीम ने आरोपी के पास से खुद के हाथ से लिखी दवा की पर्ची, स्टेथोस्को, ब्लड प्रेशर चेक करने की मशीन, शुगर टेस्ट करने की मशीन, विभिन्न पाउडर, क्लिनिकल एग्रीमेंट पेपर, लेटर हेड, मोबाइल फोन बरामद किया है। उसके खिलाफ पूर्व में भी धोखाधड़ी के मामले दर्ज हो चुके हैं। आरोपी अहमदाबाद, गुजरात का मूल निवासी है और उसने पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक अस्पताल में योग और प्राकृतिक चिकित्सा और आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं में डिप्लोमा पाठ्यक्रम का अध्ययन किया, जबकि उसने नैदानिक और चिकित्सा ज्ञान प्राप्त किया। बाद में वर्ष 2019 में वह हैदराबाद आ गया और न्यू पटेल नगर, अंबरपेट, हैदराबाद में श्री साईं वेंकटेश्वर क्लिनिक के रूप में क्लिनिक शुरू किया और डॉ. अंकलप राजू, डीएनवाईएस, पीजीडीईएमएस (मुंबई) और फैमिली फिजिशियन के रूप में बोर्ड प्रदर्शित किया। उसने अंबरपेट, रमंतपुर इलाके के मरीजों की मासूमियत देखी, आसानी से पैसा कमाने के लिए उसने सक्षम प्राधिकारी से कोई वैध डिग्री या प्रमाण पत्र प्राप्त किए बिना एलोपैथिक उपचार प्रदान करने की योजना बनाई। हाल के दिनों में उसे इसी तरह के एक मामले में पुलिस ने दो बार गिरफ्तार किया था। हालांकि, उसने अपना रवैया नहीं बदला और फिर से एक क्लिनिक खोल लिया और एलोपैथिक दवाएं लिखकर और इंजेक्शन, सलाइन आदि देकर लापरवाही से और निर्दोष रोगियों के जीवन और अंगों के साथ खिलवाड़ करके एलोपैथिक उपचार प्रदान किया। विश्वसनीय जानकारी पर, आरोपी को कमिश्नर टास्क फोर्स, ईस्ट जोन टीम ने अंबरपेट पुलिस के साथ गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से आपत्तिजनक सामग्री जब्त की। पुलिस ने लोगों से एक महत्वपूर्ण अपील करते हुए कहा है कि वे अपनी बीमारियों के इलाज के लिए डॉक्टरों को चुनने के प्रति जागरूक रहें और उन डॉक्टरों/चिकित्सा चिकित्सकों से संपर्क न करने का सुझाव दें जिनके पास वैध डिग्री नहीं है।

6 मई से शुरू होगा स्नातक प्रवेश

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। स्नातक प्रवेश के लिए डिग्री ऑनलाइन सर्विसेज तेलंगाना (डीओएसटी) 2024 अधिसूचना शुक्रवार को जारी की गई है, जिसमें पंजीकरण 6 मई से शुरू होंगे। सरकार के प्रधान सचिव (शिक्षा विभाग) बुर्रा वेंकटेशम और टीएससीएचई के अध्यक्ष प्रोफेसर आर लिंबाद्री द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, पहले चरण के प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीकरण 200 रुपये शुल्क के साथ 25 मई तक किया जा सकता है। वेब विकल्पों का उपयोग 15 से 2% मई के बीच किया जा सकता है और सीटें 3 जून को आवंटित की जाएंगी। इसी तरह, प्रवेश के दो और चरण हैं और कक्षा का काम 8 जुलाई से शुरू होगा। वेंकटेशम ने कहा कि इस साल 1,066 डिग्री कॉलेजों में 4,49,449 सीटें उपलब्ध हैं। पंजीकरण वेबसाइट https://dost.cgg.gov.in पर किया जा सकता है।

'मातृवंदनम' पुरस्कार कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पोट्टि श्रीरामुलु तेलुगु विश्वविद्यालय के सभागार में प्रतिष्ठात्मक 'मातृवंदनम' पुरस्कार प्रदान करने हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट लेखिकाओं के साथ-साथ संगीत, समाज सेवा तथा भारतीय संस्कृति के विकास के लिए विभिन्न क्षेत्रों में योगदान दे रहीं साठ वर्ष उम्र पार कर चुकी महिलाओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के अन्तर्गत इस वर्ष तेलुगु भाषी हिंदी लेखिका डॉ. सुमन लता एवं हिन्दी साहित्य जगत की लेखिका डॉ. अहिल्या मिश्र को साहित्य में योगदान हेतु विशेष रूप से सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि पिछले वर्ष यह पुरस्कार डॉ.सी वसंता और डॉ. मणिक्यंबा को दी गई थी। 40 अन्य महिलाओं को पुस्तक लेखन के आधार पर अपने अपने क्षेत्रों में उनके विशिष्ट कार्यों के लिए पुरस्कार से नवाज़ा गया।

तेज धूप व लू के संपर्क से बचें

हनुमाकोंडा, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मौसम विभाग अपनी चेतावनी के अनुसार और जिला कलेक्टर के आदेश के अनुसार जनता को सूचित करता है हालांकि, चूंकि जिले में सूरज की तीव्रता बहुत अधिक है और ठंडी हवाओं के कारण लू लगने की संभावना है, इसलिए सभी लोगों को पर्याप्त सावधानी बरतनी चाहिए। हनुमाकोंडा जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.बी. संबाशिव राव ने एक बयान में कहा।बताया गया है कि गर्मियों में लू लगने पर शरीर का तापमान तेजी से बढ़ जाता है, तेज सिरदर्द, जीभ सूखना, शरीर में पानी की कमी, पेशाब का रंग गहरा पीला और जलन, आंशिक या पूर्ण बेहोशी, सभी या कुछ लक्षण प्रकट होते हैं। सनबर्न से प्रभावित व्यक्ति को तुरंत छायादार स्थान पर ले जाना चाहिए, शरीर को ठंडे पानी में साफ कपड़े से धोना चाहिए, सनबर्न से प्रभावित व्यक्ति को नमकीन छाछ, ठंडा, नारियल पानी, नींबू का रस, ग्लूकोज या अन्य घोल पीना चाहिए। तत्काल कार्रवाई के लिए 108 आपातकालीन सेवाओं से संपर्क करें। उन्होंने कहा कि प्राथमिक उपचार के बाद उसे नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र/सरकारी अस्पताल ले जाएं। जब धूप तेज हो तो बाहर न चलें। यदि आप अनिवार्य परिस्थितियों में धूप में बाहर जाते हैं, तो छाता, टोपी, सफेद रूमाल अवश्य पहनें, सफेद सूती कपड़े पहनें, जितना संभव हो उतना पानी और अन्य तरल पदार्थ पियें। नशीला पेय न पियें। उन्होंने कहा कि खासकर बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और अन्य बीमारियों से पीड़ित लोगों को गर्मी के दौरान सावधान रहना चाहिए। साथ ही जो लोग बाहर काम करने जाते हैं उन्हें सुबह और शाम के समय काम करना चाहिए और दोपहर के समय आराम करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि ओआरएस पैकेट प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र, उपकेंद्र, आंगनवाड़ी केंद्रों, सरकारी अस्पतालों और ग्राम पंचायतों में निःशुल्क उपलब्ध हैं ताकि जिन्हें इसकी आवश्यकता हो वे इसका उपयोग कर सकें और बताई गई सावधानियों का पालन करते हुए यह सुनिश्चित कर सकें कि उन्हें धूप से जलन न हो। ऊपर। चुनाव ड्यूटी और चुनाव प्रचार कार्यक्रमों में भाग लेने वालों को उचित सावधानी बरतनी चाहिए।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने का आह्वान

हनुमाकोंडा, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हनुमाकोंडा जिला कलेक्टर सिक्ता पटनायक ने जिले के मतदाताओं से अपने मतदान के अधिकार का प्रयोग करने और 13 मई को होने वाले संसदीय चुनावों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने का आह्वान किया है।

चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से शुक्रवार को स्वीप के तत्वावधान में हनुमाकोंडा सूबेदारी स्थित यूनिवर्सिटी आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज के सभागार में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी सिक्ता पटनायक ने कहा कि मतदान दिवस पर अनिवार्य रूप से मतदान करना चाहिए, जो लोकतंत्र में एक बड़ा त्योहार है। उन्होंने कहा कि वारंगल पश्चिम भी शहरी क्षेत्रों में कम मतदान वाले शहरों की सूची में है। उन्होंने कहा कि हनुमाकोंडा जिले में स्वीप के तहत मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। मतदाता गतिशीलता के प्रति विभिन्न समुदायों को जागरूक किया जा रहा है। युवा मतदाताओं को अपने माता-पिता और पड़ोसियों को चुनाव में मतदान करने के लिए जागरूक करना चाहिए जिनके पास वोट देने का अधिकार है।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कला एवं विज्ञान महाविद्यालय की प्राचार्य एस. ज्योति ने की तथा हनुमाकोंडा स्वीप के अतिरिक्त नोडल अधिकारी श्रीनिवास राव, महाविद्यालय के उपप्राचार्य रमेश, अधिकारी मधुरिमा आदि सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

राहुल गांधी की बैठक स्थल का निरीक्षण किया

निर्मल, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी और सीएम रेवंत रेड्डी ने संसदीय चुनाव के तहत इस महीने की 5 तारीख

रानीगंज मर्चेंट वेलफेयर एसोसिएशन सिकंदराबाद के रानीगंज क्षेत्र में मुफ्त छाछ पीने का पानी उपलब्ध करा रहा है

सीपी ने अधिकारियों के साथ डीआरसी का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सीपी, हैदराबाद ने डीईओ, हैदराबाद और आयुक्त, जीएचएमसी, एडिशनल सीएसपी, कानून और व्यवस्था, मुख्यालय और प्रशिक्षण, क्षेत्रीय क्षेत्राधिकार वाले डीसीएसपी (एलएंडओ और यातायात), डीसीएसपी विशेष शाखा, सीएसडब्ल्यू, एडिशनल डीसीपी, सीएआर मुख्यालय, संबंधित उप नोडल एसीएसपी, डिवीजनल एसीएसपी और एसएचओ के साथ 08-सिकंदराबाद पीसी के डीआरसी (वितरण, स्वागत और मतगणना केंद्र) का संयुक्त निरीक्षण किया, जिसमें सिकंदराबाद छावनी (मलकाजगिरी पीसी के हिस्से के रूप में) और 71- सिकंदराबाद छावनी (उपचुनाव) शामिल है और डीआरसी केंद्रों/स्ट्रांग रूम में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। इसके अलावा सीपी, हैदराबाद ने अधिकारियों के साथ 09-हैदराबाद पीसी के डाक मतपत्रों के लिए डीआरसी (वितरण, स्वागत और मतगणना केंद्र) और मतदाता सुविधा केंद्र यानी ऑल सेंट्स हाई स्कूल, गनफाउंड्री, अबिड्स, हैदराबाद का संयुक्त निरीक्षण किया और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। संयुक्त निरीक्षण के दौरान वितरण, स्वागत से संबंधित एलएंडओ और यातायात से संबंधित व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। इसके अलावा, ईसीआई के दिशा-निर्देशों के अनुसार तीन स्तरीय सुरक्षा के लिए किए जाने वाले उपायों को भी स्ट्रांग रूम की सुरक्षा के लिए अंतिम रूप दिया गया।

जन सेवा संघ द्वारा मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ के महासचिव राजीव चौबे द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जन सेवा संघ मेदक जोन के अंतर्गत अमीनपुर से इश्नापुर तक बिनीत सिंह के नेतृत्व में मतदाता जागरूकता अभियान रैली सफलतापूर्वक संपन्न हुआ जिसमें सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के सिंह भी उपस्थित हुए। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह प्रत्येक चुनाव में भाग ले और अपने वोट का उपयोग करते हुए अच्छे प्रतिनिधि को चुने।

इस रैली में वी के सिंह, कोषाध्यक्ष बिनीत सिंह, भूतपूर्व अध्यक्ष एल एम चौधरी, आर के सिंह एवं अश्विनी कुमार सिंह, अशोक कुमार, राजेश यादव, रौशन सिंह आदि उपस्थित हुए। मनोज पटेल को इश्नापुर के अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया।

एनटीपीसी एसआरएचक्यू ने पुनर्निर्माण सर्जरी के समर्थन के लिए आकार आसा हॉस्पिटल्स के साथ एमओए में प्रवेश किया

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अपने सीएसआर कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, एनटीपीसी दक्षिणी क्षेत्र मुख्यालय ने आज शारीरिक विकृति से पीड़ित 150 रोगियों की पुनर्निर्माण सर्जरी का समर्थन करने के लिए आकार आस हॉस्पिटल के साथ एक एमओए (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर किए।

एनटीपीसी द्वारा प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता में हैदराबाद स्थित उनके सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों में पुनर्निर्माण सर्जरी करना शामिल है, जिसमें अस्पताल में उनके इलाज के दौरान मुफ्त दवाओं की आपूर्ति, सर्जरी से पहले और बाद में मरीजों की देखभाल, भोजन और मरीजों के लिए अस्पताल में रहना शामिल है। और उनके परिचारक, फिजियोथेरेपी और पुनर्वास श्री बदरुद्दीन अंसारी, डीजीएम-एचआर ने एनटीपीसी की ओर से समझौते पर हस्ताक्षर किए और डॉ. भारतेंदु स्वैन, निदेशक, आकार आशा हॉस्पिटल्स ने आकार आशा यूनिट की ओर से श्री एसएन पाणिग्रही, जीएम (एचआर) एनटीपीसी एसआरएचक्यू की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर बोलते हुए, जीएम (एचआर) श्री एसएन पाणिग्रही ने कहा कि स्वास्थ्य उन प्रमुख क्षेत्रों में से एक है जहां एनटीपीसी गरीब और जरूरतमंद लाभार्थियों तक पहुंचने के लिए विभिन्न सीएसआर पहल कर रहा है।

आकार आशा हॉस्पिटल्स ने गरीब बच्चों, महिलाओं और अन्य लाभार्थियों को पुनर्निर्माण सर्जरी के लिए सहायता प्रदान करने की पहल करने के लिए एनटीपीसी के प्रति अपना आभार व्यक्त किया।

सांसद लक्ष्मण ने सीएम रेवंत की आलोचना की

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी एमपी चुनावों में भाजपा पर सीएम ए रेवंत रेड्डी के कटाक्ष पर निशाना साधते हुए भाजपा के राज्यसभा सांसद डॉ. लक्ष्मण ने आरोप लगाया कि सीएम आगामी चुनाव जीतने के लिए बहुत झूठ बोल रहे हैं और उन्होंने कहा कि सीएम किसी भी कीमत पर एमपी चुनाव जीतने के लिए समुदायों के बीच टकराव भी पैदा कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ऐसी गंदी राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सत्ता के पक्ष और विपक्ष में गुट बनाकर टकराव का माहौल बनाने की कोशिश कर रही है। आरक्षण के मामले में भले ही कोई बदलाव नहीं होगा, लेकिन सीएम जानबूझकर एमपी की सीटें जीतने के लिए राज्य की जनता को गुमराह कर रहे हैं। रेवंत रेड्डी ने बार-बार आरक्षण का मुद्दा उठाया है, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि वे आरक्षण खत्म नहीं करेंगे। कांग्रेस नेता फर्जी वीडियो बनाकर लोगों को गुमराह करने की फिराक में हैं। भाजपा फर्जी वीडियो बनाने वालों को नहीं छोड़ेगी। लक्ष्मण ने कहा कि विधानसभा चुनाव में किए गए वादों को पूरा नहीं करने पर जनता का विरोध होगा। उन्होंने कहा कि सीएम विपक्ष का ध्यान भटकाने के लिए इस तरह की हरकतें कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दलितों के प्रति घड़ियाली आंसू बहाने वाली कांग्रेस को देखें तो ऐसा लगता है कि भूत वेद पढ़ रहे हैं। कांग्रेस पार्टी ने कई बार बाबा साहब अंबेडकर का अपमान किया है। भाजपा के सत्ता में आने के बाद अंबेडकर का सम्मान बढ़ा है। मोदी सरकार ने ही कर्पोरी ठाकुर को भारत रत्न से सम्मानित किया। मोदी सरकार ने ही समाज के गरीब तबके को उचित स्थान दिया और महिलाओं को सम्मान दिया। उन्होंने कहा, जवाहरलाल नेहरू ने खुद कहा था कि आरक्षण के जरिए आने वालों को अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी आरक्षण के खिलाफ है। उन्होंने याद दिलाया, अंबेडकर ने इस्तीफा क्यों दिया? नेहरू को अंबेडकर के आरक्षण प्रस्ताव पसंद नहीं थे। इसलिए वे हार गए। 1961 में प्रधानमंत्री के तौर पर नेहरू ने मुख्यमंत्रियों को एक पत्र लिखा था। नेहरू ने कहा था कि अगर गरीब लोगों के लिए आरक्षण लागू किया गया तो वे दोयम दर्जे के हो जाएंगे। मंडल आयोग की रिपोर्ट का विरोध करने वाले व्यक्ति राजीव गांधी थे। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी को पता होना चाहिए कि उनकी कांग्रेस सरकार ने ही हर कदम पर आरक्षण को रोका था। उन्होंने यह भी कहा कि पहले केसीआर और अब रेवंत रेड्डी मुस्लिम वोटों के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का रेवंत रेड्डी का इतिहास सभी को पता है। अतीत में, वाईएस राजशेखर रेड्डी के शासनकाल में भी, यह आपकी कांग्रेस पार्टी ही थी जिसने मुसलमानों को लाभ पहुंचाने के लिए हिंदुओं के आरक्षण को कम किया था। अदालत ने भी आपकी कांग्रेस सरकार को झटका दिया था, उन्होंने आरोप लगाया और कहा कि सीएम रेवंत रेड्डी, जो कैश-फॉर-वोट मामलों में आरोपी हैं, को प्रधानमंत्री की आलोचना करने का कोई अधिकार नहीं है।

तेलंगाना सरकार ने विरासत स्थलों के दस्तावेजीकरण की समय सीमा 30 मई तक बढ़ा दी

हैदराबाद, 3 मई (स्वत्रंत वार्ता)। पर्यावरण संरक्षण प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (ईपीटीआरआई) और तेलंगाना जैव विविधता बोर्ड ने विरासत और प्राकृतिक स्थलों के दस्तावेज जमा करने की समय सीमा 30 मई तक बढ़ाने की घोषणा की है। विश्व विरासत दिवस के उपलक्ष्य में 18 अप्रैल को शुरू की गई प्रस्तावों की कॉल "कनेक्शन, मार्ग और नेटवर्क" विषय के तहत विरासत स्थलों, आर्द्रभूमि, भू-आकृतियों, वनस्पति और जैव विविधता के विभिन्न पहलुओं का दस्तावेजीकरण करने पर केंद्रित है।

यह सहयोगात्मक प्रयास विश्वविद्यालयों, संस्थानों, संगठनों, गैर सरकारी संगठनों, अनुसंधान विद्वानों और छात्रों को तेलंगाना की समृद्ध प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत के दस्तावेजीकरण में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए आमंत्रित करता है। विशेषज्ञ समिति द्वारा शॉर्टलिस्ट किए गए प्रस्तावों को आगे के शोध और वित्त पोषण के लिए चुना जाएगा।

मतपत्र इकाइयों का निरीक्षण जारी

हनुमाकोंडा, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले को आवंटित मतपत्र इकाइयों के निरीक्षण का पहला चरण वारंगल एनुमामुला कृषि बाजार यार्ड में गुरुवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। हनुमाकोंडा जिला निर्वाचन अधिकारी/कलेक्टर सिक्ता पटनायक ने निरीक्षण प्रक्रिया का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने जिले के अतिरिक्त कलेक्टर वेंकट रेड्डी और अन्य अधिकारियों से मतपत्र इकाइयों की निरीक्षण प्रक्रिया की जानकारी ली।

इस बीच, बैलेट यूनिटों के निरीक्षण का पहला चरण गुरुवार शाम को पूरा हो गया। इसी प्रकार सीईओ के आदेश पर इसी माह के चौथे दिन सुबह 9 बजे विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों व याचिकाकर्ताओं की मौजूदगी में गोदाम खुलवाकर अधिकारियों ने कहा कि कार्य पूरा होने के बाद निरीक्षण प्रक्रिया के पहले चरण में, मतपत्र इकाइयों का पहला पूरक रैंडमाइजेशन किया जाएगा और निर्वाचन क्षेत्रों को आवंटित किया जाएगा। इस मौके पर समाहरणालय एओ सत्यनारायण, चुनाव डीटी जन्नू श्यामकुमार समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी शामिल हुए।

--

जीएचएमसी में डिजिटल भुगतान की शुरूआत

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने एक मई से वेतन, पेंशन और मजदूरी सहित सभी भुगतान के लिए मैनुअल चेक जारी करने की जगह ई-भुगतान प्रणाली शुरू की है। जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रॉस ने कहा कि यह लाभार्थियों को वास्तविक समय पर भुगतान सुनिश्चित करती है और पारदर्शिता, बेहतर नियंत्रण और भुगतानों के समाधान की भी गारंटी देती है। उन्होंने बताया कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की नकद प्रबंधन उत्पाद (सीएमपी) सेवाओं का उपयोग ई-भुगतान के लिए किया जा रहा है और जीएचएमसी के ईआरपी को एसबीआई पोर्टल और सीजीजी के एचआरएमएस मॉड्यूल के साथ एकीकृत किया जाएगा, ताकि भुगतान में किसी भी तरह के मैनुअल हस्तक्षेप से बचा जा सके। जीएचएमसी द्वारा शुरू की गई ई-भुगतान प्रणाली से सभी भुगतानों की प्रक्रिया सुगमता से हो जाएगी, जो डिजिटल भुगतान की दिशा में एक बड़ा कदम है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

एचडी रेवन्ना-प्रज्वल ...

इससे पहले प्रज्वल रेवन्ना और उनके पिता एचडी रेवन्ना के खिलाफ यौन उत्पीड़न का मामाला दर्ज किया गया था। उनके घर में काम करने वाली एक महिला ने दोनों के खिलाफ यौन उत्पीड़न करने, धमकी देने, पीछा करने और महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने का मामला दर्ज किया था। प्रज्वल रेवन्ना हासन क्षेत्र से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। सोशल मीडिया पर उनकी अश्लील वीडियो वायरल होने के बाद वह विवादों में फंस गए।

हासन में मतदान होने के बाद ही प्रज्वल रेवन्ना जर्मनी चले गए। एसआईटी की टीम ने दुनिया भर के सभी आव्रजन केंद्रों में उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। उन्हें गुरुवार यानी की दो मई को एसआईटी के समक्ष पेश होना था। उन्होंने अग्रिम जमानत के लिए बेंगलूरू की एक अदालत में याचिका दायर की थी। विदेश मंत्रालय ने बताया कि जेडीएस नेता ने जर्मनी यात्रा के लिए राजनीतिक मंजूरी नहीं मांगी थी। बता दें कि यह मामला अब भाजपा और कांग्रेस के बीच ताजा विवाद का मुद्दा बन गया है, क्योंकि जेडीएस कर्नाटक में एनडीए गठबंधन का हिस्सा है।

सोशल मीडिया पर ...

इस संबंध में साइबर क्राइम पुलिस, हैदराबाद ने धारा 469, 505(1) सी ,171 G, 502(2) आईपीसी और सेक्शन 125 आरपी एक्ट1951 के तहत मामला दर्ज किया और जांच की। उन्होंने बताया कि सभी आरोपी तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी सोशल मीडिया यूनिट में काम करते हैं। उनका काम राजनीतिक दलों से संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट की निगरानी करना और उन्हें अपने आधिकारिक और व्यक्तिगत ट्विटर हैंडल पर अपलोड करना है।

सुप्रीम कोर्ट का ...

याचिकाकर्ता ने दावा किया कि प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक पार्टियां जानबूझकर ऐसे कैंडिडेट मैदान में उतारती हैं। इसके बदले हमनाम उम्मीदवार को पैसे, सामान और कई तरह के फायदे मिलते हैं। उन्हें भारतीय राजनीतिक और प्रशासनिक प्रणाली की कोई जानकारी नहीं होती।

याचिकाकर्ता का पक्ष रख रहे वकील वी के बीजू ने कहा कि वे यह दावा नहीं कर रहे है कि ऐसे सभी उम्मीदवार फर्जी होते हैं या उन्हें चुनाव लड़ने का अधिकार नहीं है। हालांकि, हमनाम उम्मीदवारों से बचने के लिए एक प्रभावी जांच और सही मैकेनिज्म की जरूरत है। वीके बीजू ने कंडक्ट ऑफ इलेक्शन रूल्स, 1961 के नियम 22(3) का हवाला देते हुए मांग की थी कि दो या दो से अधिक उम्मीदवारों के नाम एक रहने पर उनके काम, निवास या किसी अन्य तरीके से की उनकी अलग पहचान की जानी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने ...

मामले की अगली सुनवाई 9 मई को होगी। जीएसटी यानी गुड्स एंड सर्विस टैक्स एक इनडायरेक्ट टैक्स है।

इसे वैराइटी ऑफ प्रीवियस इनडायरेक्ट टैक्स (वीएटी), सर्विस टैक्स, परचेज टैक्स, एक्साइज ड्यूटी और कई इनडायरेक्ट टैक्स को रिप्लेस करने के लिए 2017 में लागू किया गया था। जीएसटी में 5, 12, 18 और 287 के चार स्लैब हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

रनआउट में बचे हेड, अगली गेंद पर बोल्ड

हेटमायर का 106 मीटर लम्बा छक्का, भुवनेश्वर ने आखिरी बॉल पर 2 रन बचाए

हैदराबाद, 3 मई (एजेंसियां)। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स को एक रन से हराया। भुवनेश्वर कुमार ने आखिरी ओवर में 13 और आखिरी बॉल पर 2 रन डिफेंड किए। एसआरएच के ट्रैविस हेड मैच में रनआउट होने से बचे लेकिन अगली ही बॉल पर बोल्ड हो गए। राजस्थान रॉयल्स के ध्रुव जुरेल फील्डिंग के दौरान इंजर्ड हो गए, वहीं टीम के शिमरोन हेटमायर ने 106 मीटर लम्बा छक्का लगाया।

ट्रैविस हेड को पहली बॉल पर जीवनदान

सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनर ट्रैविस हेड को मैच की पहली ही बॉल पर जीवनदान मिला। ट्रेंट बोल्ट ने फुलर लेंथ बॉल फेंकी, हेड ने ड्राइव किया और बॉल पॉइंट की दिशा में जाने लगी। यहां खड़े रियान पराग ने हाथ अड़ाया लेकिन गेंद उनके हाथ को छूकर बाउंड्री के पार चली गई। जीवनदान के वक्त हेड खाता भी नहीं खोल सके थे, उन्होंने 58 रन बना दिए।

फील्डिंग के वक्त इंजर्ड हुए ध्रुव जुरेल

राजस्थान की फील्डिंग के दौरान युवा ध्रुव जुरेल इंजर्ड हो गए। 9वें ओवर की आखिरी बॉल पर चौका बचाने के दौरान उन्हें हैमस्ट्रिंग में खिंचाव महसूस हुआ। वह बाउंड्री तो नहीं बचा सके, लेकिन इंजर्ड होकर ग्राउंड के बाहर चले गए। उन्होंने फिर फील्डिंग नहीं की, लेकिन टीम के लिए बैटिंग करने उतरे।

रनआउट में बचे हेड, अगली बॉल पर बोल्ड भी हुए

एसआरएच के ट्रैविस हेड 15वें ओवर की तीसरी बॉल पर रनआउट होने से बचे। संजू सैमसन के डायरेक्ट हिट के वक्त उनका बैट पिच में नहीं आया था, इसके बावजूद उन्हें नॉटआउट करार दिया। इस पर विवाद भी हुआ, लेकिन आवेश खान ने उन्हें अगली ही गेंद पर बोल्ड कर दिया। हेड ने 44 बॉल पर 58 रन बनाए।

पैट कमिंस ने कैच छोड़ा

राजस्थान की पारी के दौरान चौथे ओवर में कप्तान पैट कमिंस ने आसान कैच छोड़ा। ओवर की पहली बॉल मार्को यानसन ने फुलर लेंथ फेंकी, यशस्वी जायसवाल ने शॉट खेला और बॉल मिड-ऑफ की ओर हवा में चली गई। यहां खड़े कमिंस ने कैच लेने की कोशिश की, लेकिन बॉल उनके हाथ से छूट गई। जीवनदान के वक्त यशस्वी 7 रन के स्कोर खेल रहे थे, उन्होंने 67 रन की पारी खेल दी।

यानसन ने फेंकी लगातार 2 नो-बॉल

एसआरएच के मार्को यानसन इस सीजन दूसरा ही मैच खेल रहे थे, उन्होंने अपने स्पेल के दूसरे ओवर में लगातार 2 नो-बॉल फेंक दीं। हालांकि, उन्होंने फ्री हिट पर कोई रन भी नहीं दिया। उन्होंने ओवर की तीसरी बॉल पर 2 नो-बॉल फेंकीं, हालांकि इन पर बैट से एक ही रन बना। उन्होंने फ्री हिट पर भी महज एक रन दिया।

अभिषेक शर्मा ने छोड़ा कैच

छठे ओवर में रियान पराग को जीवनदान मिला। थंगारसु नटराजन ने ओवर की पांचवीं बॉल फुलर लेंथ फेंकी, पराग ने ड्राइव किया और बॉल कवर्स की दिशा में चली गई। यहां खड़े अभिषेक शर्मा ने कैच लेने की कोशिश की, लेकिन बॉल उनके हाथ से छूट गई। जीवनदान के वक्त पराग 24 रन पर बैटिंग कर रहे थे, उन्होंने 77 रन की पारी खेल दी।

भारतीय महिला टीम ने बांग्लादेश को 7 विकेट से हराया

5 मैचों की टी-20 सीरीज में 3-0 की बढ़त; शेफाली-स्मृति के बीच 91 रन की पार्टनरशिप

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। भारतीय विमेंस टीम ने शेफाली वर्मा तथा स्मृति मंधाना की 91 रन की साझेदारी की बदौलत सिलहट में तीसरे टी-20 मैच में बांग्लादेश को 7 विकेट से हराया। इसके साथ ही भारत ने 3-0 की बढ़त बना ली है और सीरीज पर भी कब्जा जमा लिया है। शेफाली ने 51 और स्मृति ने 47 रन की पारी खेली। बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 118 रन का लक्ष्य दिया था। भारत ने 121 रन बनाकर मैच जीता।

टॉस जीत कर भारत ने फील्डिंग चुनी

भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग का फैसला किया। भारतीय गेंदबाजों ने कप्तान के फैसले को सही साबित करते हुए 6.3 ओवर में बांग्लादेश को 46 रन के स्कोर पर पहला झटका दिया। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने 55 रन पर दूसरा और 85 के स्कोर पर तीसरा और चौथा विकेट लेकर बांग्लादेश के को बड़ा स्कोर करने से रोक दिया। बांग्लादेश की पूरी टीम निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 117 रन ही बना सकी। बांग्लादेश के लिए सलामी बल्लेबाज दिलारा अख्तर ने 27 गेंदों पर 39 रन और कप्तान निगार सुल्ताना ने 28 रनों की पारी खेली। भारत के लिए राधा यादव ने 22 रन देकर दो विकेट चटकाए, जबकि रेणुका सिंह, पूजा वस्त्राकर और श्रेयांका पाटिल ने एक-एक विकेट लिए।

शेफाली-स्मृति ने भारत को दिलाई अच्छी शुरुआत

118 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को शेफाली और स्मृति मंधाना ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने पावरप्ले में बिना कोई विकेट गंवाए 59 रन जोड़े। दोनों ने पहले विकेट के लिए 12.1 ओवर में 91 रन की साझेदारी की। शेफाली ने 38 गेंदों पर आठ चौकों की मदद से 51 रन बना, जबकि स्मृति मंधाना ने 42 गेंदों पर पांच चौके और एक छक्का की मदद से 47 रनों की पारी खेली। शेफाली को उनके प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। दोनों टीमों के बीच 6 मई को सीरीज का चौथा टी-20 मैच सिलहट में ही खेला जाएगा।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया पहले नंबर पर पहुंचा

भारत फिसलकर दूसरे स्थान पर आया, वनडे और टी-20 में इंडिया टॉप पर

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम भारत को पीछे कर वर्ल्ड टेस्ट रैंकिंग में नंबर-1 पर आ गया है। ऑस्ट्रेलिया अब 124 रेटिंग पॉइंट्स के साथ टेस्ट रैंकिंग में टॉप पर हैं। वहीं, भारत 4 पॉइंट्स पिछे 120 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर है। इंग्लैंड तीसरे और साउथ अफ्रीका 103 अंकों के साथ 100 अंकों से ऊपर चौथी टीम है। भारत मुख्य रूप से इसलिए फिसला क्योंकि 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया में उसकी 2-1 सीरीज जीत रैंकिंग में शामिल मैचों से बाहर हो गई है। वार्षिक अपडेट के बाद भारत वनडे और टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग में टॉप पर बना हुआ है।

टेस्ट रैंकिंग के तीसरे से 9वें स्थान में कोई बदलाव नहीं

तीसरे से नौवें स्थान पर रहने वाली टीमों की रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ है। आईसीसी की टेस्ट रैंकिंग में 9 ही टीमों को टॉप में माना गया हैं, क्योंकि, अफगानिस्तान और आयरलैंड अभी तक पर्याप्त टेस्ट नहीं खेल पाने के कारण 11वें और 12वें नंबर पर हैं। जबकि जिम्बाब्वे भी टॉप-9 से बाहर है क्योंकि उन्होंने पिछले तीन सालों में केवल तीन टेस्ट खेले हैं। रैंकिंग टेबल में आने के लिए टीमों को तीन साल के अंदर कम से कम आठ टेस्ट खेलने होंगे। मई 2023 से पहले पूरे किए गए मैचों का 50 फीसदी और बाद में हुए सभी मैचों को रैंकिंग के लिए माना जाता है।

भारत ने वनडे रैंकिंग में बनाई 6 पॉइंट की लीड

भारत भले ही आईसीसी मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार गया हो, लेकिन उसने उन पर अपनी बढ़त तीन से 6 पॉइंट तक बढ़ा ली है और 122 अंकों के साथ टेबल में टॉप पर है। टॉप 10 में कोई बदलाव नहीं हुआ है लेकिन आयरलैंड ने जिम्बाब्वे को पछाड़कर 11वें स्थान पर कब्जा जमा लिया है। तीसरे स्थान पर मौजूद साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 8 पॉइंट दूर था, अब यह फासला कम होकर 4 पॉइंट का रह गया है। जबकि श्रीलंका पांचवें स्थान पर मौजूद इंग्लैंड से सिर्फ दो अंक पीछे है।

5 और 9 मई को भिड़ेंगे पंजाब किंग्स और चेन्नई सुपर किंग

धर्मशाला, 3 मई (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 5 मई व 9 मई को आईपीएल के दो क्रिकेट मैच पंजाब किंग्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेले जाने हैं। इसको लेकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी काँगड़ा डॉ. राजेश गुलेरी ने पंजाब किंग्स और एचपीसीए के अधिकारियों के साथ स्वास्थ्य सुविधा को मध्य नजर रखते हुऐ इंटरनेशनल स्टेडियम का दौरा किया। इस स्टेडियम में एक दर्शक चिकित्सा कक्ष, तीन प्राथमिक चिकित्सा कक्ष और तीन एएलएस एम्बुलेंस होंगी और खाद्य चिकित्सा अधिकारी भी तैनात कर दिए हैं। दोनों आईपीएल मैचों को लेकर स्वास्थ्य विभाग काँगड़ा ने अपनी सभी तैयारियों को पूरा कर लिया है और एचपीसीए के अधिकारियों का ये मानना है कि इन दोनों क्रिकेट मैचों को देखने की लिए भारी संख्या में क्रिकेट प्रेमी धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम पहुंचेंगे।

1 मई को लिए 3 विकेट... 2 मई को 20 साल के अंग्रेज क्रिकेटर जोश बेकर की मौत

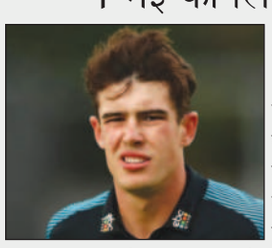

लंदन, 3 मई (एजेंसियां)। इंग्लैंड क्रिकेट के लिए हृदय विदारक खबर सामने आई है. महज 20 साल की उम्र में एक प्रतिभाशाली क्रिकेटर जोश बेकर की 2 मई को मौत हो गई. जोश बाएं हाथ स्पनि गेंदबाजी करते थे. उनकी मौत कैसे हुई, इसकी वजह अब तक सामने नहीं आ सकी है। वह वॉर्सेस्टरशायर क्रिकेट क्लब की ओर से खेलते थे. 1 मई को उन्होंने एक मैच में 3 विकेट लिए थे. वहीं उनका इंग्लैंड टीम के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स से भी एक खास कनेक्शन था। वॉर्सेस्टरशायर क्लब ने जोश बेकर की मौत के बारे में कमेंट करने से इनकार कर दिया है. क्लब ने अपने बयान में कहा कि बेकर के परिवार की प्राइवेसी का सम्मान किया जाए.

हममें से किसी ने अपना विकेट जानबूझकर नहीं गंवाया : रियान पराग

हैदराबाद, 3 मई (एजेंसियां)। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) से एक रन से हार का सामना करने के बाद, इन-फॉर्म बल्लेबाज रियान पराग ने इस बात से इनकार किया कि कुछ बल्लेबाजों ने, जिनमें वह भी शामिल हैं, निर्णायक मोड़ पर अपने विकेट जानबूझकर गंवाए।

शुरुआती ओवर में जोस बटलर और संजू सैमसन को खोने के बाद, पराग और यशस्वी जायसवाल ने जवाबी हमले में तीसरे विकेट के लिए 134 रन जोड़े और एक प्रभावशाली जीत की ओर अग्रसर थे। लेकिन जायसवाल 40 गेंदों में 67 रन बनाकर आउट हुए, जबकि पराग 49 गेंदों में 77 रन बनाकर आउट हुए और वहां से आरआर को इस सीजन की दूसरी हार झेलने के लिए मजबूर होना पड़ा।

पराग ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ₹मुझे नहीं लगता कि हममें से किसी ने भी अपना विकेट फेंका है। जायसवाल ने उस स्कूप की कोशिश की क्योंकि नटराजन अच्छी धीमी बाउंसर फेंक रहे थे इसलिए उन्होंने अगली गेंद यॉर्कर समझकर यह शॉट खेला। मैंने भी सिक्स लगाने की कोशिश की और गेंद मिस हुई लेकिन मुझे नहीं लगता कि हमने अपने विकेट फेंके, अंत तक टिके रहना अच्छा होता। हम

दोनों की भी योजना यह थी।

पराग ने यह भी कहा कि भुवनेश्वर कुमार, पैट कमिंस और नटराजन ने आखिरी पांच ओवरों में अच्छी गेंदबाजी करके आरआर को जीत से वंचित कर दिया। पराग ने कहा, मैं काफी आश्वस्त था लेकिन आपको उन्हें इसका श्रेय देना होगा कि उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की। यह उनका घरेलू मैदान है, उन्होंने ऐसी गेंदबाजी की जैसे उन्हें पता हो कि विकेट कैसे रिएक्ट करेगी। आपको इसका श्रेय भुवनेश्वर कुमार, नटराजन और कमिंस को देना होगा। आईपीएल 2024 की दस पारियों में, पराग ने 159.14 की स्ट्राइक-रेट के साथ 58.43 के औसत से 409 रन बनाए और प्रतियोगिता में चौथे सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए।

कुछ लोगों ने उनका नाम पुरुष टी20 विश्व कप के लिए भारत की टीम में दावेदार के रूप में भी लिया था, लेकिन पराग को लगता है कि उनका सर्वश्रेष्ठ आना अभी बाकी है। पराग ने आगे कहा, मुझे सुधार करने के लिए बहुत से क्षेत्र मिले हैं। मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं हूं, अन्यथा मैं मैच समाप्त कर देता। मुझे बहुत सारे क्षेत्रों में सुधार करना है। मैं अपनी गलतियों से सीखने की कोशिश करता हूं और उन्हें दोहराता नहीं हूं। पिछले साल मैं आईपीएल खेलने की दौड़ में भी नहीं था। अब मैंने कुछ अफवाहें सुनी हैं, मैं अब सोशल मीडिया पर नहीं हूं, मैंने यहां-वहां कुछ शोर सुना है। मुझे खुशी है कि वे अब सही कारणों से मेरा नाम ले रहे हैं। मैं वास्तव में किसी भी चीज़ के बारे में नहीं सोच रहा था। मैं अपनी टीम के लड़कों, खासकर संजू भैया (संजू सैमसन) को विश्व कप टीम में शामिल किए जाने से खुश हूं।

हारकर भी नंबर-1 पर कायम राजस्थान

नटराजन बने टॉप विकेट टेकर

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में लीग स्टेज के 50 मैच खत्म हो चुके हैं। सनराइजर्स हैदराबाद ने टेबल टॉपर राजस्थान रॉयल्स को एक रन से हराया। इस नतीजे से हैदराबाद ने टॉप-4 में एंट्री कर ली, वहीं राजस्थान अब भी टॉप पर कायम है।

हैदराबाद ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी, टीम ने 20 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 201 रन बनाए। राजस्थान ने जीतने की पूरी कोशिश की, लेकिन टीम 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 200 रन ही बना सकी। सनराइजर्स हैदराबाद के 10 मैचों में 6 जीत और 4 हार से 12 पॉइंट्स हो गए। टीम चौथे नंबर पर पहुंची, इससे पहले हैदराबाद पांचवें नंबर पर था।

क्रिकेटर डेवोन थॉमस पर लगा 5 साल का बैन

फिक्सिंग के चलते आईसीसी ने सजा दी; वेस्टइंडीज के लिए तीनों फॉर्मेट खेल चुके

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने वेस्टइंडीज के डेवोन थॉमस को 5 साल के लिए क्रिकेट से बैन कर दिया है। उन पर श्रीलंका, यूएई और वेस्टइंडीज की क्रिकेट लीग में फिक्सिंग के आरोप लगे थे। जिसे उन्होंने कबूल कर लिया, जिस कारण आईसीसी ने उन्हें सजा दी।

जुर्म कबूल करने के कारण 18 महीने कम हुई सजा

आईसीसी ने बताया कि 34 साल के थॉमस पर श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी), एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) और कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) ने करप्शन के 7 आरोप लगाए थे। थॉमस ने अपने ऊपर लगे आरोपों को कबूल किया, जिस कारण उनकी सजा को 18 महीने कम किया गया। उनकी सजा 23 मई 2023 को शुरू हुई, यहां से 22 मई 2028 तक वह इंटरनेशनल और घरेलू क्रिकेट नहीं खेल सकेंगे। आईसीसी के जनरल मैनेजर एलेक्स मार्शल ने कहा, 'इंटरनेशनल और घरेलू दोनों तरह के प्रोफेशनल क्रिकेट खेल चुके थॉमस ने कई बार एंटी-करप्शन की ट्रेनिंग ली है। इसके बावजूद उन्होंने 3 देशों की फ्रेंचाइजी लीग में करप्शन को बढ़ावा दिया। उन्हें मिली सजा बाकी प्लेयर्स के लिए उदाहरण का काम करेगी।'

वेस्टइंडीज के लिए तीनों फॉर्मेट में डेब्यू कर चुके हैं थॉमस

विकेटकीपर डेवोन थॉमस वेस्टइंडीज के लिए तीनों फॉर्मेट में डेब्यू कर चुके हैं। उन्होंने एक टेस्ट, 21 वनडे और 12 टी-20 खेले हैं। उनके नाम 300 से ज्यादा रन हैं। वह पार्ट टाइम बॉलिंग भी कर लेते हैं, उनके नाम 4 विकेट हैं।

न थॉमस कप और न ही उबेर कप में भारत को मिला कोई पदक

महिलाओं के बाद पुरुष टीम भी हारी

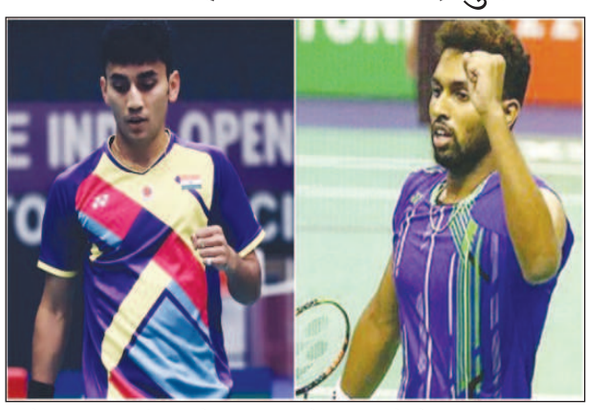

चेंगदू, 3 मई (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम थॉमस कप बैडमिंटन टीम अपने खिताब का बचाव नहीं कर पाई और क्वार्टर फाइनल में चीन से 1-3 से हार के साथ बाहर हो गई। महिला टीम का अभियान उबेर कप में जापान के हाथों 0-3 से हार के साथ समाप्त हो गया।

दो साल पहले थॉमस कप जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय टीम के एच एस प्रणय को दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी शी यू की के खिलाफ 66 मिनट के मुकाबले में 21-15, 11-21, 14-21 से हार मिली। सात्विक-चिराग की जोड़ी को दुनिया की नंबर जोड़ी लियांग वेई केंग और वांग चांग के हाथों 15-21, 21-11, 12-21 से हार मिली। युगल में जीत से चीन को 2-0 से बढ़त मिल गई। उसके बाद निगाह लक्ष्य पर थी, जिन्होंने निराश नहीं किया। अल्मोढ़ा के 22 साल के सेन ने दुनिया के छठे नंबर के ली शी फेंग को 13-21, 21-8, 21-14 से हराकर स्कोर 1-2 कर दिया लेकिन युगल में ध्रुव और साई की दुनिया की 11वें नंबर की रेन जियांग यू और ही जी टिंग से 10-21, 10-21 की हार के साथ भारत की उम्मीदें खत्म हो गईं।

उबेर कप में जापान ने 3-0 से हराया

इससे पहले उबेर कप में अश्मिता चालिहा और ईशारानी बरुआ के संघर्षपूर्ण खेल के बावजूद भारत की युवा महिला टीम को जापान के हाथों 0-3 से हार मिली। इस टूर्नामेंट में भारत की स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधू ने हिस्सा नहीं लिया था। बावजूद इसके भारत ने ग्रुप मैचों में कनाडा और सिंगापुर को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था। जापान के खिलाफ अश्मिता को अया ओहरी के खिलाफ 10-21, 22-20, 15-21 से हार मिली। बीस साल की ईशारानी दुनिया की पूर्व नंबर एक नोजोमी ओकुहारा से 15-21, 12-21 से हार गईं। युगल में प्रिया और श्रुति मिश्रा को दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी नामी मातसुयामा और चिहारू शिदा ने 21-8, 21-9 से हराया।

टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर हुए रिंकू सिंह को मिला कप्तान रोहित शर्मा का सहारा

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। भारत के युवा बल्लेबाज रिंकू सिंह को टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम में जगह नहीं दी गई है। फैंस और कई दिग्गज रिंकू सिंह की गैरमौजूदगी से हैरान है। रिंकू सिंह को 15 सदस्यीय टीम में मौका नहीं मिला है। हालांकि बोर्ड ने उन्हें रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर चुना है जो कि टीम के साथ अमेरिका जाएंगे।

आईपीएल में खेल रहे रिंकू सिंह को रोहित शर्मा का सहारा मिला। टी20 वर्ल्ड कप के लिए की गई प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद रोहित शर्मा ने रिंकू सिंह से मुलाकात की। रोहित के इस कदम की सराहना हो रही है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद रिंकू के पास पहुंचे रोहित

रोहित शर्मा ने गुरुवार को चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर के साथ टी20 वर्ल्ड कप के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इस कॉन्फ्रेंस के बाद वानखेड़े स्टेडियम गए जहां केकेआर की टीम अभ्यास कर रही थी। रोहित शर्मा यहां रिंकू सिंह से मिले और उनसे गंभीर बातें करते हुए नजर आए। रिंकू कप्तान रोहित की बात बड़े ध्यान से सुन रहे थे। रोहित का कदम सनराइजर्स हैदराबाद के पूर्व कोच टॉम मूडी को बहुत पसंद आया।

टॉम मूडी ने रोहित शर्मा को बताया शानदार कप्तान

टॉम मूडी ने कहा, 'यह शानदार लीडरशिप है। इससे यह पता चलता है कि आप कितने सच्चे हैं। जब किसी का सेलेक्शन हो जाता है तो उससे बात करना आसान होता है लेकिन जो टीम से बाहर हो गए हैं उन्हें समझाना आसान नहीं होता। इसलिए रोहित शर्मा को इतनी इज्जत मिलती है। वह शानदार लीडर है। उनके अंदर ऐसी खूबी है जो कप्तानों के लिए अहम है।'

रिंकू सिंह ने कुछ गलत नहीं किया

मूडी ने यहां यह भी कहा कि सेलेक्शन न होने में रिंकू सिंह की गलती नहीं है। यह टीम संयोजन की बात है। उन्होंने कहा, 'इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि रिंकू सिंह बाकी आईपीएल में कितने रन बनाते हैं। अजीत अगरकर बता चुके हैं कि रिंकू सिंह टीम के संयोजन में फिट नहीं बैठ रहे थे। अगरकर टीम में एक ऑलराउंडर को चाहते थे। उन्हें अक्षर को मौका देने से एक अतिरिक्त स्पिनर भी मिलेगा। '

युवा मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी चार भारतीय सेमीफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। भारतीय मुक्केबाजों मांदेंगबाम जादुमणि सिंह, निखिल, अजय कुमार और अंकुश ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर एएसबीसी एशियाई अंडर-22 और युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप के पुरुष अंडर-22 सेमीफाइनल में जगह बनाई।

जादुमणि ने 51 किग्रा के क्वार्टर फाइनल में भूटान के फुंटशो किनले को 5-0 से हराकर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई। निखिल (57 किग्रा) ने भी इसी तरह का दबदबा बनाया और उज्बेकिस्तान के बख्तियोरोव अयूबखोन को 4-0 से शिकस्त दी। अजय (63.5 किग्रा) और अंकुश (71 किग्रा) ने रेफरी के मुकाबले रोकने (आरएससी) पर अपने-अपने मुकाबले जीते। अजय ने मंगोलिया के दमदिंडोरज पी के खिलाफ पहले दौर में ही मुकाबला जीता, जबकि अंकुश ने कोरिया के ली जू सांग के खिलाफ तीसरे दौरे में जीत दर्ज की। आशीष हालांकि पुरुषों के 54 किग्रा क्वार्टर फाइनल में मंगोलिया के ओयुन एर्डेन ई के खिलाफ 2-3 से हार गए। बुधवार देर रात आर्यन (92 किग्रा), निशा (52 किग्रा), आकांक्षा फलसवाल (70 किग्रा) और रुद्रिका (75 किग्रा) ने युवा वर्ग में अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जीत दर्ज की थी।

ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी गिरोह का भंडाफोड़

चार आरोपी गिरफ्तार, 20 लाख रुपये बरामद

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। विश्वसनीय सूचना के आधार पर, एसओटी, एलबी नगर जोन टीम के अधिकारियों ने एलबी नगर पुलिस के साथ मिलकर एक क्रिकेट सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़ किया और चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों के पास से 20 लाख रुपए नकद जब्त किए, जबकि बैंक खाते में 3.85,000 रुपये फ्रीज किए। गिरफ्तार आरोपियों में थोंडालापल्ली कार्तिक रेड्डी, निवासी आरकेआर कॉलोनी, हस्तिनापुरम, काशीरेड्डी अभिषेक रेड्डी, निवासी प्लॉट निर्मला नगर कॉलोनी, करमनघाट, पथाकोटा यादगिरी, निवासी ज्योति नगर कॉलोनी, करमनघाट सरूर नगर, मायका राजवर्धन रेड्डी, निवासी वैशाली नगर, पोस्ट ऑफिस स्ट्रीट, चंपापेट शामिल हैं।

जबकि प्रवीण, निवासी नागोले, चैतन्य, निवासी खम्मम, मनोज, निवासी राजस्थान (मुख्य सट्टेबाज), संदीप रेड्डी, निवासी विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश (मुख्य सट्टेबाज) फरार हैं। गिरफ्तार आरोपी के. अभिषेक रेड्डी से 20 लाख रुपये बरामद किया गया है। इसी क्रम में 3,85,000 रुपये खाते में फ्रीज किया गया है। आईसीआईसीआई बैंक का यह खाता कोट्टा दयानंद रेड्डी का है। इस खाते का उपयोग कार्तिक रेड्डी द्वारा किया जाता था। पुलिस के अनुसार एक विश्वसनीय सूचना पर एलबी नगर जोन के विशेष अभियान दल (एसओटी) ने एलबी नगर पुलिस के साथ मिलकर एलबी नगर पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत आरकेआर कॉलोनी, हस्तिनापुरम के एक घर से उप-सट्टेबाज और तीन सट्टेबाजों को संयुक्त रूप से पकड़ा। आरोपी व्यक्ति एसआरएच बनाम आरआर आईपीएल 2024 चल रहे मैच के मद्देनजर लॉर्ड्स एक्सच डॉट कॉम साइट के माध्यम से ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा स्वीकार कर रहे थे और अवैध रूप से धन अर्जित कर रहे थे। आरोपियों की गिरफ्तारियां डॉ. तरुण जोशी, पुलिस आयुक्त, राचकोंडा की प्रत्यक्ष देखरेख में और चौ. प्रवीण कुमार, डीसीपी, एलबी नगर जोन के मार्गदर्शन में के. मुरलीधर, डीसीपी, एसओटी, एलबी नगर-महेश्वरम, एसओटी और उप्पल पुलिस कर्मियों द्वारा की गई।

होटल में लगी आग दम्पति झुलसे

रंगारेड्डी, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के चैतन्यपुरी पुलिस थाना क्षेत्र के मोहन नगर में शुक्रवार सुबह एक होटल में आग लग गई। घटना में दम्पति झुलस गए। उन्हें एक अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। आग लगने के वक्त होटल में 20 लोग मौजूद थे। पुलिस ने लोगों को बचाने के लिए सीढ़ियों का इस्तेमाल किया। अग्निशमन अधिकारी, एलबी नगर श्रीनैया के अनुसार शुक्रवार तड़के 3:30 बजे हमें मोहन नगर में श्री वेंकटेश्वर ओयो होटल में आग लगने की दुर्घटना के बारे में फोन आया।

होटल में 20 लोग थे। जब हम मौके पर पहुंचे तो भारी धुएं के साथ आग भड़की हुई थी। हम सीढ़ियों के जरिए लोगों को पहली मंजिल पर ले आए। हमने सीढ़ी लगाकर दूसरी मंजिल पर मौजूद लोगों को बचाया। घटना में दम्पति झुलस गये हैं। उन्हें अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।

बीआरएस एमएलसी को अयोग्य घोषित करने का आदेश

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने सुनाया फैसला

50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगा

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस को एक बड़ा झटका देते हुए तेलंगाना उच्च न्यायालय ने पार्टी के 2022 आदिलाबाद स्थानीय निकायों के एमएलसी डांडे विट्टल को अयोग्य घोषित करने का आदेश दिया है। विट्टल पर पर आरोप था कि उन्होंने अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी पट्टीरेड्डी राजेश्वर रेड्डी के जाली हस्ताक्षर किए थे और उन कागजात को जमा किया था।

गौरतलब हो कि बीआरएस द्वारा एमएलसी चुनाव में विट्टल को अपने आधिकारिक उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारने के बाद असंतुष्ट बीआरएस नेता राजेश्वर रेड्डी ने निर्दल प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया था। बाद में उन्हें पता चला कि उनका नामांकन पत्र वापस ले लिया गया है। जब उनको यह जानकारी हुई तब तक बहुत देर हो चुकी थी। बाद में उन्होंने एमएलसी के रूप में विट्टल को अयोग्य ठहराने की मांग करते हुए उच्च न्यायालय गए। उन्होंने आरोप लगाया कि विट्ठल ने उनके जाली हस्ताक्षर किए थे जिसकी वजह से उनका नामांकन वापस ले लिया गया था।

हाई कोर्ट ने शुक्रवार को विट्टल को एमएलसी पद से अयोग्य ठहराने का फैसला सुनाया। अदालत ने विट्टल पर 50,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। इस खबर से बीआरएस में खलबली मच गई है। उम्मीद है कि विट्टल अब सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। बता दें कि पहले भी कोत्तागुडेम बीआरएस के पूर्व विधायक वनमा वेंकटेश्वर राव, जिन्हें इसी तरह से अयोग्य ठहराया गया था, ने भी स्थगन आदेश प्राप्त करने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

हैदराबाद में 7 मई से बारिश का अनुमान

6 मई तक राज्य में लू का अलर्ट जारी

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। 10 दिनों से अधिक समय तक झुलसा देने वाले तापमान को झेलने के बाद हैदराबाद और आसपास के क्षेत्रों में भीषण गर्मी से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने संकेत दिया है कि हैदराबाद सहित राज्य में मौजूदा लू की स्थिति आगामी सप्ताह से कम होने वाली है।

हालांकि 6 मई तक राज्य में लू का अलर्ट जारी है, लेकिन उसके बाद महत्वपूर्ण बदलाव की उम्मीद है। 7 मई के बाद से तूफान और बिजली गिरने की चेतावनी का पूर्वानुमान लगाया गया है। 6 मई को भी भीषण गर्मी की भविष्यवाणी के साथ बिजली गिरने और तेज़ हवाओं का अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम के मिजाज में बदलाव का अनुभव करने के लिए हैदराबाद पूरी तरह तैयार है, 7 मई से बारिश होने की भविष्यवाणी की गई है। यह बदलाव 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बढ़ते तापमान से जूझ रहे निवासियों के लिए एक राहत के रूप में आया है। आईएमडी का पूर्वानुमान है कि बारिश शुरू होते ही हैदराबाद में तापमान 40 डिग्री से नीचे चला जाएगा। तब तक, हैदराबाद में अधिकतम तापमान 41 से 43 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। हालांकि, नारायणपेट, वानपर्ती, जोगुलम्बा गडवाल, नलगोंडा, सूर्यापेट, महबुबाबाद, हनुमाकोंडा, पेद्दापल्ली, करीमनगर, जयशंकर भूपालपल्ली, मनचेरियल, जगतियाल और कुमुराम भीम आसिफाबाद जैसे कुछ जिलों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से भी अधिक हो सकता है।

शुक्रवार को शहर के तापमान में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, दोपहर 3 बजे तक पारा 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। कुथबुल्लापुर में तापमान 44.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि नाचराम और मुशीराबाद में पारा पैमाने पर 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आसपास के जिलों में गर्मी बढ़ गई, मंचेरियल में हाजीपुर जैसे स्थानों पर तापमान 46.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

अशरफ ने उल्टे वर्णमाला टाइपिंग में बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद निवासी एसके अशरफ ने तीन सेकंड से भी कम समय में अंग्रेजी वर्णमाला को उल्टे क्रम में टाइप करने की उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करके गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल किया है। उसी का एक वीडियो क्लिप सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजी से वायरल हो रहा है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के इंस्टाग्राम हैंडल पर साझा किया गया यह वीडियो अशरफ की बिजली की तेजी से टाइपिंग कौशल को दर्शाता है। वह आसानी से कीबोर्ड पर जेड से ए तक टाइप करने में मात्र 2.88 सेकंड में पूरा करता है, और 3.71 सेकंड के मौजूदा गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ देता है। कथित तौर पर अशरफ के नाम दो और गिनीज विश्व रिकॉर्ड हैं जिसमें 'रिक्त स्थान के साथ ए से ज़ेड तक वर्णमाला टाइप करने का सबसे तेज़ समय' 3.37 सेकंड में, और 'रिक्त स्थान के साथ ए से ज़ेड तक आंखों पर पट्टी बांधकर वर्णमाला टाइप करने का सबसे तेज़ समय' 4.13 सेकंड में शामिल है।

वीआईपी ब्रेक दर्शन के लिए रद्द किए गए अनुशंसा पत्र

भीषण गर्मी के चलते ईओ ने लिया महत्वपूर्ण निर्णय

तिरुमला, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तिरूपति में टीटीडी प्रशासनिक भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में शुक्रवार को आयोजित मासिक डायल योर ईओ कार्यक्रम के दौरान ईओ एवी धर्म रेड्डी ने मई के महीने में भीषण गर्मी और अन्य त्योहारों को ध्यान रखते हुए कई अहम बातें कही। उन्होंने कहा कि हमने गर्मी की छुट्टियों में भारी भीड़ को देखते हुए वीआईपी ब्रेक दर्शन के लिए अनुशंसा पत्रों को रद्द कर दिया है, इसे केवल प्रोटोकॉल वीआईपी तक सीमित कर दिया है। उन्होंने कहा कि दर्शन के लिए कतार में लगने वाले दर्शनार्थियों के लिए लगातार भोजन, छाछ, पीने का पानी, नाश्ता और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही मंदिर की गलियों और उन सभी क्षेत्रों में जहां भक्तों की आवाजाही अधिक होती है, समय-समय पर जमीन पर पानी छिड़कने के अलावा सूरज की गर्मी से राहत के लिए छाया, शीतलक और कालीन प्रदान किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि हमने नारायणगिरि गार्डन और मंदिर के आसपास भक्तों के आराम के लिए अस्थायी शेड स्थापित किए हैं।

1 से 5 जून तक अकासा गंगा, श्री बेदी अंजनेय स्वामी, सेवेंथ माइल प्रसन्न अंजनेय के बालंजनेय स्वामी मंदिर में हनुमान जयंती उत्सव के अलावा 2 जून को धर्मगिरि में संपूर्ण सुंदरकांड अखंड परायणम का आयोजन, नाद नीरजनम मंच पर विशेष प्रवचन आदि कार्यक्रम होंगे। उन्होंने बताया कि तिरुमाला में 17-19 मई तक पद्मावती परिणयोत्सव मनाया जाएगा। 22 मई को तिरुमाला में मातृश्री तारिगोंडा वेंगमाम्बा जयंती आयोजित होगी। स्वर्ण रथम के जुलूस के साथ तिरुचनूर में 21 से 23 मई तक वार्षिक वसंतोत्सव का आगाज होगा। 23 मई को श्री कपिलेश्वर स्वामी मंदिर में पात्र पुष्प यज्ञ आयोजित किया गया है। 28 मई को स्वर्णरथम के जुलूस के साथ 27-29 मई तक श्रीनिवास मंगपुरम में वार्षिक वसंतोत्सव होगा। तल्लापका और तिरूपति में 23 मई को श्री तल्लापका अन्नमचार्य जयंती उत्सव आयोजित होगा। इस मौके पर जेईओ श्रीमती गौतमी, वीरब्रह्मम, सीईओ एसवीबीसी शनमुख कुमार, सीई नागेश्वर राव, एसई 2 जगदीश्वर रेड्डी और अन्य अधिकारी, एचओडी भी उपस्थित थे।

नकदी जब्ती ने बढ़ाई शराब व्यापारियों की चिंता

वैध व्यापार संचालन में आ रही बाधा

आयोग दे रहा अनुमति, दस्ते कर रहे जब्ती : राव

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है, शराब की दुकानों के मालिक खुद को संकट में आ रहे हैं, उन्हें शहर में अधिकारियों द्वारा बढ़ती जांच और नकदी जब्ती का सामना करना पड़ रहा है। शराब की दुकानों के मालिक नकदी जब्ती पर चिंता व्यक्त करते हैं, उनका तर्क है कि व्यावसायिक घंटों के बाद काउंटर से नकदी ले जाने के लिए राज्य चुनाव आयोग के अधिकारियों से आवश्यक अनुमति होने के बाद भी उनके वैध व्यापार संचालन में बाधा आती है।

कुछ शराब की दुकानों के मालिकों के अनुसार, बढ़ती निगरानी और बार-बार होने वाली जब्ती से न केवल उनके दैनिक कार्यों में बाधा आती है, बल्कि चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर भी सवाल उठते हैं। उनका तर्क है कि वे कानून का पालन कर रहे हैं और कानूनी व्यवसाय कर रहे हैं, लेकिन चुनाव अवधि के दौरान उन्हें गलत तरीके से निशाना बनाया जाता है। टीएस वाइन डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डी. वेंकटेश्वर राव ने कहा कि हमें दिन भर के कारोबार की नकदी अपने घरों तक ले जाने और बैंकों में जमा करने के लिए चुनाव आयोग से आवश्यक अनुमति मिल गई। हालांकि, चुनाव दस्ते नकदी जब्त कर रहे हैं।

खुदरा दुकानों के रूप में परिवर्तित होंगे पैक्स पेट्रोल बंक

40 से 50 लाख खर्च करके बनाया जाएगा आधुनिक

करीमनगर, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्र सरकार द्वारा थोक उपभोक्ताओं को दी जाने वाली सभी सब्सिडी खत्म करने के बाद से प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पीएसीएस) ने अपने पेट्रोल पंपों को खुदरा दुकानों में बदलने का फैसला किया है। पैक्स अधिकारियों ने नाबार्ड के सहयोग से प्रत्येक बंक पर लगभग 40 से 50 लाख रुपये खर्च करके पुराने और बंद ईंधन स्टेशनों को आधुनिक बनाने का निर्णय लिया है। अलग कमरे के अलावा जनरेटर, हवा भरने की मशीन, पानी, शौचालय समेत अन्य सुविधाएं भी दी जाएंगी।

जैसे ही केंद्र सरकार ने नियमित खुदरा बिक्री को स्वीकार किया, पेट्रोलियम कंपनियों की विशिष्टताओं को पूरा करने के लिए आधुनिकीकरण कार्य शुरू कर दिया गया है। मुस्तबाद मंडल में पोथगल और सुल्तानाबाद मंडल के चिन्ना कलवाला ईंधन स्टेशनों का काम अंतिम चरण में पहुंच गया है, शेष स्टेशनों पर काम अगले एक महीने की अवधि में शुरू किया जाएगा। करीमनगर, मेदक, हैदराबाद और अन्य जिलों में PACS द्वारा लगभग 55 फिलिंग स्टेशन संचालित हैं। पूर्ववर्ती करीमनगर जिले में 62 पैक्स की तुलना में अधिकांश 34 फिलिंग स्टेशन अकेले करीमनगर में हैं।

किसानों और पैक्स के सदस्यों को अपने गांवों से 10 से 20 किलोमीटर दूर जाने और डीजल और पेट्रोल प्राप्त करने के लिए भारी रकम खर्च करने के लिए मजबूर होना पड़ता था। इसका समाधान खोजने के लिए पैक्स ने केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय और केंद्र सरकार के अन्य अधिकारियों को अपने ईंधन स्टेशनों को खुदरा दुकानों में बदलने की इच्छा व्यक्त की। टीएससीएबी के अध्यक्ष कोंडुरु रविंदर राव, जो एनएएफएससीओबी के अध्यक्ष भी हैं, ने केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह को भी प्रतिनिधित्व दिया। प्रतिनिधित्व पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए केंद्र सरकार ने सभी थोक फिलिंग ईंधन स्टेशनों को खुदरा दुकानों में बदलने का अवसर दिया।

एयरपोर्ट पर पिंजरे में फंसा तेंदुआ

मशक्कत के बाद वन विभाग को मिली सफलता

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे (आरजीआईए) की भूमि में घुस आया भटका हुआ नर तेंदुआ आखिरकार गुरुवार की रात वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरों में से एक में फंस गया। रविवार को तेंदुआ भटककर हवाईअड्डे की जमीन में घुस गया था। आरजीआईए के निगरानी कैमरों ने तेंदुए की हरकत की तस्वीरें कैद कीं। वन विभाग सतर्क हो गया और तदनुसार अधिकारियों द्वारा उपाय तेज कर दिए गए। मौजूदा दो पिंजरों के अलावा, अधिकारियों द्वारा तीन और पिंजरे लगाए गए थे। प्रत्येक पिंजरे में तेंदुए के लिए चारे के रूप में एक बकरी डाली गई थी। गुरुवार देर रात वन विभाग के अधिकारियों की मेहनत रंग लाई और तेंदुआ एक पिंजरे में फंस गया। रंगारेड्डी डीएफओ सुधाकर रेड्डी ने कहा कि ज़ू पार्क की एक टीम तेंदुए के स्वास्थ्य की जांच करेगी और आवश्यकता पड़ने पर उपचार का विस्तार करेगी। तेंदुए की स्वास्थ्य स्थिति का पता लगाने के बाद उच्च अधिकारी इस बात पर चर्चा करेंगे कि इसे किस स्थान पर छोड़ा जाए?

8 दिन पहले टिकट बुक करो, आरक्षण शुल्क माफ

टीएसआरटीसी की पहल से यात्रियों को होगा लाभ

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) ने शुक्रवार को लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एक खुशखबरी दी है।

टीएसआरटीसी अब 8 दिन पहले टिकट बुकिंग करने पर आरक्षण शुल्क माफ करने की घोषणा की है। टीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जनार ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि 8 दिन पहले लंबी दूरी के यात्रियों के लिए टिकट बुकिंग करने पर टीएसआरटीसी आरक्षण शुल्क में माफ करेगी। बसों में अग्रिम आरक्षण के लिए वेबसाइट का प्रयोग कर सकते हैं।

सार्वजनिक परिवहन निकाय ने तीर्थयात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए हैदराबाद, सिकंदराबाद और रंगा रेड्डी क्षेत्र से आंध्र प्रदेश के श्रीशैलम में श्री भ्रामरांबा मल्लिकार्जुन स्वामी अम्मावरुला देवस्थानम तक बस सेवाओं और आवृत्ति को बढ़ाने की योजना बनाई है। ये बसें एमजीबीएस, जेबीएस, बीएचईएल और शहर के अन्य स्थानों से शुरू होंगी, बसें लगभग हर आधे घंटे में प्रस्थान करेंगी। सेवा एमजीबीएस से सुबह 3:30 बजे शुरू होगी और रात 11:45 बजे तक जारी रहेगी, जिससे तीर्थयात्रियों को पूरे दिन और रात में यात्रा के विस्तारित विकल्प मिलेंगे।

झोलाछाप डॉक्टर के क्लीनिक पर छापा

1.6 लाख रुपये की दवाएं जब्त

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अयोग्य चिकित्सकों (नीम-हकीमों) के खतरे को रोकने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए तेलंगाना राज्य औषधि नियंत्रण प्रशासन (टीएसडीसीए) ने साई नगर, उत्तरी लालागुडा, तुकारामगेट में वायु क्लिनिक पर छापेमारी की।

यह क्लिनिक एक झोलाछाप डॉक्टर पी वेंकटेश्वर रेड्डी द्वारा संचालित किया जा रहा था। तुकारामगेट पुलिस स्टेशन में रेड्डी के खिलाफ आईपीसी की धारा 419 और धारा 420 (धोखाधड़ी) के तहत एक पुलिस मामला दर्ज किया गया है, साथ ही एंटीबायोटिक्स, स्टेरॉयड, एनाल्जेसिक, एंटी-अल्सर दवाओं और दवाओं सहित लगभग 44 विभिन्न प्रकार की दवाओं को जब्त कर लिया गया है, जो कि भारतीय रेलवे के लिए थे। क्लिनिक से जब्त दवाओं का पूरा स्टॉक 1.6 लाख रुपये का था।

श्रीवारी मंदिर में भाष्यकार उत्सव की शुरुआत

तिरुमला, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमाला में शुक्रवार को श्रीवारी मंदिर में भाष्यकार उत्सव की भव्य धार्मिक शुरुआत हुई। यह उत्सव 19 दिनों तक मनाया जाएगा और श्री भाष्यकारला सत्तुमोरा 12 मई को आयोजित किया जाएगा। भगवत रामानुजाचार्य ने विशिष्टाद्वैत सिद्धांत के आधार पर मीमांसा ग्रंथ पर 'श्रीभाष्यम' नामक भाष्य लिखा, इसीलिए उनका नाम भाष्यकार रखा गया। श्रीवारी मंदिर में हर साल अरुद्र नक्षत्र के आगमन पर, जिस दिन श्री रामानुज का जन्म हुआ था, भाष्यकारला सत्तुमोरा मनाया जाता है। भाष्यकार उत्सव के पहले दिन शुक्रवार की सुबह श्रीवारी मंदिर में पहली घंटी बजने के बाद मंदिर की चार माडा सड़कों पर सोने की तिरुचि पर श्री रामानुज की शोभा यात्रा निकाली गई। इस अवसर पर जीयंगरों ने दिव्य प्रबंध गोष्ठी का आयोजन किया। परमपूज्य पेद्दा जीयर स्वामी, तिरुमाला के परमपूज्य चिन्ना जीयर स्वामी, मंदिर के अधिकारी भी उपस्थित थे।

|| श्री गणेशाय नमः ||

मारु सेन समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद के तत्वावधान मे

तेरहवां भव्य जागरण एवं सेनजी महाराज जन्मोत्सव-2024

:कार्यक्रम: * कल जागरण दि.05 मई 2024 प्रातः 8 बजे से *

(भजन गायकार: रविन्द्रसिंह राजपुरोहित)

*सेन जयंती कार्यक्रम एवं महाप्रसादी दि. 05 मई 2024 प्रातः 12.05 बजे से *

:शुभस्थल: जगदीश मंदिर, लॉवर टैंकबंड, हैदराबाद

: निवेदन : समाज बन्धुओं से नम्र निवेदन है कि विज्ञापन को आमंत्रण मानकर कार्यक्रम मे सपरिवार समयपर पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे

:निवेदक:

मारु सेन समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद के समस्त सदस्यगण

अध्यक्ष : श्री हनुमानराम तंवर Ph.No. 9618240231

उपाध्यक्ष : श्री नरेन्द्र कंटालिया Ph.No. 7981385114

Contact: 9849351230, 9000309375, 7680038641

P.Solankey

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.